

प्रापिकार से प्रकासित PUBLISHED BY AUTHORITY

e 23

न**ई क्लि**ज़ी, शनिवार, जून 8, 1985/ज्येष्ठ 18, 1907

No. 231

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 8, 1985/JYAISTHA 18, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सकते

Separate Paging is given to this Part in order that if may be filed as a separate compilation

भाग II—वण्ड ३—उप-वण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मण्डालय को छोड़कर) भारत सरकार के मण्डालयों द्वारा जारी किये गये सोविधिक आदेश और अधिसूचनाएं Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) नई दिल्ली, 20 मई, 1985

सूचना

का. आ. 2486.—नोटरीज नियम 1956 के नियम 6 क अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दो जाती है कि श्री ईशवर दत्त गर्मा, एडवोकेट, 5547, त्यू चन्द्रावल, सब्जी मंडी, विल्ली-7 ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए विया जा रहा है कि उसे दिल्ली ध्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

 उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्त पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[मं॰ 5(12)/85-स्या॰]

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(Department of Legal Affairs)
New Delhi, the 20th May, 1985

NOTICE

- S.O. 2486.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Ishwar Datt Sharma, Advocate, 5547, New Chandrawal, Subzi Mandi, Delhi 11007 for appointment as a Notary to practise in Delhi.
- 2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(12)|85-Judf.]

नई विल्ली 24 मई, 1985

सुचना

का. आ. 2487:-नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6क अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री रामकृष्ण सत्य एडवोकेट अलकर, राजस्थान ने उक्त प्राधिकारी की उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक

आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे अलवर (जिला) व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया आए।

2. उक्त ध्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखिस रूप में मेरे पास भेजा जाए।

> [सं. 5 (13)/85-न्या.] एस॰ गुप्तु॰, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 24th May, 1985

NOTICE

- S.O. 2487.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Ram Krishan Satya, Advocate, Alwar, (Rajasthan) for appointment as a Notary to practise in Alwar District.
- 2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(13)[85-Judl.] S. GOOPTU, Competent Authority.

(विधायी विभाग)

नई दिल्ली, 31 मई, 1985

श्चि-पन्न

का॰ ग्रा॰ 2488: — भारत सरकार के विधि और न्याय मंत्रालय के विधायी विभाग की ग्रिधियुचना --

- (1) सं० का० ग्रा० 71(ग्र) तारीख 31 जनवरी
 1985 जो भारत के राजपत ग्रसाधारण भाग
 2 खंड 3 उपखंड (ii) तारीख 31 जनवरी
 1985 में प्रकाशित हुई है की घोषणा में,
 राजपत्र के पृष्ठ सं० 2 पर निर्वाचित ग्रभ्यथी
 के नाम और पता के बाब "जो भारतीय
 राष्ट्रीय कांग्रेस (ई) बारा खंडे किए गये हैं"
 एक्द अंतः स्थापित किए जाएगें;
- (2) सं० का०आ० 108(भ) तारीख 11 फरवरी
 1985 जो भारत के राजपत असाधारण भाग 2
 खंड 3 उपखंड (II) तारीख 11 फरवरी 1985
 में प्रकाशित हुई है की घोषणा में राजपत्न के
 पृष्ठ सं० 2 पर निर्वाचित अभ्यर्थी के
 नाम और पता के बाद " जो भारतीय राष्ट्रीय
 कांग्रेस (ई) द्वारा खंडे किए गये हैं" णब्द अतः
 स्थापित किए जाएगें;
- (3) सं० का० ग्रा० 187(ग्र) तारीख 12 मार्च 1985 जो भारत के राजपत्र असाधारण भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 12 मार्च

1985 में प्रकाशित हुई है कि-

- (i) घोषणा (1) में राजपत के पृष्ठ मं०

 1 पर निर्वाचिन ग्रभ्यर्थी के नाम और

 पता के बाद "जो भारत की कम्यनिस्ट

 पार्टी (मार्कसवाबी) द्वारा खड़े किए, गये

 हैं " शब्द ग्रतः स्थापित किए, जाएगें;
 और
- (ii) घोषणा (2) में राजपत्र के पृष्ठ सं०.

 1 पर निर्वाचित प्रभ्यर्थी के नाम और

 पता कें बाद "जो भारत की कम्युनिष्ट

 पार्टी (मार्कसवादी) द्वारा खडे किए गये
 हैं" शब्द अंतः स्थापित किए जाएगे।

[फ॰ सं॰ 13(1)/85-वि॰ ii] एच॰ सी॰ सुमन श्रवर सचिव

(Legislative Department)

New Delhi, the 31st May, 1985

CORRIGENDA

- S.O. 2488.—In the Min'stry of Law and Justice, Legislative Department's notification,—
 - S.O. No. 71(E), dated 31st January, 1985, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 31st January, 1985 at page 3,—
 - (i) in the declaration, after the name and address of the elected candidate, the words, "sponsored by Indian National Congress (I)" shall be inserted;
 - (ii) in the concluding line of the said declaration, the words, "having become vacant" shall be omitted.
 - (2) S.O. No. 108(E), dated 11th February, 1985, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, section 3, sub-section (ii), dated the '1th February, 1985, at page 3,—
 - (i) in the declaration, after the name and address of the elected candidate, the words, "sponsored by Indian National Congress (I)" shall be inserted; and
 - (ii) In the concluding line of the said declaration, the words, "having become vacant" shall be omitted.
 - (3) S.O. No. 187(E), dated the 12th March, 1985, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, section 3, sub-section (ii), dated the 12th March, 1985, at page 2,—
 - (i) in declaration (1), after the name and address of the elected candidate, the words, "sponsored by Communist Party of India (Marxist)" shall be inserted; and
 - (ii) in declaration (2), after the name and address of the elected candidate, the words," sponsored by Communist Party of India (Marxist)" shall be inserted.

[F. No. 13(1)/85-Leg. II] H. C. SUMAN, Under Secy.

विस मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 18 ग्रप्रैल, 1985

(अ।य हर)

का प्रा 3489 -- इस कार्यालय की दिनांक 12 मार्च, 82 की प्रिध्यूचना मं 4514 (फा स. 203/295/80-आ. क. नि.-II) के सिलसिलों में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एत्द्रारा अधिसूचित किया जाता है कि विहिन प्राधिकारी, प्रार्थान् विज्ञान और प्रीयोगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को ध्रायकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पटिन ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनों के लिए ध्रस्य प्राकृतिक तथा धनुप्रमुक्त विज्ञानों के कील में "संगम" प्रवर्ग के ध्रधान निम्नलिखित कर्ती पर धनुमोदित किया है, धर्यातृ:---

- ग यह कि जगवाले साइटिफिक रिसर्च फाइडेगन, बगलौर, वैज्ञानिक भनुसंधान के लिए उसके द्वारा प्राप्त राशियो पृथक लेखा रखेगा।
- 2. यह कि उक्त फाउंडेशन श्रपने वैज्ञानिक श्रमुसक्षान संबंधी किया-कलापों की वाधिक विवरणी, विहित प्राधिकारी की प्रस्थेक विसीय वर्ष के सबंध मे प्रति वर्ष 30 श्रप्रैण तक ऐसे प्रस्प में प्रस्तुत क⁷णी जो इस प्रयोजन के लिए प्रधिकथित किया जाए भीर उसे सुचित किया जाए।
- 3. यह कि उन्त फाउक्षेणन प्रपत्ती कुल श्राय तथा व्यय दर्गात हुए प्रपत्ते सपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा प्रपत्ती परिसंपत्तियां, वेत-वार्त्या दर्गाते हुए तुलन-पत्न की एक-एक प्रति, प्रतिवर्ष 30 जून तक विहित प्राधिक। री को प्रस्तुत करेगी तथा इत यस्तावेजों में से प्रस्येक की एक-एक प्रति संबंधित ग्रायकर ग्रायक्त को भेजेगा।
- 4. यह कि उक्त सन्या प्रनुमोदन की समाप्ति के 3 महीने पहले समाविध बढ़ाने के लिए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, विक्त मंजालय, राजस्व विभाग नई विस्ली को दरख्वास्त देगा। प्रमुमोदन की समाप्ति की तारीख के बाव प्राप्त दरख्वास्त रह कर वी आएगी!

सस्था

''जगदाले साइटिफिक रिसर्च फाउडेशन, सर्पामी टैंक रोड, बगलीर। यह प्रधिसूचना 7-2-1985 से 31-3-1988 तक की भवधि के लिए प्रभावी है।

[म. 6199/फा. स 203/45/85-मा. क.नि. II]

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue) New Delhi, the 18th April, 1985 (Income Tax)

S.O. 2489.—In continuation of this Office Notification No.4514 (F.No.203/295/80-ITA.II) dated the 12th March, 1982, in is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Science & Technology, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (thirty five/one/two) of the Income-tax Alles, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" in the area of other natural and applied sciences subject to the following conditions:—

- (i) That the Jagdale Scientific Research Foundation, Bangalore will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (u) That the said Foundation will furnish annual reurns of its scientific research activities of the Prescribed Authority for every financial years in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.

(iii) That the said Foundation will submit to the prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.

(iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Application received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"Jagdale Scientific Research Foundation, Sampangi Tank Road, Bangalore".

This notification is effective for a period from 7-2-1985 to 31-3-1988.

[No. 6199/F. No. 203/45/85-ITA, II]

नई बिल्ली, 23 अप्रैल 1985

(आयकर)

का.आ. 2490 -- इस के सिलसिले मे, सर्वसप्धारण की जानकारी के लिए एतद द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात विज्ञाम भीर प्रीदयौगिकी विभाग नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम 1962 के नियम के 6 के साथ पठित आयकर अधिनिम 1961 की क्षारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनीं के लिए अन्य प्राकृतिक भीर अनुप्रयुक्त विज्ञानों के क्षेत्र में संस्था प्रवंग के अधीन निम्नसिखित कार्ती पर अनुभोवित किया है, अर्थात:--

- (1) यह कि मूर स्मारक मण्डल, कमला नगर, आगरा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उम्के द्वारा प्राप्त राश्चियों को पृथक लेखा रखेगा ।
- (2) यह कि उक्त संस्था अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया-कलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी।को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूप में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
- (3) यह कि उक्त सस्या अपनी कुल आय स्था व्यय प्रशांते हुए अपने संपरीक्षित नाजिक लेखां की तथा अपनी परिसंपत्तियां देनदारियां दशति दुए तुलन-पन्न की एक-एक प्रति, प्रतिवर्षे 30 जून तक विष्टिन प्राधिकारी को प्रस्पुत करेगी तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगी ।
- (4) यह फि उक्त संस्था अनुशंदन की सम। एत के तीन मास पहले केन्द्रीय प्रतक्ष कर बोर्ड राजस्य विभाग विक्त मंत्रालय नई दिल्ली को सीर अविध महाने के लिए आवेदन करेगी। अनुभोदन की समाप्ति के बाद प्राप्त प्रार्थमा पन्न को रद्व किया प्रासकता है।

संस्था

'सूर स्मारक मण्डल, कमला नगर, आगरा"

यह अधिमूजना विनांक 16--2-1985 से 31-3-1986 तक की अविधि के लिए प्रभावी है।

[सं, 6302 (फा.सं. 203/216/84-अप.क. मि-I]

New Delhi, the 23rd April, 1985

INCOME-TAX

S.O. 2490,—It is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Science & Technology, New Delhi, the Prescribed Authority for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty five|one|three) of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Institution" in the area of other natural and applied sciences subject to the following conditions:—

- (i) That the Sur Smarak Mandali, Kamia Nagar, Agra will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (u) That the said institution will furnish annual returns of its scientific research activities to the prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (in) That the said Institution will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its asses liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Institution will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are libable be rejected.

INSTITUTION

"Sur Smark Mandal, Kamla Nagar, Agra".

This Notification is effective for a period from 16-2-1985 to 31-3-1986.

No. 6202|F.No. 203|216|84-ITA.II|

का०आं० 2491.—हस कार्यालय की दिनांक 22 प्रगस्त, 1979 की प्रक्षि सूचना सं. 2976 (का. सं. 203/65/79-प्रा. क. नि.-11 के सिलसिले में सर्वेमाधारण की जानकारी के लिए एतव्दारा प्रधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, प्रधान विकाम और प्रीधोगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को भायकर नियम 1962 के नियम 6 के साम् पठित प्रायकर पिंधनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के संद (ii) के प्रयोजनों के लिए धन्य प्राकृतिक नथा धनुप्रयुक्त विकानों के क्षेत्र में मंस्था प्रवर्ग के प्रधीन निम्नलिखित महीं पर धनुमोदित किया है, स्वर्षात:—

- यह कि कृष्णामूर्ति फाउण्डेशन इंडिया, मद्रास वैद्यानिक धनुसंधान के लिए उस के द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- 2. यह कि उस्त संस्थान अपने वैशानिकों अनुसंदान संबंधी क्रियाकलापो की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक विश्वीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 प्रप्रैल, तक ऐसे प्रदर्भ मं प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए प्रक्षिकथित किया जाए और उसे सुधित किया जाए।
- 3. यह कि उक्त सस्थान अपनी कुल माय तथा क्या दर्शाते हुए मपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा भपनी परिसंपित्तयां, देनवारियां वर्शाते हुए तुलन-पन्न की एक-एक प्रति, प्रतिवर्ष 30 जून तक विहिन प्राप्तिकारी को प्रस्तुत करेगी तथा इन वस्तावेजो में में प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित भायकर अः युक्त को भेजेगा।
- 4, यह कि उनत संस्थान धनुभोदन की ममाप्ति के तीन मास पहले केन्द्रीय प्रश्यक्ष कर बोर्ड, राजस्य विभाग, विस मंत्रासय, नई दिस्सी को धौर धनिश्च बढ़ाने के लिए धनिदन करेगा। धनुमोदन की ममाप्ति के बाद प्राप्त प्रार्थनायल को रह किया जा सकता है।

सस्या

"कृष्णामूर्ती फाउण्डेशन इंकिया, वसन्त विहार, महास 600028' यह ग्रीम्पुणना दिनांक 1-4-1982 31-12-1985 तक की श्रवशि के लिए प्रभावी है।

[स. 6203 (फा. स. 203/59/85-मा. क. मि. II)]

S.O. 2491.—In continuation of this office Notification No. 2976 (F. No. 203|65|79-ITA. II) the dated the 22nd August, 1979, it is hereby notified to general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Science & Technology, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (iii) of sub-sect on (1) of Section 35 (Thirty five|One|Three) of the Income-ax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Institution" in the area of other natural and applied sciences subject to the following conditions:—

- (i) That the Krishnamurti Foundation India, Madras will maintain a separte account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Institution will submit to the Proscribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets liabilities with a capy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Institution will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension, Application received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"Krishnamurti Foundation India, Vasant Vihar, Madras-600028".

This Noification is effective for a period from 1-4-1982 to 31-12-1985.

[No. 6203 (F. No. 203 59 85-ITA.H)]

- क्स. भा. 2492.— इस कार्यालय की दिनांक 9 भवतूथर, 1978 की अधिसूचना सं. 2541 (फा. सं. 203/110/78-मा. क. नि.-II के सिल्मिले में, सर्वेसाधारण की जानकारी के लिए एतद्धारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, भर्यात् विकान भीर प्रौद्योगिकी विभाग, नई विल्ली ने निम्मिलिखित संस्था को भायकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित भायकर भिर्मियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनों के लिए भन्य प्राकृतिक तथा अनुप्रयुक्त विकानों के कील में "संस्था" प्रवर्ग के भ्रधीन निम्नलिखित शर्तों पर भ्रमुमोवित किया है, भर्यात्:—
 - यह कि रिसर्च एंड डाक्युमेंटेशन सेटर इन सोशल वैल्फेयर एंड डिवलेपमेंट, बस्बई वैज्ञानिक घनुसधान के लिए उसके द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
 - 2. यह कि उक्त संस्थान प्रपते वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी जियाकलायों की सार्थिक विवरणी, विहिन प्राधिकारीं की प्रत्येक विश्तीय धर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल, तक ऐसे प्ररूप में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रमोजन के लिए अधिकियत किया जाए भीर उसे सुचित किया जाए।
 - 3. यह कि उक्त संस्थान प्रपत्नी कुल धाय तथा व्यय वणिते हुए प्रपत्ने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा प्रपत्नी परिसंपत्तियां, देनदारियां वर्षाते हुए तुलन-पन्न की एक-एक प्रति, प्रतिवर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगी तथा इन दस्तावेजों में से प्रस्येक की एक-एक प्रति संबंधित धायकर धायकर को भेजेगा।
 - 4. यह कि उक्त संस्थान ग्रमुमोवन की समाध्ति के तीन मास पहले केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, राजस्य विभाग विल मंझालय नई दिल्ली को भीर भवंधि बढ़ाने के लिए मानेदन करेगा। ग्रमुमोवन की समाध्ति के बाव प्राप्त प्रार्थेनापत को रह किया जा सकता है।

सस्या

"रिमर्च एंड डाक्युमेंटेशन सेटर इन सोशल बैल्फेयर एड डिवलैपमेट, वादाभाई नारौजी रोड, बम्बई

यह घछिसूचना दिनांक 1-4-1981 31-3-1987 तक की ग्रवधि के लिए प्रभावी है।

[म. 6204 (फा. सं. 203/164/84-मा.फ.नि.][)]

S.O. 2492.—In continuation of this Office Notification No. 2541 (F. No. 203|110|78·1TA II) dated the 9th October, 1978, it is hereby notified for general informat on that the Institution mentioned below has been approved by Department of Science and Technology, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (iii) of of sub-section (1) of Section 35 (Thirty five/One/Three) of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Institution" in the area of other natural and applied sciences subject to the following conditions:—

- (i) That the Research and Documentation Central in in Social Welfare and Development, Bombay will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing ist assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Incometax
- (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi 3 months in advance be-fore the expiry of 'the approval for further extension. Application received after the date of expiry if approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"Research and Documentation Centre In Social Walfare and Development, Dadabhai Naroji Road, Bombay.

This Notification is effective for a period from 1-4-1981 to 31-3-1987

[No. 6204(F. No. 203|164|84-ITA.II)]

का. या. 2493..—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्दारा प्रशिक्ष्मित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् विकान प्रीर प्रीक्षोनिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्निलिखित संस्था को प्रायकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर प्रधिनियम, 1961 की आरा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनों के लिए भ्रष्य प्राकृतिक तथा भनुप्रयुक्त विकानों के क्षेत्र में "संगम" प्रवर्ग के अधीन निम्निलिखित सर्ती पर भनुभोदित किया है, प्रथित :—

- यह कि लाल चन्द एग्री रिसर्च इंस्ट्ट्यूट, नई दिल्ली, वैज्ञानिक प्रमुखंधान के लिए उसके द्वार, प्राप्त राशियों का प्रथक लेखा रहेगा।
- 2. यह कि उक्त संस्थान अपने वैक्वानिक मनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्मेक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 धप्रैल, तक ऐसे प्रस्प में प्रस्पुन करेगी जो इस प्रयोजन के लिए घधिकथित किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
- 3- यह कि उक्त संस्थान प्रपत्नी कुल प्राय तथा व्यय दशित हुए प्रपत्न संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा प्रपत्नी परिसंपत्तियां, देनचारियां दशीत हुए तुलन-पन्न की एक-एक प्रति, प्रतिवर्ष 30 जून तक

विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगी तथा इन दरतारेजों में से प्रस्येक की एक-एक प्रति सबधित ग्रायक्त ग्रयुत्त को भेजेगा।

यह कि उक्त संस्थान प्रमुमोदन की समाप्ति के तीन मास पहले केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोड, राजस्व विभाग वित्त मंत्रालय, नई दिस्ती को और श्रवधि बढ़ाने के लिए श्रावेबन करेगा। श्रनुमोदन की समाप्ति के बाद प्राप्त प्रार्थना पन्न को यह किया जा सकता है।

स स्था

ंलाल चन्द एग्रो रिसर्च इम्ट्टियूट, ग्रेटर कैलाग्र-II, नई दिल्ली

यह प्रधिसूचना दिनांकः 16-2-1985 से 31-3-1986 तक की प्रविधि के लिए प्रधावी है।

[村、6205 (年)、村、203/173/84-知)、年、行、[[]

S.O. 2493.—It is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Science & Technology, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of Section 35 (Thirty five/one/two) of the Income tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" in the area of other natural and applied sciences subject to the following conditions:—

- That the Lal Chand Agio Research Institute, New Delhi will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets and liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Incometax.
- (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Application received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"Lal Chand Agro Research Institute, Greater Kailash-II, New Delhi"

This Notification is effective for a period from 16-2-1985 to 31-3-1986.

[No. 6205 (F. No. 203/173/84-ITA. II)]

नई दिल्ली, 8 मई, 1985

का॰ आ॰ 2494. — इस कार्यालय की दिनांक 29-6-1983 की अधिसूचना सं॰ 5299 (फ़ा॰सं॰ 203/31/78-आ॰क॰ नि॰ II के सिलसिले में सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्द्वारा अधिसूचिन किया जाता है कि विहिन प्राधिकारी, अर्थान् विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्म-लिखित संस्था की आयकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए अन्य

प्राक्तिक तथा अनुप्रयुक्त विज्ञानों के क्षेत्र में "संगम" प्रवर्ग के अधीम निम्नलिखित मतौं पर अनुमोदित किया है अर्थात्.—

- 1. यह कि पत्प एण्ड पेक्स विसर्व इंस्टिट्यूट, रायगढ़ उड़ीसा वैज्ञानिक प्रमुसंधान के लिए उसके द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रहेगा।
- 2. यह कि उबत संस्थान श्रपने वैज्ञानिक श्रनुसंधान संबंधी कियाक्नापों की वाविक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक विक्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूप में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए श्रधिकथित किया जाए और उसे मुचित किया जाए।
- 3. यह कि उक्त पल्प एण्ड पेपर रिसर्च इंस्टिट्यूट उड़ीसा अपनी कुल आय तथा व्यय दर्णाते हुए अपने संपर्वाक्षित वाधिक लेखों की सथा अपनी परिसंपत्तिया, देनदारियां दर्णाते हुए सुलन-पत्न की एक एक प्रति, प्रतिवर्ग 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगी तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एवा प्रति संबंधित आयकार आयुत्त का भेजेगा।

संस्था

पत्प एण्ड पेपर रिसर्च इंस्टिट्यूट, रायगढ़ उडीसा
यह श्रिधसूचना 1-4-1984 से 31-3-1985 तक एक
वर्ष की श्रवधि के लिए प्रभावी है।
[मं० 6217 (फ़ा० सं० 203/119/84-आ०कार्गान० 11]

S.O. 2494—In continuation of this office Notification No. 5299 (F. NO. 203|31|78-I T A. II) dated 29-6-83, it is hereby notifified for general information that the institution mentioned below has been approved by Department of Science and Jechnology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the purposes of the Income-tax Act, 1961 lead with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" in the area of other natural and applied sciences subject to the following conditions:—

- (i) That the Pulp and Paper Research Institute, Raigada, Orissa will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the Pulp and Paper Research Institute, Raigada, Orissa will submit to the prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.

INSTITUTION

Pulp and Paper Research Institute, Raigada, Orissa. This notification is effective for a period of one year from 1-4-1984 to 31-3-1985.

[No. 6217 (F. No. 203,119]84-JTA-II)]

नई विल्ली, 13 मई, 1985

(अध्यक्तर)

का. आ. 2495: इस कार्यालय की दिनांक 25-3-1981 की अधिसूचना मं. 203 / 227/80 आ. का. ति.-II के सिलसिले में, सर्वसाधारण की जानकारो के लिए एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारों, अर्थात विज्ञान और प्रोद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्मलिखित संस्था को आयकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (II) के प्रयोजनों के लिए अन्य प्राकृतिक नया अनुप्रयुक्त विज्ञानों के क्षेत्र में "संगम" प्रवर्ग के अर्धान निम्मलिखित णर्नों पर अनुमोदित किया है, अर्थात:—

- यह कि एस्पी कृषि अनुसंधान और विकास फाउंडेणन वैज्ञानिक अनुसंधानों के लिए उसके द्वारा प्राप्त राणियों का पृथक लेखा रहेगा।
- 2 यह कि उक्त संगम अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कियाक्नलापों की वाधिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के सेंबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल, तक ऐसे प्ररूप में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किया जाए और उसी मुचित किया जाए।
- 3. यह कि उक्त संगम अपनी कुल आय तथा व्यय दणित हुए अपने सपरीक्षित वाणिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तियां, देनदारियां दर्णाते हुए तुलन-पन्न की एक-एक प्रति, प्रतिवर्ण 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगी तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्यक को एक-एक प्रति संबंधित आयकर आयक्त को भेजेगा।
- 4. यह िक उक्त सगम अनुमोदन की समाप्ति के 3 महीने पहले समयाविध बढ़ाने के लिए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, विस्त मंद्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली को आवेदन करेगा। अनुमोदन की समाप्ति की तारीख के बाद प्राप्त आवेदन पत्र रस्व कर दिया जाएगा

संस्था

''एस्पो। कृषि, अनुसंधान और विकास फ़ाउडेणन, बी. जे. पटेल कस रोड न.-1, मलाड, बम्बई-400064

यह अधिसूचना 1-4-1984 से 31-12-1985 तक की अर्वाध के लिए पभावी है।

> [सं. 62 19 (फ़ा. सं. 205 / 10 / 85-आ, स. नि.II] गिरोश दक्षे, अवर संधिष

New Delhi, the 13th May, 1985

INCOME-TAX

S.O. 2495.—In continuation of this office Notification No. 3972 (F. NO. 203|227|80-ITA. II) dated 23-5-1981, it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Department of Science & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" in the area of other natural and applied sciences subject to the following conditions:—

- (i) That the Aspee Agricultural Research & Development Foundation will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissiooner of Income-tax.
- (iv) That the said Association will apply to C.B.D.T., Ministry of Finance, Deptt. of Revenue, New Delhi 3 months in advance before the expiry of the approval, for further extension. Application received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

Aspee Agricultural Research & Development Foundation B.J. Patel Cross Road, No. 1, Malad, Bombay-400064

This notification is effective for a period from 1-4-1984 to 31-12-1985.

[No. 6219 (F. No. 203/70/85-ITA, II] GIRISH DAVE, Under Secy.

नई विल्ली, 1 मई, 1985

(आयकर)

का. आ. 2496.-आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त मिन्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनदद्वारा, उक्त ध.रः के प्रयोजनार्थ, "श्री धर्म मास्ता उत्सव ट्रस्ट" करणधाकर-निर्धारण थर्षे 1984-85 से 1985-87 के अतंगत आमे वाली अवधि के लिए अधिस्चित करती है।

> [सं. 6211 (फा.सं. 97/48/85-आ.क. नि.-1)] आर. के. सिवारी, अवर सचिव

New Delhi, the 1st May, 1985

(INCOME-TAX)

S.O. 2496.—In exercise of the powers conferred by subclause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby Notifie, "Sree Dharma Sastha Utsavam Trust" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1984-85 to 1986-87.

[No. 6211 F. No. 197/48/85-IT (AI)]

R. K. TEWARI. Under Secy.

नई दिल्ली, 15 मई, 1985

आदेश

स्टाम्प

का. आ. 2497-भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (i) के खंड (क) द्वारा प्रदन्त गिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड द्वारा केवल बारह कराड रुपये के मूल्य के प्रामिसरी नोटों "आई. डी बी. आई. ऋण 12.00 करोड़ रुपये (1985 प्रथम श्रृखला" के रूप में जारी किए जाने वाले बन्ध पत्नों पर उक्त अधिनियम के रीत प्रभार्य है।

[म 22/85-स्टाम्प-फ़ा. सं. 33/15/85-वि.क.]

New Dolhi, the 15th May, 1985

ORDER

STAMPS

S.O. 2497.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of Promissory Notes "IDBI Loan Rs. 12.00 Crores (1985)-1st Series" of the value of rupees Twelve crores only to be issued by the National Small Industrie, Corporation 11d. are chargeable under the said Act.

[No. 22]85-Stamps-F. No. 33[15[85-ST]

आदेश

स्टाग्प

का. आ. 2498. — भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (i) के खंड (क) द्वारा प्रदर्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस मुस्क को माफ्र करती है जो ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड नई दिल्ली द्वारा केवल चालीस करोड़ वासठ लाख रुपए के मूल्य के ऋण पक्षों (ग्यारहवी श्रृखलण) के रूप में जारी किए जाने वाले बंध पक्षों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गंत प्रभार्य है।

[मं. 23/85 स्टाम्प-फ़ा. सं. 33/17/85-वि, का.]

ORDER

STAMPS

S.O. 2498.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits, the duty with which the bonds in the nature of debentures (Eleventh Series) of the value of rupees forty fourt crores and sixty two lakhs only to be issued by the Rural Electrifications Corporation Ltd., New Delhi, are chargeable under the said Act.

[No. 23]85-Stamp4-F. No. 33]17|85-STE

नई दिल्ली 18 मई 1985

आदेश

एम्इन

का आ 499--भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 ना 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खड़ (क) द्वारा प्रवत्त णिक्तिया का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा उकत गुरुक को मोफ करती है जो आधास तथा शहरी विकास कारपारेशन लि नई दिल्ली द्वारा केवल बीग कराइ पजास लाख रूपये के '9 प्रतिशत कुएणपत्र 2000 XXII श्रृंखला" के रूप में विश्तित विध्यालों पर उसत अधिनियम के स्वर्त्तत प्रभारी है।

[म 34/९५-स्टाम्थ-फा स 33/14/85-वि क] भगवान दास, अवर मचिव

New Delhi, the 18th May, 1985

ORDER

STAMPS

SO 2499—In exercise of the powers confeired by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty, with which the bonds in the nature of debentures described as "9 00 per cent Debentures 2000-XXII Series" to the value of rupees Twenty closes and fifty lakhs only to be issued by the Housing and Urban Development Corporation Itd., New Delhi are chargeable under the said Act.

[No 24|85-Stamp-F No 33|14|85 ST] BHAGWAN DAS, Under Secy

नई विरुत्ती, 6 मर्ज 1985 प्रधान कार्याक्षय संस्थापन

क अ 2500 — नेन्द्रीय राजस्य बोर्ड अधिनियम 1963 (1963 का सक्याक 54) की धारा ३ की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त प्रनित्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनवद्वारा भारतीय राजस्य सेवा (आयकर) के अधिकारी श्री सी के टिक्कू जो पिछले दिनो राजस्य विभाग में समुक्त सिजय (विदेश कर प्रभार) के स्व में तैनात थे, 29 अप्रैल 1985 के पूर्वाहन से केन्द्रीय प्रनयक्ष कर बोर्ड का सदस्य निसुक्त करती है।

[फा स ए-19011/15/83-प्रशा 1] जे एम लेहन, अवर सर्विव

New Delhi, the 6th May, 1985

HEADOUARIERS FSTABLISHMEN Γ

S O 2500—In exercise of the powers conferred by subsection (2) of Section 3 of the Central Boards of Revenue Act, 1963(No 54 of 1963), the Central Government hereby appoints Shri C K Tikku an officer of the Indian Revenue Service (Incorre-tax) and formerly posted as Joint Secretary (FTD) in the Department of Revenue as Memebr of the Central Board of Direct Taxes with effect from the forenoon of the 29th April, 1985.

[F No A 19011|15|83 Ad I]
J M TREHAN, Under Secy

वित्त मंत्रॉलय

(आर्थिक कार्यविभाग)

नई विल्ली, 24 मई, 1984

का. आ. 2501 — सिक्का निर्माण अधिनियम, 1906 (1906 का 3) की धारा 6 द्वारा प्रवस्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा भारत सरकार, बित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) की उस अधिसूचना को जो सख्या का. आ. 1903, विनांक 31 मई, 1984

का भारत के राजपन्न के भाग -M, खण्ड-3, उप खण्ड (ii), पृष्ठ 1768 पर दिनाक 16 जून, 1984 को प्रकाणित हुई थी, न्दस् करती है।

[म एफ 1/27/(1)/83-काईन]

FINENCE MINISTRY

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 24th May, 1985

SO 2501—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Coinage Act, 1906 (3 of 1906) the Central Government hereby cancels the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No SO 1903 dated the 31st May, 1984, published in the Gazette of India, part II Section 3, subsection (ii), page 1768, dated the 16th June, 1984.

[No. F. 1|27|(1)|83-Coin]

का. आ. 250? — सिक्का निर्माण अधिनियम, 1906 (1906 का 3) की धारा 21 की उप-धारा (1) और धारा 7 के साथ पठित, द्वारा प्रदस्त मिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार, वित्त मंद्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) की उस अधिसूचना को जो संख्या का. आ 1904, दिनाक 31 मई, 1984 को भारत के राजपत्न के भाग-II, खण्ड 3, उप खण्ड (ii), पृष्ठ 1769 पर दिनाक 16 जून 1984 को प्रकाशित हुई थी, प्रदूद करती है।

[संख्या एक 1/27 (II) 83-काईन] सी. जी. पथरोज, अवर सचिव

SO 2502—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 21, read with section 7, of the Coinage Act, 1906 (3 of 1906), the Central Government hereby cancels the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. SO 1904, dated the 31st May, 1984, published in the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-Section (ii), page 1769, dated the 16th June, 1984.

[No. F.1|27|(ii)|83-Coin] C. G PATHROSE, Under Secy

(बैंकिंग प्रभाग)

नई विल्ली 33 मई, 1985

मृद्धि-पन्न

का मा 250: --मारत के ग्रसाधारण राजपल, भाग II संख 3 उपखड (ii) मे भारत सरकार, विसा मझालय (भाषिक कार्य विभाग) वैंकिंग प्रभाग) की विनोक 14 तवस्वर, 1984 की मधिसूचना का. भा. सक्या 837(भ्र) के भग्नेजी पाठ की तीसरी भीर चौथी पंक्ति में "6th day of November, 1984 के स्थान पर "16th day of November, 1984 पढ़ा जाये।

[संख्या एक. 2/7/84-जी. भो.-1] एस. एस. हुसूरकर, निदेशक

(Banking Division)

New Delhi, the 23rd May, 1985

CORRIGENDUM

S.O 2503 -- In the English version of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) (Banking Division) No. SO 837(E), dated the 14th November, 1984, published at

page 2 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), in lines 3 and 4 for "6th day of November, 1984" read "16th day of November, 1984".

[No. F. 2/7/84-BO 1] S. S. HASURKAR, Director

(बैकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 29 मई. 1985

का आ 2504 केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का 15) की धारा 21 की उप-धारा (2) के अनुमरण में भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के निदेशक बोर्ड की सिफारिश पर 10, 11 और 12 जून, 1985 का उक्त निगम द्वारा जारी किए जाने वाले और 10,11 और 12 जून, 1998 को परिपक्ष होने बाले बाडों पर देय व्याजकी दर को एनद्द्वारा 9 75% (नी दशमलय पचहत्तर प्रतिशन) वार्षिक निर्धारित कारती है।

> [फा स. 6 (7) आई एफ [/ 85] के. पी० पाडियन, अवर सिंच

(Banking Division)

New Delhi, the 29th May, 1985

SO 2504.—In pursuance of Sub-vection 2 of Section 21 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948), the Central Government, on the recommendation of the Board of Directors of the Industrial Finance Corporation of India, hereby fixes 9.75% (nine and three quarters) per annum as the rate of interest payable on the bonds to be issued by the said Corporation on 10th, 11th and 12th June, 1985 and maturing on 10th, 11th and 12th June, 1998.

[F. No. 6(7)|IFI|85]

K. P PANDIAN, Under Secy.

्समाहर्तालय कन्द्रीय जस्पाद भुत्क, नागपुर अधिमुखना स॰ सी ई आर/आर-5/1/85

केन्द्रीय उत्पाद ण्≅व

नागपुर, 18 मई, 1985

का. प्रा '505 प्रधिमूचना म सी ई ग्रार/प्रार-5/1/84 दिनांक 7-1-1984 निम्नलिखिन प्रनुसार सणोधित की जाती है। कथिस प्रधिसूचना के प्रनुबंध से --

- 1 अस सहया 48 विल्प्त की जाएगी।
- 2 प्रविष्टि कम म 73 एवं 84 में नीचे लिखे अनुमार प्रतिस्थापित किया जाएगा। *

	Table 1 of the 1				
क्ष से उण् नियम		— प्रत्याः कास्य	—— योजित शक्तियो अरूप	ग्रधिकारी जिसे प्रस्थायोजिन की गर्ह	— सीमाएं
(1)	$(\overline{2})$		(3)	(4)	(5)
73	173 एल निया 173 एस	(1)	माल के मंग्रहण मे छूट देने की शक्ति	ग्रपर समाहर्ता 	_
		(i i)	माल की वापसी की भवधि बढ़ाने की शक्ति	ग्रपर समाहर्ता	<u></u> -
		(iii)	समाहर्ता की श्रन्य सक्तिया	सहायक समाहर्ता	
84	192	(i)	स्त्रीकृति प्रदान करने की ग्राक्ति	परिहार मधिसूचना मे दर्णाए मधि- कारी ग्रस्ययासहा- यक समाहर्ता	
		(ii)	भनुक्ताप्ति जारी करने तथा सक्षपत्र राशि एवप्रतिभूति निर्धार्ति करने की मधिकार	भनुज ित स्रधिकारी	

[सी मं 4 (16) 8-22/180-के. उ. शु. (भाग I] कश्मीरा सिंह, समाहती

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE NOTIFICATION NO. CER/R-5/1/85 CENTRAL EXCISE

S.O. 2505 Notification No. CER/R-5/1/84 dated 7/1/84 shall be amended as under

- 1. In Annexure to the said notification
- 1. Sr. No. 48 shall be omitted.
- 2. For Sr. No. 73 and 84 of the Annexure the following shall be substituted.

1 2	3	4	5
73 173-L & 173-M	(i) Power to relax storage of goods	Additional Collector.	
	(ii) Power to extend the period for return of goods	do	• •
	(iii) Collector's other powers.	Assistent Collector	
84 192	(i) Power to grant permission.	Officer mentioned in remission notification, otherwise Assistant Collector.	
	(ii) Power to issue liceace and fixing of bond amount and security.	Licensing Authority.	••

बाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 मई, 1985

का० ग्रा० 2506 --केन्द्रीय मरकार, राजभाषा (सघ के गामकीय प्रयोजनो के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 सू उप-नियम (4) के ग्रनुसरण मे दि ब्रिटिश इडिया कार्पोरेशन लि , कानपुर की, जिनके कर्मचारीवृन्द ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, ग्रधिमूचित करती है।

[फाइल म . ई-11011/12/76-हिदी] उमेश प्रसाद सिंह, निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 25th May, 1985

S.O. 2506.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the The British India Corporation Limited, Kanpur', the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi.

[F. No. E-11011/12/76-Hindi]

U. P. SINGH, Director

उद्योग और कंपनी कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) नई दिल्ली, 28 मई, 1985

अ। देश

का. आ. 2507—केन्द्रीय सरकार, आवण्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, तिमलनाडु न्यूजिप्रट एण्ड पैपर्स, को, अखवारी कागज नियंत्रण आदेश, 1962 की अनुसूची 1 की मद 3 के साथ पठित खंड 2 (ड़) के प्रयोजनों के लिए अखबारी कागज का उत्पादन करने वाली मिल के रूप में विनिदिष्ट करती है।

[फाइल संख्या 5(2)/81—कागज] जी० सुन्द्रम, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS
(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 28th May, 1985

ORDER

S.O. 2507.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby specifies Tamil Nadu Newsprint and Papers as a Mill producing newsprint for purposes of clause 2(e) read with item 3 of Schedule I of the Newsprint Control Order, 1962.

[F. No. 5(2)|81-Paper] G. SUNDARAM, Under Secy.

पर माण् ऊर्जा मंत्रालय बम्बई, 2 मई, 1985

का० आ० 3508: --केन्दीय संग्काः, सार्वेजनिक परिसर (अप्राधि-कृत अधिभोगियों की वेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40वाँ की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार क परमाणु ऊर्जा विभाग के तारीख 21-5-1993 के का आ सस्या 1228 में निम्तलिखित संशोधन करते हैं, अर्थात् ---

उक्त अधिसूचना की मारणी में, स्तम्भ (2) मे की गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएग्री.

"ककरापार परमाणु विद्युत परियोजना, परमाण ऊर्जा विभाग, जिला सूरत, गजरात के स्वामित्व के या उसके प्रणासनिक नियवणाधीन परिसर"

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

Bombay, the 2nd May, 1985

S.O. 2508.—In exercise of 'he powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act. 1971 (40 of 1971), 'he Central Government hereby makes the following amendment to the notincation of the Government of India, Department of Atomic Energy S.O. No. 1228 dated 24-5-1983 namely:—

In the table to the said notification, in column (2), for the entry, the following entry shall be substituted:

'Premises belonging to or under the Administrative Control of Kakrapar Atom'c Power Project, Department of Atomic Energy, District Surat, Gujarat'.

[No. 13/32/84-SSS]

का आ 2509 : — केन्द्रीय मरकार, सार्वजनिक परिमर (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40वाँ) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए भारत, सरकार के (परमाणु ऊर्जा विभाग के तारीख 22-3-1983 के) का. आ. संख्या 1237 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की सारणी में, स्तम्भ (2) में की गई प्रविष्टि के स्थान पर, निम्मलिखित प्रविष्टि की आएगी

"आँध्र प्रदेश के रंगा रेड्डी जिले में परमाणु ऊर्जा विभाग के स्वामित्व के था उसके प्रशासनिक नियवणाधीन परिसर"

[मं. 13/32/84- एम एम एम]

S.O. 2509.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby makes the following amendment to the notification of the Government of India, Department of Atomic Energy S.O. No. 1227 dated 22nd March, 1983 namely:

In the Table to the said notification, in column (2) for the entry, the following entry shall be substituted:

'Premises belonging to or under the Administrative control of the Department of Atomic Energy in Renga Ready District of Andhra Pradesh'.

[No. 13/32/84-SSS]

का आ 2510: — केन्द्रीय सरकार, सार्वजनिक परिसर (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40वॉ) शारा प्रदत्त णिनयों का प्रयोग करते हुए एतदृद्धारा नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित अधिकारी को, जो कि सरकार के राज-पित्रत अधिकारी के समान पद का अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए संपदा अधिकारी नियुक्त करती है।

उक्त अधिकारी उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्देष्ट सार्व-जनिक परिसरों के मबध में अपनी अधिकारिता की स्थानीय वीमाओं में, उक्त अधिनियम द्वारा प्रदत्त णक्तियों का प्रयोग करेंगे, और उक्त अधि-नियम द्वारा या उसके अन्तर्गत संपदा अधिकारियों में अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेंगे।

_	मारणी
	— — — — — — — — सार्वजनिक परिसर
(1)	(2)
प्रधान, कार्मिक वर्ग, इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड	इलैक्ट्रानिक्स भारपीरेशन आफ इंडिया लिमिटेड, इंडिस्ट्रियल देवलपमेंट एरिया, घरलापल्ली, हैदराबाद 500762 के स्वामित्व के या उस कारपीरेशन के लिए पट्टे पर लिए गए वे परिसर जो वस्वर्ध, महाराष्ट्र तथा हैदराबाद, आँध्र प्रदेश राज्य में उसके प्रशासनिक नियंक्रणार्धीन हैं।

S.O. 2510—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in Column (1) of the Table below, being an officer equivalent to the rank of a Gazetted Officer of the Government, to be the Estate Officer for the purposes of the said Act.

एम, पं′सिह, उप मजिब

The said officer shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed on estate officers by or under the said act within the local limits of his jurisdiction, in respect of the public premises specified in column (2) of the said table.

TABLE

Designation of the officer	Public Premises				
(1)	(2)				
Head Personnel Group Electronics Corporation of India Limited.	Premises belonging to or taken on lease for the Electronics Corporation of India Ltd., Industrial Development Area Cherlapally Hyderabad-500762 and which are under its administrative control in Bombay, Maharashtra and in Hyderabad, Andhra Pradesh State.				
	[No. 13/32/84-SSS] S.P. SINGH, Dy. Secy.				

स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 20 मई, 1985

का. आ. 2511 — भारतीय चिकित्सा परिषद् नियम, 1957 के नियम 2 के खण्ड (ष) के अनुसरण में केन्द्रिय सरकार एनद्द्वारा श्री की. गोपाल कृष्णन नायर उप-सचिव, स्वास्थ्य विभाग, केरल सरकार, को भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) के अन्तर्गत केरल राज्य में भारतीय चिकित्सा परिषद् के सदस्य का निर्वचिन करने के लिए, निर्वचिन अधिकारी के लप में नियमन करनी है।

[सद्या की -11013/6/85~एम. ई. (पी)] चन्द्रभान, अवर मिंचि MINISTRY OF HEATTH AND FAMILY WELFARE (Department of Health)

New Delhi, the 20th May, 1985

S.O. 2511.—In pursuance of clause (d) of rule 2 of the Medical Council Rules, 1957, the Central Govt, hereby appoints Shri. V. Gopalakrishnan Nair, Deputy Secretary, Health Deptt Government of Kerala, as Returning Officer for the conduct of election of a member to the Medical Council of India under clause (e) of sub-section (1) of sec. 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) in the State of Kerala.

[No. V-11013|6|85-ME(P)] CHANDERBHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 मई, 1985

का० था० 2512: —अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अधिनियम, 1956 (1956 का 25) की धारा 6 की उप-धारा (3) के साथ पठिन धारा 1 के खण्ड (ब) के अनुसरण में कंट्यिय सरकार एतद्वारा शिक्षा संवालय के मालव श्री आनन्त स्वरूप को, श्रीमती मरला प्रेवाल जिल्होंने बस्तीका दे दिया है, के स्थान पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान सम्थान का एक सदस्य मनोनीत करती है और भारत सरकार, स्वास्थ्य एव परिवार कल्याण मंत्रालय की 6 जुलाई, 1983 की अधिसुबना संब्रमा का आ. 2959 में आगे और निम्नलिखित संगोधन क ती है, अर्थातु:—

उयन अधिसूचना में फ्रम मंख्या 1 और उमसे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित कम संख्या और प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की आएं, अर्थान ---

"श्रं आतस्य स्वरूप मचिव, शिक्षा मंत्रालय

णिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधि

[म. को. 16011/1/85-एम.ई. (पी. जी.)] पी॰ आर॰ वासगुप्ता, सप्कर समिक

New Delhi, 23rd May, 1985

S.O. 2512—In pursuance of clause (d) of section 4 read with sub-section (3) of section 6 of the All India Institute of Medical Sciences Act, 1956 (25 of 1956), the Central Government hereby nominates Shri Anand Saup, Secretary, Ministry of Education, to be a member of the All-India Institute of Medical Sciences, vice Smt. Seria Grewal resigned, and makes the following 1 rtheramendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare No. S.O. 2959, dated the 6th July, 1983, namely:—

In the said notification, for serial number 1 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted, namely:—

"1. Shri Anand Sarup, Secretary, Ministry of Education

 Representative of the Ministry of Education "

[No. V. 16011/1/85-ME(PG)

P. R. DASGUPTA, Jt. Socy.

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय

(कृषि और महकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 17 मई, 1985

का॰ अा॰ 2513—केन्द्रीय सरकार पण कूरता तिवारण अधिनियम, 1960 जिसका 30 जलाई 1982 तक संशोधन किया गया है, की धारा 5 की उपधारा (1) (i) के उप-बन्धों के अंतर्गत, एतद्ग्रारा निम्नलिखित संसद (लोकसभा) सवस्यों को तत्काल से तथा आगामी आदेशों तक भारतीय पशु कल्याण बोर्ड के सदस्य के रूप में नामजद करती है:

मंसद सदस्य का नाम

- श्री पी. चिंदाम्बरम तामलनाडु हाऊस, नया विल्ली।
- 2. श्री मानवेन्द्र सिंह, 506, एक्स्टनंत्र एकेयर्स होस्टल, नयी दिल्ली।
- श्री प्रकाश चन्य,
 107, नार्थ एवेन्यु,
 नयी दिल्ली-110001,
- श्री सी. जंगा रेष्ट्र्डी, 127-129, साउथ एवेन्यु, नयी दिल्ली-110011.

[संख्या 14-6/85-एल डी. I] के. जी. कृष्णमूर्ति, उप सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE & RURAL DEVELOPMENT

(Department of Agriculture & Cooperation)

New Delhi, the 17th May, 1985

- S.O. 2513.—Under provision of Sub-section (1)(i) of Section 5 of the Prevention of Cruelty to Animals Act, 1960, as amended upto 30th July, 1982, the Central Government hereby nominate the following Members of Parliament (Lok Sabha) to be members of Animal Welfare Board of India with immediate effect and unt'l further orders:—Name of Member of Parliament
 - 1. Shri P. Chidambaram, Tamil Nadu House, New Delhi.
 - Shri Manvendra Singh, 506, External Affairs Hostel, New Delhi.
 - 3. Shri Prakash Chandra, 107, North Avenue, New Delhi-110001,
 - 4. Shri C. Janga Reddy, 127-129, South Avenue, New Delhi-110011.

[No 14-6185-LD.1]

K. G. KRISHNAMOORTHY, Dy. Secy.

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (नागरिक पूर्ति विभाग) नई दिल्ली, 27 मई, 1985

का. आ. 2514—व्यापार और पण्य वस्त चिह्न नियम, 1959 के नियम 157 के उप नियम (2) के अनु- सरण में, एतक्षारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त नियम, 175 के उप नियम (1) द्वारा प्रदरत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार व्यापार चिह्नों के एजेन्टों के रिजस्टर में अंकित करने के लिए नीचे दिखाये गये परिवर्तन करती है.-

भाषार चिन्हों के एजेंट का नाम व्यावसाय के मुख्य स्थान का पता

श्री एम . आर. लक्ष्मी नारायन राव दि आल इण्डिया ट्रेड मार्क्स एॲसी. 367, 8वां कास, प्रथम ब्लाक, जयनगर, बंगलीर ।

> [फा. सं. 29/1 /आई / टी / टी एम / 84] पी. एन. कौल, आर्थिक सलाहकार

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

New Delhi, the 27th May, 1985

S.O.2514.—In pursuance of sub rule (2) of rule 157 of the Trade and Merchandise Marks Rules, 1959, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of the said rule 157, the Central Government has caused the following alterations to be made in the Register of Trade Marks Agent as shown below:—

Name of the Trade Marks Address of the Principal place of business

Shri M.R. Lakshmi Narayan The All India Trade Marks Rao Agency, 367, 8th Cross, 1st Block, Jayanagar, Bangalore.

> [F. No. 29/1/IT/TM/84] P. N. KAUL, Economic Adviser

उर्जामं क्षालम

(विसुत विमाग)

नई विष्ली, 27 मई, 1985

का. आ. 3515: — केर्म्स य सरकार, भारतीय विश्व अधिनियम, 1910 (1910 का 9) की धारा 36 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त गिक्तियों का प्रयोग करने हुए, खान सुरक्षा महानिद्रशालय के निम्निलिखन अधिकारियों को उक्त अधिनियम के अधीन जम्मू-कश्मीर राज्य के सिवाय पूर भारत में खानो के लिए विश्वन निरीक्षक नियुक्त करती है:

- ा. श्री बी. रमण राध, उप निदेशक, खान मुरक्षा (विश्वत)
- श्री जे. एन्योर्नः
- 3. श्री आर. प्रसाद
- 3. श्राआर. प्रसाद
- 4 ओपी. मालबीय " 5. श्रीकहरमित्र "
- 6. श्री डी. के. राय

[फाइल मं. २२/३ ^{२/}४ 4→डेंम्क (एस. ई.बी] जरनैल मिंड, उप मिंबिब

MINISTRY OF IRRIGATION & POWER

(Department of Power)

New Delhi, the 27th May, 1985

SO, 2515—In exercise of the powers confeired by subsection (1) of Section 36 of the Indian Fleetricity Act, 1910 (9 of 1910), the Central Government hereby appoints the undermentioned officers employed in the Directorate General of Mines Safety to be the Electrical Inspectors for mines under the said Act, in the whole of India except the State of Jammu & Kashmir :--

- 1. Shri V. Ramana Rao, Dy. Director of Mines Safety (Electrical)
- 2. Shri J Anthony Dy. Director of Mines Safety (Flectrical)
- 3. Shri R. Prasad, Dy. Director of Mines Safety (Electrical)
- 4. Shri O. P. Malviya, Dy. Director of Mines Safety (Electrical)
- 5. Shri Kehar Singh, Dy. Director of Mines Safety (Electrical)
- 6. Shri D. K. Roy, Dy. Director of Mines (Electrical)

[File No. 27/32/84-D(SEB)] JARNAIL SINGH, Dy. Secy.

पॅदोलियम मंत्रालय नई दिल्ली 29 मई 1985

का. आ. 2516.--यतः पेष्ट्रोलियम् और खनिज पह्चप-लाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) नियम 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीर भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का, आ. सं. 3900 तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय संरक्षार ने उस अधिमुचना से संलग्न अनमूची में विनि-र्षिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों की बिछाने के लिए अजित बरने का अपना आगय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत. केन्द्रोय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचमा से संलग्न अनुसूची में थिनि-दिण्ट भूमियों मे उपयोग का अधिकार अजित करने का विभिष्चय किया है।

अव अत उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतुद-द्वारा घोषित करतो है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूच। मे विनिदिष्ट उक्त भूमियो में उत्योग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुद्वारा अजिन किया जाना है।

और अत्मे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार मे निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप मे घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

भनुसुची

ष्ट्राजिय-बरेली-जगदीगपूर	पाइप	लाइन	प्रोजक्ट
--------------------------	------	------	----------

	ष्ट्राजिय	-बरेली-जग	दिशिपुर	पाइप लाडर	न प्रोज ग ट	
 जिला	 सह्मील	— परगना	 ग्राम	 भादा स	लिया गया रकता (एकडभे)	—— – विवरण
	2	 3			6	7
						- <u>·</u>
रायबर	ती महराजः	ণ্ডাকাপ্তৰাৰ	।। मलपुर	1266	0-19-0	
				1267	0-5-15	
				1265	0-5-0	
				1264	0-3-10	
				201 202	0-3-0 0-13-10	
				202	0-13-10	
				207	0-16-0	
				183	0-11-0	
				179	0-11-15	
				175	0-0-15	
				177	0-5-0	
				176	0-11-5	
				154	0-4-10	
				153	0-2-0	
				152	0-7-10	
				371	0-16-0	
				386	0-3-0	
				370	0-12-5	
				368	0 → 6 – 6	
				401	0-3-15	
				367	0-2-15	
				366	0-1-10	
				396	0-4-5	
				365	0-6-15	
				400	0-2-15	
				399	0-14-0	
				397	0-1-15	
				398	0-5-10	
				401	0-1-15	
				416	1-0-0	
				415	0-2-15	
				417	0~8~10	
				411	0-16-0	
				694	1-0-10	
				698 708	0-2-15	
				707	0-3-15 0-5-10	
				706	0-3-10	
				709	0-0-3	
				699	0-4-0	
				705	0 50	
				704	07-0	
				710	0-7-0	
				715	1-0-0	
				711	0-1-0	
				714	0-10-10)
				713	0-11-18	
				1106	1-7-0	
					•	

1	2	J	4	5	6	7
				1108	0-0-6	
				1107	0-16-13	
				1105	0-13-0	
				1114	0-14-0	
				1104	0-1-10	
				1103	0710	
				1102	0-8-0	
				1101	0-12-5	
				1062	0-2-5	
				1060	0-7-0	
				1061	0-1-17	
				1069	0-1-2	
				1068	0-14-0	
				1057	0-3-0	
				1056	0-7-10	
				1020	0-1-10	
				1021	0-1-4	
				1026	0-3-6	
				1027	0-1-0	
				1028	0-4-10	
				1029	0-5-14	
				1035	0⊶3-10	
				1036	0-13-10	
				1031	0-2-4	
				1055	0-4-10	
				1022	0519	
				51	0-9-0	
				183	0-6-0	
				184	0-2-3	
				185	0-17-17	
				697	0-1-0	
				208	0-2-0	
				210	0-1-5	
				412	0-4-0	
				419	0-0-2	
				200	0-0-4	
				188	0 15 5	
				369	0-0-10	
				F.1		٠.

[नं• O- 14016/240/84-जीवी]

MINISTRY OF PETROLEUM New Delhi, the 29th May, 1985

S.O. 2516.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleums S.O. 3901 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mmeral's Pipelines (Acquisition of Right of User in I and) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the night of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act the Central Government hereby declares that the right of user in the

said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said rands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira-Barielly-Jagdishpur-Pipeline Project

No. Acquired (Acres) 1	——			ADF	Plot	Villa ~-	Pargona	Teheil	Distt
1 2 3 4 5 6 Rai- Maharaj Bachh- Mal- 1266 0 19 0 Barielly ganj rawan pur 1267 0 5 15 1265 0 5 0 1264 0 3 10 201 0 3 0 202 0 13 10 206 0 1 10 207 0 16 0 183 0 11 0 179 0 11 15 175 0 0 15 177 0 5 0 176 0 11 5 154 0 4 10 .153 0 2 0 152 0 7 10 371 0 16 0 386 0 3 0 370 0 12 5 368 0 6 6 401 0 3 15 367 0 2 15 368 0 6 6 401 0 3 15 367 0 2 15 368 0 6 6 6 401 0 3 15 367 0 2 15 368 0 6 6 6 401 0 3 15 367 0 2 15 368 0 6 15 400 0 2 15 399 0 14 0 397 0 1 15 399 0 14 0 397 0 1 15 416 1 0 0 0 415 0 2 15 417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 10 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 704 0 7 0 7 0 7 0 7 0 7 0 7 0 7 0 7 0	Re mark		uired	Acc		v iIIa ge	rargana	100311	NISIL
Rai- Maharaj Bachh- Mal- 1266 0 19 0 Barielly ganj rawan pur 1267 0 5 15 15 1265 0 5 0 1264 0 3 10 201 0 3 0 202 0 13 10 206 0 1 10 207 0 16 0 183 0 11 0 179 0 11 15 175 0 0 15 177 0 5 0 176 0 11 5 154 0 4 10 153 0 2 0 152 0 7 10 371 0 16 0 386 0 3 0 370 0 12 5 368 0 6 6 401 0 3 15 366 0 1 10 396 0 4 5 365 0 6 15 400 0 2 15 399 0 14 0 397 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 399 0 14 0 397 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 415 0 2 15 417 0 8 10 411 0 16 624 1 0 10 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 7 0 7 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 7 0 705 0 5 0 701 0 7 0 7 0 705 0 5 0 701 0 7 0 7 0 705 0 5 0 701 0 7 0 7 0 705 0 5 0 701 0 7 0 7 0 7 0 7 0 7 0 7 0 7 0 7 0			·				- , , , , ,		
Barielly ganj rawan pur 1267 0 5 15 1265 0 5 0 1264 0 3 10 201 0 3 0 202 0 13 10 206 0 1 10 207 0 16 0 183 0 11 0 179 0 11 15 175 0 0 15 177 0 5 0 176 0 11 5 154 0 4 10 . 153 0 2 0 152 0 7 10 371 0 16 0 386 0 3 0 370 0 12 5 368 0 6 6 401 0 3 15 366 0 1 10 396 0 4 5 365 0 6 15 400 0 2 15 399 0 14 0 397 0 1 15 416 1 0 0 415 0 2 15 417 0 8 10 401 0 1 15 416 1 0 0 415 0 2 15 417 0 8 10 401 0 1 15 416 1 0 0 415 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 70 0 705 0 5 0 701 0 7 0 0 710 0 7 0 0 7 0 0 710 0 7 0 0 710 0 7 0 0 710 0 7 0 0 710 0 7 0 0 710 0 7 0 0 710 0 7 0 0 710 0 7 0 0 710 0 7 0 0 710 0 7 0 0 710 0 7 0 0 710 0 7 0 0 7 0 0 710 0 7 0 0 7	. 7 					. <u>. — — — </u>		 -	-
1265									
1264 0 3 10 201 0 3 0 202 0 13 10 206 0 1 10 207 0 16 0 183 0 11 0 179 0 11 15 175 0 0 15 177 0 5 0 176 0 11 5 153 0 2 0 152 0 7 10 371 0 16 0 386 0 3 0 370 0 12 5 368 0 6 6 401 0 3 15 366 0 1 10 396 0 4 5 367 0 2 15 368 0 6 6 401 0 3 15 366 0 1 10 396 0 4 5 365 0 6 15 400 0 2 15 399 0 14 0 397 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 415 0 2 15 417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 10 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 7 0						pur	rawan	ly ganj	Bariel
201									
202 0 13 10 206 0 1 10 207 0 16 0 183 0 11 0 179 0 11 15 175 0 0 15 177 0 5 0 176 0 11 5 154 0 4 10 153 0 2 0 155 0 7 10 371 0 16 0 386 0 3 0 370 0 12 5 368 0 6 6 401 0 3 15 367 0 2 15 368 0 6 6 401 0 3 15 365 0 6 15 400 0 2 15 399 0 14 0 397 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 415 0 2 15 417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 10 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 0 3699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 705 0 5 0 701 0 706 0 705 0 5 0 701 0 706 0 705 0 5 0 701 0 706 0 705 0 5 0 701 0 706 0 705 0 5 0 701 0 706 0 705 0 5 0 701 0 706 0 705 0 700 0 700 0 700 0 700 0 700 0									
206									
207									
183 0 11 0 179 0 11 15 175 0 0 15 177 0 5 0 176 0 11 5 154 0 4 10 153 0 2 0 152 0 7 10 371 0 16 0 386 0 3 0 370 0 12 5 368 0 6 6 401 0 3 15 367 0 2 15 366 0 1 10 396 0 4 5 365 0 6 15 400 0 2 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 417 0 8 10 411 0 16 </td <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td>									
179 0 11 15 175 0 0 15 177 0 5 0 176 0 11 5 154 0 4 10 153 0 2 0 152 0 7 10 371 0 16 0 386 0 3 0 370 0 12 5 368 0 6 6 401 0 3 15 367 0 2 15 366 0 1 10 396 0 4 5 365 0 6 15 400 0 2 15 399 0 14 0 397 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 417 0 8 <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td>									
175 0 0 15 177 0 5 0 176 0 11 5 154 0 4 10 153 0 2 0 152 0 7 10 371 0 16 0 386 0 3 0 370 0 12 5 368 0 6 6 401 0 3 15 367 0 2 15 366 0 1 10 396 0 4 5 365 0 6 15 400 0 2 15 398 0 5 10 401 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 417 0 8 10 411 0 10 <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td>									
177 0 5 0 176 0 11 5 154 0 4 10 153 0 2 0 152 0 7 10 371 0 16 0 386 0 3 0 370 0 12 5 368 0 6 6 401 0 3 15 367 0 2 13 366 0 1 10 396 0 4 5 365 0 6 15 400 0 2 15 397 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 417 0 8 10 411 0 10 <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td>									
176 0 11 5 154 0 4 10 153 0 2 0 152 0 7 10 371 0 16 0 386 0 3 0 370 0 12 5 368 0 6 6 401 0 3 15 367 0 2 15 366 0 1 10 396 0 4 5 365 0 6 15 400 0 2 15 398 0 5 10 401 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 417 0 8 10 411 0 10 </td <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td>									
154 0 4 10 . 153 0 2 0 152 0 7 10 371 0 16 0 386 0 3 0 370 0 12 5 368 0 6 6 401 0 3 15 367 0 2 15 366 0 1 10 396 0 4 5 365 0 6 15 400 0 2 15 398 0 5 10 401 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 417 0 8 10 411 0 10 0 698 0 <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td>									
153									
152 0 7 10 371 0 16 0 386 0 3 0 370 0 12 5 368 0 6 6 401 0 3 15 367 0 2 15 366 0 1 10 396 0 4 5 365 0 6 15 400 0 2 15 399 0 14 0 397 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 415 417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 10 698 0 2 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0<									
371 0 16 0 386 0 3 0 370 0 12 5 368 0 6 6 401 0 3 15 367 0 2 15 366 0 1 10 396 0 4 5 365 0 6 15 400 0 2 15 399 0 14 0 397 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 16 698 0 2 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td>									
386 0 3 0 370 0 12 5 368 0 6 6 401 0 3 15 367 0 2 15 366 0 1 10 396 0 4 5 365 0 6 15 400 0 2 15 399 0 14 0 397 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 415 0 2 15 417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 10 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 3 <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td>									
370 0 12 5 368 0 6 6 401 0 3 15 367 0 2 15 366 0 1 10 396 0 4 5 365 0 6 15 400 0 2 15 399 0 14 0 397 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 415 0 2 15 417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 10 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td>									
368 0 6 6 401 0 3 15 367 0 2 15 366 0 1 10 396 0 4 5 365 0 6 15 400 0 2 15 399 0 14 0 397 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 415 0 2 15 417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 16 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td>									
367 0 2 15 366 0 1 10 396 0 4 5 365 0 6 15 400 0 2 15 399 0 14 0 397 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 415 0 2 15 417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 16 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 7 0 710 7 0				0	368				
366 0 1 10 396 0 4 5 365 0 6 15 400 0 2 15 399 0 14 0 397 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 415 0 2 15 417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 10 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 7 0		15	3	0	401				
396		15		0	367				
365 0 6 15 400 0 2 15 399 0 14 0 397 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 415 0 2 15 417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 10 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 7 0									
400 0 2 15 399 0 14 0 397 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 415 0 2 15 417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 10 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 7 0									
399 0 14 0 397 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 415 0 2 15 417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 10 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 7 0 710 0 7 0									
397 0 1 15 398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 415 0 2 15 417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 10 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 7 0									
398 0 5 10 401 0 1 15 416 1 0 0 415 0 2 15 417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 10 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 7 0 710 0 7 0									
401 0 1 15 416 1 0 0 415 0 2 15 417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 10 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 7 0 710 0 7 0									
416 1 0 0 415 0 2 15 417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 10 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 7 0 710 0 7 0									
415 0 2 15 417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 10 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 7 0 710 0 7 0									
417 0 8 10 411 0 16 0 624 1 0 10 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 7 0 710 0 7 0									
411 0 16 0 6z4 1 0 10 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 7 0 710 0 7 0									
6z4 1 0 10 698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 7 0 710 0 7 0									
698 0 2 15 708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 7 0 710 0 7 0									
708 0 3 15 707 0 5 10 706 0 2 0 709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 7 0 710 0 7 0									
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$			3						
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$			5	0					
709 0 0 3 699 0 4 0 705 0 5 0 701 0 7 0 710 0 7 0		0	2						
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$			0						
70 1 0 7 0 710 0 7 0									
710 0 7 0									
		()	0	1	715				
711 0 1 J									
714 0 10 10									
713 0 14 18									
1106 1 7 0									
1108 0 0 6 1107 0 16 13									

_	. نستند د	- (/1						<u> </u>
1	2	1	4	5		6		1
				1105	0	13	0	
				1114	()	14	0	
				1104	0	1	10	
				1103	0	7	10	
				1102	Ü	8	0	
				1101	0	12	5	
				1062	0	2	5	
				1060	0	7	0	
				1061	()	j	17	
				1069	0	1	2	
				1068	0	14	0	
				1057	0	3	O	
				1056	0	7	10	
				1020	0	1	10	
				1021	0	ı	4	
				1026	()	3	6	
				1027	0	i	0	
				1028	0	4	10	
				1029	0	5	14	
				1035	0	3	10	
				1036	0	13	10	
				1031	0	2	4	
				1055	U	4	10	
				1022	0	5	19	
				51	0	9	0	
				183	0	6	0	
				184	0	2	3	
				185	0	17	17	
				697	0	1	0	
				208	0	2	0	
				210	0	1	5	
				412	0	4	0	
				419	0	O	2	
				200	0	0	4	
				188	0	15	5	
				369	0	0	10	
			-	<u></u>	o. O-	-14016/	240/84	-GP]

मा. आ. 2517: —यतः पेदोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिन्यम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. मं. 3707 तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्देष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को विछाने के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत सभम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीम सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनि-विष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अव अन. उक्त आंधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करनी है कि इस अधिसुचना में संलग्न अनुसूची मे कितिर्दिष्ट 'उक्त भूमियो मे उपयोग का अधिकार पाइपलाइस विद्याने के प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा अजिन किया जाता है।

और अभे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिनतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं। कि उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण नि. मे सभी बाधाओं से मुक्त रूप में बीपणा के प्रकाशन की इस तारीख़ को निहित होगा।

भनुसूची हाजिरा-बरेली जगदीभपुर पाइपलाइन प्रोजस्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	गाटा सं०	लिया गया रकवानी	विवरण
1	2	3	4	5	ß	7
— राय म ा	— - रली महरा		 रावा पुलेर्न्डा	1360	0-6-6	
				1361	0-17-5	
				1384	0-0-1	
				1385	0-16-10	
				1386	0 0 ь	
				1389	0-1-10	
				1390	0-5-15	
				1391	0-3-3	
				1392	1-3-18	
				1393	0-1-16	
				1394	0-2-10	
				1395	0-14-6	
				1396	0-0-1	
				1436	0-1-10	
				1437	0-14-1	
				1443	0-0-1	
				1444	0-1-10	
				1448	0-7-16	
				1504	0-4-16	
				1504/		
				3170	0-4-14	
				1505	0-17-10	
				1507	0-0-13	
				1508	0-7-4	
				1508/		
				3171	0-4-12	
				1515	0-0-1	
				1517/		
				3172	0-1-3	
				1551	0-1-8	
				1552	0-3-15	
				1553	0-2-5	
				1585	0-1-0	
				1593	0-1-13	
				1594	0-8-7	
				1595	0-0-15	
				1596	0-2-1	
				1598	0-12-1	
				1599	0-13-2	
				1600	0-0-1	

1	2	.5	1	5	6	1	1	2		3	1	8		6		7
	_		_	1602	0-0-5							2437	•	0-1-0		
				1632	0 - 0 - 1							2528		0~0-10)	
				1633	0-1-10							2530		0-00-		
				1634	0-9-14							2531		() ~ 5→ ()		
				1635	0-1-19							2532		() 1 1	0	
				1638	0-4-5							2533		0 - 0 - 1 4	j	
				1639	1-1-0							2534		0010)	
				1640	0-0-14							2535		0-3-19	;	
				1641	0-11-2							2536		0-0-15	;	
				1642	0 - 0 - 1							2537		() – 5 – ()		
				1643	() ~ 5-6							2539		0-1-12		
				1645	0 - 0 - 1							2510		0 - () 1		
				2172	0-3-11							2148		1-17-5		
				2230	0-1-14							2577	(0-0-17		
				2231	0-2-10				-			—			- .	
				2232	0-4-0							[4.	O-14	1016/16	4/84	जापा
				2235	0-0-1		S.O. 2	2517.—	-Where	ea _s l	by n	otificatio	on of	the G	ooveri	amei
				2236	0-00-1		of India									
				2237	0-0-3		under s Minerals									
				2238	0-0-5		Act, 196	5 2 (5 0	of 1	962)	, the	: Centra	al Go	vernme	nt de	clare
				2239	0-0-8		its inten									
				2240	0-0-12		laying p				- ''				r-u. p-	
				2241	0-00-15		And	where	s the	Cor	mpete	ent Aut	hority	has o	ınder	Sub
				2212	0-0-1		Section to the			on (5 of	the said	d Act	, subm	itted	repo
				2396	0-8-0		to the (-0.00	tho	Captrol	Cons	. r. n.n. o.n.t	hoc	a Ct
				2307	0-0-15		consider					Central decided				
				2308	0-7-15		Of user			s sp	ecifie	d in th	e sch	edule a	prend	ed
				2311	0-00-16		this noti						_		_	
				2362	0-0-1		Now, sub-secti					se of the				
				2363	1-1-10		Governn									
				2364	0-9-5		said land tion her								his no	tific
				2365	0 - 1 - 7			7	•		-			•		
				2367	0-6-10		And i (4) of					power of				
				2368	0-2-15		the righ	t of u	ser in	the	said	Jands	shall	instead	of v	estir
				2370	0-1-15		in Centr of this									
				2371	0-2-15		from en			.1 131	C G	11 / [01]	OIII Y	oj indi	. Dia	
				2372	0-13-5		I			_						
				2376	1-4-10							DULE				
				2380	0-5~5			Haji	га-Ват	eilly	/-Jago	dishpur	Pipeli	re Proj	ect	
				2381	0-15-2		Distt. To	_ chsil	Parga	na V	/illag	e Plct		Aiea	~ <u>I</u>	Re-
				2382	0→ 1 7 — 1 0				_			No.	Acc	quired	ma	irks
				2393	0-13-10		1	2	3		4	5		6		7
				2394	0 - 8 - 2		Rae- M		Bacl	h.	The	lendi				
				2395	0-6-10		Bareli (rawa		* 1146	1360	0	6	б	
				2396	0-7-0							1361	0	17	5	
				2397	0-5-15							1384	0	0	1	
												1385	Λ	16	10	

2398

2402

2429

2430

2431

2432

2433 2434

2436

0-17-0

0-13-00

0-18-10

0-10-15

0-0-0

0-1-5 0-5-8

0-1-0

0-9-5

Distt. Tchsil		Pargana	Amage	No.	Ac	Atea quired	marks	
1	2	3	4	5		6		7
Rae-	Mahar-	Bach-	Thale	ndi				
Bareli	Ganji	rawan	1	360	0	6	6	
			1	1361	0	17	5	
]	1384	0	0	1	
			1	1385	0	16	10	
			٦	1386	0	0	6	
			1	389	0	1	10	
			1	390	0	5	15	
			1	391	0	3	3	
			1	392	1	3	18	
			1	393	0	1	16	
			1	394	0	2	10	
			1	395	0	14	6	
			1	396	0	0	1	
			1	436	0	1	10	

2	3	4	5		6		7	1	2	3	4	5		6		•
	- 1		1437	0	14	1						2382		17	10	
			1443	0	0	1						2393	ő	13	10	
			1444	0	1	10						2394	ő	8	2	
			1448	0	7	16						2395	ŏ	6	10	
			1504	ŏ	4	16						2396	ő	7	Ŏ	
			1504/									2397	ō	5	15	
			3170	0	4	14						2398	ŏ	17	0	
			1505	ō	17	10						2402	ŏ	13	ŏ	
			1507	ŏ	0	13						2429	ő	18	10	
			1508	ō	7	4						2430	ō	0	0	
			1508/									2431	Ô	10	15	
			31 <i>7</i> 1	0	4	12						2432	0	1	5	
			1515	0	0	1						2433	0	5	8	
			1517/									2434	0	1	0	
			3172	0	1	3						2436	0	9	5	
			1551	0	1	8						2437	0	1	0	
			1552	0	3	15						2528	0	0	10	
			1553	0	2	5						2530	0	0	1	
			1585	0	ľ	0						2531	0	5	0	
			1593	0	1	13						2532	0	1	10	
			1594	0	8	7						2533	0	0	15	
			1595	0	0	15						2534	0	0	10	
			1596	0	2	1						2535	0	3	18	
			1598	0	12	1						2536	0	0	15	
			1599	0	13	2						2537	0	5	0	
			1600	0	0	1						2539	0	1	12	
			1602	0	0	8						2540	0	0	1	
			1632	0	0	1						2448	1	17	5 17	
			1633	0	1	10						2377	0	0	17	
			1634	0	9	14						ľNo.	0-	14016/1	64/84	-G
			1635 1638	0	1	19						[_ , , _	,	
			1639	0 1	4 1	5 0		_				2-20	r	.	<u> </u>	_
			1640	0	0	14			त. आ			: पेट्रोलि				
			1641	0	11	2		लाइन	(भुमि	में उपयोग	के अर्थि	धकार व	हा अ	र्जन)	अधिनि	यः
			1642	0	0	1				2 का 50						
			1643	Ö	5	6										
			1645	ŏ	Õ	1		क अध	ग्रान भार	त सरकार	कपट्र	गलयम	मन्नाल	यका	आधसून	d .
			2172	0	3	14		का.	आ. सं	. 3900	तारी	ख 24	- 1 1-8	34 द्वा	रा केन	ੜੀ
			2230	0	4	14										
			2231	0	2	10				🗗 अधिसूच						
			2232	0	4	0		भूमिय	कि उप	योग के अ	धिकार	काप	इप ल	गिह्ना र	की बिह	ग
			2235	0	0	1		के लि	ए अजित	करने का	अपना	आशय	घोषि	त कर	दिया १	वा
			2236	0	0	1			•							
			2237	0	0	3				सक्षम प्रा						
			2238	0	0	5		6 की	उपधार	ा (1) के	अधीम	सरकार	को	रिपोर्ट	दे दी	है
			2239	0	0	8										
			2240	0	0	12		अ	ौर आगे	यतः केन्द्री	य सर	कारने	उक्त ।	रिपोर्ट	पर वि	च
			2241	0	0	15		क्रक्ते	के प्रका	त् इस अर्थ	धसचन	सि संद	लुग्न अ	प्रनसक्ती	में वि	f
			2242	0	0	1										
			2396	0	9	0				में उपयो	ા પ્	স≀ধৰ	गर उ	भागत	पारन	4
			2307	0	0	15		विनिष	चय किय	ा है ।						
			2308	0	7	15				•	C-C-	e.		Λ	:	
			2311	0	0	16				: उक्त अ						
			2362	0	0	1		(1)	क्षारा प्रव	रत्त शक्ति	काप्रय	ोग कर	ते हर	र केन्द्री	य सरक	PI
			2363 2364	1	1	10										
			2365	0	9 1	5 7				त करतो है						
			2367	0	6	10		विनि र्शि	द्षष्ट उन	त भूमियों	में उप	ायोगका	<i>ં</i> અહિ	कार प	पा इ पल	Ē
			2368	0	2	15				जन के लि						
			2370	0	1	15		(40)(7	. 7/441	- (1 T) (1 S)	1 2 2 11.	Jan 11 ,	., -, 0	, 4- 11		ч
			2370	0	2	15		90	रीय आर्थ	े उस धा	ारा की	स्पा	रिं। /	['] 4) ह	परा प्र	ਫ਼ਾ
			2372	0	13	5										
			2376	1	4	10			भी करा प्र	घोग कर ते						
			2380	0	5	5		किस व्य		यों में उप	योग क	ा अधि	सार वे	केन्द्रीय	सरकार	Ţ

ना धाओ	ां से मुक्त	ारूप	में घोष	ाणा के प्रका	शन की इस	तारीख	1	2	3	4	5	<u>в</u>	7
को नि	हित होग	Γì									4932	0-12-0	
				भनुसूची							4933	0-1-10	
											4934	0-0-10	
हा	जरा बरेली	अगदीश	पुर पा द्ध	लाइन प्रोजेक्ट	: 1						4938	0-1-10	
जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गया	विवरण					4939	0 1 15	
					रकवा						4947	0-1-5	
			4	5	6	7					4948	0-1-15	
l 	2	3									4950	0-2-10	
रायबरेल	ो.महाराजग	ज बछर	াৰা ৰচ্চ	नवां 1671	0-1-4						4951	0-2-0	
				1885एम	0-13-4						4952	0-1-10	
				1886एम	0-18-12						4953	0-2-10 0-4-0	
				4497एम	0-1-0						4955 4956	0-2-10	
				4496	0-1-8						4956 4957	0-1-0	
				4502 4503	0-0-12 0-1-0						4959	0-2-10	
					0-1-0						4968	1-10-10	
				4504एम 4512एम	0-4-0								
				4513एम	0-5-3						[सं, С) -14016/238	3/84-जीपी]
				4514एम	0-7-12								
				-			S.O.	2518.—	Whereas	s by n	otification	of the G	overnmen
				4515 4516	0-0-18 0-12-14	l	ot Indi	a in the M	Ainistry	of Petro	oleum. S.C	O. 3900 date of the Petro	ქ24-11-8₁
				4519 एम	1-6-8	:	Minera	da Pipeli	nes (Ac	quisitic	n of Rig	tht of User	in Land
				4515५ ५ 4541एम	0-9-9		Act, 1	962 (50	of 196:	2), the	· Central	Government in the land	it declare
				4543	0-0-5		in the	schedule	append	led to	that notif	ication for	purpose o
				4544	0-1-10		laying	pipeline;					
				4545एम	0-19-4		And	whereas	the C	ompete	nt Autho	ority has u	nder Sub-
				4546एम	0-18-14	l		1 (1) of Governi		6 of	the said	Act, submi	ited repor
				4596एम	0-4-10				-			_	_
				4597	0-4-0							Jovernment to acquire	
				4549	0-6-12		of use	r in the	lands	specifie	d in the	schedule ar	pended t
				4645	0-2-10		this no	otification	:				
				4646	0-2-0		Nov	v, theref	ore, in	exercis	e of the	power co	nferred b
				4647	0-1-10		sub-se Gover	ction (1) nment h	of the ereby de	Section eclares	that the	said Act, t	he Centra ser in th
				4649	0-5-10		said la	ınds spec	lfied in	the sci	nedule app	ended to 11	
				4650	0-1-10		tion b	ereby ac	quired t	or layi	ng the pi	peline;	
				4651	0-2-10							inferred by	
				4654	0-2-0							overnment d hall instead	
				4655	0-0-10		in Ce	ntral Go	/ernmen	t vests	on this o	late of the	publicatio
				4656	0-3-0			s declara encumbra		tne G	as Author	rity of Indi	a Ltd. Ire
				4658	0-1-0								
				4659	0-1-15						EDULE		
				4660	0-0-10		Haji	ra–Bareill	y-Jagdis	hpur P	ipeline Pr	oject	
				4661	0-2-10		Distt.	Tehsil	Para	 - Vil	lage Plot	Area	Re
				4662	0-0-15		~		gana	+ -1.	No.	Acquired	mark
				4665	0-4-5		1	2	3	4	5	6	
				4663 4666	0-1-5 0-7-10		Rai-	Maha-			1671	0 1	4
				4666 4667	0-7-10 0-1-0						a 1885M		4
				4673	1-1-10			-			1886M	0 18	12
				4674	0-2-10						4497M	- I	0
				4674	0-2-10						4496 450 2	0 1	8
				4928	0-1-14)					4502 4503	0 0 0 1	12 0
				4929	0-10-10	•					4504M		10
				4930	1-1-10						4512M		0
											4513M	0 5	3

<u> </u>								
1	2	3	4	5		6		7
	- _			4515	0	0	18	
				4516	0	12	14	
				4519M	1	6	8	
				4541M	0	9	9	
				4543	0	0	5	
				4544	0	1	10	
				4545M	0	19	4	
				4546M	ō	18	14	
				4596M	0	1	10	
				4597	Ô	4	0	
				4549	0	6	12	
				4645	Õ	2	10	
				4646	0	2	0	
				4647	0	1	10	
				4649	0	5	10	
				4650	0	1	10	
				4651	0	2	10	
				4654	0	2	0	
				4655	0	0	10	
				4656	0	3	0	
				4658	0	1	0	
				4659	0	1	15	
				4660	0	0 2	10	
				4661	0		10	
				4662	0	0	15	
				4665	0	4	5	
				4663	0	1 7	5	
				4666	0	1	10	
				4667	0	j	0	
				4673 4674	1 0	2	10	
						1	10	
				4675 4928	0	10	14 10	
				4929	0	5	10	
				4929	1	1		
				4930			10 10	
				4931 4932	0	0 12		
				4932	0	1	0 10	
				4933 4934	0	0	10	
				4938	0	1	10	
				4936 4939	0	1	15	
				4947	0	1	5	
				4948	0	1	15	
				4950	0	2	10	
				4950 4951	0	2	0	
				4952	0	1	10	
				4953	0	2	10	
				4955	0	4	0	
				4956	0	2	10	
				4957	0	1	0	
				4959	o	2	10	
				4968	1	10	10	
								
				fNIo.	Λ	140161	20/04	ODI

[No. O-14016/238/84-GP]

का आ. 2519 .----यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइम (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिमियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था। और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीम सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि-दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिष्ण्य किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त मिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्-द्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिकाने के प्रयोजन के लिए एतद्दारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मित्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकारण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हुजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना ग्रा	म का	नाम लिया गया	रकदाविवरण	
1	2	3	4	5	6	 7
कानपुर ह	— देहात-अकब	रपुर-अकबर्	∑ ₹-	381	1-5-0	
हमन	ापुर			384	1-8-0	
				386	0-1-8	
				385	1-19-0	
				887	0-0-17	
				381	0-19-0	
				392	0-2-10	
				565	0-15-10	
				559	1-0-0	
				566	1-4-0	
				457	0-1-17	
				567	0-0-17	
				564	0-3-8	
				574	0-1-4	
				582	0-11-0	
				583	0-13-6	
				581	0-0-17	
				579	2-0-0	
				580	0-5-17	
				762	4-9-15	
				761	4-12-13	
				759	0-6-2	
				758	1-13-17	
				753मि	2-5-3	
				753 मि	1-0-0	
				753 मि	1-5-0	
				753 मि	100	
				753 मि	0-10-0	

[सं. **O**-14016/191/8**4**-जीपी]

S.O. 2519.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3799 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said fands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

Schedule

Hajira Barielly Jagdishpur Pipe Line Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Required	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Kan-	Akbar-	Akbar-	Hasna-	381	1-5-0	
pur	pur	pur	pur	384	1-8-0	
Dehat				386	0-1-8	
				385	1–19–0	
				387	0-0-17	
				381	0-19-0	
				392	0-2-10	
				565	0-15-10	
				559	1-0-0	
				566	1-4-0	
				457	0-1-17	
				567	0-0-17	
				564	0-3-8	
				574	0-1-4	
				582	0-11-0	
				583	0-13-6	
				581	0-0-17	
				579	2-0-0	
				580	0-5-17	
				762	4-9-15	
				761	4-12-13	
				759	0-6-2	
				758	1-13-17	
					n2~5-3	
					n1-0-0	
					n1-5-0	
					n1-0-0	
				753M i	n 0–10–0	
				[No.	O-14016/1	91/84-GP]

का.आ. 2520 - यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधि-नियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4080 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अर्जित कारने का अपना आध्रय घोषित कार विया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे वी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि-दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अभित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची मे विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विकान के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार कें निहित होने के बजाय भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हजिरा-वरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट ।

जिला	तहसील	परमना	ग्राम का नाम	लिया गया	रकवा	विवरण	
1	2	3	4	5_		6	7
——- राय व रेली	- -महराजगंज	 १-बछराव	ां-भनो हा र कट	रा			
				749	0-1	2-0	
				193	0-3	-0	
				196	0-1	-0	
				191	0-0	17	
				190	0-0	⊢15	
				189	0-6	i –0	
				201	0-1	-0	
				200	0-0	10	
				204	0-1	2-0	
				205	0-0) 10	
				206	0-1	2-0	
				207	0-1	-0	
				208	0-2	-0	
				210	0-7	-0	
				194	0-1	0-0	
				195/2	0-1	l 0- 0	
				195/1	0-3	3- 0	
				160	0- 8	- 12	
				157	0-1	10-10.	
				156	0-1	1-0	
				156	0-	5 — 0	

	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
				155	0-8-8					93	34	0-8-0	
				153	0-0-15						3 5	0-5-0	
				154	0-3-0						31	0-10-0	
				151	0-1-0						43	0-0-15	
				150	0-0-10								
				251	0-1-0						[स. O -14	4016/319/8	4-जीपी]
				230	0-4-0		6.0	2520 3	1/harana	her notifi	antion o	e the Co	
				739	0-13-17							of the Go 4080 dated	
				236	0-3-12		under s	ub-sectio	on (I) (of Sectio	n 3 of	the Petrol	eum a
				719	0-8-8							t of User Jovernment	
				720	0-10-16		its inter	tion to	acquire t	he right	of user i	n the lands	specif
				238	0-9-7		in the s laying 1		appende	d to tha	t notifica	tion for p	urpose
				717/1	0-3-10				41. 6.	4	A		dan Crr
				717/3	0-3-10							ty has und ct, submitte	
				529/1	0-8-0			Governn					·
				529/2	0-8-1		Anđ	further	whereas	the Cer	tral Go	vernment l	has, af
				528	0-5-9							acquire t hedule app	
				532	0-16-16			ification;		occinca i.	11 1110 50	medule app	ænded.
				533	0- 2- 5					exercise	of the t	power conf	ferred
				550	0-3-12		sub-sect	ion (I)	of the S	Section 6	of the s	aid Act. th	e Cen
				551	0-9-12							ight of use ided to this	
				552	0-1-0					r laying			, 10
				553	0-5-0		And	further	in exerci	se of po	wer conf	erred by 6	ub-sect
				548	0-1-16		(4) of	that se	ection, tl	he Centr	al Gove	rnment dir	rects 1
				549	0 1 0							ll instead o te of t he p	
				560	0-2-0		of this	declarat	ion in t			v of India	
				561	0-9-12		from e	icumbra	nces.				
				565	0-3-0					Schedu	ilo		
					0-2-0					~~			
				566	0-3-0		Uoi	ira Barei	IIv Tandis		e Line Pr	olect	
				566 567			Нај	ira Baro	lly Jagdis	shpur Pip	e Line Pr	oject.	
					0-4-0			. <u> </u>		shpur Pip			
				567 572	0-4-0 0-1-0			ira Barei Tehsil				o. Area	
				567	0-4-0 0-1-0 0-19-4			. <u> </u>		shpur Pip			
				567 572 573	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0			. <u> </u>		shpur Pip		o. Area	
				567 572 573 574 577	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0		Distt.	Tehsil	Pargana 3	a Village	Plot No	o. Area Acquired	!
				567 572 573 574 577 578	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village 4 Manoh	Plot No	Area Acquired 6 0-12-0	!
				567 572 573 574 577 578 579	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0 0-2-0		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village	Plot No. 5 ar 749 193	6 0-12-0 0-3-0	!
				567 572 573 574 577 578	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0 0-2-0 0-19-4		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village 4 Manoh	Plot No	Area Acquired 6 0-12-0	!
				567 572 573 574 577 578 579 580 581	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0 0-2-0		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village 4 Manoh	Plot No. 5 ar 749 193 196 191 190	6 0-12-0 0-3-0 0-1-0 0-0-17 0-0-15	!
				567 572 573 574 577 578 579	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0 0-2-0 0-19-4 0-1-0		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village 4 Manoh	Plot No. 5 ar 749 193 196 191 190 189	0. Area Acquired 6 0-12-0 0-3-0 0-1-0 0-0-17 0-0-15 0-6-0	!
				567 572 573 574 577 578 579 580 581 582	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0 0-2-0 0-19-4 0-1-0 0-2-0 0-4-1		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village 4 Manoh	Plot No. 5 ar 749 193 196 191 190 189 201	0. Area Acquired 6 0-12-0 0-3-0 0-1-0 0-0-17 0-0-15 0-6-0 0-1-0	!
				567 572 573 574 577 578 579 580 581 582 597	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0 0-2-0 0-19-4 0-1-0 0-2-0		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village 4 Manoh	Plot No. 5 ar 749 193 196 191 190 189 201 200	0. Area Acquired 6 0-12-0 0-3-0 0-1-0 0-0-17 0-0-15 0-6-0 0-1-0 0-0-10	!
				567 572 573 574 577 578 579 580 581 582 597 596	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0 0-2-0 0-19-4 0-1-0 0-2-0 0-4-1 0-2-0		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village 4 Manoh	Plot No. 5 ar 749 193 196 191 190 189 201	0. Area Acquired 6 0-12-0 0-3-0 0-1-0 0-0-17 0-0-15 0-6-0 0-1-0	!
				567 572 573 574 577 578 579 580 581 582 597	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0 0-2-0 0-19-4 0-1-0 0-2-0 0-4-1 0-2-0 0-4-1		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village 4 Manoh	Plot No. 5 ar 749 193 196 191 190 189 201 200 204 205 206	0. Area Acquired 6 0-12-0 0-3-0 0-1-0 0-0-15 0-6-0 0-1-0 0-0-10 0-12-0 0-0-10 0-12-0	!
				567 572 573 574 577 578 579 580 581 582 597 596 594 636	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0 0-2-0 0-19-4 0-1-0 0-2-0 0-4-1 0-2-0 0-5-0 0-9-0		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village 4 Manoh	Plot No. 5 ar 749 193 196 191 190 189 201 200 204 205 206 207	0. Area Acquired 6 0-12-0 0-3-0 0-1-0 0-0-17 0-0-15 0-6-0 0-1-0 0-12-0 0-0-10 0-12-0 0-12-0 0-1-0	!
				567 572 573 574 577 578 579 580 581 582 597 596 594 636 637	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0 0-2-0 0-19-4 0-1-0 0-2-0 0-4-1 0-2-0 0-5-0 0-9-0 0-1-0		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village 4 Manoh	Plot No. 5 ar 749 193 196 191 190 189 201 200 204 205 206 207 208	0. Area Acquired 6 0-12-0 0-3-0 0-1-0 0-0-17 0-0-15 0-6-0 0-1-0 0-0-10 0-12-0 0-12-0 0-12-0 0-12-0 0-12-0	!
				567 572 573 574 577 578 579 580 581 582 597 596 594 636 637 638	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0 0-2-0 0-19-4 0-1-0 0-2-0 0-4-1 0-2-0 0-5-0 0-9-0 0-1-0		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village 4 Manoh	Plot No. 5 ar 749 193 196 191 190 189 201 200 204 205 206 207 208 210	0. Area Acquired 6 0-12-0 0-3-0 0-1-0 0-0-17 0-0-15 0-6-0 0-1-0 0-12-0 0-0-10 0-12-0 0-1-0 0-12-0 0-1-0 0-12-0 0-1-0 0-12-0	!
				567 572 573 574 577 578 579 580 581 582 597 596 594 636 637 638 635 598	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0 0-2-0 0-19-4 0-1-0 0-2-0 0-4-1 0-2-0 0-5-0 0-9-0 0-1-0 0-3-0 0-19-4 0-2-0		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village 4 Manoh	Plot No. 5 ar 749 193 196 191 190 189 201 200 204 205 206 207 208	0. Area Acquired 6 0-12-0 0-3-0 0-1-0 0-0-17 0-0-15 0-6-0 0-1-0 0-12-0 0-12-0 0-12-0 0-1-0 0-12-0 0-1-0 0-12-0 0-1-0 0-12-0 0-1-0 0-12-0	!
				567 572 573 574 577 578 579 580 581 582 596 594 636 637 638 635 598 925	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0 0-2-0 0-19-4 0-1-0 0-2-0 0-4-1 0-2-0 0-5-0 0-9-0 0-1-0 0-3-0 0-19-4 0-2-0 0-19-4		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village 4 Manoh	Plot No. 5 ar 749 193 196 191 190 189 201 200 204 205 206 207 208 210 194 195/2 195/1	0. Area Acquired 6 0-12-0 0-3-0 0-1-0 0-0-17 0-0-15 0-6-0 0-1-0 0-12-0 0-0-10 0-12-0 0-1-0 0-12-0 0-1-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0	,
				567 572 573 574 577 578 579 580 581 582 597 596 594 636 637 638 635 598 925 639	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0 0-2-0 0-19-4 0-1-0 0-2-0 0-4-1 0-2-0 0-5-0 0-9-0 0-1-0 0-3-0 0-19-4 0-2-0 0-1-0 0-1-0		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village 4 Manoh	Plot No. 5 ar 749 193 196 191 190 189 201 200 204 205 206 207 208 210 194 195/2 195/1 160	0. Area Acquired 6 0-12-0 0-3-0 0-1-0 0-0-17 0-0-15 0-6-0 0-10-0 0-12-0 0-12-0 0-1-0 0-12-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0	!
				567 572 573 574 577 578 579 580 581 582 597 596 594 636 637 638 635 598 925 639	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0 0-2-0 0-19-4 0-1-0 0-2-0 0-4-1 0-2-0 0-5-0 0-9-0 0-1-0 0-19-4 0-2-0 0-1-0 0-1-0 0-1-0 0-1-0		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village 4 Manoh	Plot No. 5 ar 749 193 196 191 190 189 201 200 204 205 206 207 208 210 194 195/2 195/1 160 157	0. Area Acquired 6 0-12-0 0-3-0 0-1-0 0-0-17 0-0-15 0-6-0 0-10-0 0-12-0 0-12-0 0-1-0 0-12-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0	!
				567 572 573 574 577 578 579 580 581 582 • 597 596 594 636 637 638 635 598 925 639 923 922	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0 0-2-0 0-19-4 0-1-0 0-2-0 0-4-1 0-2-0 0-5-0 0-9-0 0-1-0 0-3-0 0-19-4 0-2-0 0-1-0 0-1-0 0-1-0 0-1-0 0-1-0 0-1-0		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village 4 Manoh	Plot No. 5 ar 749 193 196 191 190 189 201 200 204 205 206 207 208 210 194 195/2 195/1 160 157 158	0. Area Acquired 6 0-12-0 0-3-0 0-1-0 0-0-17 0-0-15 0-6-0 0-1-0 0-12-0 0-10-0 0-12-0 0-10-0	!
				567 572 573 574 577 578 579 580 581 582 597 596 594 636 637 638 635 598 925 639 923 922 929	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0 0-2-0 0-19-4 0-1-0 0-2-0 0-4-1 0-2-0 0-5-0 0-9-0 0-1-0 0-19-4 0-2-0 0-1-0 0-1-0 0-1-0 0-1-0 0-1-0 0-1-0 0-1-0 0-1-0 0-1-0		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village 4 Manoh	Plot No. 5 ar 749 193 196 191 190 189 201 200 204 205 206 207 208 210 194 195/2 195/1 160 157 158 156	0. Area Acquired 6 0-12-0 0-3-0 0-1-0 0-0-17 0-0-15 0-6-0 0-1-0 0-12-0 0-10-0 0-12-0 0-10-0	!
				567 572 573 574 577 578 579 580 581 582 • 597 596 594 636 637 638 635 598 925 639 923 922	0-4-0 0-1-0 0-19-4 1-0-0 0-0-10 0-1-0 0-4-0 0-2-0 0-19-4 0-1-0 0-2-0 0-4-1 0-2-0 0-5-0 0-9-0 0-1-0 0-3-0 0-19-4 0-2-0 0-1-0 0-1-0 0-1-0 0-1-0 0-1-0 0-1-0		Distt.	Tehsil 2 Mahara	Pargana 3	a Village 4 Manoh	Plot No. 5 ar 749 193 196 191 190 189 201 200 204 205 206 207 208 210 194 195/2 195/1 160 157 158	0. Area Acquired 6 0-12-0 0-3-0 0-1-0 0-0-17 0-0-15 0-6-0 0-1-0 0-12-0 0-10-0 0-12-0 0-10-0	!

2900 		THE	TAZE ()	EOF		: JOME
1	2	3	4	5	6	7
				150	0-0-10	
				251	0-1-0	
				230	0-4-0	
				239	0-13-17	
				236	0-3-12	
				719	0-8-8	
				720	0-10-16	
				238	0-9-7	
				717/1	0-310	
				717/3	0-9-0 0-8 -0	
				529/1 529/2	0-8-1	
				528	0-5-9	
				532	0-16-16	
				533	0-2-5	
				550	0-3-12	
				551	0-9-12	
				552	0-1-0	
				553	0-5-0	
				548	0-1-16	
				549	0-1-0	
				560	0-2-0	
				561	0-9-12	
				565	0-3-0	
				566	0-4-0	
				567 572	0-1-0	
				572 573	0-19-4 1-0-0	
				574	0-0-10	
				577	0-1-0	
				578	0-4-0	
				579	0-2-0	
				580	0-19-4	
				581	0–1–0	
				582	0-2-0	
				597	0-4-1	
				595/2 505/1	0-8-14	
				595/1 596	0-5-0 0-2-0	
				594	0-5-0	
				636	0-9-0	
				637	0-1-0	
				638	0-3-0	
				635	0-19-4	
				598	0-2-0	
				925	0-1-0	
				639	0-1-0	
				923	0-2-0	
				922 929	0-11-0 0-11-4	
				929	0-11-4	
				927	0-9-0	
				923	1-9-8	
				934	0-8-0	
				935	0-5-0	
				531	0-10-0	
				543	0-0-15	
			·			

[No. O-14016/319/84-GP]

का. आ. 2521 .— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4078 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट भूभियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आगय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और आगेयतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि-दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्-द्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोगन के लिए, एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं। कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

জিলা	तहसील	परगना	ग्रामका नाम	स्निया ग	या रकबा-विवरण	
1	2	3	4	5	6	7
राय बरे	— लीमहराज	गंज सेमर	ोता सिरसा	1	1-9-0	
				10	0-13-3	
				12	0-5-2	
				15	1-4-10	
				11	0-12-10	
				16	0-0-5	

[सं॰ O-14016/3/317/84-भीपी]

S.O. 2521.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum. S.O. 4078 dated 1-12-84 under sub-section (I) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajıra-Bareilly-Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargan	a Village	Plot No	. Area Acquired	Romarks
1	2	3	. 4	5	6	7
Rac	Mohar	Sam-	Sisra	1	1-9-0	
Baroli	Ganj	rauta		10	0-13-3	
				12	0-5-2	
				15	1-4-10	
				11	0-12-10	
				16	0-0-5	

[No. O-14016/317/84-GP]

का. अा. 2522 .— यतः पेट्रोलियम और खिनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4019 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आगय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्यिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करते है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विगिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोगन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिनतयों क्या प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश वेली है। कि उकत भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निष्टित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकामन की इस तारीख को निहिन होगा।

अनुसूची जिरा -- बरेली — जगदीसपुर पाइप शाइन प्रोजेक्स

	हाजरा	- - घ रेली	—जगर्द	शिपुर	पाइप	भाइन प्रोजेक्ट	
ि ला	तहसील	परगमा	प्राम	गाटा	नं.	लिया गया रक्षवा (एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5		- ′ 6	7
 राय करे	 लीमहराअ	 गंजा हरवे	——— ोई पारा	30	1	0-5-0	
			खुर्व	31		0-12-0	
			•	33		0-5-12	
				34		0-11-10	
				3 5		0-1-10	
				40		0-4-0	
				41		0—1— n	
				52		0-11-17	
				53		0-2-0	
				54		0-5-17	
				5 5		0-8-0	
				61		0-7-12	
				82		1-0-10	
				84		0-19-0	
				85		0-0-10	
				86		0-0-10	
				11		0-7-0	
				11		0-7-0	
				11		0-0-10	
				11		0-10-0	
				11		1-3-10	
				12		0-0-10	
				13		1 0 1 6 1 4 0	
				13 24		0-4-0	
				29		1-7-0	
				29		1-13-0	
				30		0-0-10	
				30		0-2-0	
				44		0-2-10	
				44		0-2-0	
				44		1 9 0	
				45		0~ 7- 0	
				45		0- 7- 0	
				45	3	0-11-0	
				4.5	4	0-11-12	
				47	9	0-2-2	
				48	0	0-11-10	
				48	2	0-12-0	
				48	3	0-11-10	
				48	4	0-2-5	
				48	5	0-2-0	
				52	6	0-4-0	
				5 2	7	0 0 1 0	
				53	4	0-0-3	
				53	5	0 → 1 → 0	
				53	6	0-1-8	
				53	7	0-15-0	
				54	2	0→13−0	

622

1-1-0

1	2	3	4	5	6	7				SCHEDU	ЛE		
				546	1-15-0		Н	jira Bare	illy Jagdis	hpur Pip	e Line Pro	oject	
				547	0-1-10				. 5-			_	
				550	0-5-10		Diate	Tabail	Donosno	Village	Diet Ne	A D	
				591	1-0-10		Distt,	Tehsil	Pargana	VIIIAge	Plot No.	Area Re Acquired	emarks
				592	0-9-0			-				Acquired	
				601	0 7 4		1	2	3	4	5	6	7
				619	0-0-10								
				620	0-13-6		Rae	Maha	raj Hardo	i Dara	30	0-5-0	
				622	1- 1- 0			ly ganj	raj mardo	khurd	31	0-12-0	
				626	0-5-0						33	0-5-12	
				599	0-10-0						34	0-11-10	
				32	0- 1- 10						35	0-1-10	
				49	0-1-15						40 41	0-4-0	
				237	0- 5- 0						41 5 2	0-1-0 0-11-17	
				305	0-0-10						53	0-2-0	
				444	0-0-5						54	0-5-17	
				481	0-5-0						55	0-8-0	
				486	1-0-10						61	0-7-12	
				487	0-0-15						82 84	1-0-10 0-19-0	
				543	0-8-0						85	0-0-10	
				545	1-18-0						86	0-0-10	
				593	0-2-5						112	0-7-0	
				597	0-7-0						115	0-7-0	
				600	0 1 4 0						117 118	0-0-10 0-10-0	
				604	0-0-10						119	1-3-10	
				625	0-2-10						122	0-0-10	
				56	0-7-12						132	1-0-16	
				131	0-11-0						134	1-4-0	
					0 11 0						241 298	0-4-0 1-7-0	
				Īπ O- 146	0 1 6/3 1 8/8 4 - जं	के की 1					299	1-13-0	
				[1, 0 14,	010 010 04 4	, , , ,					300	0-0-10	
											301	0-2-0	
					n of the Gov						442	0-2-0	
). 4019 dated						448 449	0-2-0 1-9-0	
					f the Petrole ht of User in						450	0-7-0	
		-			Government						451	0-7-0	
					in the lands						453	0-11-0	
			pended	to that notifi	ication for pu	rpose of					454	0-11-12	
layir	ng pipe	lin e ;									479 480	0-2-2 0-11-10	
A.	nd whe	ereas th	e Com	etent Autho	rity has und	er Sub					482	0-12-0	
					Act, submitte						483	0-11-10	
to t	he Gov	ernmen	t;								484	0-2-5	
Α.	nd fur	har wh	areas th	na Cantral C	overnment h	as after					485 526	0-2-0	
					o acquire th						526 527	0-4-0 0-0-10	
					schedule appe						534	003	
this	notifica	tion;									535	0-1-0	
N T	· 41.	£		union of the	-0.00 conf	wad her					536	0-1-8	
					said Act, the						337 542	0-15-0	
					right of user						546	0-13-0 1-15-0	
					ended to this						547	0-1-10	
				aying the pip							550	0-5-10	
	.a.e. /			of name- a	farent ber and	n raction					591	1-0-10	
					nferred by sulvernment dire						592	0-9-0	
					all instead of						601 619	0-7-4 0-0-10	
					ate of the pul						620	0-13-6	
					tv of India I						622	1_1_0	

of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free

from encumbrances.

1 2 3	4 5	6	7			,	अनुस्	र्च"		
	62.0	5 0-5-0			हाजि	राबरेत			। लाइन प्रोजेक्ट	
	599	0-5-0 0-10-0		- जिला	तहसील	परगना	ग∏	गाटा सं,	लिया गया	विवरण
	32	0-1-10		, -, ,,				1191 (1)	रकवा एकड़ में	14444
	49	0-1-15								
	2 37	0-5-0		`	2		<u>4</u>	5	6	7
	305	0-0-10		आसीन	जालीन	अस्त्रीन		194	1-08	
	444	0-0-5					मृस्⁴कलि	214	0-30	
	481	0-5-0						215	0-10	
	486	1-0-10						216	0-10	
	487	0-0-15						217	0-60	
	543	0-8-0						225 226	0−36 0−40	
	545	1-18-0						228	0-40 0-43	
	593 597	0-2-5						232	0-10	
	600	07-0 0-14-0						233	0-20	
	604	0-0-10						406	0-39	
	62.5	0-2-10						440/2	0-10	
	56	0-7-12						483	0-39	
	131	0-11-0						213	0-10	
								503	0→10	
								506	0-40	
	\N	o. O-14016/318,	[84-GP]					508	0-74	
	a-a	~~~~						509	0-08	
	23यतः पेट्रो							520	0-02	
पाइपलाइन (भूमि में उ								5 2 1	0-42	
नियम 1962 (1962								528	0-03	
(1) के अधीन भारत	सरकार के पेट्र	ोलियम मन्नार	(य की					527	0-45	
अधिमुचना सा. आ. व	मं. 4074 तार्र	खि 12-11-8 4	. श्वारा					526	0-40	
केन्द्रीय सरकार ने उस								555 556	0-08 0-35	
विनिदिष्ट भूमियों के उप								557	0-35 0-28	
को बिछाने के लिए अ								558	0-12	
कर दिया था।								550	0-28	
भूगर (द्राया जा।								551	0-06	
और यतः सक्षम प्रा	धिकारी ने उक्त	अधिनियम की	धा रा					565/1	0-10	
6 की उपधारा (1) के	अधीन सर क ार	को रिपोर्ट दे	वी है।					596/1	0-08	
								615	0-05	
और आगे यतः वे								616	0-48	
विचार मारने के पश्चास्								617	0-70	
में विनिधिष्ट भूमियों में	· 'उपयोग का अ	धिक≀र अजित	<i>कार</i> ने					624	0-44	
का विनिण्चय किया है।								632	0-48	
	-0-fram- -0		and a district					634	0-04	
् अब, अतः उक्त अ								635	0-10	
(1) द्वारा प्रदक्त शक्ति								636	0-13	
एतद्द्वारः घोषितं करती है								647 648	0- 03 0- 72	
में विनिधिष्ट उक्त भूमियो	मिं उपयोग क <i>ा</i>	अधिकार पाइप	-लाइन					649	0- 80	
विछाने के प्रयोजन के लिए								746	0-30	
	•							747	0-40	
और अपे उस धार	रार्का उपधार	(4) द्वारा	प्रदत्त					748	0-24	
मक्तियों का प्रयोग करते								752	0-28	
काराया का प्रकार करत कि उक्त भूमियों में उप								753	0-30	
								755	0 0 1	
निहित होने के बगाय भ								756	0-02	
वाधाओं से मुक्त रूप मे	चापणा कं प्रक	(शनका इस	ताराख					757 760	0-11 0-23	
को निहित होगा।								760	0-23	

1 3 3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
		761	0.02				• •		527	0-45	
		764	020						526	0-40	
									555	008	
		766	001						556	0-35	
		764	0~53						557	0–2 K	
		765	0.36						558	0–12	
		645	0-01						550	0-28	
		758	0- 16						551	0-06	
		560	0-05						565/1	0-10	
				-					59 6/1	0-08	
		ਜ਼ਿੰΩ-	-14046/313/	84-जीपी					615	0-05	
		ι							616 617	0-48 0-70	
S.O. 2523	Whereas h	y notification	on of the G	lovernment					624	0-44	
of India in the N	Linistry of F	etroleum. S.	O. 4074 date	d 12-11-84					632	0-48	
under sub-sceti									634	0-04	
Minerals Pipeli Act, 1962 (50									635	0-10	
its intention to									636	0-13	
in the schedule									647	0-03	
laying pipeline;									648	0-7,	
And wherea	s the Con	npetent Auth	ority has u	ınder sub-					649	0-80	
section (1) of		of the said	Act. submit	ted report					746	0-30	
to the Govern	nent;								74 7	0-40	
And further	whereas t	he Central (Government	has, after,					748	0-24	
considering the									752	0-28	
of user in the this notification		cified in the	schedule ap	pended to					753	0-30	
	-								755	0-01	
Now, therefore									756	0-02	
sub-section (I) Government he									757	0–11	
said lands spec									760	0-23	
tion hereby acc									761	0-02	
And further	in evereisa	of nower -c	onferred by	aub-section					76°	0-20	
(4) of that se									766 764	0-01	
the right of us	er in the	said fands si	all instead	of vesting					764 765	0-53	
in Central Gov									765	0-36	
of this declarate from encumbrate		Gas Aumoi	ny or India	Liu. Hec					645 7 5 8	0-01 0-16	
топ спешьога	1,44,7,								158	0-10	

SCHEDULE
Hajira-Bateilly-Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargan	a Village	Plot No	Area Acquired	Remark
1		3		5	6	7
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Romai Mustkit	194 214 215 216 217 225 226 228 232 233 406 440/2 483 213 503 506 508 509 520 521 528	1-08 0-30 0-10 0-10 0-60 0-36 0-40 0-43 0-10 0-20 0-39 0-10 0-39 0-10 0-10 0-40 0-40 0-40 0-40 0-40 0-40 0-40 0-40 0-39 0-10 0-39 0-10 0-40 0-39 0-10 0-39 0-10 0-40 0-40 0-40 0-39 0-10 0-39 0-10 0-40	- La

[No. O-14016/313/84-GP]

0-05

का आ. 25?4 — यत पेट्रोसियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधि- नियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोसियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4069 तारीख 12-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धित भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप-लाइनो को विछान के लिए अजित करने का अपना आध्रय घोषित कर दिया था।

560

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपवारा (1) के अधीग सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केद्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि-र्विष्ट भूमियो मे उपयोग का अधिकार अर्जिन करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्तं अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्ति का प्रयोग करत हुए केन्द्रीय सरकार एसद्-द्वारा घोषित करति हैं कि इस अधिसूचना में संलक्त अन्सुची थे विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रक्त गिक्तियों का प्रयोग करते दुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार केद्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैम प्राधिकरण लि. मे मभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा।

भनुसूच हाजिरा-- बरंन -- भगदीगपुर- पाइनलाइन प्रोजेस्ट

						~
1	2	₹	4	5	6	
जालीन	कींच	कीच		22	U- 03	
				23	U~26	
				24	0~04	
				30	0 ~ 0 1	
				38	0-12	
		`		[# O	14016/308/8	 1-जीप]

S.O. 2524.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4069 dated 12-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd, free from encumbrances.

SCHEDULE

Gas Pipeline From Hajıra-Bareilly-Jagdishpur Project

	1 at Bana	Village	Plot No.	Area in acres
Konch	Konch	Repura	22	0-03
			23	0-26
			24	0-04
			30	0-01
			38	0-12
	Konch	Konch Konch	Konch Konch Repura	23 24 30

[No. O-14016/308/84-GP]

का आ 2525.—यत पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधि-नियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंद्रालय की अधि-सूचना का. आ. सं. 4539 व नारीख 10-12-84 द्वारा केद्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को विछाने के लिए ऑजन करने का अपना आणय घोषित कर दिया था।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत फेन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से मंनग्न अनुसूची मे विनि-विष्ट भूमियों से उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) ब्रारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्रारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में मंलग्न अनुसूचों में विनिर्दिष्ट उक्त भूमिया में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्द्रारा अजित किया जाता है

अंदि आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयाग करतें हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण जि. में सभी बाधाओं से मुबत रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

श्रनुगूबः **हर्ज**.रा से **बरे**र्न से जगबीण पुर तक पाष्टपलाधन बिछःने के लिए। राज्य . गुजरात जिला पत्र महल तालुका हालोल

गास	सर्गे न०	ह ै क टेय <i>र</i>	श्रार सेन्ट	यर
1 2	3	4	5	6
मुलतान पूरा	60	0	18	00
	63	0	18	00
	64	0	21	0.0
	0.5	0	4.2	0.0
	66	0	25	0.0
	67	4)	04	0.0
	9.5	U	25	00
	19	0	37	00
	20	0	14	00
	13	0	08	0.0
	12	0	00	48
	24	o	52	Ø0

[म O-- 11016/441/84--ज •पः०]

5.0. 2525,—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4539 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mine als Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said Jands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE Pipeline from Hajira Bareilly Jagdishpur State : Gujarat, District : Panchmahal, Taluka : Halol

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
Sultanpura	60	0	18	00
-	63	0	18	00
	64	0	21	00
	65	0	42	00
	66	0	25	00
	67	0	04	00
	95	0	25	00
	19	0	37	00
	20	0	14	00
	13	0	08	00
	12	0	00	48
	24	0	52	00

[No. O-14016/441/84-GP]

का. आ. 2526---- यतः पेट्टोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ.. सं. 4493 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भृमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर विया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी हैं।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के परचात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि-विष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उन्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषिस करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुपूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी वाधाओं से मक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

भनुसुच। हजरा में बरेलं। से जगदीशपुर तक पाइपलाइस विछाने के लिए

राज्य : गुजरात,	जिला पंचमहल,	तालुका : लिमखेर	ļī	
गोव	सर्वे नं.	है क्टर	भारे	सेन्ट भूर
खे रीया	92/¶	1	52	49
	1 5 4/प	0	36	0 U
	151	0	43	51
_	150	0	49	5 7

सिं. O-14016/381/84-जीपी|

S.O. 2526.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4493 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of year in the lands described. its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE Pipeline from Hajira—Bareilly—Jagdishpur State: Gujarat, District: Panchmahal, Taluka: Limkheda

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
Kheria	92/P	1	52	49
	154/P	0	36	00
	151	0	43	51
	150	0	49	57

[No. O-14016/381/84-GP]

का. आ. 2527.---यतः पेट्टोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम. 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 122 तारीख 2-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अभिन करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत सक्षम प्राधिकारों ने उक्त अधिनियम की धारा 6 को उपबारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्च त् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूचो में विनि-दिब्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अव, अतः उक्त अधिनियम की धारः 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदस्त णिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनव्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में मंलग्न अनुसूची में विनिर्देष्ट उक्त भिमयों में उपयोग का अधिकार प इपलाइन विकान के प्रयोगन के लिए एनद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत सक्तिया का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संस्कर में निहित्त होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में ममो वाधाओं से मुक्त रूप मे, घोषणा के प्रकाणन को इस नारीख को निहित होगा।

श्रनुसूर्चः हुआरा मे बरेलः से जगदीशपुर तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य -गुजरात	जिलापंचमहल	तालुकादहो	वे	
गांब	सर्त्रे तं.	हैक्ट र	ग्रार	सेस्ट यर
1		3	4	
खा गेला	460	0	33	0.5
	465	01	01	6.5
	469	U	09	50
	466	01	43	80
	468	0	30	6.5
	467	0	20	0.0
	29	0	54	10
	31	0	38	50
	12/3	0	17	¥ 5
	12/2	0	17	68
	12/1	U	40	95
	11/1	0	04	95
	34/2	0	0.2	88
	10/6	0	40	20
	10/7	U)	00	3(
	Q	0	41	8.3
	8	0	13	40
	135	0	57	40
	137	0	12	40
	140/1	U	13	40
	140/2	0	33	60
	142/3	0	07	7 5
	141/1	9	0-5	70
	146/1	0	31	25
	- <u></u>			

1	2	3	7	5
म्ब्रोगेलः-जारी	1 46/2	0	21	00
	147/1	0	60	40
	152	0	0.0	50
	126	U	10	0.0
	153	ŋ	11	90
	154/1	0	18	0.0
	124/1	U	16	30
	124/2	0	18	70
	117	O	51	90
	106/1	2	00	00
	107	0	1 2	0.0

[स O-- 14016/515/84-- जन्म]

S.O. 2527.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 122 dated 2-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said Jands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULF
Pipeline from Hazira—Bareilly—Jagdishpur
State: Gujarat, District: Panchmahal, Taluka: Dahod

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tl are
1	2	3	4	5
Khangola	460	0	33	05
0	465	01	01	65
	469	.0.	09	50
	466	01	, 43	80
	468	0	30	65
	467	0	20	00
	29	0	54	10
	31	Û	38	50
	12/3	0	. 17	5:
	12/2	0	17	68
	12/1	0	40	95
	11/1	0	04	95
	34,2	0	02	88
	10/6	0	40	20

Ţ	2	3	4	5
Kha igela-Contd.	10/7	0	00	31
	9	0	41	8.
	8	0	13	4
	135	0	57	4
	137	0	12	4
	140/1	0	13	40
	140/2	0	33	6
	142/3	0	07	7
	141/1	0	05	70
	146/1	0	31	2:
	146/2	0	21	0
	147/1	0	60	4
	152	0	00	5
	126	C	10	1
	153	0	11	9
	154/1	0	18	0
	154/1	0	16	3
	124/2	0	18	7
	117	0	81	9
	106/1	2	00	00
	107	0	12	()ı

[No. O-14016/515/84-GP]

का. आ. 2528 — यत पेट्रोलियम और खिनिज पाइप-ल इत (यूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अप्रीत मारत मरकार के पेट्रोलियम मंद्रालय की अधिसूचना का. अं. मं. 4561 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्दिट यूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों का विछाने के लिए अर्जन करने का अप्रमा आमाय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उना अधिनियम की धारा 6 को उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात् इस अधिस्वना में संलग्न अत्मूची में विनि-दिष्ट भूभियां में उपयोग क अधिकार अजित करने के विनि-श्चय किया है।

अव अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदस्त मिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संस्थन अनुसूची में विभिन्निट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइक बिछाने के प्रयोगन के लिए एतद्दारा अजित किया जाता है।

और अमे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त मिन्नियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बनाय भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा।

श्रमृक्ष्यी हजीदा से बरेली से जगवीशापुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिये। राज्य---गुजरात, जिला पंचमहाल तालुका---वोहवे

$\overline{(1)}$ $\overline{(2)}$			
	(3)	(4)	(5)
वाबका 138	0	24	00
1 2 6 1	0	0.0	0.0
109/ए	0	24	00
127/2+5	0	02	00
1 2 7/ 1/ए	0	04	0.0
1 2 7/ 2/ 1	0	07	00
127/2/8	0	10	0.0
130/1/3	0	32	00
1 3 0/ 2/सी	ŋ	22	00
1 3 0/ 1/ড়	0	14	0.0
1 3 0/ 1/47	0	1.5	00
130/2	0	14	00
131	0	41	0.0
133/1	()	16	00
133/2	U	38	0.0
134	0	87	0.0
136	0	49	00
1 7 4/ए/पी	0	20	23
1 7 4 भिरी	0	67	0.0
1 7 4 /ए	0	60	77
174/ए/পী	0	48	0.0
1 7 4/ ए	0	23	0.0
174/ए/पी	0	20	00
1 9 3/पी	1	45	0.0
1 9 3/पी	ļ	12	00
1 9 3/पी	0	86	0.0
175	0	0.5	0.0
176/1	υ	50	0.0
176/2	0	1 2	0.0

[मं. 0--14016/464/84-जीपी]

S.O. 2528.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O 4561 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-Section (1) of Sect on 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipoline from Hajira—Barellly--Jagdisphpur
State: Gujarat, District: Panchamahal, Taluka: Dahod

Village	Survey No.	Hec- A	re Cei	ntiare
Bavaka	138	0	_4	00
	126/1	0	09	00
	109/A	0	24	00
	127/2-1-5	O	0.2	00
	127/1/A	0	04	00
	127/2/1	0	07	00
	127/2/8	0	10	00
	130/1/3	0	32	00
	130/2/C	0	2.2	00
	130/1/A	o	14	00
	130/1/B	0	15	00
	130/2	0	14	00
	131	0	41	0.0
	133/1	0	16	00
	133/2	0	38	00
	134	0	87	00
	136	0	49	00
	174/A/P	0	20	23
	174/P	0	67	00
	174/A	0	60	77
	174/ A /P	O	48	00
	174/A	0	23	00
	174/A/P	0	20	00
	['') 3/P	1	45	00
	193/P	1	12	00
	193/P	0	86	00
	175	0	05	00
	176/1	0	50	00
	176/2	0	12	00

[No. O-14016/464/84-GP]

का आ. 2529 — यत पेट्रोलियम और खिनज पाइप-लाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंघालय की अधिसूचना क. आ० स. 4544 तारीख 10-2-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वितिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइपलाइनो को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आण्य घोषित कर दिया

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और अगे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्च त् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विति-दिष्ट भूमियों में उपयोग का आधकार अधिन करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम को धारा की उपबारा (1) इत्रा प्रदत्त गक्ति का प्रयोग भरते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा घोषित कर्मा है कि इस अधिमूचना में संलग्न अनस्की से वितिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विकान के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अंजित किया जाना है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिलियां का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं में मुक्त रूप में. घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

धनुसूची हजीरा से **बरेली** से जगर्याशपुर तक पाइपलाइन विछाने के लिए राज्य---गुजरात, जिला---पंचमहाल, तालुका ---वहोद

ग्धि	सर्वे न	हैक्टर	श्र≀र	सेन्टी-
				प्रर
जा भूत	129	0	32	00
	130	0	32	90
	124	U	67	40
	125	0	18	20
	120	U	77	90
	128	()	0.2	0.0

्मिं. O~14016/44**6**/84**-जीपी**]

S.O. 2529.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1544 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, subnifited report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Covernment hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Hajira—Bareilly - Jagdishpur

State: Gujarat, District: Panchamahal, Taluka: Dahod

Village	Survey No.	Hec- tare	Ar e Cen-	
		·		_
Jalat	1י9	0	32 00)
	130	0	32 90)
	124	0	67 40)
	125	()	18 20)
	170	0	77 90)
	125	0	06 00)
		· — — — — — — — — — — — — — — — — — — —		_

[No. O-14016'446/84-GP]

का. आ. '2530:—यतः पेट्रोलियमं और खनिज् पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. स. 3782 तारीख 27-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से मंलग्न अनुसूची में विनिर्दिण्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आणय धोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनिथम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिण्चय किया है ।

अब, अत उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवन्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय स्रकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैंस प्राधिकरण लि में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

जिला तहसील पर्वानां ग्राम गौटा नियागया रक्तवा एकण में सरु							
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	— (7)	
न(लीन	जासीन	जा लौन	्र हमनपुर	3	0-03		
				5	0-49		
				h	0-19		
				7	0-01		
				1.0	0-04		
				1.	0-01		
				1.2	0-63		
				13	0– 8 წ		
				1.1	0-02		
				2 1	0-0.1		
				28	0-03		

[म. O→14016/173/84—–जीपी]

S.O. 2530—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. No. 3782 dated 27-10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of R glit of User in Land)

Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said fands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Gas Pipeline from Hajira-Baroilly-Jagdishpur Project.

Distt.	Tehsil	Pargan	n Village	Plot N	o. Area in Acres	
1	2	3	4	5	6	
Julaun	Jalaun	Jalaun	Hasan-	3	0-03	
			pur	5	0-49	
				6	0-19	
				7	001	
				10	0-04	
				11	001	
				12	0-63	
				13	0-86	
				14	0-02	
				24	001	
				28 ′	0-03	

[No. O-14016, 173/84-GP]

का. आ. 2531:—यतः पेट्रोलियम और खिनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंद्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3896 तारीख 10-10-8 म्हारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछान के लिए अजित करने का अपना आणय घोषित कर दिया था।

और यत. सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चौत् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने को विनिष्चय किया है।

अब, अत उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरक_{रा} एतम्द्रारा घोषित है कि इस अधिमूचना में संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्दारा अजिन किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं ने मुक्त रूप मे, घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

श्रनुसूची हाजिरा–करेली--जगदीकपुर पाइपमाहन प्रोजेक्ट

जिला	तहमील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया गया रकवा एकड़ में
1	2	3	4 -	5	6
जासीम	जानीन	जालौन	तातार-	<u></u> .	
			पुर	83	0-19
			J	84	0-01
				8.5	0-03
				99	0-27
				100	0-21
				101	0-24
				102	0-2-
				103	0-27
				104	0-39
				105	0-21
				106	0-01
				109	0-24
				110	0-01
				121	0-54
				128	0-01
				124	0-48
				125	0-01
				128	0-69
				134	0-01
				139	0-12
				140	0-78
				141	0-01
				142	0-18
				143	()— 1 6
				145	0-01
				151	0-15
				152	0-19
				153	0-19
				154	0-15
				158	0-01

[तं. O-14016/183/84-जो. पी.]

S.O. 2531.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3896 dated 16-10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Monerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified 229 GI/85-5

in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby fectores that the right of user in the said land, specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
Gas Pipeline from Hajira Bareilly Jagdishpur Project

Distt	Tohsil	Pargana	Village	Plot N	o. Area in Acres	
1	2	3	4	5	6	-
	Jalaun	Jalaun	Tatarpu	r 83	0-19	
				84	0-01	
				85	0.03	
				99	0-27	
				100	0-21	
				101	0–24	
				102	0-24	
				103	0-27	
				104	0-39	
				105	0-21	
				106	0-01	
				109	0–24	
				110	0-01	
				121	054	
				122	0-01	
				124	0-48	
				125	0-01	
				128	0–69	
				134	0-01	
				139	0-12 0-72	
				140	0-78	
				141	0-01	
				142	0-18	
				143	0-16	
				145	0-01	
				151	0-15	
				152	0-19	
				153	0-19	
				154	0-15	
				158	0-01	

का. आ. 2532: — यत: पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंद्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3460 तारीख 16-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार

ने उस अधिमूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आश्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट ये घी हैं।

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है !

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करको है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अंजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

श्रममुखी रहाञ्जि-करेली-करदीसपुर प्रकासनाहन प्रोजेक्ट

जिला	सहसील	परगना	ग्र !म	गाटा स .	लिया गया रकवा एकड में
1	2	3	4	5	6
भासीम	जालीन	जालीन	इटना	183/1	0-05
			कनार	184	0-04
				211	0-65
				212	0-58
				210	0-04
				209	1-20
				208	0-04
				250	0-39
				251	0-02
				256	1-00
				257	0-01
				260	0-48
				261	0-03
				262	0-27
				263	0-42
				264	0-63
				266	0-18
				266/1	0-24
				281	0-74
				313	0-12

सि. O-14016/30/84-जी० पी०]

S.O. 2532,—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 3460 dated 16-10-84 under sub-section (1) of Sc tion 5 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Governmen, declared its invention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government:

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Gas Pipeline from Hajira-Bareilly-Jagdishpur Project

Dist.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No	area in acres
1	2	3	4	5	6
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Itawa	183/1	0-05
			Kanar	184	004
				211	065
				212	058
				210	004
				209	1-20
				208	0-04
				250	0-39
				251	0 -02
				756	1-00
				257	0-02
				^60	0-48
				261	0-03
				262	0-27
				263	0-42
				264	0-63
				266	0-18
				268/1	0- 24
				281	0-74
				313	0-12
	., ., ., ., . ,			-	O-14016/30/84-0

का. आ. 2533:— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूलना का. आ. सं. 3392 तारीख 27-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूलना से मंजन अनुसूत्रों में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की माइपनाइनों की बिछाने के लिए अजित करने का अपना आणग घोणिन कर दिया

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्टिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है;

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित नः रती है कि इस अधिसूचना में मंत्रम्न अनुसूचों मे विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गिवतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होंगा।

श्रनुसूची हाजि रा–बरेलीं-जगवीणपुर पाइन लाइन प्रोजेस्ट

জিদা	त ष्ट् सील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	ृलिया गया रवना एकम् में	विवर ण
1	2	1	4	5	6	7
जालीर जाल	अलीर	जालोर	कृतनूपुर	1	0-06	
				2	0-30	
				3	0-30	
				4	0-67	
				5	0⊶ 0 1	
				19	0~ 0₺	
				20	1-82	
				22	0-03	

[सं. 0-14016/184/84जी • न र • 84]

S.O. 2533.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3792 dated 27-10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral, Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 or 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notineation;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

Dis*t.	Tehsil	Pargana Village		Plot No. Area in Remarks Acquired		
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Kutlu	1	0-06	1
			$\mathbf{Pu_r}$	2	0-30	
				3	0-30	
				4	0-67	
				5	0-01	
				19	0-06	
				20	1-82	
				22	003	

[No. O-14016/184/84-GP]

का. आ. 2534:—यत: पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंद्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1526 तारीख 29-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था;

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया हैं;

अब, अस: अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (.1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोने करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्-द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-स्माहन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है;

वौर आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार निहित्त होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकारण की इस तारीख से निहिन होगा

धन् सूची

विजयपुर (म. प्र.) से सवाई माधोपुर राजः पाईप लाईन तक बिछाने के लिए राज्य राजस्थाम जिला कोटा तहसीण मांगरो!

গাঁব	स्नासरा नं .	हेक्टर	प्रा र	सेन्टीमार
र्यामपुरा	3242	ð	05	25
-	340	0	10	8 0
	333	0	15	7 5
	332	0	40	15
	330	0	06	21
	327	0	32	2 2
	322	0	43	68
	150/2	0	16	08
	229	0	07	
	150/1	0	35	70
	154	0	42	0 0
	158	奢	32	0€
	156	0	00	71
	157	0	28	32
	181	0	11	4 (
	182	0	13	
	185	5	00	64
	184	0	16	
	183	0	02	
	186	0	13	
	187	0	17	
	188	0	14	
	205	0	08	
	191	0	02	
	204	0	29	
	192	0	53	
	203	0	11	
	172	0	07	
	100	0	18	
	104	0	02	60
	321	0	12	60
	329	0	02	70
	98	0	02	10
	99	0	00	30

सिं. O-14016/193/85-जी. पी.]

S.O. 2534.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1526 dated 29-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its invention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the

said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Bljaipur (M.P.) to Sawai Madhapur (Raj.) State: Rajasthan District: Kota Tebsil: Mangrol

Village	Survey No.	Hec-	Are	Cen
v ma go	Burvey Ma.	tarc	Arc	tlare
Shyampura	342		05	25
	340	0	10	80
	333	ō	15	75
	332	0	48	15
	330	0	06	21
	327	o	32	22
	322	0	43	68
	150/2	0	16	08
	229	0	07	92
	150/1	0	35	70
	154	0	42	00
	158	0	33	06
	156	0	00	72
	157	O	28	32
	181	0	11	40
	182	0	13	80
	185	0	00	64
	184	0	16	61
	183	0	03	45
	186	0	13	50
	187	0	17	70
	188	0	14	10
	205	0	08	10
	191	0	02	25
	204	0	29	55
	192	0	53	55
	203	0	11	40
	172	0	07	10
	100	0	18	20
	104	0	02	60
	321	0	12	60
	339	0	02	70
	98	0	02	10
	99	0	00	30

[No. O-14016/193/85-GP]

का. आ. 2535 — यतः पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1525 तारीख 29-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अजित करने का अपना आग्रय घोषित कर विया था;

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और आगे यत किन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का यिनिश्चय किया हैं।

अत्र, अतः उकत अधिनियम की धारा 6 की उपधारा, (1) द्वारा प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनइद्वारा घोषित करती है कि इस अधिमूचना में संलग्न अनुभूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रगोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जंगता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त सिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी वाधाओं में मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

क्षन सूच

विजयपुर (म. प्र) से सवाई माबोपुर (राज.) तक पाइप लाइन बिछाने के लिए राज्य :राजस्थान :जिला कोटा तक्ष्मील :मागरोम

गींघ	ख सरा न.	हेस्टर	—— — आर	—— सन्टीश्रार
1	2	_ 3	1	<u></u>
· "कुश्या"	10	– ij	01	31
•	В	0	14	4.1
	9	O	01	0.8
	7	9	01	77
	5	0	06	0 0
	4	0	00	30
<u></u>	[Ħ. O-	14016/192	/ ६ 5-जी	, पी.]

S.O. 2535.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1525 dated 29-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Covernment declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby Jeclates that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Lt 1, free from encumbrances.

SCHFDULE

Pipeiine from Bijaipur (M.P.) to S w.i Madhopur (Raj.) State: Rajisthan District: Kota Tehsil: Mangrol

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- ire
Kushya	10	0	01	34
	8	0	14	41
	9	0	01	08
	7	0	01	77
	5	0	06	00
	4	0	00	30

[No. O-14016/192/85-GP]

का. आ. 2536:—यतः पेट्रोलियम और खितज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1528 तारीख 29-5-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आणय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के पण्चाम् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट 'ूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिग्चय किया है।

अब, अतः उक्त नियम की द्वारा 6 की उपधारा, (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती हैं कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता हैं।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त शक्तिमों का प्रयोग करते हुए केन्द्राय सरकार निर्देण देती है कि उक्त भूमियों में उपशोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के वजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि., में सभी धाक्षाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रयाशन की इस तारीख से निहित होगा ।

अनुस् ची

विजयपुर (म. प्र.) से सवार्य माधोगुर (প্রেজ) । क पाउप लाइन बिछाने के लिए राज्य . राजस्थान जि.। ক চান सोत : माजराल

गां व — —	खासरा न	हे≉द्रर	मा -	येन्टीग्रार
"चकार्डः"	139	0	05	9
	138	0	18	۹.
	137	i	22	28
	103	11	10	84
	104	()	3 4	60
	7**	0	10	5 (
	7 1	0	42	3.5
	7 +	n	01	4.5
	4 7	0	00	1.2
	45	0	48	90
	3 Đ	0	87	00
	40	0	59	40
	17	0	57	84
	18	0	00	96
	16	0	41	34
	2 1	0	09	6 (
	14	0	02	30
	10	0	09	14
	11	0	01	76
	.7	0	05	42
	6	0	04	40
	12	0	18	28
	15	0	00	36
	105	0	00	80
	8	0	03	0.0

[सं. O-14016/195/85-जी.पी.]

S.O. 2536.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1528 dated 29-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of R ght of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Bij.ipur (M.P.) to Saw. i M.c. loft (R.). Stife: Rijisthan District: Kota Tehsil: M. ngrol

Vill.ge	Survey No.	Hee- tire	Arc t	C'en- i .re
Chandrahedi	139	0	05	94
	138	0	18	84
	137	1	22	28
	103	0	10	84
	104	0	33	60
	72	0	10	50
	74	0	42	35
	73	0	01	45
	47	Ω	00	12
	48	0	48	90
	39	0	87	00
	40	0.	39	40
	17	0	5 7	84
	18	0	00	96
	16	0	41	34
	?1	0	09	60
	14	0	02	30
	10	0	09	14
	11	Q	01	76
	7	0	05	42
	6	0	04	40
	12	0	18	28
	15	0	00	36
	105	0	00	80
	8	0	03	00

[Na. O-14016/195/85-GP]

का. अा. 2537:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मन्त्रालय की अधिस्मूचना का॰ आ. सं. 3942 तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना संजग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपरोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अगना आश्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे थी है।

और अागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करने हे पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शिक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपगोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा अर्जित किया जाता है।

7.

8.

9.

10,

11.

12,

25

28

29

30

33

45

Forest Department

और आगे उस भारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गिंका प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के वज्लय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा !

ग्राम : उदयमाल तहसील : माब्ग्रा जिला-माबुग्रा राज्य (मध्य प्रदेग)

	प्र नु	सूची
प्र न् क	खमरानं उ मे	पयोग ग्रधिकार <mark>प्रजैन का क्षेत्र (</mark> हेक्टर्स)
1	2	3
1.	8	0.632
2.	9	0.097
3.	11	0.121
4.	12	0.364
5.	1 5	0.008
6	24	0.097
7.	25	0.607
8	28	0.032
9.	29	0.040
10.	30	0.251
1 1.	33	0.227
1 2.	45	0.040
13.	फांग्रेस्ट यन वि .	0.809
मोर	ा:कृल धीत्रफल	3.325

[मं. O-14016/285/85-जी पी.]

S.O. 2537.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3942 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government:

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Villago: Udaymıl Tehsil: Zabua Distt: Zabua

-	SCII:	DULE
Sl. No	Survoy No,	Area to be Acquired For R.O.U. in Hecture
1.	8	0.632
2.	9	0.097
3,	11	0.171
4.	12	0.364
5.	15	0.008
6	2.4	0.097

[No. O-14016/285/85-GP]

0.607

0.032

0.040

0.227

0.040

0.809

3.325

का अ अ 2538: यतः पेट्रो लयम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रो लयम मंत्रालय की अधिसूचना का आ . सं. 1521 तारीख 29-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग से अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अजिन करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

Total Area

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया हैं।

अव, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त क्षित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनव्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइन्तरहन विछाने के प्रयोगजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुँए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैम प्राधिकरण लि., में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषण के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

धनुसूची विजयपुर (म. प्र.) मे सवार्ड माक्षोपुर (राज.) तक पाईप लाईन बिछाने के लिए राज्य राजस्थान जिला कोटा तहसील पीलन्दा							
गांव	खमरा नं .	हेक्टर	— ग्रार	मेंटी भा र			
1	2	3	4	5			
"ग्रयाना"	121	0	13	68			
	128/1563	0	19	90			
	128	0	08	40			
	130	o	35	35			
	129	0	01	60			
	131	0	41	35			
	132	0	16	20			
	126	0	10	70			
	147	0	07	40			
	148	0	10	50			
	125	0	02	40			
	149	0	08	61			
	146	0	04	50			
	145	0	52	39			
	151	0	00	20			
	152	0	31	90			

[सं. O-14016/188/85-जी. पी.]

S.O. 2538.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1521 dated 29-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby deciares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests from this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. from encumbrances

SCHEDULE
Pipeline from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj)
State: Rajasthan District: Kota Tehsil: Piplada

Village	Survey No	. Hect	Are	Centi	
	are			аге	
1	2	3		4 5	
Ayana	121	0	13	68	
	128/1563	0	18	90	
	128	0	08	40	
	130	0	35	35	
	129	0	01	60	
	131	0	41	35	
	132	0	16	20	
	126	0	10	80	
	147	0	07	40	

1	2	3	4	5	
	148	0	10	50	
	12.5	0	02	40	
	149	0	08	61	
	146	0	04	50	
	145	0	52	39	
	151	0	00	20	
	152	0	31	90	

[No. O-14016/188/85-GP]

का. आ:---यत: 2539: पेट्रोलियम और खिनज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनिक्रम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4123 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से मलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जिन करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट देवी है।

ुंऔर आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त िपोर्ट पण विवार करने के पश्चात् इस अधिसूचनः से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजिन करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धार। 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिवत का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करतो है कि इस अधिभूचना में संलग्न अनुभूची में विनिर्दिष्ट उक्त भुमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अस्तित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वाराप्रदत्त शक्तियों का प्रकोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देण वैती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में 'सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

भनुसूची हाजिरा बरेली जगदीमपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट ।

जिलात	हमील परा			लिया गया खारा नं०	रक्षा	विवरण
1	2	2	4	5	6	7
 कानपुर	भ्रमबर-	धकबर-	नु ग्र लिस	51	0-0-4	
देहात	पुर	पुर	पुर	54	0-11-0	
	-	•		55	0-1-0	
				68	0005	
				64	0-0-4	

i	3	3	. 4		ь	7
				7.4	0-1-10	
				83	0-13-5	
				84	0-10-10	
				88	1-2-5	
				90	1-1-12	
				113	0-9-0	
				114	1-1-0	
				115	0~0~4	
				116	0-11-5	
				117	0-11-0	
				118	0-19-0	
				119	0-11-0	
				141	0-0-5	
				151	0-11-0	
				152	0-9-10	
				153	0-0-10	
				154	1-18-0	
				180	0-10-0	
				179	0-5-0	
				176	0-0-1	
				177	0-0-1	
				181	0-11-0	
				175	0-4-15	
				171	0-18-0	
				173	0-11-10	
				172	3-11-0	
				171	0-1-15	
				197	2-19-10	
				108	0-5-0	
				200	0-0-5	
				201	0-0-2	
				202	1~7-4	
				203	1-13-0	
				229	1-6-0	
				232	0-3-10	
				233	0~10-0	

[स O-14016/344/84-जी पी]

S.O. 2539.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4123 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that posification for purpose of laving pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of use in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pireline;

229 GY/85—6

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the rublication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Barielly Jagdeshpur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remark
1	2	3	4	5		7
Kannıı	r Akbar-	Akbar-	Mukhlis-			
Dehat	pur	pur	pur	51	0-0-4	
	P	p. 44-	P	54	0-11-0	
				55	0 1-0	
				68	0-0-5	
				69	0-0-4	
				74	0-1-10	
				83	0-13-5	
				84	0-10-10	
				88	1-2-5	
				90	1-1-12	
				113	0-9-0	
				114	1-1-0	
				115	0 0-4	
				116	0-11-5	
				117	0-11-0	
				118	0-19-0	
				119	0-11-0	
				141	0-0-5	
				151	0110	
				152	0-9-10	
				153	0-0-10	
				154	0-18-0	
				180	0100	
				179	0-5-0	
				176	0-0-11	
				1 7 7	0-0-1	
				181	0-11-0	
				175	0-4-15	
				174	1-18-0	
				173	0-11-10	•
				172	3-11-0	
				171	0-1-15	
				197	2-19-10	l
				188	0-5-0	
				200	0-0-5	
				201	0-0-2	
				202	1-7-4	
				203	1-13-0	
				229	1-6-0	
				232	0-3-10	
				233	0-10-0	

[No. O-14016/344/84-PG]

का. आ. 2540 — यतः पेट्रोलियम और खिनज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग कें अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) क अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंद्रालय की अधिसूचना का. आ. स. तारीख 3787/27-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग्न अन्भूची में विनिर्विष्ट भूमियों कें उपयोग कें अधिकार को पाइपलाइनों को विछाने के लिए अजित करने का अपना आगय घोषित कर दिया था

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देती है।

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में जिनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिष्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) बारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इसअधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकामन की इस तारीख को निहित होगा।

मनुसूची हाजिरा-जरेली-जगवीशपूर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	सहसील	परगमा	ग्राम	भाटा सं .	लिया गया रकवा एकड़ में	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
जालौन	कोंच	कोंच	कस्थाण-	5	0-49	
			पुर	6	0-01	
				8	0-01	
				9	0-06	
				20	0-26	
				21	0-68	
				23	0-42	
				52	0-01	
				54	0-32	
				56	0-01	

[सं. O-14016/178/84-जी. पी]

S.O. 2540.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3787 dated 27-10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of R ght of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Gas Pipe Line from Hajira-Bareilly- Jagdishpur Project

District	Tchsil	Pargana	Village No		Area in Acres	Ren	nark
1	2	3	4	5	6	7	
alaun	Konch	Konch	Kalyan	-			
			риг	5	0-49		
			_	6	0-01		
				8	0-01		
				9	006		
				20	0-26		
				21	068		
				23	0-42		
				52	001		
				54	0-32		
				56	001		

[No, O-14016/178/84-GP]

का. आ. 2541:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्ज) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धार्र 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3800 तारीख 17-11-84 द्वारों केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आग्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट देवी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिष्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त गिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करतो है कि इस अधिमूचना में संलग्न अनुभूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एत्द्द्वारा अजिक्त किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग भरते हुए केन्द्रोय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में समो बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

भ्रनुसूची हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	सहसील	परगना	ग्राम	भाटा सं .	क्षेत्रफल वि . विवरण वि . वि .
1	2	3	4	5	6 7
कामपुर	धकबर-	मनबर-	तिगाई	1366	0-0-10
वे हा त	पुर	पुर	•	1367	0-15-15
-Q	•			1368	0-13-10
				1369	0-4-15
				1371	0-0-15
				1363	0-0-15
				1373	0-1-10
				1377	0-10-0
				1379	0-19-10
				1380	0-2-0
				1356	0-0-8
				1375	0-11-0
				1376	0-15-0
				1384	0-0-15
				1348	0-1-10
				1419	0-3-10
				1418	0-10-0
				1417	1-10-0
				1414	0-3-10
				1416	0-0-15
				1427	0-0-15
				1415	0-7-15
				1412	0-8-0
				1411	0-9-0
				1410	1-4-0
				1451	0-5-10
				1397	0-1-10
				1454	0-0-15
				1396	1-4-0
				1394	0-0-15
				1395	1-0-0
				1393	2-2-0
				1458	0-0-15
				1459	0-4-0
				827	0-8-5
				802	0-0-13
				807	1-12-0
				808	0-0-15
				809	0-0-10
				610	0-14-6
				811	0-3-0
				812मि	1→5-0
				[सं∘ O-:	14016/192/84-जीपी)

S.O. 2541.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of i'etroleum S.O. 3800 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and M.nerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira- Barielly- Jagdishpur Plpe line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired B.V.V.	Rema- rks
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur	Akbar-	Akbar-	Tigai	1366	0-0-10	
Dehat	pur	pur		1367	0-15-15	
				1368	0-13-10	
				1369	0-4-15	
				1371	0-0-15	
				1363	0-0-15	
				1373	0-1-10	
				1377	0-10-0	
				1379	0-19-10	
				1380	0-2-0	
				1356	008	
				1375	0110	
				1376	0-15-0	
				1384	0-0-15	
				1348	0-1-10	
				1419	0-3-10	
				1418	0-10-0	
				1417	1-10-0	
				1414	0-3-10	
				1416	0-0-15	
				1427	0-0-15	
				1415	0-7-15	
				1412	0–8–0	
				1411	0-9-0	
				1410	1-4-0	
				1451	0-5-10	
				1397	0-1~10	
				1454	0-0-15	
				1396	1-4-0	
				1394	0-0-15	
				1395	1-0-0	

2928 ———	THE GA	AZETT	E OF]	[ND]A : J	IUNE 8, 1	985/JYA:	ISTHA	18, 19	907 ——— —	[PA	rt II—Sec. 3	5(ii)]
1	2 3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
			1393 1458	2-2-0						304	0-7-10	
			1459	0- 0- 15 0 -4- 0						314	0-5-0	
			827	0-8-5						315	1-8-10	
			802	0-0-13						316	0-10-0	
			807	1-12-0						318	0-0-10	
			808 809	0-0-15 0-0-10						319	0-0-10	
			810	0-14-5						323	1-14-0	
			811	0-3-0						324	1-2-0	
			812 मि	1-5-0						325	0-5-0	
			INo (D-14016/192	/84 GPI					326	0-1-0	
			_	·	,					327	0-0-10	
	M. 2542:—									328	0-1-0	
(भूमि में	उपयोग के अ	धिकार व	हा अर्जन)) अधिनियम,	1962					329	0-10-0	
(1962	हा 50) की	धारा 3	की उपध	ारा (1) के	अधीन					335	0-0-10	
•	कार के पेट्रो			, ,						336	0-1-10	
	3798 ता रीख									350	0-19-0	
			•							351	2-13-0	
	ं से संलग्न			L1						354	0-7-0	
	अधिकार कं									410	0-6-0	
अजित क	प्तेका अपन _ा	आशय	घोषित क	र दिया या	1					411मि	0-8-0	
ਆਮਿਟ	यतः सक्षम	Treferen			· 					411 मि	06-0	
										412 मि	0-6-0	
	की उपधारा	(1) व	न अधान	सरकार क	ारपाट					412 मि	0-6-0	
वे वी है	ž l									413	0-5-0	
સ્ત્રીજ	आगे यत:		ज्यानकार के वि	. ~~~	क्किंग्र					414	0-2-0	
										415	0-11-10	
	रने के पण्चात	-	•••							423	0-1-10	
	ष्ट भूमियों मे		का अ	धिकार अणि	त करने					428	0-9-0	
का विनि	क्ष्मय किया	है ।								429	0-2-10	
			_0							430	0-8-0	

[मंo. O-14016/190/84-जी पी]

0 - 4 - 10

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतब्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भुमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतब्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देण देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा – घरेली– जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

জিলা	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	प्लाट नं ० ा	लिया गया रकवा	विव रण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर	अकबर	अक्षर	रायपुर			
वेहात	पुर	पुर	कुकहर	13	0- 7	-0
				302	0- 6	 0
				303	1-2-	- 0

S.O. 2542.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3798 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

434

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby deciares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

		SC	HEDUL	E		
Hajıra	Rareilley	Jagdish	our P ipe	Line P	rc ject	
Distt	Tehsil	Pargara	ı Village	Plot No.	Area Acquired	Rema rks
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur	Akbar-	Akbar-	Raipur			
Dehat	pui	pur	Kukhat	13	0-7-0	
				302	0-6-0	
				303	1-2-0	
				304	0-7-10	
				314	0-5-0	
				315	1-8-10	
				316	0 10-0	
				318	0~0-10	
				319	0010	
				323	1-14-0	
				324	1-2-0	
				325	0-5-0	
				326	0-1-0	
				327	0-0-10	
				328	0-1-0	
				329	0-10-0	
				335	0-0-10	
				336	0-1-10	
				350	0-19-0	
				351	2130	
				354	0-7-0	
				410	0-6-0	
				411min	0-8-0	
				411min	0-6-0	
				412min	0-6-0	
				412min	0-6-0	
				413	0-5-0	
				414	0-2-4	
				415	0 -11 -10	
				423	0-1-10	
				428	0-9-0	
				479	0-2 -10	
				430	0-8-0	
				434	0 -4-10	
			[No. O	-14016/190	

का. आ. 2543:— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंद्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. तारीख 3784/27-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उम अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना अशय घोषित कर विया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारीः ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय मरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है । अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त णिकत का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एत्रद्द्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन ब्रिछाने के प्रयोजन के लिए एद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहिन होगा ।

अनुसूची इंजिस-बरेली-अगर्वाजपुर पाइप लाइन प्रोजेस्ट

जि ल ।	तहमील	पर्गना	पाम	गादा ग .	नियागया रकवाण्क ५ में	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
~् जालीन	 जालीन	—— - जानौन	 मिह्ौना	238	0-03	
				240	0-15	
				268	0-27	
				269	0-15	
				272	0-02	
				273	0⊶45	
				274	0-39	
				279	0-02	
				267	0-17	
				266	0-13	
				265	0-18	
				241	0-20	
				264	0-07	
				242	0-21	
				263	0-01	
				243	0-64	
				244	0-04	
				245	0-0	I
				246	0-13	
				256	0-08	
				2.19	0-08	
				255	0-52	
				254	0-06	
				259	0-41	
				314	0 → 0 5	
				313	0-75	
				315	0-03	
				308	0-02	
				348	0-57	
				349	0~ რე	
				352	0-07	
				391	0— 1 σ	
				408	0-18	

1	2	3	4	5	6	- 7	1	2	3	4 5	6	7
— —- বালে	— — -(कामे)			410		-15	Jalau	n-(Co itd)		265	0-18	
2	('' ')			420		.06				241	0-10	
										264	0 07	
				467		52				242	0-21	
				466		36				263	0-01	
				465	()	01				243	0-64	
				464	0-	75				244 245	0-0 4 0-01	
				461	0	01				246	0-01	
				460	0-	02				256	0-08	
				456	1	35				249	0-08	
				458		0.2				255	0-52	
										254	0-06	
				472		.00				259	0-41	
				483	0-	03				314	0-05	
				489	0-	03				313	0-75	
				499	1-	02				315	0-03	
				493	0-	0.4				308	0-02	
										348	0-57	
				[स. O−1-	4016/175	/84-जी पी]				349	0-69	
			_							352	0 -07	
\$.0.	2543	-Where	as by no	outication	of the Gov	ernment of				394	0 10	
India 1	n the M	uon (1	or Perro of Sec	ction 3 of	the Petro	ed 27-10-84 leum and				408	0 -18	
Minera	als Pipe	lines (A	Acquisite	on of Rig	ht of Use:	r in Land),				410	0-15	
Act 1	962 (50	of 1	962), tb	e Central	Governme	nt declared				420	0-06	
its inte	ntion to	acqui	re the ri	ght of user	in the lan	ds specified				467	0-52	
	pipeline		ndea to	іпи поли	ication for	purpose of				466	0-36	
10,111,6	p.pome	•								465	0-01	
And	wherea	s, the	Compet	ent Autho	rity has u	nder Sub-				464	0-75	
			n 6 of t	he said Ac	t, submitte	d report to				461	0-01	
the Go	overnm¢	nt;								460	0-02	
And	further	r. wher	eas the	Central C	Tovernment	has, after				456	1-35	
						he right of				458	0-02	
		nds spe	scified it	the schee	dule appen	ded to this				472	1-00	
notifica	ation;									483	0-03	
					power co					489	0-03	

[No. O-14026/175/84-GP]

0 - 04

sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira Bareilly Jagdishpur Pire Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired	Rema rks
1	2	8	4	5	6	7
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Miha-			
			una	238	0-03	
				240	0-15	
				268	0-27	
				269	0-15	
				272	0-02	
				273	0-45	
				274	0-39	
				279	0-02	
				267	0-17	
				266	0-13	

का. आ. 2544:—यतः पेट्रोलियम और खिनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4403 तारोख 3-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुमूचों में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों की विछाने के लिये अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

493

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी ।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस आधसूचना से संलग्न अनुसूची में निर्निविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अणित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदस्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा धोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची

में विश्वविष्ट अकत भूमियों में अपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बनाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिश⊸बरेली–जगदीशापुर पा**इ**प साइन

भिसा	तह्सील	पश्गना	ग्राम	गाटा स .	लिया गया रकवा एकड़ में	विवर ण
1	2	3	4	5	6	7
जासीन	कोंच	कोंच	———— बोहुरा	181	0-43	3
				185	U- 0	6
				187	0-1	0
				188	0-91	7
				191	0-0	2
				192	0- 6	0
				193	9 ~0	4
				195	0-0	2
				198	2-1	6
				209	0 −0	2
				211	0-6	1
				212	1 → 2	6
				231 232	0-1	5
				233	0-0	3
				235	1→3	5
				236	0→1	5

[सं. O-14016/433/84-जीपी]

S.O. 2544.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 4403 dated 3-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipel nes (Acquisition of Right of User in Land), Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. tree from encumbrances.

SCHEDULE

Gas Pipe Line From Hajira-Barailly-Jagdishpur Project

Distt.	Tahsil	Pargana	Villag	e Plot No.	Area in Acres	Rema-
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Konch	Kench Bo	hara	181	0-43	
				185	0–06	
				187	0-10	
				188	0~97	
				191	0~02	
				192	0-60	
				193	0-94	
				195	0-02	
				198	2-16	
				209	002	
				211	0-61	
				212	1-26	
				231 232	0-15	
				233	0-03	
				235	1-35	
				236	0-15	
				[No.	O-14016/43	3/84-GP

का. अा. 2545:— यतः पेट्रोलियम और खिनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचना का.. आ. सं. 4541 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिनचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अजित करने का अपना आध्य घोषत कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 को उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी हैं।

और आगे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चास् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिध्चय किया है।

अव, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त मिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन विकान का प्रयोगन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और अनो उस धारा की उपनारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहिन होने के बनाय भारताय गैस प्राधिकरण जि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घाषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हजीरा में बरेली में जगवीणपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए। राज्य-गुजरास जिला-पंचसहल तालुका- हालील

गाव	सर्वे नं ० .	हे न्ट र	आर	सन्टीयर
जाम्ब्री	93	0	58	00
	84	O	62	0.0
	90	U	09	0.0
	8 7/पी	0	17	00
	8 7/पी	0	27	0.0
	17	0	01	0.0
	26	0	61	00
	27	0	22	00
	25	0	00	20
	28	O	29	00
	24	0	01	0.0
	29	0	37	00
	30	0	19	0.0
	31	0	28	00
	32	0	35	00
	34	0	0.8	0.0
	33	O	29	00
	59	0	19	00
	58	0	33	00

[सं.-O 14016/443/84-जी पी]

S.O. 2545.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 4541 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

, Pipchne from Hajira Bareilly Jagdishpur State : Gujarat District : Panchamahal Taluka : Halo

Village	Survey No.	Hect- are	Arc	Centi- are
Jambudi	93	0	58	00
	84	0	62	00
	90	0	09	00
	87/P	0	17	00
	87/ P	0	27	00
	17	0	01	00
	26	0	61	00
	27	0	22	00
	25	0	00	20
	28	0	29	00
	24	0	01	00
	29	0	37	00
	30	0	19	00
	31	0	28	00
	32	0	35	00
	34	0	08	00
	33	0	29	00
	59	0	19	00
	58	0	33	00

[No. O-14016/443/84-GPI

का. अं. 2546:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीम भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचना का. आ. सं. 3759 तारीख 6-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजिन करने का अपना आक्रय घोषित कर विया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत. केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजिल करने का विनिष्चय किथा है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में मंलग्न अनुसूर्चा में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आने उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्त शक्तिओं का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

				रागपत्रा. ======					=	2933
	धन् गूर्ची					1	_ 2 3		4	5
हजीरा से बरेली	में जगदीशपुर तक पाइप ला	इन वि	बंछाने के	निये		त्व रा-जारी)	258/1	0	01	1
राज्य- गुजराम ि	जेला एवं नालुका-भक्त्व						258/2	0	22	0 :
							258/3	0	16	8
गोव	मर्वे नं. हे	क्टर	भ्राप	मेन्द्रीय	र		258/4	0	15	4
							184	0	03	1 :
1	2	3	4	5			187/2 187/1	0	26 18	1 ·
							187/4	0	24	4
तबरा	444/1	0			85		253/1+2	0	04	5
	444/2	0			4 5		253/3	0	13	0
	444/4	0			70		190/1	0	21	3
	444/5 443/6	0			10		190/2	0	04	5
	443/6	0			85		191	0	15	4
	443/8	0			40 90		192/1	0	17	1
	441				45		193	0	17	4
	442/2	0			45 62		194	0	20	Ş
	442/3	0			60 60		196	0	00	2
	439/1-2	0			20		106/1	0	13	€
	439/3	0			13		109/2	0	00	2
	438/1	0			39		109/3	0	32	(
	438/2	0			17		109/4	0	16	:
	365	0			45		105/1	0	26	1
	437	0			10		105/2	O	04	
	386/1	0			15		131	0	38	;
	386/2	o			75		133	0	05	3
	367/1	0			40		134	0	38	
	367/3	(00		136	0	04	
	345/2+3	(0.5		50/1	0	04	
	345/4	0	3	0	60		50/2	0	06	
	346	O	0:	2	40		50/3+4	0	10	1
	347	0	1:	3	65		51/1	0	26	
	337/1	C) 1	8 -	05		108/1	0	13 32	;
	337/2	(0	9	45		111/3	0	04	
	337/4+5	C) , 2	5	80		111/5 112/1+2+3+4	0	16	
	338/2	() 2	5	50		112/5	0	28	,
	328/3	(1	8	0.0		113/2	0	01	
	339/1	C	0	1	92		कार्ट देक	0	17	
	339/2	0) 1	7	12		50/5	0	07	
	340/1	() 2	9	82					
	3 27/ 1	(2	3	10		[₦. O~14	1019/	119/84	— այլ գ
	328			8	60	S.O. 2546.—Wherea	as by notification o	f the	Govern	ment
	271/6			9	21	India in the Ministry under sub-section (1	of Petroleum S.O.) of Section 3	. 3739 of 1	dated the Po	o-11 etrole
	271/7	0		1	50	and Minerals Pipelines	(Acquisition of Ri	ght of	User i	n La
	272/2			5	75	Act. 1962 (50 of 19 its intention to acquire	62), the Central (Jovers in the	iment lands	decia specii
	272/1			6	35	in the schedule appear				
	271/4			17	94	laying pipeline;				
	273/2+3			0	35	And whereas, the				
	274/2			2	4.5	Section (1) of Section the Government;	6 of the said Act	subm	utted r	eport
	274/3			.3	35	•	on the Control C		t L-	
	274/4	(0 n	15	50	And further, where considering the said i				
	275	(1	7	10	user in the lands spec	cified in the sched	ule ap	pended	to t
	279	() 0	2	79	notification;				
	259/1	() 0	1	19	Now, therefore, n sub-section (1) of the	Section 6 of the p	ower	confe	rred
				_		nuo-scenou (I) Of IUC	GENERAL OF OF THE A	aut A	ar une	1. EUU

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this rotification hereby acquired for laying the pipeline;

259/3

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipe line from Hajira-Bareilly-Jagdishpur

Village	Survey No.	Hect- are	Arc	Centi are
1	2	3	4	5
	444/1	0	17	
	444/2	0	12	4:
	444/4	0	11	70
	444/5	0	02	10
	443/6	0	19	8:
	443/7	0	20	4
	443/8	0	21	9
	441	0	12	4
	442/2	0	01	6
	442/3 430/1 2	0	30	
	439/1-2 439/3	0	16 17	
	438/1	0	22	
	438/2	0	05	
	365	ő	00	4
	437	0	01	1
	386/1	0	12	1
	386/2	0	25	7
	367/1	0	04	
	367/3	0	04	0
	345/2+3	0	. 13	0
	345/4	0	30	6
	346	0	02	40
	347	0	13	6
	337/1	0	18	0.
	337/2	0	09	4:
	337/4 + 5	0	25	30
	338/2	0	25	5
	338/3	0	18	00
	339/1	0	01	9
	339/2	0	17	1:
	340/1	0	29	8
	327/1	0	23	10
	328	0	18	6
	271/6	0	09	2
	271/7 2 7 2/2	0	11	50
	2 7 2/2 272/1	0	15 16	7:
	272/1 273/4	0	37	35 94
	$\frac{273}{4}$ $\frac{273}{2}$ + 3	0	00	3.
	274/2	0	12	4:
	274/3	ŏ	13	3.5
	274/4	ő	05	50
	275	ő	17	10
	279	ŏ	02	79
	259/1	Ď	01	19
	259/3	Ō	39	30
	154	0	06	4:
	258/1	0	01	10
	258/2	0	22	0:
	258/3	0	16	80
	258/4	0	15	45
	184	0	03	15

1 2	3 4 5	6		7
Tavara (Contd.)	187/2	0	26	10
, .	187/1	0	18	00
	187/4	0	24	45
	253/1+2	0	04	50
	253/3	0	13	05
	190/1	0	21	34
	190/2	0	04	50
	191	0	15	45
	192/1	0	17	10
	193	0	17	40
	194	0	20	95
	196	0	00	25
	106/1	0	13	65
	109/2	0	00	2.5
	109/3	0	32	00
	109/4	0	16	50
	105/1	0	26	80
	105/2	0	04	70
	131	0	38	52
	133	0	05	33
	134	0	38	50
	136	0	04	70
	50/1	0	04	40
	50/2	0	06	11
	50/3+4	0	10	95
	51/1	0	26	43
	108/1	0	13	35
	111/3	0	32	70
	111/5	0	04	50
	112/1+2+3+4	0	16	05
	112/5	0	28	65
	113/2	0	01	02
	Cart Track	0	17	12
	50/5	0	07	2,5

[No. O-14016/119/84.-GP]

का .आ . 2547:--यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भृति में उपयोग का अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4072 तारीख 12-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए ऑजित करने का अपना आभ्य घोषित कर दिया या।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि-दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उन्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त एक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदुद्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में मलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिये एतदृहारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप मे घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिस – बरेली⊷ जगदीशपूर पा≭प लाइन प्रोजेक्ट

जिला	त्तहसील	पराना	ग्राम	गाटा सं.	लिया गया रकवाएक इ मे	विकरण _
1		3	4	5	6	7
जालीन	- — को भ	काच	बिरौरा		1-90	
				11	- 005	
				13	· 0-04	
				29	0-09	
				36	0-85	
				39	0-03	
				40	0-02	
				42	1-52	
				43	0-60	

[सं. O-14016/311/84-जी पी]

S.O. 2547.—Whereas nv notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4072 dated 12-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances,

SCHEDULE
Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Fehsil	Pargan	a Village	Plot No.	Area Acquired	Roma- rk
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Konch	Konch	Biraura	8	1-90	
J 10 227 G 1.				11	0-05	
				13	0-04	
				29	0-09	
				36	085	

1	2	3	4	5	7
				39	0-03
				40	002
				42	1-52
				43	060
				[No.	O-14016 311/84-GP]

का. आ. 2548: --- यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं: 1529 तारीख 29-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये अजित करने का अपना आगय धोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 को उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और, आगे अतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विश्वार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूचें। में विनि-दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनि-श्चय किथा है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदर्श शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्म अनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अणित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त मिल्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

मनुसूची

विजयपुर (म. प्र.) से सवाई माधोपुर (राज.) तक पाइप लाइन विकाने के लिये

राज्य - राजस्थान जिला- कोटा तहसील - मागरोल

गोव	खसरानं,	हेक्टर	भार	सेन्टीमार
श्रीनाल चक ''बी''	83	0	84	19
	83/94	0	01	00
	81/93	0	17	31
	82	0	04	00
	69	0	13	20
	67	0	00	40
	70/92	0	22	20
	70	0	36	30
	47	0	72	00

48	0	13	50
27/87	0	49	06
25	0	01	04
24	0	41	10
21	0	26	40
20	0	25	28
6	o	30	60
7	0	19	80
8	0	30	30
9	0	04	00
10	0	02	00
12	0	07	50
19	0	00	42
65	0	09	0.0
68	0	0.9	0.0

[सं. O-14016/196/85-जी पी]

SO. 2548.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1529 dated 29-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the Said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests from this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India-Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Bijapur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.)

State: Rajasthan District: Kota Tehsil: Mangrol

Village	Survey No.	Hect- are	Are	Conti- are
Srinal Chak B	83	0	84	19
	83/94	0	01	00
	81/93	0	17	31
	82	0	04	00
	69	0	13	20
	67	0	00	40
	70/92	0	22	20
	70	0	36	30
	47	0	72	00
	48	0	13	50
	27/87	0	49	06
	25	0	01	04
	24	0	41	10

21	0	26	40
20	0	26	28
6	0	30	60
7	0	19	80
8	0	30	30
9	0	04	00
10	0	02	00
12	0	07	50
19	0	00	42
65	0	09	00
68	0	09	00

[No. O-14016/196/85-GP]

का. आ. 2549: — यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार ने पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ मं 1523 तारीख 29-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से मंलग्न अनुसूची में विनिद्धित्व भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को जिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आभाय धोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि— दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनि— स्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिमियम की धारा 6 की उपधारा
(1) द्वारा प्रवस्त मक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार
एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न
अनुमूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार
पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

न द्वापा विजयपुर (म. प्र.) से सवाई माधोपुर (राज.) तक पाइप लाइन विछाने के लिये

गांव	खसरा नं.	हेक्टर	षार	सेन्टीमार
"क्रीकरा"	120	0	02	40
	128	0	46	20

S.O. 2549.—Whereas by nonfication of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1523 dated 29-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notificatation hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHFDULE

Pipeline from Bijapur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.) State: Rajasthau District: Kota Tehsil; Piplada

Village	Survey No.	Hect- are		Canti ire
Kankara	120	0	02	40
	128	U	46	20

[No. O-14016/190/85-GP]

का. अा. 2550 यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत संस्कार के पेट्रोलियम मंत्रालयकी अधिसूचना का. आ सं. 1517 तारीख 29-3-85 द्वारा केन्द्रीय संस्कार ने उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिद्दित्य भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनो को बिछाने के प्रयोजनों के लिये अजित करने का अपना आगय घोषिस कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय संस्कार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनि-दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का का विनिष्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधि नियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एनद्द्वारा अणित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्त गिक्तमां का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रस्कार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बगाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख में निहित होगा।

श्रनुसूची

विजयपुर (म प्र) मे सवाई माधोपुर (राज) तक पाईप लाईन विछाने के लिए

राज्य राजस्था जिला कोटा तहसील पीपल्या

गार्व	खासरा न	हेक्टर	आर	सेंटीग्रार
श्रीपुरा	130		18	15
	137	0	0.8	55
	241/133	U	03	00
	131	()	0.1	95
	134	0	13	50
	135	0	26	48
	152	0	17	34
	151	9	25	80
	154	U	13	80
	155	0	59	10
	156	o	17	10
	161	0	39	45
	162	O	0.5	25
	171	U	4.5	90
	174	0	34	20
	172	i)	50	70
	159	0	14	70
	129	0	02	40
	133	0	03	90

[म O-14016,'184/85-जी पी]

SO 2550.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum SO. 1517 dated 29-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline,

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Bij pur (M.P. to Sawai Madhopur (Raj.) State: Rajasthan -District: Kota Tebsil: Piplada

Village	Survey No.	Hoet- are	Are	Centi- are
Shri Bura	130		18	15
	137	0	08	55
	241/133	0	03	00
	131	0	04	95
	134	0	13	50
	135	0	26	48
	152	0	17	3 4
	151	0	25	80
	154	0	13	80
	155	0	59	10
	156	0	17	10
	161	0	39	45
	162	0	05	25
	171	0	45	90
	174	0	34	20
	172	0	50	2 5
	159	0	14	70
	150	O	0.0	06
	129	0	02	40
	133	0	03	90

[No. Q-14016/184/85-GP]

का. आ. 2551:—यतः पेट्रोलियम ओर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1 62 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचना का. आ. मं. 1522 तारीख 29-3-85 द्वारा केन्द्रोय सरकार ने उस अधिमूचना से संगन अनुरूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिये अर्जित करने का अपना आगय थोषित कर दिया था।

और यह सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 को उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अधित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोगन के लिए एतद्दारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शाक्ष्मियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निशर्दे देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख में निहित होगा।

भ्रानुसूची विजयगुर (म.प्र) से सवाई माधोपुर (राज.) तक पाईप लाईन विछान के लिए

राज्य---राजस्थान जिला--कोटा नहुमील--पीपल्दा

भाव	खासरा नं,	हेक्टर !	प्रार	मेटीग्रार
''रघना थ पुरा''	36	0	78	30
	39	U	06	00
	38	0	0.9	30
	3 7	0	0.2	22

[म. O-11016/189/85-जी पी]

8.G. 2551.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.C. 1522 dated 29-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Bijapur (M.P. to Sawai Madhopur (Raj.) State: Rajasthan District: Kota Tehsil: Piplada

Village	Survey No.	Hect- are	Are	Conti are
Raghunathpura	36	0	78	30
	39	0	06	00
	38	0	09	30
	37	0	02	22

[No. O—14016/189/85-GP]

का. आ. 2552 यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1530 तारीख 29-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार

ने उस अधिमूचना से संलग्न अनुसूचों में विनिधिष्ट भूमियों क उपयोग क अधिकार को पाइम लाइन। को विछाने के प्रयोजन के लिये अभित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत. सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्न शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोगन के लिये एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रुप में बोषणा के प्रकाशन की इस नारीख में निहित होगा।

धनुसूची विजयपुर (म. प्र) से मनाई माक्षोपुर (राज.) तक पाईप लाईन बिछाने के लिए

गज्यराजस्थान	जिलाकोटा तप्रसील-	—मांगरोल		
 गांव		हेक्टर	भार	सीटीग्रार
श्रीनालचक (ग्र)	90	0	06	90
,	89	0	1.2	30
	87	0	0.6	76
	9.8	0	08	.5.2
	83	0	47	08
	84	0	47	64

[मं O-1406/197/85-जी पी]

S.O. 2552.—Whereas by notification of the Covernment of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1530 dated 29-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Covernment hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for Lying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) or that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.) State: Rajasthan —District: Kota —Tehsil Mangrol

Village	Surve	No.	Hectare	Are	Cen- tiare
Srinal Chak A	90		0	06	5 90
	89		σ	12	30
	87		0	00	76
	88		0	08	3 32
	83		0	47	7 08
	84		0	47	7 64

[No. O-14016/197/85- GP]

का. आ. 2553: यतः पेट्रोियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोनियम मंत्रालय की अधिमूयना का. आ. स. 602 तारीख 23-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उप अधिभूचना में संलग्न अनुभूची में विनिर्दिण्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिये अजिन करने का अपना आश्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने ज्वल अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत. केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिध्चय किया है।

अब, अन उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने का प्रयोगन के लिये एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदल्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैसप्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं में मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख का निहित होगा।

धनुसूची

हजीरा से बरेली से जगदीणपुर तक पाइप लाइन बिछाने क लिए। राज्य---गुजरात जिला---पंचमहल तास्लुका---देव गढवारीया

र्णाव	सर्वेन.	हेक्टबर	ग्रार	मेटीयर
1		3	4	5
	114/5	0	27	00
	114/6	0	05	0.0
	कोटर	0	16	9()
	234	0	20	00
	233	0	21	0.0
	317	0	11	0.0
	294	0	34	0.0
	126/पी	0	97	0.0
	1 1 5 <i> </i> पी	0	1.2	0.0
	1 1 6/ पी	05	0.5	0.0
	316 पी	0	20	00
	116/1	0	16	0.0
	117	0	11	0 (
	120	0	32	0.0
	121	0	21	ΩL
	122	0	27	0
	127	2	34	0.0
	124	5	57	
	कोटर	0	90	0.0
	148	0	04	0.0
	147/1	0	1 (0.0
	147/2	0	0.8	
	146	0	0.5	
	189	0	07	
	191/3	0	02	
	191/2	0	16	
	191/1	0	0.9	
	193/1	0	6.0	
	194/2	0	28	
	19 4/1	O	25	
	195	0	1 6	
	196/पी	0	4	
	210	0	16	
	180	0	30	
	179	0	34	
	178	0	27	
	1 7 5 / 1 पी '	0	4.4	
	159/1	O	26	0 (

[स. **O**-1401 /47/ 5- जीपी]

S.O. 2553—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 6.2 dated 23-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of 6.2 Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the raid report, decided to acquire the right of user in the land, specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby arounded for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline From Hazira-Bareilly-Jagdishpur

State : Gujarat, District : Panchmahal, Taluka : Devga-dhbariya

Village	Survey No.	Hectare	Are	Cen- tiare
1	2	3	4	5
Richawan	114/5	0	27	00
	114/6	0	05	00
	Kotar	0	16	00
	234	0	20	00
	233	0	21	00
	317	0	11	00
	294	0	34	00
	126/P	0	97	00
	115/1/P	0	12	00
	116/P	0	05	00
	116/P	0	20	00
	316/1	0	16	00
	117	Ö	11	00
	120	0	3.2	00
	121	0	21	00
	122	0	27	00
	127	2	34	00
	134	0	87	00
	Kotar	0	90	00
	148	0	04	00
	147/1	0	16	00
	147/2	0	08	00
	146	0	05	00
	189	0	07	00
	191/3	0	02	00
	191/2	0	16	00
	191/.	0	09	00
	193/1	0	03	00
	194/2	0	28	00
	194/1	0	25	00
	195	0	16	00
	196/P	0	49	00
	210	0	16	00
	180	0	30	00
	179	0	34	00
	178	0	27	00
	175/L/P	0	44	00
	1 59/1	0	26	00

का. आ. 2554.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम) 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रान्त्य की अधिमूचना का. आ. स. 1518 तारीख 29—3—85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये अजित करने का अपना आग्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्ष्म प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात इस अधिसूचना में सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत. उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्धारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) बारा प्रदेत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख में निहित होगा।

भ्रनुसूची विजयपुर (म प्र) से सर्वाई माधोपुर (राज) सक पाइप लाइन विछाने के लिए

राज्यराजस्थान	जिमा कोटा	नहमील—पीपल्दा		
गांव	ख्यगन	हेक्टर	भ्रार	सेन्टोभ्रार
"प्रेमपुरा'	8	0	08	40
	10	0	40	24
	9	0	33	60
	107	0	13	95
	133	0	64	31
	131	0	37	50
	121	0	0.0	16
	132	Ú	33	11
	130	0	02	89
	128	1	04	39
	126	0	0.6	24
	127	0	29	46
	179	0	04	86
	223	0	06	24
	224	0	33	06
	593/179	0	00	24

		. <u>-</u>		
1	2	3	4	5
	225		35	12
	227	0	23	18
	228	1	77	17
	214	0	30	90
	210	0	03	45
	422	0	0.5	18
	229	0	09	60
	411	1	53	45
	416	0	50	70
	415	0	24	00
	417	0	40	50
	420	O	60	15
	421	0	27	37
	433	0	53	40
	572	O	15	60
	423	0	17	70
	424	o	12	12
	425	0	0.0	10
	226	0	04	10
	212	0	00	28
	545	0	29	40
	544	0	22	80
				2.2-

[स. O-14016/185/85-जीपी]

S.O 2554.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1518 dated 29-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances,

SCHEDULE

Pipeline from Bijapur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.) State: Rajasthan District: Kota Tehsil: Piplada

Village	Survey No.	Hectare	Аге	Cen- tiare
Prempura	8	0	08	40
	10	0	40	24
	9	ø	33	60
	160	0	13	95
	133	0	64	31

				
1	2	3	4	5
-	131	0	37	50
	121	0	00	16
	132	0	33	11
	130	0	02	89
	128	1	04	39
	1 2 6	0	06	24
	127	0	29	46
	179	0	04	86
	223	0	06	24
	224	0	33	06
	593/179	0	00	24
	22 5	0	35	12
	227	0	23	18
	228	1	77	17
	214	0	30	90
	210	0	03	45
	422	ú	05	18
	229	0	09	60
	411	1	53	45
	416	0	50	70
	415	0	24	00
	417	0	40	50
	420	0	60	15
	421	0	27	37
	433	0	53	40
	572	0	1.	60
	423	0	17	70
	4 3 4	0	12	12
	425	0	00	10
	226	0	04	01
	212	0	00	28
	545	0	2 9	40
	544	0	22	80

[No. O-14016/185/85-G P]

THE GAZETTE OF INDIA: JUNE 8, 1985/JYAISTHA 18, 1907

का, आ. 2555 --- यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधि-सूचना का. आ. सं. 1534 तारीख 29-3-85 हारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि-दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनि-श्चय किया है।

अब, अतः उमत अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसुचना में अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्धारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदल्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

मनुसूची

विजयपुर (म.प्र.) से सवाई माघोपुर (राज.) तक पाइप लाइन विछाने के लिए

राज्यगजस्थान	जिला —क ोटा	तहसील—मागरोर	•	
गांव	बसरा नं.	हेक्टर	म्रार	मेन्टीग्रार
"चनपुरिया'	144	0	09	00
	228	0	09	60
	145/2	0	39	60
	145/1	0	24	00
	145/3	0	23	40
	146	0	38	40
	147	0	26	40
	176	0	27	15
	178	o	26	52
	174	0	21	16
	173	0	10	07
	172	0	03	30
	167	0	29	70
	168	0	10	80
	166	0	29	10
	165	0	26	40
	163	0	34	50
	194	0	57	0.0
	195	0	02	10
	207	0	06	22
	196	0	11	10
	205	0	45	08
	204	0	45	60
	198	0	41	90
	199	0	01	00
	7.5	0	02	00
	76	0	02	60
	74	0	07	26
	73	0	05	20

[मं. O-14013/201/85-जीपी]

S.O. 2555.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1534 dated 29-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition or Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its internal of acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification bereby acquired for laying the pipeline,

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests from this date of the publication of this decalaration in the Gas Authority of India Ltd free from encumbrances

SCHEDULE

Pipeline from Bijapur (M ") to Sawai Madhopur (Raj)

State Rajasihan —District Kota —Tehsil Mangrol

State Rajas	than —District K	ota — Ichs		1angroi
Village	Survey No	Hecta le	Are	Cen-
Champuria	144	0	09	
•	228	0	09	60
	165/2	0	39	60
	145/1	0	24	00
	145/3	O	2 3	40
	146	0	38	40
	147	0	2 6	40
	176	0	27	15
	178	0	26	52
	174	0	21	16
	173	0	10	07
	1 72	0	03	30
	167	0	29	70
	168	0	10	80
	166	Ū	29	10
	165	o	26	40
	163	0	34	50
	194	0	57	00
	195	0	02	10
	207	0	06	22
	196	0	11	10
	205	0	45	08
	204	0	45	60
	198	0	41	90
	199	0	61	00
	75	0	02	00
	76	0	02	09
	74	0	07	26
	73	0	05	29

[No Q-14016/201/85- GP]

का आ. 2556 —यत पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मन्नालय की अधिस्चना का आ स 1519 तारीख 29—3—85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिष्ठाने के प्रयोजन के लिये अजित करने का अपना आश्य घोषित कर दिया था।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

और आगे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियो मे उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिष्चय किया है।

अब, अत उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा
(1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रोय सरकार
एतद्वारा घोषित करतो है कि इस अधिसूचना में संलग्न
अनुसचो में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार
पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अजित
किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

श्रनुसूची विजयपुर (म प्र) से सवाई माधोपुर (राज) तक पाईप लाईन विछाने के लिए

राज्यराजस्थान	जिला—- कोटा	तहसील—पोपल्या		
गांव	खसरा न	हेश टर ग्रार सेस		सेन्टीमार
————————— ''श्रयानी' '	529	0	18	18
	530	0	03	90
	534	U	32	66
	533	0	40	20
	528	0	00	20
	531	0	39	30
	- <u> </u>			

[स O-14016/186l 85-जी पी)]

S O 2556—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S O 1519 dated 29-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline,

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline,

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the

right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.) State: Rajasthan District: Kota Tehsil: Piplada

Village	Survey No.	Hectare	Are	Cen- tiare
Ayani	529	0	18	18
	530	0	03	90
	534	0	32	66
	533	0	40	20
	528	0	00	20
	531	0	39	30

[No. O-14016/186/85-GP]

का. आ. 2557:—यतः पेट्रोलियम और खिताज पाइप लाइत (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1533 तारीख 29-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों की विष्ठाने के प्रयोजन के लिए अजित करने का अपना आगय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन संस्कार को रिपोर्ट दे दो है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) हारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतक्ष्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजिन किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं. से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

श्चन्यूची

विजयपुर (म.प्र) से सवाई माधोपुर (राज) तक पाईप लाईन बिछाने के लिए

राज्यराजस्थान	जिला–– कोटा	तहमी ल— मौगरोल		
गाव	खसरा न.	~ - <u>—</u> हे क्ट र	भार	सेटीग्रार
हिगोनिया	221	0	32	10
	215	o	32	40
	217	1	00	79
	218	0	25	50
	190	0	00	28
	188	0	30	48
	46	0	00	10
	45	0	06	80
	44	0	09	60
	43	0	10	20

[स. O-14016/200/85-जी पी]

S.O. 2557.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1533 dated 29-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelmes (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the tight of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopui (Raj., State: Rajasthan District: Keta Ichsil: Mangrol

Village	Survey No.	Hectare	Are	Cea- tiare
Hingonia	221		32	10
	215	0	3 2	⊿0
	217	1	00	79
	218	0	25	50
	190	0	00	28
	188	θ	30	48
	46	0	00	10
	45	0	06	80
	44	0	09	60
	43	0	10	20
			,	

[No. O-14016/200/85-GP]

का. आ. 2558.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग के श्रिधिकार का श्रर्जन) श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंस्रालय की श्रिधिसुचना का. आ. सं. 1532 तारीख 29—3—85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रिधसूचना से मंलग्न श्रनुसुची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के श्रिधकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अजित करने का श्रप्नना श्रामय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी उक्त अधिनिथम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और श्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस श्रधिसूचना से संलग्न ग्रनुसूची मे विनि-दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार ग्रजित करने का विनि-ण्चय किया है।

श्रव श्रतः उक्त श्रिधिनियम की धारा 6की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्-द्वारा घोषित करती है कि इस श्रिधसूचना में संग्लन श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का ग्रिधकार पाइप-लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदद्वारा श्रर्णित किया जाता है।

और भ्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

श्रनुसूची विजयपुर (म.प्र.) से सवाई माधोपुर (राज.) तक पाईप लाईन बिछाने के लिए

राज्य—-राजस्थान	जिसा ⊶को टा	तहसीलमांगरोल			
गांब	सामरा न	 हेक्टर	प्रार	- मॅन्टीभार	
''बोहत"	42	0	33	08	
	49	0	65	62	
	57	0	44	19	
	50	U	04	76	
	44	0	46	77	
	45	0	00	06	
	43	0	33	87	
	41	0	05	5 6 —————	

[सं. O-14016/199/85-जी पी]

S.O. 2558.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1532 dated 29-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.) State: Rajasthan District: Kota Tehsil: Mangrol

Village	Survey No.	Hectare	Arc	Cen- tiare
Bohat	42	0	33	08
	49	0	65	62
	57	0	44	19
	50	0	04	76
	44	0	46	77
	45	0	00	06
	43	0	33	87
	41	0	05	56

[No. O-14016/199/85-G P]

का. आ. 2559—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के ऋधिकार का म्रर्जन) ऋधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के म्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की ऋधिसूचना का. म्रा सं. 1520 तारीख 29/3/85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न मृत्यूची मे विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के ऋधिकार को पाइपलाईनों, को बिछाने के प्रयोजन के लिए ग्रजित करने का श्रपना ग्राशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और भ्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न भ्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, श्रतः उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारः प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद-द्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना में संलग्न श्रमुसूची मे विनिर्दिष्ट उक्त भूमियो में उपयोग का श्रधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदद्वारः अजित किया जातः है । और भ्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निषेण देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

अमुमूची

बिजयपुर (म.प्र.) से सवाई माधोपुर (राज.) तक पाईप लाईन बिछाने के लिए

राज्य राजस्यान जिला कोटा तहसील पीपल्दा

गांव	खसरा नं 0	हेक्टर	आर	सेन्टीआर
स्थोपुरा	102	0	41	40
·	104	0	12	62
	108/203	0	3 1	86
	108	0	71	76
	108/221	0	0.0	16
	137	0	60	56
	136	0	58	92
	158	0	29	07
	159	0	77	85
	161	0	62	46
	160	0	15	60
	169	0	03	45
	170	υ	73	65
	173	O	04	20
	172	0	83	75
	180	0	02	16
	166	0	06	70

[सं**॰ O-14**016/187/85-जी पी]

S.O. 2559.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1520 dated 29-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances

SCHEDULE

Pipeline from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.) State: Rajasthan District: Kota Tehsil: Piplada

Village	Survey No. Hectar	c Are	;	Centi- are
1	2	3	4,	5
Shyopura	102	0	- <u>-</u>	62
	104	0	12	62
	108/203	0	31	86
	108	0	71	76
	108/221	0	00	16
	137	0	60	56
	136	0	53	92
	158	0	29	07
	159	0	77	85
	161	0	62	46
	160	0	15	60
	169	0	03	46
	170	0	73	65
	173	0	04	20
	17 2	0	83	75
	180	0	02	16
	166	0	06	75

(No. O-14016/187/85-GP]

का. आ. 2560—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंझालय की अधिसूचना का० आ० स०1522 तारीख 29-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पहुप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आगय घोषिल कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और श्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर धिचार करने के पश्चात् इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार ग्रर्णित करने का विनिश्चय किया है।

अब, मतः उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा घोषित करती है कि इस मधिसूचना में संलग्न मनुसूची में विनिर्विष्ट उक्प भूमियों में उपयोग का मधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है

और श्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा ।

	1
न) तक	पाईप लाईन
ागरोल	
टर आ	- र सेन्टी- आर
0	06 30
0	94 48
0	14 70
0	14 16
1	05 28
0	00 50
0	34 50
0	53 90
0	12 00
0	45 60
0	33 00
0	07 02
0	05 58
0	00 04
.(

SO 2560—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum SO 1527 dated 29-3-85 under sub section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline,

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification .

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government Is reby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline,

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances

[No O 14016/194/85-G P]

SCHEDULE Pipeline from Bijapur (M P) to Sawai Madhopur (Raj) State Rajasthan District Kota Tehsil Manghol

Village	Survey No	Hectare	Are Ce	ntiare
1		3	4	5
Padliya	19		06	30
	20	0	94	48
	51	0	14	70
	23	0	14	16
	22	1	05	28
	14	0	00	56

 1	2	3	4	5
			34	 50
	10	0	53	96
	60	0	12	00
	8	0	45	60
	5	0	33	00
	4	0	07	02
	1	0	05	58
	12	0	00	04

[No O-14016/194/85-GP]

का आ 2561. -- यत पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भृमि मे उपयोग के म्रिधिकार का म्रर्जन) म्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मत्नालय की श्रधिसचना का. न्ना. स 1531 तारीख 29—3—85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ग्रधिसूचना से सलग्न श्रनुसूची विनिर्दिष्ट भूमियो के उपयोग के ऋधिकार को पाइप लाइनो को विछाने के प्रयोजन के लिए ग्रर्जित का श्रपना श्राशय घोषित कर दिया भा।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उन्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और भागे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रधिसूचना से सग्लन श्रनुसूची मे विनि-र्दिष्ट भूमियो मे उपयोगका ग्रधिकार ग्रजित करने का विनिष्ट्या किया है।

श्रव, श्रत उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्तं मन्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदुक्कारा घोषित करती है कि इस मधिसूचना मे सलग्न <mark>श्रनुमूची मे विनिर्विष्ट उक्त भूमियो मे उपयोग का श्रधिकार</mark> पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनदब्वारा भ्राजित किया जाता[.] हैं।

और धारो उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियो में उपयोग का श्रिधकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

विजयपुर (म प्र) से सवाई भाधोपुर (राज) तक पाईप लाईन बिकान के लिए

राज्य राजःयान	जिला कोटा तहसील	मगिराल		
गाव	 इ.स.ग.न	हेस्टर	 आर	सेन्टीआ र
महुआ	201		39	30
	194	0	75	0.6
	192	0	19	20
	191	0	33	50
	197/2	0	0.3	30
	193	o	00	04
		— ,	,	- 0

[स॰ O-14016/198/85-जी पी]

S.O. 2561.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1531 dated 29-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Covernment hereby declates that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.) State Rajsthan District: Kota Tehsil Mangro

Village		Survey No.	Hectae	Arc	Centiae
	1	2	3	4	
Mahuwa		201	0	-39	— - ₃₀
		194	0	75	6
		192	0	19	20
		191	0	33	50
		197/2	0	03	30
		193	0	00	04

[No. O-14016/198/85-GP]

का. प्रा. 2562.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के ग्रधिकार का श्रर्जन) श्रधिनियमम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रधान भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की श्रधिसूचना का. श्रा. सं. तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रधिसूचना में संलग्न श्रनुसूची में श्रिनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के श्रधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए श्रीजत करने का अपना श्राणय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और श्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रिधसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रिधकार श्राजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव ग्रत; उक्त ग्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा घोषित करती है कि इस ग्रिधिसूचना में संलग्न श्रनुसूची

में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का ग्रिधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्दारा ग्रजित किया जाता है।

और ग्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुमूची हजीरा बरेली जगवीमपुर पाइप लाईन प्रोजेक्ट।

 जिला	तहमील	परगना	गाव	गारा मं ख्या	लिया गया रकबा	 विवरण
1		3	4	5	6	7
 कत्नपूर	 अकवर	अकबर	 फ्.सेंह-	9	1-01-00	
देहात	पुर	पुर :	रामनाई	18	0-17-00	
	_	-		44	1- 13-00	
				45	0-10-00	
				46	0-00-1,0	
				47	0~ 09- 00	
				48	1-00-00	
				49	0- 01- 00	
				50	0-09-00	
				333	0-03-00	
				334	0-05-00	
				335	0-02-00	
				341	0-02-00	
				342	0-11-00	
				343	0-01-00	
				344	0-10-00	
				345	0-03-00	
				346	0-01-00	
				404	0-19-00	
				419	0-10-00	
				420	0-04-00	
				4.2.1	0-12-10	
				424	0-05-00	
				125	0-08-00	
				426	1- 13- 00	
				464	0-15-00	
				469	0-02-00	
				470	()-(10-05	
				471	1-04-00	
				472	1-17-00	
				480	0-06-00	
				181	003-00	
				487	0-07-00	
				488	0-00-10	
				489	0-00-10	
				492	0-05-10	
				493	0-14-00	
				494	1-04-10	
				495	0-11-10	

		
5 6	5	6
±96 0-17-10	421	0-12-10
497 0-15-00	424	0 05-00
	425	0-08-00
430 0-00-05	426	1-13-00
340 0-01-00	464	0-15-00
$435 0 \rightarrow 00 \rightarrow 10$	469	0-02-00
479 0-00-05	470	0-00-05
	471	1-04-00
	472	1-17-00
[मं ॰ O -14016/320/84 भीपी]	480	0-06-00
	481	0-03-00
S.O. 2562.—Whereas by notification of the Government	487	0-07-00
of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4081 dated	488	0-00-10
1-12-91 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land),	489	0-00-10
Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared	492	0-05-10
ts intention to acquire the right of user in the lands specified	∆93	0-14-00
n the schedule appended to that notification for purpose of	494	1-04-10
aving pipeline; And whereus the Competent Authority has under Sub-	495	0-11-10
section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to	496	0-17-10
the Government;	497	0-15-00
	430	0-00-05
And further whereas the Central Government has, after	3 40	0-01-00
considering the said report, decided to acquire the right of user in the land, specified in the schedule appended to this	435	0-00-10
notification:	479	0-00-05

[No. O-14016/320/84-G P]

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Covernment hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification bereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free

SCHEDULE

is trict	Tehsil		ia Villaj	No.	rey Arc a	Re- mark
					В ∨.В.	
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur		Akbar-	Fate-	9	1-01-00	
Dehat	pur	pur	pur	18	0-1700	
			Rosh-	44	1-13-00	
			nai	45	0-10-00	
				46	0-00-10	
				47	1-09-00	
				48	1-00-00	
				49	0-01-00	
				50	0-09-00	
				333	0-03-00	
				334	0-05-00	
				335	0-02-00	
				341	0-02-0	
				342	0-11-00	
				343	0-01-00	
				344	0-10-00	
				345	0-03-00	
				346	0-01-00	
				404	0-19-00	
				419	0-10-00	
				420	0-04-00	

का. था. 2563.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रिधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की ग्रिधिसूचना का. था. सं. 3749 तारीख 30-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रिधिसूचना से संलग्न प्रमुखी में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के ग्रिधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए ग्रिजित करने का ग्रिपना ग्राणय घोषित कर दिया था।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी हैं।

और मार्गे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्वात इस म्रिधसूचना से संग्लन म्रनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों भें उपयोग का प्रधिकार प्रणित करने का विनिक्ष्य किया है।

श्रव श्रत; उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना में संग्लन श्रनुसची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियो में उपयोग का श्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा श्रजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैंस प्राधिकरण लिं० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की तारीख को निहित होगा।

from encumbrances,

अनुमूची

	हा र्	जिरा–स्वय्य	ो–अगदीकाष्	पुर पाइप ल	ाहन प्रोजेक्ट	
সিলা	तहसील	परगना	ग्राम	गटा पंस्मा	लिया गया रक्तवाएक इम्	
1	2	3	4	5	6	7
जालीन	कोंच	कोंच	हिडोखारा	15	0-03	
				18	0 → 0 1	
				19	0-05	
				20	0 - 0 3	
				2 1	0-15	
				22	0-18	
				23	0-38	
				24	0-65	
				35	0-04	
				4.5	1-10	
				46	0-18	
				44	0-18	
				43	0-01	
				65	0-75	
				41	0-30	
				42	0-52	
				48	0-03	
				75	0-80	
				76	0-90	
				7 7	0-20	
				78	0-55	

[#o O-14016/83/84-जीपी]

S.O. 2563.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3749 dated 30-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances,

SCHEDULE

Gas Pipeline from, Hazira Bareilly-Jagdishpur Project

District	Tehsil	Par- gana	Village	Piot No.	Area in acres.	Re- mark
1	2		4	5	6	7
Jalaun	Konch	Konch	Hido-	15	0-03	
			khra	18	0-01	
				19	0-05	
				20	0 03	
				21	0-05	
				27	0-18	
				23	0-38	
				24	0-65	
				3 5	0-04	
				45	1-10	
				46	0-18	
				44	0-18	
				43	0-01	
				65	0-75	
				41	0-30	
				42	0-52	
				48	0-03	
				75	0-80	
				76	0-90	
				77	0-20	
				78	0-55	
				INo.	O-14016/83/	94 CD

[No. O-14016/83/84-GP]

का. था. 2564 — यतः पेट्रोलियम और खिनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4102 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनस्ची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और श्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रिधिसूचना से संग्लन ग्रनुसूची में विनि-विष्ट भूमियों में उपयोग का श्रिधकार ग्राजित करने का विनि-श्चय किया है।

श्रव श्रतः उक्त श्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्-द्वारा घोषित करती है कि इस श्रिधिसचना में संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एनदद्वारा श्रिजित कियो जाता है।

और श्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रक्षत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भू मिर्थों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की निहित होगा।

175)

146)

177m

 $0 \ 11-4$

0-0-1

	C	:		ानुसूच। व्यक्त च्यक्त	गोनेनर								
	ह।। जर'-बर 	m of 1	गदाभपुर 	पाइप लाइन	310140						189	0-2-0	
अ.च.–३	तहसाल- परगन	ग्राम	क(नीम	गाटा सक्या	निया गया	विवरण					190 0म	0-2-0	
-1 11	46			,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	रक् धा						2()∡ ⊓म ••••म	0 1-0	
											211 ^ग म	0-0,13	
1	2	ß	4	5	6	7					१12 एम १27 ए म	0- 4- 1 2 0- 1- 5	
													
[यवीरत	ती महाराजा ज	-समरा		1 4एम	0-9-0						[т (D 14016/4/8	o alberrefit
			रौना	90 ^ग म.	0-1-16						Įα ζ	J 140 1 0 4 6	5 4- 91141
				92 एम	∓ 0−16−10								
				93 गम ०४ ग म	0-11-10		50 2	2564 —V	/hereas	by nouf	ication o	of the Gov	ernme
				94 गम	0-1-16							SO 4103	
				116 एम	0-0-2							3 of the Pe ht of User n	
				117 中中	0-19-4		Act 196	52 (50 c	of 1962)), the Co	entral Ğ	overnment	declare
				118 एम	0-7-1							n the lands tion for pui	
				126 एम	0 6 2		laying p			- 10 0			
				155 एम	0-5-9		- د ۸	- hamana	the Con		A at board	. 1.0	6
				161 एम	0-7-8		And whereas the Competent Authority has une section (1) of Section 6 of the said Act, submitted						
				161 गर्म	0-16-2		the Gov				·		•
				172 एम	1-1-6		And 1	further v	vhereas	the Cen	tral Cros	vernment h	as aft
				175 एम	0-2-0		And further whereas the Central Government has considering the said report, decided to acquire the		right				
				175	0 11 4		user in notificati		3 specifi	ed n the	e schedu	le appended	to 4
				1.10	0-11-4								
				146	0-0-1							nower confe d Act the	
				177 एम 179 ए म	0-0-1 0-3-17		Governn	nert her	eby dic	lares tha	t the ri	ght of user	r n_t
				175 ण्म 179 ण्म	0-5-17					ne schedu Flay ng t		ided to this	notific
					0-6-0		tion her	ct/y acqt	atted (th	() Iy lig, (ne piper	ine ,	
				184 एम 188 एम	0-2-5							eried hv si	
				192 एम	0-0-11							ient direts stend of ver	
				1930म	0-3-0		Central	Governn	nent ves	its on thi	sj d eth o	of t ⁱ c public	ation
				194 एम	0-5-4			lar≏tion ⊾umbran		Gas At	ilhority	of India I	_td. {i
					0-0-15		mon en	icumoran					
				194 एम 	(1.0 15				9	CHEDU	F		
				2151			hui	ra-Bariel	lv Tagd	ishpur P	ineline l	Project	
				196 एम	0- 0- 1							,	
				197 एम	0-9-11			Tehsıl	Par-	Village	Plat	Are i	Re-
				198 एम	0-5-6		Distt	1 611211	gana rar-	* 111a 5.0	Nο.	Acq nel	เทอรโ
				199 एम	0-0-2					. 			
				201 एम	0-4-6		1	4	3	4	5	6	7
				210 एम	0-11-5				-				
				219 एम	() - ()- 1 ()		Raı	Maha-	Sam-	Sem-	14m	())-()	
				 13 ^ग म	0-0-5		Bareilly	18)-	ıota	10ta	90m	0 1 16	
				17 एम	()→() - 5			ganj			92m	0-16-10	
				33 ए म	1- 6- 3						93m	0-11-10	
				96 एम	0 4-10						94m 116m	0 1-16 0 0 3	
				97 म्म	() - ()- (3						110m	0-194	
				98 गम	0 0 1.2						118m	0 7-4	
				119 एम	0-1-2						1 2 6m	0-6-2	
				156 णम	0-0-18						155m	0-5 9	
				157 एम	0- 0- 2						161m	0-7-8	
				16 र एम	0-0-7						164m 172m	0-16 2 1-1 6	
				165 एम	0-1-2						175m	0 0	
				17) 112	0- 1- 10						175)	0.11-4	

176 एम

185 एम

173 एम

0-3-0

0-4-0

0-1-10

1 100	. 2 17
)-3-17
	06-0 0-6-0
	0-0-0 0-2-5
	0-0-11
	0-3-0
	0-5-4
	0-0-15
2151 m.	
196m	0-0-1
197m.	0-9-11
198m.	0-5-6
199 <u>m</u> .	0~0-2
2 01 m.	0-4-5
2 10m.	0-11-5
2 19m.	0-0-10
13 m .	0-0-8
17m.	0-0-5
2 ³ m.	1-6-3
96 m .	0-4-10
97 <u>m</u> .	0-0-6
98m.	0-0-12
119m.	0-1-2
156m.	0-0-18
157m.	0-0-2
163m.	0-0-7
165m.	0-1-2
173m.	0-1-10
176m.	0-3-0
185m.	0-4-0
189	0-2-0
190m.	0-2-0
202m.	0-1-0
21 lm.	0-0-13
212m. 227m.	0-4-12 0-1-5
[No.	O-14016/4/84-GP

श्रम, ग्रातः उक्त श्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदेश शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रिधसूचना में संलग्न श्रमुस्त्री में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधकार पाष्ठपलाइन बिछाने के प्रयोगन के लिए एतव्द्वारा श्रीका किया जाता है।

और ग्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देण देनी है कि उक्त भूमियों मे उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप मे घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

श्रनुसूर्चा हाजिरा बरेली जगवीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगमा	ग्राम	गाटा संख्या	भोस्न. श्रीकृत	विषरण
1	2	3		5	6	7
⊸==== कानपुर	 `श्रक्षद	 मकवर	किसरव	ल 1286	0-15-3	~ <u></u> + +
देहात	पुर	पुर		1283	2-6-18	
				1288	0-0-13	
				1290	1-9-14	
				1277	0-0-13	
				1278	0-0-6	
				1275	0-8-15	
				1273	1-8-0	
				1279	0-1-7	
				1268	0-1-0	
				1272	0-3-17	
				1264	1-2-13	
				1256	1-18-9	
				I 254	0-13-0	
				1255	0 -9-9	
				1240	0 0 1	
				1241	0 0 2	
				224	1-7-0	
				221	0 0 6	
				220	0-0-13	
				219	2-1-0	
				116	0-8-0	
				217	0-0-12	
				318	0-1-13	
				117	1-13-15	
				208	0-1-7	
				205	0- 1 8- 0	
				206	0-6-()	
				124	0-16-0	
				165	0-6-()	
				163	0~ 5~ 0	
				167	0-4-0	
				170	0 7- - 0	
				171	0-3-0	

[No. O-14016/4/84-GP]

का० ग्रा० 2565. -- यतः पेट्टोलियम और खिनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के ग्रिधकारका (ग्राधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रधीन पारत सरकार के पेट्टोलियम मंत्रा-लय की ग्रिधस्चना का०ग्रा. सं० 4125 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्त्रीय सरकार ने उस ग्रिधस्चना से मंलग्न ग्रानुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के ग्रिधकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए ग्राजित करने का ग्रपना ग्रामय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिक रो ने उक्त ग्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के भ्रशीन सरकार को रिपोर्ट दे वी है।

और प्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न धनुसूर्च। में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजिस करने का विनिश्चय किया है।

[भाग IIखण्ड 3(ii)]	गरत का राज्ञ पत्न : जून 8, :	1983/ज्येष्ठ	18, 1907	! 	.			49 3 3
		consider	ring the	said repo	ort, decid	ded to ac	ernment I	right of
169 0	- 5- 0	user in notificat		k specific	d in the	e schedule	append e c	l to this
125 0	- 0− 1 3			!		يم بيدان کي		an ad bar
126	0-1-7						wer confi d Act, the	
69 (- 1 O- FO						ht of use	
67) U I					the pipel	led to this ine ;	поппса-
68	-4 -0			-		-	rred by su	bssection
73) - 3- 0						ent directs	
7.0	0-1-6						ead of Ve the publi	
7 1	µ- ?- 1 ₹						f India I	
465) = { - ()	from er	ncumbran	ices,				
404)- J 5=0				SCHED	ULE		
	J-1-7	H	ijha Bar	eilly Jago	tishpur 1	Pipe Line	Project	
)-3-14			77-1i)			A 2 200 mard	
) (} 1 0	D SEC.	Lug at	rensit	VIII1ge	PIOI NO	Acquired	Remar
	1-3-6	1	2		· · 4	5	6	7
,	1-7-7				<u>-</u> -	·		
) - ()- 3	Kanpu	r Akber	Akber	Kisaru	/al 1 2 86	0-15-3	
	0-2	Dehat	Pui	Pur		1283	2 -6-18	
·	0-0-3					1288	0-0-13	
	1-0-10					1290	1-9-14	
	U-16-4					1 2 77 1 2 78	0-0-13 0-0-6	
	u= 9= 1 <i>7</i>					1275	0-8-15	
	1-9-0					1273	1-8-0	
	0-1-6					1279	0-1-7	
	0-1-6					1268	0-1-0	
	-11-0 -16-5					1272 1264	0-3-17 1-2-13	
	0-16-5					1256	1-18-9	
	0 0 1 0 8 0					1254	0-13-0	
	0-0-6					1255	0-9-9	
517	0-0-13					1240	0-0-1	
1243	1-11-0					1241 224	0- 0-2 1-7-0	
1072	0-5-1					221	0-0-6	
	0-16-0					220	0-0-13	
	υ 14 1					219	2-1-0	
	0-12-0					116	0-8-0	
	2-15-15					217 218	0 0 -12 0-1-13	
172	1()()					117	1-13-15	
	0-2-18					208	0-1-7	
	2-14-7					205	0-18-0	
506	0-8-0					206 124	0-6-0 0-16-0	
485	0-0-10					165	0-6-0	
489	0-10-0					163	0-5-0	
209	0-1-10					167	0-4-0	
						170	0-7-0	
[म O-14	016/उ47/84-जीर्पा					171 169	0-3-0	
•	, ,					1 2 5	0-5-0 0-0-13	
S.O. 2565.—Whereas by notification of	the Government					126	0-1-7	
of India in the Ministry of Petroleum	S.O. 4125 dated					69	0-10-10	
1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 and M nerals Pipelines (Acquisition of Righ						67 68	0-0-1	
Act, 1962 (50) of 1962), the Central Go	vernment declared					68 72	0-4-0 0-3-0	
its intention to acquire the right of user in in the schedule appended to that notific ti						70	0-1-6	
laying pipeline;	- Laulais er					71	0-2-15	
						465	0-3-0	
And whereas the Competent Authority section (1) of Section 6 of the said Act, s	has under Sub-					464 421	0-15-0	
the Government;	sommed regult to					म±। 	0-1-7 - ———	-

				<u> </u>		
1	2	3	4	5	6	7
				424	0-0 14	
				463	0-6-10	
				468	1-3-6	
				470	1-7-7	
				502	0-0-3	
				503	0-0-2	
				496	0-0-3	
				495	1-0-10	
				494	0-16-4	
				493	0-9-17	
				491	1-9-0	
				505	0 16	
				504	0-1-6	
				490	0-11-0	
				488	0 16-5	
				518	0 0-1	
				519	0-8-0	
				516	0-0-6	
				517	0-0-13	
				1243	1-11-0	
				1072	1-2-0	
				122	0-16-0	
				193	0-14-1	
				164	0-12-0	
				159	2-15-15	
				172	1-0-0	
				73	0-2-18	
				471	2-14-7	
				506	0-8-0	
				485	0-0-10	
				489	0-10-0	
				209	0-1-10	
				[No.	O-14016/347/	34-GPJ

कारुपार 2566 --यत. पेट्रोलियम और खान्ज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रजंत) (प्रधिनियम 1962) (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन शारत सरकार के पेट्रोलियम मंज्ञालय की प्रधिसूचना कारुपा. 4073/तारीख 12-11-84 द्वारा केन्द्रोय सरकार उस प्रधिसूचना के मलग्न प्रमुची में विनिद्धि भूमियों के उपयोग के प्रधिकार का पाइप लाइनो की बिछाने के लिए प्रिजित करने का प्रपत्त प्राणय घोषिन कर दिया था।

और यन सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रभीन सरकार को एरपोर्ट दे वी है ?

भीर आगे यतः केन्द्रोय सरकां ने उक्न रिपोर्ट पर यिचार करने के पण्चात इस प्रश्चिम्चना से सलग्न अनुसूर्या मे जिनि-दिष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार प्रनित करने का विनि-श्चिय किया है।

श्रव, श्रतः उक्यत अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्न शक्ति का प्रयोग के करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा घोषित हैं कि इस श्रीधमूचना में सलग्न श्रामूचों में विनिर्दिष्ट उक्त भूमिओं में उपयोग का श्रीधकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोगन के निए एनदद्वारा ग्रीजा किया जाता है।

और ग्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय पारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

धनुमूची हाजिरा-बरेली-जगदीणपुर पाइप साइम प्रोजेक्ट

সিলা	त ह मी'ल	परगना	ग्राम	गाटा	सख्या	लिया गया विवन रकबाएक ड्रमें		
1		3		4	5	6	7	
—— जानीन	:- 'जा ल ीन '	———- जालीन क		 कनार	174	0-02		
					80	0-01		
					81	2-66		
				1	8 3	0-02		
				1	84	0-90		
					185	0−6 3		
]	187	0-06		
				2	85	0-01		
					87	0-27		
				1	88	0-72		
					27.1	0 - 2.1		
				1	275	0 → 0 1		
				2	266	0-06		
				2	267	0-02		
				2	272	()-24		
				2	273	0-34		
				•	271	0-02		
				1	268	0-28		
				2	263	0-03		
				2	59	0-26		
				2	5 5	0-51		
				2	56	0 -02		
				2	48	1-47		
				:1	14	0-03		
					1	0~09		
					2	0-05		
				2	3 l	0-72		
				2	4.1	0-02		
				2	43	0-60		
					243	0-02		
				2	14	0-54		
				2	145	0-63		
				2	246	0-30		
				:	147	0 - 0.2		
					182	0 0 1		
]	186	0-05		

[सं. **O**-14016/312/84-र्जामी]

S.O. 2566.—Whereas by notification of the Government of India in the Miristry of Petroleum, S.O. 4073 dated 12-J1-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its

intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas he Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Covernment;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the light of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Itd. free from engumbrances.

SCHFDULE
Hajira Barcilly Jagdishpur Pipe Line Project

						Arca	Re mark
) istt	Tehsil	Pa ₁ gan	a Villago	Plot	No.	Acquire	
						к —	7
 Jajaun	Jalaun	Jalaun	Kure	174			
			pura-	180		–0 1	
			Kanar			-66	
				183		.03	
				184		-90	
				185		-63	
				187		-06	
				285		-01 ,	
				287		27	
				288		-7 2	
				274		-21	
				2 75		-01	
				266		-06	
				267		-02	
				272		-24	
				273		-34	
				271		-02	
				268		-28	
				263		-03	
				259		-26	
				255		-51	
				256		-02	
				248		-4 7	
				249		-03	
				1		-09	
				2		-05	
				231		-72	
				241		-02	
				242)-60	
				243		-02	
				214)-54	
				245)-63	
				246)-30	
				247		0-02	
				282)01	
				186		0-05	

क ० श ० 2567.-- यन पेष्ट्रोलियम और खनि जं पाडपलाइम (भूमि मे उपयोग के श्रिधकार का अर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपरारा (1) के अशीन : एक सरकार के पेट्रोलियम मतालय की श्रिधसूचना का०श्रा०म तार्राख 1-12-84 द्वारा केन्द्रोय संस्कार ने उस श्रिधसूचना में सलग्न अनुसूची में में विनिद्विष्ट भूमिया के उपयोग के श्रिधकार को पाइप लाइनों के लिए प्रजित करने का श्रपना श्राजय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारो ने उक्त श्राधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

और श्रागे यतः केन्द्रीय संस्कार ने उक्त रिपोर्ट पर विजार करने के पण्चात श्रीधसूचना से संलग्न ध्रनुसूची मे विनिद्धिः भूमियों में उपयोग का श्रीधकार श्रीजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, श्रतः उत्तत प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनदद्वारा घोषित हैं कि इस प्रधिसूचना में संनग्न श्रनुसूची में जितिर्दिष्ट उन्त भूमियों में जितिर्दिष्ट उन्त भूमियों में जितिर्दिष्ट उन्त भूमियों के जिए एनदद्वारा श्रिक्ति किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त सिकतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूभियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निह्न होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

धनुसूची हाजिरा बरेली जगदीणपुर पहिप लाइन प्रोजेक्ट।

जिला प हमील		परगना	ग्रामचा	नाम–लिया रक्तवा	गया⊸	विवरम		
1	2		4	— - 5		6	7	
भानपुर	प्रक बर	भनवर	बुद्धिया	225	0	7-0		
देश	त पुर	पुर		223	0-	1-8		
				222	0	8-0		
				204	0-	3-0		
				177	() -	2-0		
				178	0-	-14-13		
				180	0-	-2-0		
				181	()-	-4-10		
				183	0-	-0→6		
				184	0-	-0-13		
				189	0-	5-0		
				190	0-	8-0		
				193	0-	-6-10		
				192	0-	-11 - 0		

1	2	3	-1	5	0	1	1	4	3	4	5	6	7
						-		•			184	0-0-3	
				185	0-2-8						189	0-5-0	
				170	0-7-0						190	0-8-0	
				165	≒ - ₹ - ₹						193	0-6-10	
				1 45	0-1-1						192	0-11-0	
				133	0-7-0						185	0-2-8	
				132	0-1-12						170	0-7-0	
				166	1-10-0						165	5-3-5	
											135	0-4-4	
				28	0-12-16						133	070	
				29	3 - 8-0						132	0-1-12	
				34	0-1-10						166	1-10-0	
				3.3	0-1-10						28	0-12-16	
				35	0-4-4						29	3-8-0	
				27	0-2-10						34 33	0-1-10	
				169	1-I-10						35	0-1-10 0-3-4	
											27	0-2-10	
				191	() 5 ()						169	1-1-10	
				163	0-1-10						191	0-5-0	
				205	0 -8-10						168	0-1-10	
											205	0-8-10	
			fer C	14016/8	5 2 / 8 4-जीपी]						182	0-3-0	

[No. O-14016/352/84-GP]

S.O. 2567.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 4073 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Ast, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas he Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project.

Dist.	Tehsil	Pargana	Village 	Plot No	Area acquired	Remark
1_	2	3	4	5	6	7
Kanpur	Dehat	Akbar-	Akbar-	Budhia-		
		pur	pur	22,5	0-7-0	
				223	0-1-8	
				2,72	0-8-0	
				204	0-3-0	
				177	020	
				178	0-14-13	
				180	2-2-0	
				181	0-4-10	
				183	0-0-6	

कार प्रांव 3568.—-यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के ग्राधकारका ग्राजेन) (ग्राधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्राधीन शारन सरकार पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का ग्रा. सव 3706 तारीख 17-11-84 द्वारा के जीय सरकार ने उस ग्राधमूचना में संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के ग्राधकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए ग्राजिन करने का अपना ग्राणय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धिष्ट भूमियों में उपयोग का मधिकार श्राजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, श्रतः उक्त श्रांधनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा घोषित है कि इस श्रिधसूचना में सलग्न श्रनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधकार पाइपनाइन विछाने के प्रयोगन के लिए एतदद्वारा श्रिजित किया जाता है।

और श्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय शास्तीय गैस प्राधिकरण लिं० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

			तुमूची			1	2	3	4	5	6	7	
हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाक्ष्य लाइन प्रोजेक्ट ।									1510	1-6-10			
										1617	0-16-1	0	
म्या–नहसील	परगना-ग्राम	का नाम	लिया गय	ा विवरण						1618	0-5-10		
			रकबा							1619	0-8-0		
-									;	584	0-16-10)	
	2	4		5 6 	7 				•	725	0-1-0		
ायबरेली-महा	राजगज-सेमरौ	ता-सयसपु	₹ 567	0-9-0						580	0-1-0		
		ह्लीर	583	0-17-10					(355	0-2-10		
			590	1-1-5						732	0-3-0		
			616	0-6-12						1488	0→1→5		
			615	0-11-10						1014	0-0-6		
			609	0-8-0						1512	0-6-6		
			611	0-0-0						27	0-0-15		
			614	0-0-10						465	0-0-5		
			610	0-8-0					5	85	0-1-0	, -	
			713	0-5-5						[मं० 1	4016/163 / 84	⊩की. पी	
			712	0-15-0		<u>-</u>			1	de	1	C-	
			714	0-2-0		S.O.	2568.—' of India	Whereas in th	by no ne Min	uncat (istrv	on of the of Petroleur	Gove n. S.	
			726	0-4-10		ment of India in the Minist 3706 dated 17-11-84 under sub-si- the Petroleum and Minerals Pipeli				-section (1) of Section 3 o			
			728	0-4-0		the Peti	roleum a Land)	nd Mine: Act 196	rais Pipe 2. (50 of	lines (2 F. 1962	Acquisition of), the Centra	l Kignt	
			729	0-1-15		ment d	leclared i	ts inten	tion to	acquire	the right o	of user	
			704	0~6~15		the lan-	ds specifi r purpos	ed in the e of lay	e schedu ving nip	de app eline:	ended to tha	t notm	
			702	0-4-15							hority has u	nder S	
			701	0-1-0		Section	(I) of S	s the C	of the	said A	ct, submitted	report	
			700	0-2-5			vernment						
			745	1-14-0		And	And further whereas the Central Gov				Government	has, af	
			746	0-11-0		considering the said report, decided to acquiser in the lands specified in the schedule					o acquire the sdule appende	ed to t	
			747	0-2-0		notificat							
			757 758	0-2-0		Now	therefo	r e , in e	xercise (of the	power con	ferred	
			759	0-2-10 0-3-10		sub-section (1) of the Section 6 of the said Government hereby declares that the right					said Act, the	tht of user in the	
			756	0-3-10		said lan	ids specif	ied in th	ie schedi	ile app	ended to this	his notifica-	
			793	0-5-0		tion he	tion hereby acquired for laying the pipeline;						
			792	0-19-10		And	further i	n exercis	se of po	wer co	interred by s	y sub-section	
			790	0-4-10		(4) of that section, the Central Goovernment the right of user in the said lands shall instead in Central Government vests on this date of the					hall instead (nstead of vesting	
			1008	0-15-0							date of the p	ublicati	
			1011	0-12-5			of this declaration in the Gas Authority of Indiffrom encumbrances.						
			1013	0-12-0		mon c			Schedu	ile			
			1015	1-4-15		Uaiira	-Barielly	Jagdishn	ur Pin	line	Project		
			1466	0-1-15		riajii a		~~ Parend			· •		
			1469	0-4-15		Distt.	Tehsil	Parg-	Village	Plot	Arca	Rema	
			1468	1-5-0		1.7 13(().	- 0.1311	ana		No.	acquired.		
			1470	0-2-15						 -			
			1486	0-1-10		1	2	3	_4	5	6		
			1487	0-4-15		Rai-	Maha-	Samro-	Sams-				
			1491	1-14-10		Barielly	y raja-	da	pur				
			1492	0-10-0			ganj.		Halor	567	0-9-0		
			1443	0-5-10						583	0-9-0		
			1499	0-10-0						590	1-1-5		
			1500	0-6-0						616	0-6-12		
			1506	1-2-0						615	0-11-10		
			1125	0-2-0						609 611	0-8-0 0-0-0		
			1507	1-10-00						614	0-0-10		
			1508	0-15-0						610	0-8-0		
			1509	0-10-10						713	0-5-5		

1 2 3 4 5 6 7	लाइनों को बिछाने के लिए ग्रर्णित करने का श्रपना द्याश
712 0–15–0	घोषित कर दिया था ।
714 0-2-0	
726 0–4–1 0	और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धार
728 0-4-0	6 की उपधारा(1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है
7.29 0-1-15	
704 0-6-15	और श्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट प
702 0-4-15	विचारकण्नेके पश्चात इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूच
701 0-1-0	में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार ग्रर्जित कर
700 0-2-5 745 1-14-0	का विनिश्चय किया है।
746 0-11-0	યા ભાગરમથ વિવા હું !
747 0-2-0	श्रव, श्रतः उक्त श्रिधिनियम की धारा 6 की उपधा
757 0-2-0	1 द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संरका
758 0–2–10	•
759 0-3-10	एतद्द्रारा घोषित है कि इस ग्रधिसूचना में संलग्न श्रनुसू
756 0–15–5	में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का ऋधिकार पाइप- लाह
793 0-5-0	विछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा श्रजित किया जाता है।
792 0-19-10	·
790 0-4-10 1008 0-15-0	और श्रागे उस धाराकी उपधारा (4) द्वारा प्रद
1011 0-12,-15	शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रोय सरकार निर्देश देश
1013 0–12–0	है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरका
1015 1-4-15	
1466 0-1-15	में निहित होने के बनाय ::रतीय गैस प्राधिकरण लि०
1469 0-4-15	सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन व
1468 1-5-0	इस तारीख को निहित होगा ।
1470 0-2-15	
1486 0-1-10	अनुसूची
1487 0-4-15 1491 1-14-10	हिजिश खरेलीं जगदींगपुर पाउप लाइन प्रोजेक्ट
1491 1-14-10 1492 0-10-0	د منهور د مد دومات های دادادا با بهنوانوا بر سالساندانیان موجوه هماندانیات ایران ایران می <u>داده</u> به است.
1493 0–5–10	जिला तहसील परगना गांव गाटा अंख्या लिया गया विवरण
1499 0–10–0	पक .द्या
1500 0-6-0	ن ورود و ن ن برای و درود میشود بن مورد واید که داده داده داده با داده داده داده داده
1506 1-2-0	1 2 3 4 5 6 7
1425 0-2-0	
1507 1-10-00	राय बक्करांया बळराभीमां राजा 622 ।–0→8
1508 0-15-0	
1509 0-10-0	
1510 1-6-10 1617 0-16-10	620 1-6-12
1618 0-15-10	619 0-2-15
1619 0-8-0	618 0-3-10
584 0-16-10	61.6 1 - 2 - 1.2
72.5 0-1-0	613 0-1-0
580 0-1-0	577 ()-4-()
655 0-2-10	578 (F 8~10
732 0–3–0	579 0-0-15
1488 0-1-5	580 0 - -8-0
1014	
727 0-0-15	582 1-6-2
1465 0-0-5	583 0+1-8
585 0-1-0	586 1-17-2
	587 (⊢1−10
[No. O-14016 193 84-G.P.]	587 (1-10 588 (1-12-4
[No. O-14016 193 84-G.P.]	
	588 0⊢12−4
का०ग्रा० 2569यतः पेट्रोलियम आंर खनिज	588 0-12-4 561 0-7-4
का०ग्रा० 2569यतः पेट्रोलियम आंर खनिज इप लाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का ग्रर्जन)	588 0-12-4 561 0-7-1 871 0-8-4 873 0-15-4
का०ग्रा० 2569यतः पेट्रोलियम आर खनिज इप लाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का भ्रजीन)	588
का०ग्रा० 2569.—यतः पेट्रोलियम आंर खनिज इप लाइन (भूमि में उपयोग के ग्राधिकार का ग्रर्जेम) धिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 को	588
कार्व्या० 2569.—यतः पेट्रोलियम आर खनिज इप लाइन (भूमि में उपयोग के फ्रांधकार का भ्रजेंग) धिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 को धारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय	588
कार्व्या० 2569.—यतः पेट्रोलियम आर खनिज इप लाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का भ्रर्जेम) धिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 को ध्धारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय प्रिधसूचना कार्णसंर 3901 तारीख 24∽11−84	588
कार्व्या० 2569.—यतः पेट्रोलियम और खनिज इप लाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का भ्रर्जन) धिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 को पधारा (1) के भ्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय	588

1	2	3	4	5	6	. 7
				921	0-2-0	
				922	0-5-0	
				919	0-8-0	
				916	0-15-0	
				557	1-6-4	
				558	0-0-10	
				907	0-2-10	
				908	0-10-10	
				418	0-4-4	
				909	0-3-10	
				911	0-2-10	
				910	0-1-10	
				1119	0-8-8	
				1113	0-10-0	
				1122	1-15-11	
				1128	1-17-8	
				1110	0-6-0	
				1089	0-3-5	
				1090	0-12-0	
				1091	0-10-0	
				1088	0-1-0	
				1092	0-1-10	
				1317	0-17-0	
				1318	0-1-10	
				1319	0-0-10	
				1320	0-18-0	
				1321	0-11-8	
				1322	0-8-14	
				1323	0-1-0	
				1325	0-17-12	
				1324	0-1-10	
				1324/1467	0-0-10	
				1326	1-9-8	
				1392	1-15-0	
				1393	0-0-12	
				1394	1-1-16	
				923	0-2-0	
				554	0-0-15	
					14016/239/	
S.O.	2569.—	-Wherea	as by	not fication	of the	Govern

S.O. 2569.—Whereas by not fication of the Government of India in the Ministry of Petroleum. S. O. 3901 dated 24-11-84 under sub-section (I) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this not fication hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Goovernment directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting

in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Dist.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired	Re- marks
1	2	3	4		5 6	7
Rai	Maharaj	Balhn	Raja	622	1-0-8	
Bareill		rameema	mau	621	0-2-10	
				620	1-6-12	
				619	0-2-15	
				518	0-3-10	
				616	1-2-12	
				513 577	0-1-0 0-4-0	
				578	0-4-0	
				579	0-0-15	
				580	0-8-0	
				582	1-6-2	
				583	0-1-8	
				586	1-17-2.	
				587	0-1-10	
				588	0-12-4	
				561	0-7-4	
				871 873	0-8-4 0-15-4	
				. 872	0-13-4	
•				874	0-0-3 0-12-1	
				875	0-12-1	
				886	0-14-8	
				887	0-2-10	
				55 9	0-19-12	
				921	0-2-0	
				922	0-5-0	
				919	0-8-0	
				916	0-15-0	
				55 7 558	1-6-4 0-0-10	
				907	0-0-10	
				908	0-2-10	
				418	0-4-4	
				909	0-3-10	
				911	0-2-10	
				910 1119	0-1-10 0-8-8	
				1113		
				1122	1-15-11	
				1128 1110		
				1089	0-3-5	
				1090		
				1091 1088	0-10-0 0-1-0	
				1092	0-1-10	
				1317 1318		
				1319	0-0-10	
				1320	0-18-0	
				1321 1322	0-11-8 0-8-14	
				1323	0-1-0	
				1325		
			122	1324 4/1467	0-1-10 0-0-10	
			132	1326	1-9-8	
				1392	1-15-0	
				1393 1394		
				923	0-2-0	
				554	0-0-15	

[No. O-14016/239/84-GP]

का०आ० 2570.:-यतः पेदोलियम और खनिन पाइन ल इन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेदोलियम मंत्रालय को अधिमूचना का०आ० सं० 3906 तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्ध्य भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइम लाइनों को विद्यान के लिए अजित करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और श्रामे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रिधसूचना से संलग्न श्रानुसूचों में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का श्रिधकार श्रीजत करने का विनिश्चय किया है।

मुख अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोगन के लिए एतदद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा को उपधारा (4) बारा प्रदत्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुफ्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा ।

एच, बी, जे, रौंस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

	अनुसूची	
अनुकः.	1 सासरा नं. ।	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैवटर्स में)
1	2	3
1.	71	0.121
2	94	0.462
3.	95, 1	0.360
4.	99	>0.120
5	101,1	0,485
6.	1 06/1	0.540
7.	107	C 024
8.	103/1	0.420
9.	114/1	0.270
10.	449	0.028
11.	450	0.004
1 2.	445/1	0,162
13.	448	0.016
14.	446/1	0.375

1	2	3
15	141/1	0.218
16.	442/1	0.161
17.	438/1	0.480
18.	440/1	0.690
19.	439	0.060
20.	259	0,120
21.	258	0,016
22.	260	0.567
23.	163	0.181
24.	170	0.081
25.	172/1	0.405
26.	174/1	0.210
27.	176/1	0 0 0 8 1
28.	231/1	0.324
29.	229/1	0.310
30.	228	0.219
31.	227	0,090
32	230	0.064
33.	232	0,040
34.	93	0.016
35.	257	0.032
36	446/2	0.021
37.	442/2	0 024
38.	441/2	0.030
39.	174/2	0.008
40.	233	0.016
41.	231/2	0.008
42.	444	0.020
43.	436/1	0,036
44.	437	0.043
45.	79/1	0.010
≀	गोग ≔ कुल क्षेत्र फल	7.971

[स. O-14016/244/84-जी. पी.]

S.O. 2570.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S. O. 3906 dated 24-11-84 under sub-section (I) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Goovernment directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances

HBJ GAS PIPF LINE	PROJECT
-------------------	---------

Village Dhebar	Tehsil Zabua	Distt. Zahua
	SCHEDUL	-F
S. No. Surve	y No.	Area be to acquired for R.O.U. in Hectare
1. 7t		0.121
2. 94		0.462
3. 95/1		0.360
4. 99		0.120
5. 101/1		0.485
6. 106/1		0.540
7. 107/		0 024
8. 108/1		0.420
9, 114/1 10,		0.270
11. 449		0.028
12. 450		0.004
13. 445/1		0,162
14. 448		0.016
15. 446/1		0.375
16. 441.1		0.218
17. 442 1		0.161
18. 438/1		0.480
19., 440/1		0.690
20. 439		0.060
21. 259		0.120
22. 258		0.016
23. 260		0.567
24. 163		0.181
25. 170 26. 172/1		0.081 0.405
26. 172/1 27. 174/1		174/1
28. 176/1		0.081
29. 231/1		0.324
30. 229/1		0.310
31. 228		0.219
32. 227		0.090
33. 230		0.064
34. 232		0.040
35. 93		0.016
36. 257		0.032
37. 446/2		0.024
38. 442/2		0.024
39. 441/2 40. 174/2		0.030
40. 174/2 41. 233		0.008 0.016
42. 231/2		0.008
43. 444		0.020
44. 436/1		0.036
45. 437		0.043
4 6. 79 /1		0.010
Total Are	a.	7.971

[No. O-1401/6/244/84-GP]

का० आ० सं०2571 — यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा 1 के अंदोन मारत मरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० मं० 3775 तारीख 17 11.84 द्वारा केन्द्रीय सरकार के उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्दिष्ट भू-मिश्री के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के जिए अर्जिन करने का अपना आग्रय घोषित कर दिया था।

आर यत सक्षम अधिकारों ने उक्त अधिनियम की धारा 6 को उपधारा (3) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

अंशि आगं यतः केन्द्रोय मरकार ने उनत रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना में सलग्न अनुसूचों में विनिद्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिध्चिय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम को धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्न मिकत का प्रयोग करने हुए केन्द्रोय सरकार एतदू-द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में बिनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्वदारा अजिन किया जाता है।

और अभे उस धारा की उपधारा (।) द्वारा प्रवन्त णिक्तयो का प्रयोग करने हुए केन्द्रोय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेंड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस नारीख को निहिन होगा।

एक, बी. जे रौम पाईप लाईन

		अनुसूर्चा
- — - अनुक	वस्रा नं	उपयोग अधिकार अर्घन का क्षेत्र (हैक्टर्समे)
1	16	1 050
2	$\begin{array}{c} 1/2 \\ 12 \end{array}$	0 100
3	11/1	0 605
1	11/2	0.300
5	42	0.790
h	4 +	0.70
7	74	0 010
Ř.	61	0.740
9	69	0 380
10	67/1	0.230
11	67/2	0.290
1 2.	94	0.950
1.3	18/1	0.160
1 4.	44	0.070
1 5	តិ ម	0.050
16	99	0.050
17	100	0 035
18	101	0.010
19	66/1	0,150
 কু		6.030

[म. O-14016/111/84-ऋं पी

S.O. 2571.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S. O. 3775 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

HBJ GAS PIPF LINE PROJECT
Village Jalod Sanjar Tchsil Badnagar Distt. Ujjain

SCHEDULE

S. N	io.	Survey No.	Area to be acquired For R.O.U. in Hectare.
1.	16		1.050
	18/2		
2.	1/2		0.100
	12		
3.	11/1		0.605
4.	11/2		0.300
5.	42		0.790
6	43/2		0.070
7.	74		0.010
8.	61		0.740
9.	69		0.380
10.	67/1		0.230
11.	67/2		0.290
12.	94		0.950
13.	18/1		0.160
14	44		0.070
15.	58		0.050
16.	99		0.050
17.	100		0.025
18.	101		0.010
19.	66/1		0.150
	Total A	Атоа	6.030

[No Q-14016/144/84-GP]

का. आ 2572. यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधि-नियम, 1962 (1962 का 50) की धारा उकी उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. मं. 3704 नारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उम अधिसूचना से मंनग्न अनुसूची में वितिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आक्य धोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकः री ने उक्त आधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी हैं।

और अ.गं यत. केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से मंलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिध्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त णिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गांक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देण देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा बरेंसी अगवीन्नपुर पाइप साइन प्रोजेक्ट

जिला	तहमील	परगना	ग्राम का नाम	लिया गया	विवरण	
1	2	3	4	5	6	7
 राय	महराजध	बछरावा	बन्नावा	91	0-5-5	
बरेली	गंज			92	0~ I = 0	
				200	0-8-0	
				207	0-2-8	
				208	0-6-14	
				209	0- 2- 0	
				210	0-5-0	
				211	0 - 7- 6	
				212	0- 7-1	
				213	0-5-1	
				228	0-1-0	
				229	0-2-0	
				230	0-6-10	
				231	0→ l~10	
				232	0-6-14	
				233	0-1-0	
				234	0-4-14	
				236	0-6-14	
				237	0-0-12	
				242	0-15-11	
				243	0 − 3− 0	
				252	0-5-0	

•	2	3	4 5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
			253	0-10-0		2 PP 22				790	0-18-12	
			254	0-3-12					3	99S	0-0-15	
			255	0-2-15						117	0-1-0	
			256	0-7-0						118	0- 9 - 1 \$	
			259	(r 4- 10						1715	0-4-10	
			260	0-0-19								
			270	()- (,-·11]#i	ऑ - 140	16/161/81-जी	पी.
			272	0-3-14		80	2572	Whereas	by	natificati	on of the C	<i>,</i>
			273	() 4 0		ment o.	f Indi	a. in 1	he Mir	nistry of	on of the C Petroleum,	9 1
			274	0-9-0		37U4 (a	ted 17-	11-84 uno	der sub-	section ((1) of Section	n 3 (
			275	0-14-0		or user	in Lan	1), Act,	1962 (50) of 196	Acquisition of 2), the Centi	n1/Ga
			304	0-1-10		vernmen	it decla	ed its in	tention	to acqui	ise the right	∩f ite
			305	0 − 7 − 0		notificati	on for	pui pose o	in the Laving	scheame pipeline:	appended t	o tha
			306	0-17-2					_	-	•	
			307	0-1-10		Section	wnereas (1) of S	the Cor	npotent of the s	Author: aid Act	ity has under submitted re	r Sul
			326	0-10-15		the Gov	crnmen	ι;			distilling is	port t
			3 2 7	0-6-10		\"`\\Thd	further	wherens	the Cer	itraf Go	vernment has	ı ofte
			328	0-6-15		consider	me the	said rep	ort, deci	ded to	acquire the r	ioħt 🕡
			329	0−13→15		notificat	ine jan on ,	us specin	eci in th	e schedi	ile appended	to th
			330	0-14-10		Now	therefo	re in o	ercite c	of the	power confer	
			333	0-5-10		sun-secu	on (I)	of Section	on 6 of	the vai	id Act the t	Centro
			334	0-1-0		Governr	nent (je	ieby deci	ares tha	t the ri-	oht of near	in th
			335	0-18-0		tion her	eby acq	nied for	laying t	ne appen he pi p eli	ided to this n	otifica
			336	0-2-10								
			396	0-5-0		141 01	tnat 😘	ction th	e Centra	al Cloves	toried by sub- rument direct	e tho
			397	0-1-4		ine righ	2u 10 I	er in the	said la	nds shal	II instead of	wastin
			399	<i>0</i> − 4→10		of this	ai Gove declarat	ion in th	/ests on e Gus .	i this dai Anthoriti	te of the pubi v of India Lt	licatio
			400	0-7-16		from en	etanhrai	ıces	,,,,,	Tuthor ((V OI HIERIA IN	u. 110
			510	0-1-15					SCILIE	DULF		
			1448	2-17-12		Llaii-o	Do.	. 100				
			1449	0− 0− 14		Hajira	BAL	eilly Ja	gdishpur	Pipelin	e Project	
			1450	0-2-8		Distt	Tahsil	Paryana	Village	Plot	Area Re	– must.
			1455	0-0-5					•	No.	Acquired	iiidi Ka
			1456	0-2-0		1	2	_ 3	4	5		- - 7
			1457	0-0-6		Rae	Mahar	aj Bach-	Ban-			,
			1458	0-3-0		Bareli	Ganj	hrawan		91 9 2	0-5-5	
			1460	0-12-0						200	0-1-0 0-8-0	
			1467	0-11-6						207	0-2-8	
			1469	1−5−0						208	0-6-14	
			1470	() 4 1						209	0-2-0	
										210 211	0-5-0	
			1489	0→2-0								
			$\frac{1489}{1720}$	0→2−0 2−8−0							0-7-6 0-7-4	
										212	0-7-4	
			1720	2-8-0							0~7 ~4 0~5 ~ 4	
			1720 1721	2-8-0 2-9-4						212 213 228 239	0-7-4	
			1720 1721 1723	2-8-0 2-9-4 0-3-3						212 213 228 229 230	0-7-4 0-5-4 0-1-() 0-2-() 0-6-10	
			1720 1721 1723 1724	2-8-0 2-9-4 0-3-3 0-13-13						212 213 228 239 230 231	0-7-4 0-5-4 0-1-0 0-2-0 0-6-10 0-1-10	
			1720 1721 1723 1724 1725	2-8-0 2-9-4 0-3-3 0-13-13 0-1-6						212 213 228 229 230 231 232	0-7-4 0-5-4 0-1-0 0-2-0 0-6-10 0-1-10 0-6-14	
			1720 1721 1723 1724 1725	2-8-0 2-9-4 0-3-3 0-13-13 0-1-6 0-0-18						212 213 228 239 230 231	0-7-4 0-5-4 0-1-0 0-2-0 0-6-10 0-1-10 0-6-14 0-1-0	
			1720 1721 1723 1724 1725 1726	2-8-0 2-9-4 0-3-3 0-13-13 0-1-6 0-0-18 0-10-10						212 213 228 229 230 231 232 233 234 236	0-7-4 0-5-4 0-1-0 0-2-0 0-6-10 0-1-10 0-6-14	
			1720 1721 1723 1724 1725 1726 1727	2-8-0 2-9-4 0-3-3 0-13-13 0-1-6 0-0-18 0-10-10 0-0-19						212 213 228 229 230 231 232 233 234 236 237	0-7-4 0-5-4 0-1-0 0-2-0 0-6-10 0-1-10 0-6-14 0-1-0 0-4-14	
			1720 1721 1723 1724 1725 1726 1727 1728	2-8-0 2-9-4 0-3-3 0-13-13 0-1-6 0-0-18 0-10-10 0-0-19 0-1-16						212 213 228 229 230 231 232 233 234 236 237 242	0-7-4 0-5-4 0-1-0 0-2-0 0-6-10 0-1-10 0-6-14 0-1-0 0-4-14 0-6-14 0-0-12 0-15-11	
			1720 1721 1723 1724 1725 1726 1727 1728 1733	2-8-0 2-9-4 0-3-3 0-13-13 0-1-6 0-0-18 0-10-10 0-0-19 0-1-16 1-2-14						212 213 228 229 230 231 232 233 234 236 237 242 243	0-7-4 0-5-4 0-1-0 0-2-0 0-6-10 0-1-10 0-6-14 0-1-0 0-4-14 0-6-14 0-0-12 0-15-51 0-3-0	
			1720 1721 1723 1724 1725 1726 1727 1728 1733 1734	2-8-0 2-9-4 0-3-3 0-13-13 0-1-6 0-0-18 0-10-10 0-0-19 0-1-16 1-2-14 0-4-0 1-14-0						212 213 228 229 230 231 232 233 234 236 237 242 243 252	0-7-4 0-5-4 0-1-0 0-2-0 0-6-10 0-1-10 0-6-14 0-1-0 0-4-14 0-6-14 0-0-12 0-15-51 0-3-0 0 5-0	
			1720 1721 1723 1724 1725 1726 1727 1728 1733 1734 1735	2-8-0 2-9-4 0-3-3 0-13-13 0-1-6 0-0-18 0-10-10 0-0-19 0-1-16 1-2-14 0-4-0						212 213 228 229 230 231 232 233 234 236 237 242 243	0-7-4 0-5-4 0-1-0 0-2-0 0-6-10 0-1-10 0-6-14 0-1-0 0-4-14 0-6-14 0-0-12 0-15-51 0-3-0	

1	2	3	4	5 6	7
			256	0-7-0	
			259	0-4-10	
			260	0-0-19	
			270	0-6-11	
			272	0-3-14	
			273	0-4-0	
			274	0-9-0	
			275 304	0-14-0 0-1-10	
			305	0-7-0	
			306	0-17-2	
			307	0-1-10	
			326	0-10-15	
			327	0-6-10	
			328	0-6-15	
			329	0-13-15	
			330 333	0-14-10 0-5-10	
			334	0-1-0	
			335	0-18-0	
			336	0-2-10	
			396	0-5-0	
			397	0-1-4	
			399	0-4-10	
			400	0-7-16	
			510 144	0-1-15 8 2 -17-12	
			144		
			1470		
			145		
			1450	6 0-2-0	
			145		
			1451		
			1460		
			146° 146°		
			1470		
			1489		
			1720		
			172	1 2-9-4	
			1723		
			172-		
			172		
			1726 172		
			172		
			173:		
			1734	1 1-2-14	
			1733		
			1740		
			1743		
			174: 1790		
			398	0-16-12	
			417	0-1-0	
			418	0-0-15	
			1713		
	-		fNo	O-14016/161/8	4-GP1
			ί. το.	1010/101/0	. 5.1

क . आ १ 9 5 7 3 - प्यत पेट्रोलियम और खिन अपाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिन्यम 1962 (1962 क. 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अबीम भारत सरकार के पेट्रोलियम मन्नालय की अधिमुन्न का आ सं 1065 कारीखा 12-11-84 द्वारा केन्द्रोय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विभिद्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अजित करने का अपना आणय घोषिन कर दिया था।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की 'उपबारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी हैं।

और अत्ये यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिण्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अन उक्त अविनियम की धारा ६ की उपधारा (1) हारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्हारा घोषित करते है कि इस अधिमूचना में मंजरन अनुसूचा में विनिद्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्हारा अभित किया जाता है।

और शागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त णिवतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदंश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्राय सरकार में निहित होने के बनाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को मिहित होगा।

अनुसूर्च। हाजिरा बरेली भगतीशापुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

——— जिता	- नहसील	परगना	ग्राम का नाम	 प्रशाट नम्ब	_	विवरण
1	2	3	4	5	()	7
- — जन्तीन	याम	कॉच	 -	2	2-02	
				8	0-03	
				1.1	0= 60	
				1.2	1-00	
				19	0 - 0.2	
				40	0-18	
				27	0-03	
				29	3-22	
				30/1	0-09	
			[म	आ(-1।	 1016 [†] 303∫ × 1−ज	1 m

S.O 2573.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S. O. 4005 dated 12-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And forther whereas the Central Covernment has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira	Bareili	y Jag	dishpur	Pipeline	Projec	t.
Distt.	Tehsil	Par- gana	Village	Plot No.	Area Acquire	Remarks d
1	2	3	4	5	6	7
Jolaun	Konch	Konch	Gha- mari	2 8	2-02 0-03	
				11 12 19	060 100 002	
				20 27	0-18 0-03	
				29 30/1	22 2 009	

[No. O-14016/303/84-GP]

कां. आं. 2574— यतः पेट्रोलियम और खिनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) **आ**(धेनियम, 1962 (1962 न) 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेड़ीलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 379 तारीख ै27-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से मंलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आक्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 को उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट देदी है।

और अग्रे यतः केन्द्रीय सरकार ने प्रकृत रिपोर्ट पर विचार भारते के पश्चाम इस अधिसूचना से संलग्न अनसचा में विधिविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अधिक करने क्या विभिन्नचय किया है।

अब, अतः अक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) ब्रारा प्रवस्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदहारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट उक्त भिमयों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोगन के लिए एतदशारा आगित किया जासा है

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती। है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार 227 G1/85 -- LL

सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन को इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा-इरेली-जगवीशपुर पाइप लाइम प्रोजेक्ट

जिला	तह्सील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया गया	विवरण	
					रक्षाएक इसें		
1	2	3	4	5	6	7	
आमीन	जालीन	जासौन	जमलापु	₹			
			*यान	67	0-69		
				68क	0 0 6		
				176	0-03		
				175	0-87		
				177	0-18		
				179	0-04		
				180	0-02		
				181	0-35		
				182	1-14		
				183	0-12		
				184	0-28		
				191	0-02		
				227	0-92		
				229	0~80		
				230	0-03		
				225	0-03		
				231	0-52		
				232	0-23		
				242	0-02		
				243	0-03		
				226	0-05		

[मं. ओ-14016/182/84जी, पी.]

S.O. 2574 -- Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum. S. O. 3791 dated 27-10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for putpoose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And forther whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline. tion hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

Schedule Hajira Barally Jagdishpur Pipelme Project.											
Dıstt	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Aera Remar Acquired						
1	2	3	4	5	6	7					
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Ja <u>m</u> al-	67	0-69						
			pur	68a	0-06						
			Dhyan	176	0-03						
				175	0-87						
				177	0-18						
				179	0-04						
				180	0-02						
				181	035						
				182	1-14						
				183	0-12						
				184	0-28						
				191	002						
				227	0-92						
				229	0-80						
				230	0-03						
				225	0-03						
				231	0-52						
				232	0-23						
				242	0-02						
				243	003						
				226	0 –0 5						

[No O-14016/182/84-GP]

का. आ. 2575— यतः पेट्रोलियम और खनिल पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मलालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4127 तारीख 11-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार की पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आगय घोषित कर दिया था।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने अक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिण्चय किया है।

अब अत: उनत अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदन्त शिवत का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एत बृद्धारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना मे संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट उनत भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्धारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त णिकतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होग ।

अनुसूची क्राजिरा-बरेला कगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

	हाजि	।रा-बरेला	जगवीशपुर	पाइप	लाइन प्राप्तेक्ट
	 नहसील	परगता	प्राम	गाटा स	क्षेत्रफल विवरण
					ग्रिं⊸वि∘ियं०
	अनुस्	(ची			
कामपुर	देशास-	अकथर	विसायक	1186	1-07-00
	अकबर	पुर	Ţ٠	1187	1-10-10
	पुर	-	•	1215	0-11-00
	-			1217	0-18-00
				1219	0-06-10
				1320	0-05-00
				1221	0-03-00
				1222	0-19-00
				1223	0-17-00
				1224	0-18-00
				1225	0-12-00
				1228	0-01-10
				1269	1-08-00
				1548	0-03-00
				1549	0-03-00
				1551	0-3-00
				1552	1-08-00
				1553	0-06-00
				1554	0- 08- 00
				1555	0-05-00
				1572	0-01-00
				1573	0-06-10
				1574	0-09-00
				1578	0-13-10
				1579	0-04-10
				1580	0-02-10
				1581	1-01-00
				1582	0-05-00
				1590	0 01 00
				1601	0-02-00
				1602	9 0-01-10
				1603	0-06-10
				1604	1-03-00
				1606	0-04-10
				1907	0-17-00
				1609	0-01-10
				T 6 1 5	
				1625	
				1758	
				1761	
				1762	
				1763	_
				1765	
				1766	
				1767	
				1769	1-02-00

भाग II ख ा =======	ae 3(11)]			भारतेका राजपः ———————	प्र ज्न ९ । ७ ।	^{२ त} /क्योच्ट 1 8	, 1907		<u> </u>	<u> </u>	296
Ι.	2 3	4	5	6	7	1_	_23	4	5	6	
									1219	0-06-10	
			771	1-02-00					1220 1221	0-05-00	
			790	0-13-00					1221	0-03-00 0-19-00	
			92	1-12-00					1223	0-17-00	
		1 9	930	0 - 13-00					1224	0-18-00	
		1 9	944	01300					1225	0-12-00	
		1 8	45	0 → 0 0 − 1 4					1228	0-01-00	
		1 9	946	0-15-00					1269	1-08-10	
		1 4	47	0~11~00					1548	0-0-300	
		19)48	0-17-00					1549 1551	0-03-00 0-03-00	
		19	49	1-12-00					1552	10800	
		1 0	950	0-07-00					1553	0-06-00	
		1 9) 5 H	0-06-00					1554	0-0800	
			+ 6 0	2~02~00					1555	0-05-00	
			962	0-00-13					1572	0-01-00	
			163	0-02-14					1573	0-06-10	
			965	0-14-00					1574	0-09-00	
									1578 1579	0-13-10 0-04-10	
			980	0-06-00					1579	0-04-10	
			004	0-02-10					1581	1-01-00	
			106	0-09-00					1582	0-05-00	
			07	0-03-00					1590	0-01-00	
		20	009	0 18 00					1601	0-02-00	
		20	10	0-12-00					1602	0-01-10	
		20)11	1-10-00					1603	0-06-10	
		1 9	958	0-00-13					1604	1-03-00	
									1606 1607	0-04-10 0-1700	
		[स	O-140) 1 6 3 4 9 8 4 जी	. qc]				1609	0-01-10	
S O 257	5.—Whereas	by no	tificatio	n of the G	lovern-				1615	0-00-10	
ent of	India in the	he Mini	stry of	Petroleum.	S. O.				1625	00500	
	11-12-84 und um and Mine								1758	0-10-00	
User in	Land) Act,	1962 (50	of 196	(2), the Contr	al Go-				1761	0-11-00	
nment de	eclared its into	ention to	acquire	the right of	user in				1762	0-15-00	
	pecified in the urpose of lar			ded to that r	iotinca-				1763 1765	0-10-00 0-02-10	
•	•			4 1 1-	G1-				1766	0-01-10	
	reas the Cor of Section 6								1767	0-16-00	
Govern		of the 3t	,	January 14	port to				1769	1-02-00	
And fort	ther whereas	the Cen	traï Go	vernment has	after				1771	1-02-10	
nsidering	the said rep	ort, decid	led to	acquire the r	ight of				1790	0-13-00	
er in the tification	lands specifi	ed in the	schedu	ile appended	to this				1791	1-12-00	
	-	varnine -	f the	MANUA - 0 - 16 -	rad Eu				1930 1944	0-13-00 0-13-00	
	erefore, in et								1944	0-00-14	
ov e rnmen	it hereby decl	lares that	the ri	ght of user	in that				1946	0-15-00	
	specified in the acquired for				ounca-				1947	0-11-00	
•	her in exercis				- Antion				1948	3-17-00	
Aud furt	ner in exercis	Central	Goven	nment directs	that				1949	1-12-00	
e right c	of user in the	e said lai	nds sha	ll instead of	vesting				1950	0-07-00	
	Government value of the contraction of the contract								1958	0-06-00	
	naradon in d nbrances.	ne Cay A	suuiO(I(y or main L	ia 1300				1960 1962	2-02-00 0-00-13	
	-	(1075171							1963	0-00-13	
	SCI	HEDULE							1965	0-14-00	
[ajira Ba	reily Jagdis	hpur Pip	eline	Project					1980	0-06-00	
istt Pe	er- Tehsil	Village	Plot	Arca R	marks				2004	0-02-10	
	ana		No.	Acquired	y-44*** 4**/				2006	0-09-00	
		4 -			 - 7				2007	0-03-00	
	2 3	-+-		6 -					2009	0-18-00	
									7171()	. 10 00	
1 Canpur A		Besaik-		1-07-00					⁷ 010	1-10-00	
		Besaik- pur	1186 1187 1215	1-07-00 1-10-10 0-11-00					2011 1938	1-10-00 1-10-00 0-00-13	

नई दिल्ली, 30 मई, 1985

का०आ० 2576 .--यत केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि लोकहिल मे यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश मे हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यक्ष प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनोको बिछाने के प्रयोजन, के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची मे वर्णित भूमि मे उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा उ की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस मे उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतव्हारा घोषित किया है।

बगार्ते कि उक्त भूमि मे हितबद्ध कोई व्यक्ति उस मूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि० बी-58/बी, अलीग अलबनऊ-226020 यू०पी० को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति [विनिर्दिष्टत यह भी कथन करेगा कि क्या वह चष्ह्ता है कि [उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसाधी की मार्फत ।

अनुसूर्यः १ृष्टुं हाकिय-वरेल-कमदोशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला ४	परगना	तहसीन	ग्राम	गाटा स	क्षेत्रफल एकड डि	
1	2	3	4	5	6	7
गाह्यहा-	- काट	सदर	धनुषा-			
पुर			खेकाः	41		18
				42		18
				43		84
				44		35
				47		42
				5.2		02
				53		13

[ti O-14016/354/55-जी.पी]

New Delhi, the 30th May, 1985

S,O 2576—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttor Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-

section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein,

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H B J. Pipeline Project B-58 B, Aliganj Lucknow-226020 U P

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner

INDEX

Gas prost	me from,	H ijir i-Ba	r.iii	y-Jagdis	h Pur	-Project
District T	chsil Pi	igii Vill	nge no	Plot Acd	Area Dismil	Remar k
1 2	3	4		5	6	7
Shah- Sa jahanpur	adar K	at Dhanu- wakhada			18	
			42	_	18	
			43	_	84	
			44	_	35	
			47		42	
			52	_	02	
			53	_	13	

[No O-14016/354/85-G P]

का० प्रा० 2577 ----यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह ध्रावण्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा--बरेली--जगदींगपुर तक पेट्रोलियम के परि-वहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा विकाई जानी चाहिए।

और यत प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो को विष्ठाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाब अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार भजित करना श्रावश्यक है।

म्रतः म्रब पेट्रोलियम और खानिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का मर्जन) म्रधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस मे उपयोग का म्रधिकार म्रजित करने का मपना म्रागय एतदहारा घोषित किया है।

प्रशासे कि उक्स भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के मीचे पाइप लाइन विछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि० बी-58/बी, ग्रलीगज, लखनऊ— 226020 यू० पी० को इस ग्रधिसूचना की तारीख से

और ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टत यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिग-	– वरेलं ∽	जगर्स भप्र	प।इप ला	(म प्रो जेक्ट

विसा	√ाहमी/ल	परगना	ग्राम	गाटा सं .	क्षेत्रफल	विधरण
				ч.	एकड़ वि	स्ति । इसमिल
1	_ 	3	4	5	6	7
याहण हीं-	मदर	काट	बरनावा वरनावा	87		30
पुर				94		30
				95		10
				98		68
				49		45
				100		04
				101		50
				102		5 5
				38		0.2

[स. O-14016/355/85-जी. पी.]

S.O. 2577.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdispur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land de-cribed in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

Gas	Pipeline	from	Hajira—B	Project			
Distri	at Tehsil	Parga	na Village	Plot	ARI Acd. Di		Romark
1	2	3	4	5	6		7
Shahja	ahan- Sada	ar Ka	at Barnawa	87		30	
pur				94	_	30	
				95	_	10	
				98	_	68	
				99		45	
				100	-	04	
				101		50	
				102	-	55	
				88	-	02	

[No. O-14016/355/85-G,P]

का० ग्रा० 2578.—-यतः केन्द्रीय सरकार को यह यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह श्राधम्यक है कि उत्तर प्रदेण में हजीरा-बरेली-जमदीमपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० हारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपःबद्ध ग्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का ग्रधिकार श्रजिस करना ग्रावश्यक है।

श्रतः श्रव पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रर्जन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिन्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का श्रधिकार श्राजित करने का अन्ता श्रोग एतदद्वारा घोषित किया है।

वणतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विद्याने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि०, बी/58 बी, अलीगज लखनऊ-226020 यू०पी० को इस प्रधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐमा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत. यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से या किसी विधि व्यवसायी की मार्फतहों।

अनुसूर्च हाजिरा--अर्रेलं --जगर्वः शपुर गम पाइप लाइन प्रोजैस्ट

সিশা	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा स .	क्षेक्षफल	τ	थिव र ण
					एक इ	 हिसमिल	
1	2	3	4	5		6	7
शाह्यहाँ-	सवर	प्रभौर	अभीर	141		94	-
पुर				142		16	
				143		42	

S.O. 2578.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdispur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aligaj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Gas I	Pipeline	From	Hajira—	Bareilly	Jagdis	hpur Project
Distric	t Tohs.	il Parga	na Villag	-		EA Remark Dismil.
1	2	3	4	5	6	7
Shah-	Sadar	Jabhour	Jabhour	141	_	0.94
jahanp	ur			142	_	16
•				143	_	42
				[No.	O-140	16/351/85-G.P.]

का० ग्रा० 2579 .—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह ग्रावश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-वरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपल इन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध धनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का प्रधिकार धर्जित करना ध्रावण्यक है।

भ्रतः अब पेट्रोलियम और खितज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के भ्रधिकार का भर्जन) भ्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का भ्रधिकार भ्रजिन करने का भ्रपना श्राशय एतब्द्वारा घोषित किया है।

बसर्ते कि उक्त भूमि में हितबद कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए श्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकारी लि॰ बी-58/बी श्रलीगंज लखनऊ-226020 य्॰ पी॰ को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐस प्राक्षेप करने वाला हुर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

(अनुसूची) हाजिरा–बरेली:–जगदीशपुर ग्रैसं पाष्टप लाइन प्रोजेक्ट

			41.1	गाटा सं.	410170	า	विवरण
					एक ड	डिसमिल	
1	2	3	4	5		6	7
शाहकहाँ-	कोट	सदर	काज लपुर	220		18	
पुर				221		65	
				223		03	
				224		4.5	
				225		38	
				226		15	
				165		0.7	

[मं. O-14016/352/85-जो.पी.]

S.O. 2579.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purgose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schelule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58 B. Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to he heard in person or by legal practitioner.

INDEX

Gas Pipe line From Hajira—Bareilly—Jagdishpui Project

District 7	Fehsil Par	Village Plot no	AREA Acd. Dismil		Romark	
]	2	3	4 5	6	7	8
Shahjahan	- Sadar	Kat	Jajalpur 220		18	
pur			221		65	
			223	_	03	
			224		45	
			72 4	_	38	
			226	_	1.5	
			165	_	07	
			[No.	O-1401	5/352,	/85-G.P.]

का० मा० 2580 — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पट्टोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्रोधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबड धनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रधिकार ग्रजित करना ग्रावण्यक है।

धतः मत्र पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के श्रीधकार का श्रर्जन) (श्रीधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का श्रीधकार भीजित करने ,का श्रपना भाषाय एतव्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भुमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए धाक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि॰ बी-58/बी ध्रलीगंज लखनऊ-226020 यू॰ पी॰ को इस ध्रिधसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनदाई उपक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

			(39	न् मृभी)			1	2	3	4	5	6	. 7
	द्रानिर	ा बरेली	जनवीष्ट्रपुर	गैस पाइप	लाइन प्रोजेस्ट		- हरदोई	(जारी)			615	0-3-0	
		-·						` /			500	0-1-6	
जिला	नहसील	परगना	ग्राम	गाटा सक्या	क्षेत्रफल	विवरण					901	005	
											902	0~.5~0	
					वि:−वि:.~वि:. —						903	0-13-0	
1	2	3	4	5	6	7					904	()100	
			- 								905	0-17-0	
रवोई	विलग्नाम	काटयारा	गौरियासी जन्म		1-3-0						921	0-8-0	
			शाला	353 351	1-3-0 0-4-0						915	0-10-0	
				352	0-14-0						899	0- 12-0	
				354	0-15-0						914	0-15-0	
				369	0-13-4						897	()— 6— ()	
				370	0-7-4						910	0 180	
				371	0-5-8						912	0-12-10	
				373	0-6-0						911	0150	
				380	0-5-0						916	0-3-0	
				398	0-1-13				÷		913	0-4-10	
				403	0-4-16						906	0-7-0	
				382	0-5-8						900	0-4-0	
				383	0-5-8						295	0-5-0	
				397	0-3-0						563	0-2-0	
				399	0-1-13						909	0-2-0	
				610	0150					ſ	सं. O -14	0 1 6/3 65/8 5-3	ी. पी.
							~ ~	2580	Whereas	it ann	ears to the	Central Go	vernme
				401	0-3-0		S.O.						
				401 402	0-3-0 0-4-4		tbat i	t is nece	ssary in	the pi	ıblic intere	st that for t	he tra:
				402	0-4-4		that is port o	t is nece of Petrolo	ssary in um from	the pu Hajir	iblic intere a-Barellly	st that for t to Jagdishpur	be tra in Ut
				402 581	0-4-4 0-18-0		that it port o Prade:	t is nece of Petrolo	ssary in um from	the pu Hajir	iblic intere a-Barellly	st that for t	be tra in Ut
				402 561 404	0-4-4 0-18-0 0-10-16		that is port of Prades of Inc	t is nece of Petrole sh State lia Ltd.	ssary in um from Pipeline	the pu Hajiri should	iblic intere a-Barellly i I be laid l	st that for to Jagdishpur by the Gas A	he tra: in Ut Author
				402 561 404 405	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17		that in port of Prades of Ind	t is nece of Petrole sh State lia Ltd. I wherea	ssary in um from Pipeline s it app	the pu Hajir should	blic intere a-Barellly to be laid to that for the	st that for to Jagdishpur by the Gas a	he tra in Ut Author
				402 561 404 405 406	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8		that is port of Prades of Inc. And such p	t is nece of Petrole sh State iia Ltd. I wherea pipeline,	ssary in um from Pipeline s it app it is nec	the pu Hajir should bears t	ablic intere a-Barellly a l be laid b that for the to acquire	st that for to Jagdishpur by the Gas A	he tra in Ut Author
				402 561 404 405 406 407	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5		that is port of Prades of Inc. And such I the la	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. d wherea pipeline, and descr w therefore	ssary in um from Pipeline s it applit is necibed in tore, in o	the pure should should be are the scheme sch	ablic intere a-Barellly of the laid the that for the to acquire and the	set that for to Jagdishpur by the Gas and the purpose of the right of exed hereto;	he tra in Ut Author of layi f user
				402 561 404 405 406 407 425	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15		that is port of Prades of Inc. And such I the la	t is nece if Petrole sh State dia Ltd. i wherea pipeline, and descr w thereforetion (1)	ssary in um from Pipeline s it applit is necibed in ore, in (a) of the	the pure should should be cars to essury the scheme sections.	ablic intere a-Bareilly of the laid to to acquire acq acquire acquire acquire acquire acquire	the purpose of the right of the Petrole	he tra in Ut Author of layif user forred cum a
				402 561 404 405 406 407 425 128	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8		that is port of Prades of Inc. Anc. such 1 the la Nov. sub-se Miner	t is nece if Petrole sh State dia Ltd. I wherea pipeline, and descr w therefore ction (1) als Pipel	ssary in um from Pipeline s it applit is necibed in ore, in (a) of the lines (A)	the pure should	a-Bareilly and the laid laid laid laid laid laid laid laid	the purpose of the Petrole ight of Use	he tra in Ut Author of layif user forred our a r in 1
				402 561 404 405 406 407 425 128 435	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8		that is port of Prades of Inc. Anc. such I the la Nov sub-se Miner Land) hereby	t is nece of Petrole sh State dia Ltd. di wherea pipeline, and descr w therefo ction (1) als Pipel Act, 19 w declare	ssary in um from Pipeline s it applit is necibed in ore, in of the lines (A 962 (50	the pure should be say the scheme sch	ablic interea-Bareilly in the laid laid laid laid laid laid laid laid	the purpose of the right of the Petrole	he train Ut Author of laying user forred com a r in t
				402 561 404 405 406 407 425 128 435 436	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7		that is port of Prades of Inc. Anc. such part the la Nov sub-se Miner Land) hereby therein	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. I wherea pipeline, and descr w therefo ction (1) als Pipel Act, 19 y declare n;	ssary in um from Pipeline s it applit is necibed in ore, in of the lines (A 962 (50 s its in	the pure Hajir should be the sense the sense Sent equisit of 15	hat for the to acquire and the to acquire anne to 3 of the to acquire and the to acquire to acquire acqu	the purpose of the Petrole ight of User Central Gore the right	he train Ut Author of layif user forred com a r in t vernme of use
				402 561 404 405 406 407 425 128 435 436 437	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0		that is port of Prades of Inc. Anc. such part the la Nov sub-se Miner Land) hereby thereis	t is nece of Petrole sh State dia Ltd. di wherea pipeline, and descr w therefo ction (1) als Pipel Act, 19 y declare n; vided the	ssary in um from Pipeline s it applit is necibed in ore, in of the lines (A 962 (50 as its in at any p	the pure Hajir should be the sense the sense Sect equisit of 13 tention	hat for the to acquire and the to acquire annual conferment of the to acquire	the purpose of the Petrole ight of Use Central Gore the right of the right of the Petrole ight of the Petrole ight of the Petrole ight of the right in the said lies to Jacobs and the right of the righ	he tra- in Ut Author of layif user corred com a r in t vernme of us and m
				402 561 404 405 406 407 425 128 435 436 437 438	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0 0-3-7		that is port of Prades of Inc. And such paths la Nov sub-se Miner Land, hereby therein Pro within the la	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. d wherea pipeline, and descr w therefo ction (1) als Pipel Act, 19 y declare n; vided tha 21 days ying of	ssary in um from Pipeline is it applit is necibed in ore, in (a) of the lines (A) 962 (50 is its in at any ps from the pipel	the pure Hajir should be are to essary the sche exercise Sect equisit of 1 tention the dat line un	hat for the to acquire the domain of Rio acquire to acq	the purpose of the Petrole ight of Use: Central Gore the right of the Petrole ight of Use: Central Gore the right in the said is notification, and to the Co	he train Ut Author of layif user orred corred com a r in t vernme of us and ma object compete
				402 561 404 405 406 407 425 128 435 436 437 438 542	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0 0-3-7 0-9-0		that is port of Prades of Inc. And such particular land, hereby thereis. Prowithin the la Autho	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. I wherea pipeline, and descr w therefo ection (1) als Pipel Act, 19 declare n; vided that 21 days sying of ority, Gr	ssary in um from Pipeline s it applit is necibed in ore, in of the lines (A 962 (50 cs its in at any pas from the pipelas Auth	the pure Hajir should be are to essary the scheme Secteduisit of 1 tention erson the date or the date	hat for the to acquire	the purpose of the right of the Petrole ight of User Central Government of the right of the Central Government of the Right of the Righ	he train Ut Author of layif user orred corred com a r in t vernme of us and ma object compete
				402 561 404 405 406 407 425 128 435 436 437 438 542 562	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0 0-3-7 0-9-0 0-13-0		that is port of Prades of Inc. And such I the la Nov sub-se Miner Land) hereby therein the la Autho Project	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. I wherea pipeline, and descr w therefo ction (1) als Pipel Act, 19 y declare n; wided tha 21 days ying of ority, Ge ct B-58 B	ssary in um from Pipeline s it applit is necibed in ore, in (c) of the lines (A) 962 (50 as its in at any ps from the pipelas Auth Aligan	the pure Hajir should be are to essury the sche exercise Sect cquisit of 1stention erson she dat line un ority of Luck	hat for the to acquire the to acquire the to acquire the to acquire the to acquire the to acquire the the the to acquire the the the to acquire the the the the the the the the the th	the purpose of the purpose of the right of the Petrole ight of User Central Gorre the right of the purpose of the Petrole ight of User Central Gorre the right in the said Is notification, and to the Country of the Petrole in the said Is notification, and to the Country of the Petrole in the said Is notification, and to the Country of the Petrole in the Said Is notification, and to the Country of the Petrole in the Said Is notification, and to the Country of the Petrole in the Said Is notification, and to the Country of the Petrole in the Said Is notification, and to the Country of the Petrole in the Said Is notification, and the Petrole is not the Petrole in the Said Is notification, and the Petrole is not the Petrole in the Said Is not the	he train in Ut Author of layif user forred cum ar in t vernme of us and mi object ompete Pipeli
				402 561 404 405 406 407 425 128 436 436 437 438 542 562	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0 0-3-7 0-9-0 0-13-0 0-14-17		that is port of Prades of Inc. And such I the la Nov sub-se Miner Land) hereby thereis within the la Autho Project	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. d wherea pipeline, and descr w therefo ction (1) als Pipel Act, 19 w declare n; vided tha 21 days ying of ority, Gr ct B-58 B d every	ssary in um from Pipeline s it applit is necibed in ore, in of the lines (A 962 (50 cs its in at any ps from the pipel as Auth Aligan person	the pure Hajir should be assure the scheme Sected as the scheme sected a	hat for the to acquire	the purpose of the purpose of the right of Use. Central Gore the right of the Petrole ight of Use. Central Gore the right in the said is notification, and to the C. Ltd. H. B. J. Objection is	he train in Ut Author of layif user orred cum a r in t vernme of us and ma object Ompete Pipeli hall a
				402 561 404 405 406 407 425 128 436 436 437 438 542 562 547	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0 0-3-7 0-9-0 0-13-0 0-14-17 0-10-0		that is port of Prades of Inc. And such I the la Nov sub-se Miner Land) hereby thereis Pro within the la Autho Project	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. d wherea pipeline, and descr w therefo ction (1) als Pipel Act, 19 w declare n; vided tha 21 days ying of ority, Gr ct B-58 B d every	ssary in um from Pipeline s it applies in it is necibed in ore, in of the lines (A 962 (50 cs its in the pipelas Auth Aligan person ly wheth	the pure Hajir should be assure the scheme Sected assure the scheme Sected assure the scheme sected assure the scheme the	hat for the to acquire	the purpose of the purpose of the right of the Petrole ight of User Central Gorre the right of the purpose of the Petrole ight of User Central Gorre the right in the said Is notification, and to the Country of the Petrole in the said Is notification, and to the Country of the Petrole in the said Is notification, and to the Country of the Petrole in the Said Is notification, and to the Country of the Petrole in the Said Is notification, and to the Country of the Petrole in the Said Is notification, and to the Country of the Petrole in the Said Is notification, and to the Country of the Petrole in the Said Is notification, and the Petrole is not the Petrole in the Said Is notification, and the Petrole is not the Petrole in the Said Is not the	of laying the control of laying the control of the
				402 561 404 405 406 407 425 128 435 436 437 438 542 562 547 548 550	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0 0-3-7 0-9-0 0-13-0 0-14-17 0-10-0 0-13-6		that is port of Prades of Inc. And such I the la Nov sub-se Miner Land) hereby thereis Pro within the la Autho Project	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. d wherea pipeline, and descr w therefo ection (1) als Pipel Act, 19 w declare n; vided tha 21 days ying of ority, Gr et B-58 B d every specifical	ssary in um from Pipeline s it applies in it is necibed in ore, in of the lines (A 962 (50 cs its in the pipelas Auth Aligan person ly wheth	the pure Hajir should be assure the scheme Sected assure the scheme Sected assure the scheme sected assure the scheme the	hat for the to acquire the domain of the to acquire the to acquire to acquire to acquire to acquire to acquire to acquire the la of India and the to acquire the la of India and the to acquire the to acquire the the to acquire the the to acquire the the the the the the the the the th	the purpose of the purpose of the right of Use. Central Gore the right of the Petrole ight of Use. Central Gore the right in the said is notification, and to the C. Ltd. H. B. J. Objection is	of laying the control of laying the control of the
				402 561 404 405 406 407 425 128 435 436 437 438 542 542 547 548 550 558	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0 0-3-7 0-9-0 0-13-0 0-14-17 0-10-0 0-3-10		that is port of Prades of Inc. And such particular the land hereby therein Prowithin the land Author Project And state or by	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. d wherea pipeline, and descr w therefore als Pipel Act, 19 which declare n; vided the color by Get B-58 B d every specifical legal pi	ssary in um from Pipeline s it applit is neclibed in ore, in of the lines (A 962 (50 as its in at any part of the pipel as Auth Aligan, person by whether actitione	the pure Hajir should be are the school of t	that for the to acquire the to acquire the last the last act and act act acquire the last act acquire the last act acquire to acquire the last act acquire to acquire the last	the that for it to Jagdishpur by the Gas a the right of exed hereto; powers confine Petroleight of Use. Central Gore the right in the said Is notification, on the Country of the Petroleight of Use. Central Gore the right in the said Is notification, on the Country of the Petroleight of Use. Central Gore the right in the said Is notification, on the Country of the Petroleight of the Country of the Petroleight of the Country of the Petroleight of t	he train in Ut Author! of layif user forred corred twernme of us and ma beliect compete Pipeli hall al n pers
				402 561 404 405 406 407 425 128 435 436 437 438 542 561 547 548 550 558 557	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0 0-3-7 0-9-0 0-13-0 0-13-6 0-3-10 0-13-0		that is port of Prades of Inc. And such particular the land hereby therein Prowithin the land Author Project And state or by	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. d wherea pipeline, and descr w therefore als Pipel Act, 19 which declare n; vided the color by Get B-58 B d every specifical legal pi	ssary in um from Pipeline s it applit is neclibed in ore, in of the lines (A 962 (50 as its in at any part of the pipel as Auth Aligan, person by whether actitione	the pure Hajir should be are the school of t	that for the to acquire the to acquire the last the last act and act act acquire the last act acquire the last act acquire to acquire the last act acquire to acquire the last	the purpose of the purpose of the right of Use. Central Gore the right of the Petrole ight of Use. Central Gore the right in the said is notification, and to the C. Ltd. H. B. J. Objection is	he train in Ut Author of layif user forred corred
				402 561 404 405 406 407 425 128 435 436 437 438 542 562 547 548 550 558 557 566 मिन	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0 0-3-7 0-9-0 0-13-0 0-13-6 0-3-10 0-13-0 1-7-0		that is port of Prades of Inc. And such I the la Nov sub-se Miner Land) hereby thereis Pro within the la Autho Project And state or by	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. d wherea pipeline, and descr w therefo ction (1) als Pipel Act, 19 w declare n; vided tha 21 days ying of ority, Gr ct B-58 B d every specifical legal pi as Pipe	ssary in um from Pipeline is it applied in the incomplete in the incomplete i	the pure Hajir should be assury the sche scars to essury the sche scars of 13 tention the data line un ority in Luck making her he to the total th	hat for the to acquire the domain of the to acquire the la of India conviction of the to acquire the the the the the the the the the th	that for it to Jagdishpur by the Gas and the purpose of the right of exed hereto; powers confit the Petrole ight of Use. Central Gore the right in the said limitification, and to the Country of the Cou	he train in Ut Author of layif user orred cum a r in t vernme of us and mi object ompete Pipeli hall ain pers
				402 561 404 405 406 407 425 128 436 436 437 438 542 562 547 548 550 558 557 566 मन 568	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0 0-3-7 0-9-0 0-13-0 0-14-17 0-10-0 0-13-6 0-3-10 0-13-0 1-7-0 0-5-0		that is port of Prades of Inc. And such I the la Nov sub-se Miner Land) hereby thereis Pro within the la Autho Project And state or by	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. d wherea pipeline, and descr w therefore als Pipel Act, 19 which declare n; vided the color by Get B-58 B d every specifical legal pi	ssary in um from Pipeline is it applied in the incomplete in the incomplete i	the pure Hajir should be are the school of t	hat for the to acquire the dor the to acquire the the to acquire the the to acquire the the to acquire the the the to acquire the the the the the the the the the th	set that for to Jagdishpur by the Gas A set the right of exed hereto; powers confit the Petrole ight of Use. Central Gore the right in the said Is notification, and to the C. Ltd. H. B. J. 20 U.P. objection set the right in the said Is notification of the C. Ltd. H. B. J. 20 U.P. objection set the right in the said Is notification of the C. Ltd. H. B. J. 20 U.P. objection set the right in the said Is notification of the C. Ltd. H. B. J. 20 U.P. objection set the right in the said Is not the C. Ltd. H. B. J. 20 U.P. objection set the right in the said Is not the C. Ltd. H. B. J. 20 U.P. objection set the right in the said Is not the C. Ltd. H. B. J. 20 U.P. objection set the right of th	he train Ut Author of layif user orred cum a r in t vernme of us and mi object compete Pipeli hall al n pers
				402 561 404 405 406 407 425 128 435 436 437 438 542 562 547 548 550 558 557 566 मिन	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0 0-3-7 0-9-0 0-13-0 0-13-6 0-3-10 0-13-0 1-7-0		that is port of Prades of Inc. And such I the la Nov sub-se Miner Land) hereby thereis Pro within the la Autho Project And state or by	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. d wherea pipeline, and descr w therefo ction (1) als Pipel Act, 19 w declare n; vided tha 21 days ying of ority, Gr ct B-58 B d every specifical legal pi as Pipe	ssary in um from Pipeline is it applied in the incomplete in the incomplete i	the pure Hajir should be assury the sche scars to essury the sche scars of 13 tention the data line un ority in Luck making her he to the total th	hat for the to acquire the domain of the to acquire the la of India conviction of the to acquire the the the the the the the the the th	that for it to Jagdishpur by the Gas and the purpose of the right of exed hereto; powers confit the Petrole ight of Use. Central Gore the right in the said limitification, and to the Country of the Cou	he train Ut Author of layif user orred cum a r in t vernme of us and mi object ompete Pipeli hall al n pers
				402 561 404 405 406 407 425 128 435 436 437 438 542 562 547 548 550 558 557 566 मिन 568 608	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0 0-3-7 0-9-0 0-13-0 0-13-6 0-3-10 0-13-0 1-7-0 0-5-0 0-2-0		that is port of Prades of Inc. And such I the la Nov sub-se Miner Land) hereby thereis Pro within the la Autho Project And state or by	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. d wherea pipeline, and descr w therefo ction (1) als Pipel Act, 19 w declare n; vided tha 21 days ying of ority, Gr ct B-58 B d every specifical legal pi as Pipe	ssary in um from Pipeline is it applied in the incomplete in the incomplete i	the pure Hajir should be assury the sche scars to essury the sche scars of 13 tention the data line un ority in Luck making her he to the total th	hat for the to acquire the dor the to acquire the the to acquire the the to acquire the the to acquire the the the to acquire the the the the the the the the the th	that for it to Jagdishpur by the Gas and the purpose of the right of exed hereto; powers confit the Petrole ight of Use. Central Gore the right in the said lanotification, and to the Cl.td. H. B. J. 20 U.P. objection she heard in the said lanotification of the Cl.td. H. B. J. 20 U.P. objection she heard in the said lanotification of the Cl.td. H. B. J. 20 U.P. objection she heard in the said lanotification.	he train Ut Author of layif user orred cum a r in t vernme of us and mi object compete Pipeli hall al n pers
				402 561 404 405 406 407 425 128 435 436 437 438 542 562 547 548 550 558 557 566 मिन 568 608 570 571	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0 0-3-7 0-9-0 0-13-0 0-14-17 0-10-0 0-13-0 0-13-0 0-13-0 0-13-0 0-13-0 0-13-0 0-13-0 0-13-0 0-13-0 0-13-0 0-13-0		that is port of Prades of Inc. And such I the la Nov sub-se Miner Land) hereby thereis Pro within the la Autho Project And state or by	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. d wherea pipeline, and descr w therefo ction (1) als Pipel Act, 19 w declare n; vided tha 21 days ying of ority, Gr ct B-58 B d every specifical legal pi as Pipe	ssary in um from Pipeline is it applied in the incomplete in the incomplete i	the pure Hajir should be assury the sche scars to essury the sche scars of 13 tention the data line un ority in Luck making her he to the total th	that for the to acquire the due of the to acquire the last of India lanow-22602 such an wishes to DEX agira-Barati No.	that for it to Jagdishpur by the Gas and the purpose of the right of exed hereto; powers confit the Petrole ight of Use. Central Gore the right in the said lanotification, and to the Cl. Ltd. H. B. J. 20 U.P. objection so be heard in ly-Jagdishpur Area Bigha. Biswa,	he train train in Ut Author of laying tweer of user of
				402 561 404 405 406 407 425 128 435 436 437 438 542 562 547 548 550 558 557 566 मिल 608 670 571 572	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0 0-3-7 0-9-0 0-13-0 0-13-0 0-13-0 1-7-0 0-5-0 0-2-0 0-4-16 0-2-14 0-1-10		that is port of Prades of Inc. And such parties land Nov sub-se Miner Land) hereby thereis Pro within the la Autho Project And state or by G District	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. di wherea pipeline, and descr w therefore ction (1) als Pipel Act, 19 declare n; vided that 21 day sying of ority, Gr et B-58 B d every specifical legal pi as Pipe as Pipe	ssary in um from Pipeline s it applit is necibed in ore, in of the lines (A 962 (50 cs its in at any pass from the pipelas Auth Aligan person ly wheth ractitione Line Frequency Parga	the pure Hajir should be are the service Sect equisit of 1 tention error the dath or the dath or the tention or type of the tention or type or o	hat for the laid lead of the laid lead of the laid lead lead lead lead lead lead lead lea	set that for the Jagdishpur of the Purpose of the right of exed hereto; powers confithe Petroleight of Use. Central Gore the right in the said lanotification, and to the C. Ltd. H. B. J. 20 U.P. objection she heard in the said lanotification of the C. Ltd. H. B. J. 20 U.P. objection she heard in the said lanotification of the C. Ltd. H. B. J. 20 U.P. objection she heard in the said lanotification of the C. Ltd. H. B. J. 20 U.P. objection she heard in the said lanotification of the land in the said lanotification. The said land the land land land land land land land land	he train to the train of laying the train of
				402 561 404 405 406 407 425 128 435 436 437 438 542 547 548 550 558 557 566 मिन 568 608 570 571 572 573	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0 0-3-7 0-9-0 0-13-0		that is port of Prades of Inc. And such parties land Nov sub-se Miner Land) hereby thereis Pro within the la Autho Project And state or by G District	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. d wherea pipeline, and descr w therefo ction (I' als Pipel Act, 1' y declare n; vided tha 21 days ying of ority. Get B-58 B d every specifical legal pi as Pipe as Pipe	ssary in um from Pipeline s it applies it is necibed in ore, in of the lines (A 962 (50) is its in at any ps from the pipelas Author Parson ly wheth ractitione the Front Targan Sam Kati-	the pure Hajir should be assury the scheen s	hat for the laid lead of the laid lead of the laid lead lead lead lead lead lead lead lea	set that for the Jagdishpur of the Purpose of the right of exed hereto; powers confit the Petrole ight of Use. Central Gore the right in the said is notification, and to the Cited. H. B. I. 20 U.P. objection so be heard in the said is the said is not if the said is not if the cited. H. B. I. 20 U.P. objection so be heard in the said is the said is the said is not if the cited. H. B. I. 20 U.P. objection so be heard in the said is t	he train to the train of laying the train of
				402 561 404 405 406 407 425 128 436 437 438 542 562 547 548 550 558 557 568 608 570 571 572 573 597	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0 0-3-7 0-9-0 0-13-0 0-14-17 0-10-0 0-13-6 0-3-10 0-13-0 0-13-0 0-14-17 0-10-0 0-13-0		that is port of Prades of Inc. And such parties land Nov sub-se Miner Land) hereby thereis Pro within the la Autho Project And state or by G District	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. di wherea pipeline, and descr w therefore ction (1) als Pipel Act, 19 declare n; vided that 21 day sying of ority, Gr et B-58 B d every specifical legal pi as Pipe as Pipe	ssary in um from Pipeline s it applit is necibed in ore, in of the lines (A 962 (50 cs its in at any pass from the pipelas Auth Aligan person ly wheth ractitione Line Frequency Parga	the pure Hajir should be assury the scheen s	hat for the laid lead of the laid lead of the laid lead lead lead lead lead lead lead lea	set that for the Jagdishpur of the Purpose of the right of exed hereto; powers confithe Petroleight of Use. Central Gore the right in the said lanotification, and to the C. Ltd. H. B. J. 20 U.P. objection she heard in the said lanotification of the C. Ltd. H. B. J. 20 U.P. objection she heard in the said lanotification of the C. Ltd. H. B. J. 20 U.P. objection she heard in the said lanotification of the C. Ltd. H. B. J. 20 U.P. objection she heard in the said lanotification of the land in the said lanotification. The said land the land land land land land land land land	he train to the train of laying formed formed for the twernmen of twernmen of the twernmen of twernmen of twer
				402 561 404 405 406 407 425 128 435 436 437 438 542 562 547 548 550 558 557 566 मिन 608 570 571 572 573 597 605	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0 0-3-7 0-9-0 0-13-0 0-13-6 0-3-10 0-13-6 0-3-10 0-13-0 1-7-0 0-5-0 0-2-0 0-4-16 0-2-14 0-1-10 0-2-0 0-6-12 0-0-10		that is port of Prades of Inc. And such parties land Nov sub-se Miner Land) hereby thereis Pro within the la Autho Project And state or by G District	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. di wherea pipeline, and descr w therefore ction (1) als Pipel Act, 19 declare n; vided that 21 day sying of ority, Gr et B-58 B d every specifical legal pi as Pipe as Pipe	ssary in um from Pipeline s it applies it is necibed in ore, in of the lines (A 962 (50) is its in at any ps from the pipelas Author Parson ly wheth ractitione the Front Targan Sam Kati-	the pure Hajir should be assury the scheen s	hat for the laid to acquire led the laid to acquire led the laid to acquire led the la la lanew-22602 such an wishes to lex lajira-Barall led to lag such an wishes to lex led to lajira-Barall led lajira-Barall led led led led led led led led led l	that for it to Jagdishpur by the Gas and the purpose of the right of exed hereto; powers confit the Petrole ight of Use: Central Gore the right in the said is notification, and to the Cited. H. B. J. 20 U.P. objection she heard in the said is be heard in the said is notification, and to the Cited. H. B. J. 20 U.P. objection she heard in the said is notification. The said is not fixed in the sa	he train to the train of laying formed formed for the twernmen of twernmen of the twernmen of twernmen of twer
				402 561 404 405 406 407 425 128 436 437 438 542 562 547 548 550 558 557 568 608 570 571 572 573 597	0-4-4 0-18-0 0-10-16 0-11-17 0-5-8 0-6-5 0-8-15 0-8-8 0-10-0 0-7-7 0-6-0 0-3-7 0-9-0 0-13-0 0-14-17 0-10-0 0-13-6 0-3-10 0-13-0 0-13-0 0-14-17 0-10-0 0-13-0		that is port of Prades of Inc. And such parties land Nov sub-se Miner Land) hereby thereis Pro within the la Autho Project And state or by G District	t is nece of Petrolo sh State dia Ltd. di wherea pipeline, and descr w therefore ction (1) als Pipel Act, 19 declare n; vided that 21 day sying of ority, Gr et B-58 B d every specifical legal pi as Pipe as Pipe	ssary in um from Pipeline s it applies it is necibed in ore, in of the lines (A 962 (50) is its in at any ps from the pipelas Author Parson ly wheth ractitione the Front Targan Sam Kati-	the pure Hajir should be assury the scheen s	hat for the laid to acquire led the laid to acquire led the laid to acquire led the la la lanew-22602 such an wishes to DEX lajira-Barall led to acquire led	set that for the Jagdishpur of the Purpose of the right of exed hereto; powers confithe Petroleight of Use: Central Gore the right in the said is notification, and to the Cited. H. B. J. 20 U.P. objection she heard in the said is be heard in the said is notification, and to the Cited. H. B. J. 20 U.P. objection she heard in the said is notification, and to the Cited. H. B. J. 20 U.P. objection she heard in the said is notification. The said is not the cited of the cited	he train in Ut Author of laying tweer formed are in twernmen of us and marbiect competer Pipeli hall ain pers

	4 5 6 7	का.आ. 2581. —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत हो है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरे
lardoi—(co ttd.)	373 0-6-0	·
,	380 0-5-0	जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाईन भारत
	398 0-1-13	गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।
	403 0-4-16	* '
	382 0-5-8	और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने क
	383 0-5-8	प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भिम मे उपयोग
	397 0-3-0	का अधिकार अजित करना आवश्यक है ।
	399 0-1-13	मा जावमार जाजरा मारता जामम्मम हा
	610 0–15–0	अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयो
	401 0-3-0	के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 क
	402 0-4-4	
	561 0-18-0	50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त मक्तिय
	404 0–10–16	को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिका
	405 0-11-17	अजित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।
	406 0-5-8	माजत करन का जनना आश्रम एतप्द्रारा वरायत । कमा ह
	407 0–6–5	बशर्लों कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीच
	425 0-8-15	
	428 0-8-8	पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारती
	435 0-10-0	गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू
	436 0-7-7	पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 विन के मीत
	437 0-6-0 438 0-3-7	
	542 0-9-0	कर सकेगा ।
	562 0-13-0	और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी
	547 0-14-17	
	548 0-10-0	कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत
	550 0-13-0	रूप से हो या किसी व्यवसायी की मार्फत।
	558 0-3-10	
	557 0-13-0	अनुसूची
	566mini 1-7-0	·
	568 0-5-0	हाजिरा बरेली जगवीशपुर गैस पाइप साहन प्रोजैक्ट
	608 0-2-0	जिला परगना तहसील प्राम गाटा संख्या क्षेत्रपल विवरण
	570 0-4-16	
	571 0-2-14	स्रो. – स्रि. कि.
		મા, – (વ , ામ ,
	3/2 U→L-10	
	572 0-1-10 573 0-2-0	1 2 3 4 5 6 7
	573 0-2-0	
	573 0-2-0 597 0-6-12	हरवोई पछोहा शाहाबाव सकरौली 239 1-0-0
	573 0-2-0 597 0-6-12 605 0-0-10	
	573 0-2-0 597 0-6-12	हरवोई पछोहा शाहाबाव सकरौली 239 1-0-0
	573 0-2-0 597 0-6-12 605 0-0-10 616 0-15-0	हरदोई पछोहा गाहाबाव सकरौली 239 1-0-0 241 0-4-10
	573 0-2-0 597 0-6-12 605 0-0-10 616 0-15-0 606 0-13-0	हरदोई पछोहा माहाबाब सकरीली 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0
	573 0-2-0 597 0-6-12 605 0-0-10 616 0-15-0 606 0-13-0 611 0-6-0 615 0-3-10 600 0-1-6	हरवोई पछोहा माहाबाब सकरीली 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3
	573 0-2-0 597 0-6-12 605 0-0-10 616 0-15-0 606 0-13-0 611 0-6-0 615 0-3-10 600 0-1-6 901 0-0-5	हरवोई पछोहा साह्यबाब सकरीली 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 247 0-1-10
	573 0-2-0 597 0-6-12 605 0-0-10 616 0-15-0 606 0-13-0 611 0-6-0 615 0-3-10 600 0-1-6 901 0-0-5 902 0-5-0	हरदोई पछोहा साहाबाब सकरीली 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 247 0-1-10 248 0-12-10
	573 0-2-0 597 0-6-12 605 0-0-10 616 0-15-0 606 0-13-0 611 0-6-0 615 0-3-10 600 0-1-6 901 0-0-5 902 0-5-0 903 0-13-0	हरवोई पछोहा साहाबाब सकरीली 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 247 0-1-10 248 0-12-10 260 0-12-10
	573 0-2-0 597 0-6-12 605 0-0-10 616 0-15-0 606 0-13-0 611 0-6-0 615 0-3-10 600 0-1-6 901 0-0-5 902 0-5-0 903 0-13-0 904 0-10-0	हरदोई पछोहा साहाबाब सकरीली 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 247 0-1-10 248 0-12-10
	573 0-2-0 597 0-6-12 605 0-0-10 616 0-15-0 606 0-13-0 611 0-6-0 615 0-3-10 600 0-1-6 901 0-0-5 902 0-5-0 903 0-13-0 904 0-10-0 905 0-17-0	हरवोई पछोहा साहाबाब सकरीली 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 247 0-1-10 248 0-12-10 260 0-12-10
	573 0-2-0 597 0-6-12 605 0-0-10 616 0-15-0 606 0-13-0 611 0-6-0 615 0-3-10 600 0-1-6 901 0-0-5 902 0-5-0 903 0-13-0 904 0-10-0 905 0-17-0 921 0-8-0	हरवोई पछोहा साह्यबाब सकरीली 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 247 0-1-10 248 0-12-10 260 0-12-10 261 0-0-2 277 0-3-5
	573 0-2-0 597 0-6-12 605 0-0-10 616 0-15-0 606 0-13-0 611 0-6-0 615 0-3-10 600 0-1-6 901 0-0-5 902 0-5-0 903 0-13-0 904 0-10-0 905 0-17-0 921 0-8-0 915 0-10-0	हरवोई पछोहा साह्यबाब सकरीली 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 247 0-1-10 248 6-12-10 260 0-12-10 261 0-0-2 277 0-3-5 278 0-14-10
	573 0-2-0 597 0-6-12 605 0-0-10 616 0-15-0 606 0-13-0 611 0-6-0 615 0-3-10 600 0-1-6 901 0-0-5 902 0-5-0 903 0-13-0 904 0-10-0 905 0-17-0 921 0-8-0 915 0-10-0 899 0-12-0	हरदोई पछोहा साह्गबाब सकरीली 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 247 0-1-10 248 0-12-10 260 0-12-10 261 0-6-2 277 0-3-5 278 0-14-10 279 0-10-10
	573 0-2-0 597 0-6-12 605 0-0-10 616 0-15-0 606 0-13-0 611 0-6-0 615 0-3-10 600 0-1-6 901 0-0-5 902 0-5-0 903 0-13-0 904 0-10-0 905 0-17-0 921 0-8-0 915 0-10-0 899 0-12-0 914 0-15-0	हरदोई पछोहा साहाबाब सकरीली 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 247 0-1-10 248 0-12-10 260 0-12-10 261 0-0-2 277 0-3-5 278 0-14-10 279 0-10-10 280 0-5-10
	573 0-2-0 597 0-6-12 605 0-0-10 616 0-15-0 606 0-13-0 611 0-6-0 615 0-3-10 600 0-1-6 901 0-0-5 902 0-5-0 903 0-13-0 904 0-10-0 905 0-17-0 921 0-8-0 915 0-10-0 899 0-12-0 914 0-15-0 897 0-6-0	हरवोई पछोहा साह्यबाब सकरीली 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 244 0-0-3 247 0-1-10 248 0-12-10 260 0-12-10 261 0-0-2 277 0-3-5 278 0-14-10 279 0-10-10 280 0-5-10 281 0-0-5
	573	हरदोई पछोहा साहाबाब सकरीली 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 247 0-1-10 248 0-12-10 260 0-12-10 261 0-0-2 277 0-3-5 278 0-14-10 279 0-10-10 280 0-5-10
	573	हरवोई पछोहा साह्यबाब सकरीली 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 247 0-1-10 248 0-12-10 260 0-12-10 261 0-0-2 277 0-3-5 278 0-14-10 279 0-10-10 280 0-5-10 281 0-0-5
	573	हरवोई पछोहा साह्यवाव सकरीली 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 247 0-1-10 248 0-12-10 260 0-12-10 261 0-0-2 277 0-3-5 278 0-14-10 279 0-10-10 280 0-5-10 281 0-0-5 297 0-0-5 298 0-8-0
	573	हरवोई पछोहा साह्गबाब सकरीली 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 247 0-1-10 248 0-12-10 260 0-12-10 261 0-0-2 277 0-3-5 278 0-14-10 279 0-10-10 280 0-5-10 281 0-0-5 298 0-8-0 299 0-4-0
	573	हरवोई पछोहा साहाबाब सकरोशी 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 247 0-1-10 248 0-12-10 260 0-12-10 261 0-0-2 277 0-3-5 278 0-14-10 279 0-10-10 280 0-5-10 281 0-0-5 297 0-0-5 298 0-8-0 299 0-4-0 302 0-0-5
	573	हरदोई पछोहा साह्यवाब सकरोजी 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 244 0-0-3 247 0-1-10 248 0-12-10 260 0-12-10 261 0-0-2 277 0-3-5 278 0-14-10 279 0-10-10 280 0-5-10 281 0-0-5 297 0-0-5 298 0-8-0 299 0-4-0 302 0-0-5 303 0-14-10
	573	हरवोई पछोहा साहाबाब सकरीशी 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 247 0-1-10 248 0-12-10 260 0-12-10 261 0-0-2 277 0-3-5 278 0-14-10 279 0-10-10 280 0-5-10 281 0-0-5 297 0-0-5 298 0-8-0 299 0-4-0 302 0-0-5
	573	हरदोई पछोहा साह्यवाब सकरोजी 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 244 0-0-3 247 0-1-10 248 0-12-10 260 0-12-10 261 0-0-2 277 0-3-5 278 0-14-10 279 0-10-10 280 0-5-10 281 0-0-5 297 0-0-5 298 0-8-0 299 0-4-0 302 0-0-5 303 0-14-10
	573	हरवोई पछोहा महिल्लाव सकरीली 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 244 0-0-3 247 0-1-10 248 0-12-10 260 0-12-10 261 0-0-2 277 0-3-5 278 0-14-10 279 0-10-10 280 0-5-10 281 0-0-5 297 0-0-5 298 0-8-0 299 0-4-0 302 0-0-5 303 0-14-10 304 0-4-0 305 0-1-10
	573	हरवोई पछोहा महिल्लाव सकरीली 239 1-0-0 241 0-4-10 242 0-11-0 243 0-6-0 244 0-0-3 244 0-0-3 247 0-1-10 248 0-12-10 260 0-12-10 261 0-0-2 277 0-3-5 278 0-14-10 279 0-10-10 280 0-5-10 281 0-0-5 297 0-0-5 298 0-8-0 299 0-4-0 302 0-0-5 303 0-14-10 304 0-4-0 305 0-1-10

1

2

Hardoi-(Contd.)

3

4

242

243

244

247

248 260

261 277

2.78

279

280

281

297

298

299

302

303

304

305 307

202

201

200

199 198

177

176

181

182

179 178

174

173

169

170

411

410

409

408

407

406

405

436

467

468

469

470

5

0-11-0

0-6-0

0-0-3

0-1-10 0-12-10

0-12-10 0-0-2

0 - 3 - 5

0 - 14 - 10

0-10-10

0 - 5 - 10

0-0-5

0-0-5

0-8-0

0-4-0

0-0-5

0-4-0 0-1-10

0 - 3 - 10

0-3-0

0-6-0

0-2-0 0-7-5

0-5-10

0-8-5

0-0-3

0-2-10

0-3-0

0 - 3 - 10

0-6-0

0-7-0

0 - 8 - 10

0-6-0

0 - 0 - 3

0-10-0

0-3-0

0-9-10

0-0-10

0 - 12 - 0

0 - 2 - 15

0-5-0

0-6-0

0-9-0

0 - 4 - 0

0-15-10

0-14-10

7

6

1	2	3	Ø	5	6	7
हरकोई	पछोत् ।	स.ह्।भाद	सहरोवी	200	0-2-0	
				199	0-7-5	
				198	0-5-10	
				177	0-8-15	
				176	0-0-3	
				181	0-2-10	
				182	0.0-4	
				179	0-3-0	
				178	0~3~10	
				174	0~6~0	
				173	0-7-0	
				169	0-8-10	
				170	0→6→0	
				411	0-0-3	
				410	0-10-0	
				409	0-3-0	
				408	0 → 9 10	
				407	0-0-10	
				406	0-12-0	
				405	0-2-15	
				436	0-5-0	
				467	0-6-0	
				468	0-15-10	
				4 o 3	0→9→0	
				470	0-4-0	

[में. O 14016/364/85-जी. पी.]

S.O. 2581.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Barelly to Jagdispur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority. Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58 B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

Gas Pipe Line From Hajira-Barellly-Jagdish pur Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Bigha, Biswa Biswansi	Re- mark
1	2	3	4	5	6	7
Hardoi	Shaha- bad		Sakr- rouli	239 241	1-0-0 0-4-10	

[No. O-14016/364/85-GP]

का. आ. 2582.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह ग्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रेंग में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. ग्रारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यत: प्रतोत होता है कि एसी लाइनों को बिछाने क प्रयोजन के लिए एसप्पायक अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम अरि खनिज-पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वार

प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अणित करने का अपना आशय एतद्-द्वारा घोषित किया है ।

बणतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

आंर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसोविधि व्यवसायी की मार्फत ।

गैस पाइप लाइन बिछाने के सम्बन्ध में भूमि अध्यापित करने का विवरण

जिला	तहसील	परगना	प्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल बीघीं मे बी.वि.वि	विव रण
1	2	3	4	5	6	7
हरदोई	शाहाबाद	पछोहा	भगला			
			हुसैन	2	0-07-0	0
				3	0-01-0	0
				5	0-00-1	2
				7	0-10-	05
				8	0-05-0	8
				9	0-19-0	4
				10	0-01-0	4
				13	0-10-0	5
				8	2-14-1	8

[सo. O-14016 / 363 / 85-31, पी.]

S.O. 2582.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Barellly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
Hajira-Barielly-Jagdishpur Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired A ca i : (Bigha)	Re- mark
1	2	3	4	5	6	7
					В-В-В	
Hardoi	Shaha-	Pach-	Nagla-	2	0-07-00	
	bad	hoha	husain	3	0-01-00	
				5	0-00-12	
				7	0-10-05	
				8	0-05-08	
				9	0-19-04	
				10	0-01-04	
				13	0-10-05	
				8	2-14-18	

का. आ. 2583.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगवीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

अरियतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतव्याबद्ध अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार अजिस करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस शिक्तयों को प्रयोग करते हुए केन्द्रोय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आश्रय एसद्धारा घोषित किया है।

बगरों कि उक्त भूमि में हितबद्ध काई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन विछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधि-कारो, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत

श्रनुसूची हाजिरा बरेली जगवीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

রি লা	तहसील	परंगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल बीघा विस्वा विस्वांमी	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
हरवोई माह	साहाबद	पछोहा	भरक्	नी 1803	1- 15- 0	
				1802	0 13-10	

गाग [[बाण्ड 3(ii)]	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	भारत का राजप	कः जून ८,ा	1985/रूपेष्ठ 18	1907					29 13
1 2 3 4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
	1797	0- 13- 0						904	0- 12- 0	
(414(41/41)	1796	1-10-0						900	0- 0- 5	
	761	0-7-20					!	902	0-19-5	
	762	0-15-0					£	901	0-2-0	
	763	0-15-0						39 <i>7</i>	0- 3- 0	
	768	0-9-10					7	704	0-3-10	
	769	0-6-0					:	705	0− 0⊶ 5	
	770	0-11-10					!	1805	0-0-5	
	772	0-10-10				[स	. O -14	016 / 3	62 85 /3	ी. पी.
	773	1- 3- 0								
	784	0-17-0							Central Gov	
	783	0-0-10							that for the Jagdishpur	
	697	0- 5- 0		Pradesh	Mate P				the Gas A	
	788	0- 0- 15		of India	Ltd.					
	789	0-0-10							purpose o	
	788	0-13-0							the right of ted hereto:	r user
	790	0-15-0		Now t	herefor	· in ex	ercise o	f the n	owers confe	arred
	791	0-10-10							the Petrole	
	793	0-1-0							ht of User	
	691	0-18-0		hereby d	et, 196. leclares	ita inte	ntion t o	, me acquire	Central Go the right	of u
	69 2	0-0-10		therein;						
	795	0-0-10		Provide	d that	any per	son inte	rested in	the said la	and m
	796	2-2-0		within 21	l days	from th	e date o	f this n	otification, o	obj e ct
	1745	0-13-0							d to the Cotd. H.B.J.	
					,					p
	1744	0 1 7 - 1 0		Project I	3-58 B,	Aliganj	Lucknov	. 220020		
	1744 1743	0-17-10		Project I				_		hell a
				Project F And e state spe	very p	erson m whethe	aking su r be wis	ich an	objection s be heard i	
	1743	0-9-0		Project I And e	very p	erson m whethe	aking su r be wis	ich an shes to	objection s	
	17 43 800	0-9-0 0-6-0		Project F And e state spe	very p	erson m whethe	aking su r be wis	ich an shes to	objection s	
	1743 800 1742	0-9-0 0-6-0 0-5		Project E And e state spe or by le	every p cifically gal pra	erson m whethe ctitioner	aking sur he wis	ich an shes to	objection s	n pers
	1743 800 1742 814	0-9-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0		Project E And e state spe or by le	every p cifically gal pra	erson m whethe ctitioner	aking sur he wis	ich an shes to	objection s be heard i	n pers
	1743 800 1742 614 815	0-9-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0		Project E And e state spe or by le	every p cifically gal pra	erson m whethe etitioner	aking sur he wis	Bareilly-	objection s be heard i Jagdish pu Area	n pers
	1743 800 1742 814 815 816	0-9-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0		And e state spe or by le	every p cifically gal pra	erson m whethe etitioner	aking sur he wis	shes to Bareilly-	objection a be heard i Jagdish pu Area Bigha.	n pers
	1743 800 1742 614 815 616 1810	0-9-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10		And e state spe or by le	every p cifically gal pra	erson m whethe etitioner	aking sur he wis	Bareilly-	objection a be heard i Jagdish pu Area Bigha, Biswa	n pers
	1743 800 1742 814 815 816 1810 949	0-9-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10		And e state spe or by le	every p cifically gal pra	erson m whethe etitioner	aking sur he wis	Bareilly-	objection a be heard i Jagdish pu Area Bigha.	n pers
	1743 800 1742 814 815 816 1810 949 909	0-9-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10		And e state spe or by le	every p cifically gal pra	erson m whethe etitioner	aking sur he wis	Bareilly-	objection a be heard i Jagdish pu Area Bigha, Biswa	n pers
	1743 800 1742 614 815 616 1810 949 909 817 813	0-9-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 0-1-10		Project F And estate spe or by le Gas F District	every p cifically gal pra Pipe Lin Tehsil	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wis INDEX Hajira- A Villag	Bareilly- No.	objection s be heard i Jagdish pu Area Bigha, Biswa Biswansi	n pers
	1743 800 1742 614 815 616 1810 949 909 817 813	0-9-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 0-0-10 1-7-10		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	every p cifically gal pra Pipe Lin Tehsil	erson m whether etitioner no From Pargan	aking si r be wi INDEX i Hajira- a Villag	Bareilly- Plot	objection s be heard i Jagdish pu Area Bigha, Biswa Biswansi	n pers ur Proj Re- mark
	1743 800 1742 614 815 616 1810 949 909 817 813 837	0-9-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 0-1-10 0-0-10 1-7-10 0-12-0		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	very p cifically gal pra ipe Li Tehsil 2 Shaha-	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wist INDEX a Hajira-a Villag	Bareilly- re Plot No. 5 1803 1802 1797	Area Bigha Biswa Biswansi 6 1-15-0 0-13-10 0-13-0	n pers
	1743 800 1742 814 815 816 1810 949 909 817 813 837 836 835	0-9-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 0-1-10 0-0-10 1-7-10 0-12-0 0-4-0		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	very p cifically gal pra ipe Li Tehsil 2 Shaha-	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wist INDEX a Hajira-a Villag	Bareilly- re Plot No. 5 1803 1802 1797 1796	Area Bigha. Biswa Biswansi 6 1-15-0 0-13-10 0-13-0 1-10-0	n pers
	1743 800 1742 814 815 816 1810 949 909 817 813 837 836 835	0-9-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 1-7-10 0-12-0 0-4-0 0-6-0		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	very p cifically gal pra ipe Li Tehsil 2 Shaha-	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wist index a Hajira-a Villag	Bareilly- Plot No. 5 1803 1802 1797 1796 761	Area Bigha, Biswa Biswansi 6 1-15-0 0-13-10 0-13-0 1-10-0 0-7-10	n pers ur Proj Re- mark
	1743 800 1742 814 815 816 1810 949 909 817 813 837 836 835	0-9-0 0-6-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 1-7-10 0-12-0 0-4-0 0-6-0 0-0-8		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	very p cifically gal pra ipe Li Tehsil 2 Shaha-	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wist index a Hajira-a Villag	Bareilly- Plot No. 5 1803 1802 1797 1796 761 762	Area Bigha, Biswa Biswansi 6 1-15-0 0-13-10 0-13-0 1-10-0 0-7-10 0-15-0	n pers
	1743 800 1742 614 815 616 1810 949 909 817 813 837 836 835 839 833 865	0-9-0 0-6-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 1-7-10 0-12-0 0-4-0 0-6-0 0-0-8 2-7-10		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	very p cifically gal pra ipe Li Tehsil 2 Shaha-	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wist index a Hajira-a Villag	Bareilly- Plot No. 5 1803 1802 1797 1796 761 762 763	Area Bigha. Biswa Biswansi 6 1-15-0 0-13-10 0-13-0 1-10-0 0-7-10 0-15-0 0-15-0	n pers
	1743 800 1742 614 815 616 1810 949 909 817 813 837 836 835 839 833 865	0-9-0 0-6-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 1-7-10 0-12-0 0-4-0 0-6-0 0-0-8 2-7-10		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	very p cifically gal pra ipe Li Tehsil 2 Shaha-	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wist index a Hajira-a Villag	Bareilly- Plot No. 5 1803 1802 1797 1796 761 762	Area Bigha. Biswa Biswansi 6 1-15-0 0-13-10 0-13-0 1-10-0 0-7-10 0-15-0 0-15-0 0-9-10	n pers
	1743 800 1742 614 815 616 1810 949 909 817 813 837 836 835 839 833 865 864	0-9-0 0-6-0 0-6-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 1-7-10 0-12-0 0-4-0 0-6-0 0-0-8 2-7-10 0-6-0		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	very p cifically gal pra ipe Li Tehsil 2 Shaha-	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wist index a Hajira-a Villag	Bareilly- Plot No. 5 1803 1802 1797 1796 761 762 763 768	Area Bigha. Biswa Biswansi 6 1-15-0 0-13-10 0-13-0 1-10-0 0-7-10 0-15-0 0-15-0	n pers
	1743 800 1742 814 815 816 1810 949 909 817 813 837 836 835 839 833 865 864 867	0-9-0 0-6-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 1-7-10 0-12-0 0-4-0 0-6-0 0-0-8 2-7-10 0-6-0 0-6-0 0-6-0 0-6-0		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	very p cifically gal pra ipe Li Tehsil 2 Shaha-	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wist index a Hajira-a Villag	Bareilly- Plot No. 5 1803 1802 1797 1796 761 762 763 768 769 770 772	Area Bigha. Biswa Biswansi 6 1-15-0 0-13-10 0-13-0 1-10-0 0-7-10 0-15-0 0-15-0 0-11-10 0-10-10	n pers
	1743 800 1742 814 815 816 1810 949 909 817 813 837 836 835 839 833 865 864 867 868	0-9-0 0-6-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 1-7-10 0-12-0 0-4-0 0-6-0 0-0-8 2-7-10 0-6-0 0-6-0 0-0-10 0-7-0		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	very p cifically gal pra ipe Li Tehsil 2 Shaha-	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wist index a Hajira-a Villag	Bareilly- Plot No. 5 1803 1802 1797 1796 761 762 763 768 769 770 772 773	Area Bigha. Biswa Biswansi 6 1-15-0 0-13-10 0-13-0 1-10-0 0-7-10 0-15-0 0-15-0 0-11-10 0-10-10 1-3-0	n pers
	1743 800 1742 814 815 816 1810 949 909 817 813 837 836 835 839 833 865 864 867 868 881	0-9-0 0-6-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 1-7-10 0-12-0 0-4-0 0-6-0 0-0-8 2-7-10 0-7-0 0-17-0		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	very p cifically gal pra ipe Li Tehsil 2 Shaha-	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wist index a Hajira-a Villag	Bareilly- Plot No. 5 1803 1802 1797 1796 761 762 763 768 769 770 772 773 784	Area Bigha. Biswa Biswansi 6 1-15-0 0-13-10 0-13-0 1-10-0 0-7-10 0-15-0 0-15-0 0-11-10 0-10-10 1-3-0 0-17-0	n pers
	1743 800 1742 814 815 816 1810 949 909 817 813 837 836 835 839 833 865 864 887 868 881	0-9-0 0-6-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 1-7-10 0-12-0 0-4-0 0-6-0 0-0-8 2-7-10 0-6-0 0-0-10 0-7-0 0-17-0 0-8-10		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	very p cifically gal pra ipe Li Tehsil 2 Shaha-	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wist index a Hajira-a Villag	Bareilly- Plot No. 5 1803 1802 1797 1796 761 762 763 768 769 770 772 773 784 783	Area Bigha. Biswa Biswansi 6 1-15-0 0-13-10 0-13-0 1-10-0 0-7-10 0-15-0 0-15-0 0-11-10 0-10-10 1-3-0 0-17-0 0-17-0 0-0-10	n pers
	1743 800 1742 814 815 816 1810 949 909 817 813 837 836 835 839 833 865 864 867 868 881 882 916 893	0-9-0 0-6-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 1-7-10 0-12-0 0-4-0 0-6-0 0-0-8 2-7-10 0-7-0 0-17-0 0-8-10 0-9-10		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	very p cifically gal pra ipe Li Tehsil 2 Shaha-	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wist index a Hajira-a Villag	Bareilly- Plot No. 5 1803 1802 1797 1796 761 762 763 768 769 770 772 773 784 783 697	Area Bigha. Biswa Biswansi 6 1-15-0 0-13-10 0-13-0 1-10-0 0-7-10 0-15-0 0-15-0 0-11-10 0-10-10 1-3-0 0-17-0 0-0-10 0-5-0	n pers
	1743 800 1742 814 815 816 1810 949 909 817 813 837 836 835 839 833 865 864 867 868 881 882 916 893 894	0-9-0 0-6-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 1-7-10 0-12-0 0-4-0 0-6-0 0-0-8 2-7-10 0-7-0 0-17-0 0-8-10 0-9-10 1-1-0		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	very p cifically gal pra ipe Li Tehsil 2 Shaha-	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wist index a Hajira-a Villag	Bareilly- Plot No. 5 1803 1802 1797 1796 761 762 763 768 769 770 772 773 784 783 697 787	Area Bigha. Biswa Biswansi 6 1-15-0 0-13-10 0-13-0 1-10-0 0-7-10 0-15-0 0-15-0 0-11-10 0-10-10 1-3-0 0-17-0 0-10-10 1-3-0 0-17-0 0-0-15	n pers
	1743 800 1742 814 815 816 1810 949 909 817 813 837 836 835 839 833 865 864 867 868 881 882 916 893 894 895	0-9-0 0-6-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 1-7-10 0-12-0 0-4-0 0-6-0 0-0-8 2-7-10 0-7-0 0-17-0 0-8-10 0-9-10 1-1-0 0-0-2		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	very p cifically gal pra ipe Li Tehsil 2 Shaha-	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wist index a Hajira-a Villag	Bareilly- Plot No. 5 1803 1802 1797 1796 761 762 763 768 769 770 772 773 784 783 697	Area Bigha. Biswa Biswansi 6 1-15-0 0-13-10 0-13-0 1-10-0 0-7-10 0-15-0 0-15-0 0-11-10 0-10-10 1-3-0 0-17-0 0-0-10 0-5-0	n pers
	1743 800 1742 614 815 616 1810 949 909 817 813 837 836 835 839 833 865 864 867 868 881 882 916 893 894 895 911	0-9-0 0-6-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 1-7-10 0-12-0 0-4-0 0-6-0 0-0-8 2-7-10 0-7-10 0-7-0 0-17-0 0-17-0 0-8-10 0-9-10 1-1-0 0-0-2 0-9-0		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	very p cifically gal pra ipe Li Tehsil 2 Shaha-	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wist index a Hajira-a Villag	Bareilly- Plot No. 5 1803 1802 1797 1796 761 762 763 768 769 770 772 773 784 783 697 787 789	Area Bigha. Biswa Biswansi 6 1-15-0 0-13-10 0-13-0 1-10-0 0-7-10 0-15-0 0-15-0 0-11-10 0-10-10 1-3-0 0-17-0 0-0-15 0-0-15 0-0-15	n peri
	1743 800 1742 814 815 816 1810 949 909 817 813 837 836 835 839 833 865 864 887 868 881 882 916 893 894 895 911	0-9-0 0-6-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 1-7-10 0-12-0 0-4-0 0-6-0 0-0-8 2-7-10 0-7-10 0-6-0 0-0-10 0-7-0 0-17-0 0-8-10 0-9-10 1-1-0 0-0-2 0-9-0 0-10-0		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	very p cifically gal pra ipe Li Tehsil 2 Shaha-	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wist index a Hajira-a Villag	Bareilly- Plot No. 5 1803 1802 1797 1796 761 762 763 768 769 770 772 773 784 783 697 787 789 788 790 791	Area Bigha, Biswa Biswansi 6 1-15-0 0-13-10 0-13-0 1-10-0 0-7-10 0-15-0 0-15-0 0-11-10 0-10-10 1-3-0 0-17-0 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-10 0-15-0 0-11-10 0-10-10 0-10-10 0-10-10 0-10-10 0-10-10 0-10-10 0-10-10 0-10-10	n pers
	1743 800 1742 814 815 816 1810 949 909 817 813 837 836 835 839 833 865 864 887 868 881 882 916 893 894 895 911 896 906	0-9-0 0-6-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 1-7-10 0-12-0 0-4-0 0-6-0 0-0-8 2-7-10 0-6-0 0-0-10 0-7-0 0-17-0 0-8-10 0-9-10 1-1-0 0-0-2 0-9-0 0-10-0 0-0-10		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	very p cifically gal pra ipe Li Tehsil 2 Shaha-	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wist index a Hajira-a Villag	Bareilly- Plot No. 5 1803 1802 1797 1796 761 762 763 768 769 770 772 773 784 783 697 787 789 788 790 791 793	Objection a be heard i be heard i land be hear	n pers
	1743 800 1742 814 815 816 1810 949 909 817 813 837 836 835 839 833 865 864 887 868 881 882 916 893 894 895 911	0-9-0 0-6-0 0-6-0 0-0-5 0-9-0 0-5-0 0-12-0 0-12-0 0-1-10 0-0-5 0-0-10 1-7-10 0-12-0 0-4-0 0-6-0 0-0-8 2-7-10 0-7-10 0-6-0 0-0-10 0-7-0 0-17-0 0-8-10 0-9-10 1-1-0 0-0-2 0-9-0 0-10-0		Project F And estate species or by le Gas F District Hardoi	very p cifically gal pra ipe Li Tehsil 2 Shaha-	erson m whethe etitioner ne From Pargan	aking sur he wist index a Hajira-a Villag	Bareilly- Plot No. 5 1803 1802 1797 1796 761 762 763 768 769 770 772 773 784 783 697 787 789 788 790 791	Area Bigha, Biswa Biswansi 6 1-15-0 0-13-10 0-13-0 1-10-0 0-7-10 0-15-0 0-15-0 0-11-10 0-10-10 1-3-0 0-17-0 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-10 0-15-0 0-11-10 0-10-10 0-10-10 0-10-10 0-10-10 0-10-10 0-10-10 0-10-10 0-10-10	n pers ur Proj Re- mark

1	2	3	4	5	6	7
— हरदोई	—(जारी)				
•		•		796	2-2-0	
				1745	0-13-0	
				1744	0-17-10	
				1743	0-9-0	
				800	060	
				1742	0-0-5	
				814	0-9-0	
				815	0-5-0	
				816	0-12-0	
				1810	0-1-10	
				949	0-0-5	
				909	0-0-10	
				817	0-1-10	
				813	0010	
				837	1-7-10	
				836	0-12-0	
				835	0-4-0	
				839	0-6-0	
				833	0-0-8	
				865	2-7-10	
				864	0-7-10	
				867	060	
				868	0-0-10	
				881	0-7-0	
				882	0-17-0	
				916	0-8-10	
				893	0–9 –10	
				894	1-1-0	
				895	0-0-2	
				911	0-9-0	
				896	0-10-0	
				906	0-0-10	
				907	0-4-15	
				905	0-19-5	
				904	0-12-0	
				900	0-0-5	
				901	0-2-0	
				902	0-19-5	
				897	0-3-0	
				704	0-3-10	
				705	0-0-5	
				1805	0-0-5	
- - -				INo	O 14016/262	

[No. O-14016/362/85-GP]

का. आ. 2584 — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक्हित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगवीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करमा आवश्यक है।

जतः अब पेट्रोलियम और खानिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त एकितयों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना भाषाय ए तदहारा घोषित किया है।

बंगतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, मारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथने करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसको सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुमूची हाजिरा-बरेनी-अगरीशपुर शैस पाइप लाइन प्रोलेक्ट

সিলা	तहमील	परमना	ग्राम	गाटा म ब या	क्षेत्रफल बीधा बिस्वा विस्वासी	चि मरण
1	2	3	4	5	6	7
हरवोई	शाहाबाद	पछोहा	मामपरा	353	0-1-10	
				354	0-0-5	
				355	0-13-0	
				373	0-11-10	
				372	0-0-5	
				371	0-3-0	
				419	0-6-0	
				418	0-9- 0	
				417	0-8-10	
				416	0 6-0	
				420	0 6 1 0	
				516	0→0−5	
				515	0-5-5	
				514	0-17-0	
				547	0-13-10	
				548	0-18-0	
				549	0-7-5	
				564	0-3-0	
				565	0-3-10	
				566	1-3-10	
				567	0-4-5	
				568	0-9-0	

[tt. O - 14016/361/85-sfi. fr]

S.O 2584.—Whereas it appears to the Central Govoernment that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpus in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H B. J Pipeline Project B-58 B. Ahgan; Lucknow-226020 U P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX
Gas Pipe Line From Hajira-Bareilly-Jagdishpur Project.

District	Tehsil	Pargani	a Village	Plot No.	Area Bigha, Biswa Biswansi	Re- mark
1	2	3	4	5	6	7
Hardoi	Shaha- bad	Pach- hoha	Мапрага	353 354 355 373 372 371 419 418 417 416 420 516 515 514 547 548 549 564 565 566 567 568	0-1-10 0-0-5 0-13-0 0-11-10 0-0-5 0-3-0 0-6-0 0-9-0 0-6-10 0-0-5 0-5-5 0-17-0 0-13-10 0-18-0 0-7-5 0-2-0 0-3-10 1-3-10 0-4-5	

[No. Q-14016/361/85-GP]

का. आ. 2585.— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लीकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगवीसपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जॉनी चाहिए ।

और यतः प्रतील होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एलद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भिम में उपयोग का अधिकार अजिन करना आवष्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रबक्त कक्षियों को प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजिन करने का अपना आशय एनद्वारा घोषित किया है।

सगर्ते कि उक्त भूमि में हितबद कोई व्यक्ति उस भमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्तम प्राधि-कारी, भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लबानऊं-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख मे 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसो विधि व्यवसामी की मार्फत ।

अनुमूच द्राजिरा--बरेली-- जगदीशपर 'एइप साइस জিলা तहसील प्रश्ना ग्र⊦म् गाटा सं. **क्षेत्रफल** विवरण 748 **डिसमिल** 7 1 6 н शाहजहां-सदर काट रमनापुर 54 04 ٩₹

S.O. 2585.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

[स. O-14016/359/85-जी, पी.]

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj I ucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX
Hajira-Barielly-Jagdish Pur Pipc Line Project

District To	hsil Par	gana V	illa ———			
			No.	Acd.	Dismi)	merk
1	2	3	4	5	6	7
Shahjahan- pur	Sadar	Kant	Ratna- pur	54		04
		_		o. O-1	4016/359	9/85-GPI

का. आ. 2586.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा विष्ठाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनः को बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपमीग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों की प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आगय एनदू-द्वारा घोषित किया है।

नशर्ते कि उन्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधि-कारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की लारीख मे 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

	हाजि	गवरेली-	—जगदी	शिपुर पाइप	लाइन	प्रोजेक्ट	
<u>চিলা</u>	तहर्मील	परगना	ग्राम	गाटा मं•	क्षे	त्रफल	 विजरण
					गुफड़	हिंस भिल	
1	2	3	4	5		6	7
nigant	सदर	कमीर		रया			
पुर				98		21	
•				99		0.6	
				100		22	
				101	- 4	58	
				103		15	
				124		34	
				125		70	
				126		07	
				167		⁻ 5	
				182		34	
				183		08	
				187	- 4	17	
				188		1.5	
				189		14	
				190		52	
				191		01	
				208		03	
				216		14	
				217		25	
				219		03	
				225		18	
				224		0.6	
				226		21	
				229		42	
				230		03	
				231	1	56	
				225		16	
				118		66	
				232		24	
				233		20	
				234 121	~ H	02 01	
				122		03	
				288		02	

[सं. O-14016/360/85-ओ. पी]

S.O. 2586.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Barcilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority

And whereas it appears that for the purpose of laying

such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligaj Łucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX Oss Pine Line From Halica-Bareilly Jacdishnur Project

District	Tehsil	Pargna	Village	Plot No.		Area I. Dismil	Re- mark
1	2	3	4	5		6	7
Shah-	Sadar	Jamour	Kham-	98		21	
ahan-			ariya	99	_	06	
our				100		22	
				101	_	58	
				103	_	15	
				124	_	34	
				125	_	70	
				126	-	07	
				167		55	
				182	-	34	
				183	_	06	
				187 188	-	17 15	
				189	_	14	
				190	_	5 2	
				191		01	
				208	_	03	
				216		14	
				217		25	
				219		03	
				233	_	18	
				224	_	06	
				226	-	21	
				229		42	
				230	-	03	
				2 3 1		56	
				225		16	
				118	_	66	
				232	-	24	
				233		20	
				234		02	
				121		01	
				122		03	
			;	288	_	02	

का. आ. 2587.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रनीत होता है कि लोकहित में यह आवण्यक है कि उसर प्रवेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपूर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारः विछाई कार्ना चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियमः, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्ष मक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बगारों कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी अलीगंज लखनऊ-226020 य. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हुर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसक सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो य किसी विधि व्यवसायी की मार्फतः।

अनुसूची हाजिरा-⊶बरेली-—जगदीशपुर पाइप लाइम प्रोजेक्ट

সিলা	 तहसील	परगना	ग्राम ी	ग.टा	ਜੈ ਕਾ	क स	विवरण
	· V			सं.	ए कड़	ब्रिसमिल	
1	2	3	4	5		6	7
साहज ह ी	- सवर	काट	असियापुर	7		83	
77			_	3		30	
				4		66	
				5		45	
				14		95	
				1.5		10	
				16		21	
				53		15	
				157		10	
				158		14	
				159	41	48	
				160	4	09	
				170		58	
				171		7 0	
				172	,	10	
				173	-1	20	
				224		38	
				226		29	
				227	_	24	
				156		0.5	

[स. O-14016/356/95/-जी: पी.]

S.O. 2587.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto; Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Usei in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX
Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargna	Village	Plot	Area		Re
				No.	Acd.	Dismil	mark
1	2	3	4	5 	 _	6	7
Shah-	Sadar	Kat	Aliya~	2	_	83	
jahan-			риг	3		30	
pur				4		66	
				5		45	
				14		95	
				15		10	
				16		21	
				53		15	
				157		10	
				158		14	
				159		48	
				160		09	
				170	-	58	
				171		02	
				172		10	
				173	1	20	
				224		38	
				226		29	
				227	-	24	
				156		06	

का. आ. 2588.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीतः है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतोय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछामें के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त मन्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आमय एसद्-द्वारा घोषित किया है।

बसर्ते कि उक्त भूमि में हित्तबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी अलीगंज लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिमूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्तः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की भार्फत ।

अनुगूर्णः हाजिरा—बरेली जगवीशपुर रीम पाइप लाइन प्रोजेश्ट

ि ला	त ह मोल	परमना	ग्राम	गाटा स.	क्षैत्र	দল	विवरण
				ए क इ	डिममिल		
1	2	3	4	5		6	7
गाहजहाँ-	मदर	काट	ह्सरामऊ	56		18	
ãs.			•	57		15	
_				58	_	06	
				59	_ 	06	
				78		65	
				73	- -	0.2	
				75		0.2	
				76		03	

S.O. 2588.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Alignj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

Gas Pipe L	ine From	Hajira-	Baremy-Ja	agdishpur	Project	
Matrict Teheil	Parona	Village	Plot	Area	RA-	

District	Tehsil	Pargna	Village	Plot No.	 	Re- il. mark
1	2	3	4	5	 6	7
Shah- -jahan- pur	Sadaı	Kat	Has- ramau	56 57 58 59	 18 15 06 06	

1	2	3	4	5	.,,	6	7
Shahja- hanput	Sadar	Kat	Hasra- mau	78		65	
				73 75 76	_	02 02 03	
-						03	-

[No O--14016/357/85-GP]

का. आ. 2589.—यसः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रवेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवण्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रयीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बगरों कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइ० लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधि-कारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी अलीगंज लखनऊ-226020 यू. पी को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची हाजिम-बरेली-जगदीभापुर पाईप लाईन प्रोजेक्ट

জিলা	तहसील	परगना	ग्राम	गटा	कैस्रफल	'	विवरण
				सं	एक इ	४ समिल	
I	2	3	4	5		ĸ	7
— शाहकहो-	सदर	जमीर	धरनीधरम	180		15	
पुर				185		1.3	
				186		03	
				187		11	
				188		0.3	
				190		08	
				191		12	
				192		0.5	
				195		25	
				197		02	
				209		02	
				212		0.5	
				213		15	
				223		61	
				224		30	

1 4	3 4	5	6	7
		225		1 4
		226		30
		229		30
		230		3 4
		233		30

[म. O-14016/366/85 जी. पी]

S.O. 2589.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajina-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority. Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B. Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX Hajira-Barielly-Jagdishpur Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargna	Village	Plot No.	_Ar Acd.		<u>Re-</u> I. mark
1	2	3	4	.5	· ·	,	7
Shah- jahan- pur	Sadar	Jamour	Dharni- dharam- pur	185 186 187 188 190 191 192 195 197 209 212 213 223 224 225		15 13 03 11 03 08 12 05 25 02 02 05 15 01 30 14	
				226 229 230 233	_ 	30 30 38 30	

[No. O-14016/366/85-GP]

का. आ. 2590 --- यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में ष्ठजीरा-वरेली-जगवीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के 229 GI/85

लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा विछाई ज्ञान चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजिल करना आवण्यक है।

अतः अब पेटोलियम और खनिज पाइपल।इन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम. (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बगर्ने कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधि-कारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी अलीगंज लखनऊ-226020 यू. पी. को इस । धिसुचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मूनबाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची हाजीरा-बरेनो-जगदीशपुर पाईप लाईन प्रोजेक्ट

				क्षैत्रफल		विवरण
			ヸ .	गुक्त इ	डि समिन	
2	3	4	5	6	7	
- सप्दर	काट	मह्मद-	249		06	
		पुर अजमा'- सद				
				2 3 4 5 सदर काट महमद- 249 पुर अजमा'-	2 3 4 5 6 सदर काट महमद- 249 पुर अजमा'-	2 3 4 5 6 7 सरर बाट महमय- 249 06 पुर अजमा'-

सिं. O- 14016/358/85 जी पी]

S.O. 2590.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein: therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India I td. H.B.J. Pipeline Project B-58/B. Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Hajir	ra-Barieli	IN Iy-Jagdishj	DEX pur Pipe	= Line	Project	:
District	Tehsil	Pargana	Village			n Re- Dismil mark
	2	3	4	5	6	7
Shah- jahan- pur	S adar	Kant	Mahmae pur	1-249	-	06

[No. O-14016/358/85—GP]

का. अ. 2591 -- यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगवीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइक भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णिस भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अनः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशाय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधि-कारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी अलीगंज लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिमूचना की तारीख से 21 विन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची हाजिरा बरेली जगदीमपुर पाइप लाईन प्रोजेक्ट।

जिला	तहसील'	परगना	ग्रामा	गाटा मं .	भैन्नफल एक४	यिसमिल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8
- भाहकाह	षुर सवर	काट स					
ì	•		वधौरा	2		0.6	
				3		0.6	
				4		49	
				18		0.8	
				19		10	
				21		27	
				966/ 22		43	
				30		68	

1	<u> </u>	3	4	5	6	7	8
				36		64	
				37		08	
				38		75	
				42		03	
				17	H	75	
				29		0.8	

[#. O- 14016 | 353 | 85 ~ जी. पी.]

S.O. 2591.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petrolcum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B. I. Pipeline Project B-58/B, Aligani Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner,

SCHEDULE Hazira-Barielly-Jagdishpur pipe line Project

District	Tehsil	Pargar	na Village	Plot No.	Acquired area in (Bigha)	Re- mark
Shah-	Sadar	Kat	Akht-	?	06	
jahan-			yarpur	3	06	
pur			Bagh-	4	49	
			oura	18	08	
				19	10	
				21	27	
				966/22	43	
				30	68	
				36	64	
				37	08	
				38	75	
				4?	08	
				17	75	
				29	05	

[No. O-14016/353/85-G 1

का०भा० 2592 - यतः पेट्रोलियम और खनिज पार लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारका अर्जन) अधिनियः 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का॰आ० सं० तारीख 4101/12-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचनासे संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट: भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों के बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आश्राय घोषित कर विया था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट देवी है।

और आगे यतः क्षेन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोगका अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा
(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय
सरकार एतद्द्वारा घोषित करनी है कि इस अधिसूचना में संलग्न
अनुसूची में विनिर्दिण्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार
पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित
किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार मे निहित होने के बजाय भारतीय गस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त क्ष्म में घोषणा के प्रकाशन की इस सार्राख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा-बरेन्नी-जगदीणपुर पाइप लाईन प्रोजेक्ट

विना	नहर्माल	(पर्गना	ममा	गादा सं.	लिया गया रकवा	विवर्ष
1	2	3	4	5	6	7
मार्सा	ਸੀ ਠ	मोठ	~ क र ौरा	286	0~28	
				285	0-03	
				284	1-33	
				283	0-26	
				282	0 → 40	
				281	0-03	
				280	1-55	
				276	0-07	
				274	0-74	
				271	0-08	
				199	0 → 63	
				147	0-03	
				196	0-50	
				195	1-38	
				182	0-60	
				183	0-80	
				180	0 03	
				179	0-01	
				176	0-58	
				177	0-67	
				178	1-28	
				80	0-03	
				64	0-01	
				63	0-13	
				63	0-30	
				61	0-20	

-		 				
	1	3	4	5	6	7
•			5	9	1-25	
			5.	3	0-60	
			5、	3	0-06	
			5	2	2-30	
			2 :	5	0-30	
			2	4	0-06	
			1:	3	0 - 64	
			1	5	0-12	
			1 -	4	0-95	
			2	97	0-10	
			6	O	0-01	
		 	О . и	-14016	3 84 – जी	. पी.]

S.O. 2592.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Peticleum, S.O. 4101 dated 12-1184 under sub-section (1) of Sectin 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisation of Right of User in Land) A t, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification 1(1) purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby, declare, that the tight of user in his said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4, of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encombrances.

SCHEDULE
Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No	Area Acquire/1	Romark
1	2	3	4	5	6	7
Jhansi	Moth	Moth	Karara	286	0 <u>-</u> 28	
				285	0-03	
				284	1-33	
				283	C76	
				יפי	0-40	
				281	003	
				280	1-55	
				276	007	
				274	0-79	
				271	0-08	
				199	0-63	
				197	0-03	
				196	0-50	
				195	1-38	
				182	0-60	
				183	0-80	
				180	0-03	

1	2	3	4	5	6	7
	,	,		179	0-01	
				176	058	
				177	0-67	
				178	1-28	
				80	0-03	
				64	001	
				63	0-13	
				62	0-30	
				61	0-20	
				59	1-25	
				58	0-60	
				53	0-06	
				52	2-30	
				25	0-30	
				24	0-06	
				13	0-64	
				15	0-12	
				14	0-95	
				2 7 9	0-01	
				60	0-01	

[No. O -14016/3/84 GP]

का०आ० 2593.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधि-सूचना का०आ०सै० तारीख 4101/12-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अजित करने का अपना आणय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूच। में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिष्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा
(1) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय
सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न
अनुसूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार
पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजिल
किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देखी है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस सारीख को निहित होगा।

भनुसूच हाजिरा-- अरेल --- जगव भपुर पाइप लाइन प्रोजेस्ट

जिस्रा	नहम भ	परगना	ग्रामा	गाटा सं	स्तिया	गमा	विवरण
					रेक्स	ग	
आस	मोठ	मोठ	पिपरा	32/2	0→48		
				33	0-07		
				34/1	1- 56	;	
				34/2	0-36		
				35	0-04		
				39	I 6 G		
				4.4	0 → 0 6		
				45	0-78		
				46	0-45		
				46	0-02		
				49	0-46		
				50	067		

[सं○ O 14016 / 3 / 81~- ज०प०]

S.O. 2593.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Powoleum S.O. 4101 dated 12-11-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And v hereas the Competent At thority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, desided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the ripeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India L'mited free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Gram	Plot No.	Area (In Acre)	Remark
Jhansi	Moth	Moth	Pipara	32/2	0-48	
			_	33	007	
				34/1	1-55	
				34/2	0-36	
				35	0-04	
				39	1-66	
				44	0-06	
				45	0-78	
				46	0-45	
				48	0-02	
				49	0-46	
				50	0-67	
				No	O14016/	3/84_C3D/

No. O--14016/3/84-GP/

का०आ०2594—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम,
1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1)
के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मझालय की अधिसूचना का०आ०स० सारीख 4101/12-11-84 द्वारा केन्द्रीय
सरकार ने उस अधिस्चना से सलग्न अनुसूची में विनिद्धिः
भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने
के लिए अजिन करने का अपना आग्य घोषित कर दिया
था।

और यत. सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा ७ की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर यिचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियो मे उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिष्चय किया है।

अब, अम उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिन का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनव्द्वारा घोषिन करतो है कि इस अधिसूचना में सलग्न अनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपन्त्रहन बिछाने के प्रयोजन के लिए एसद्हारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपवारा (4) द्वारा प्रदन्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतोय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं में मुक्त रूप प घोषणा के प्रकाणन की इस नारीख को निहित होगा।

यनुसूच हाजिरा---बरंब - जनदाण (र पाइप माइन प्रजिक्ट

जি ना	सहस्राल	परगना	ग्रामा	गाटा म	लिया गया रक्षा	विवरण
1	2	1	1	- 1	1	7
দাদ	मोट	 मोठ	— बेलमा	120	0 05	
				121	U-7U	
				122	0~ 01	
				123	0.02	
				124	1-35	
				132	0-90	
				134	9 08	
				1 14	0- 19	
				132	0 40	
				196	0-15	
				437	0-05	
				435	l - 14	
•				438	0-66	

 			 			
2	3	4	5	6	7	
	-		440	0 02		
			450	0 53		
			4 ¬ t	0 ~ 0 (1		
			154	2-32		
			455	0-06		
			456	0- 24		
			723	0-02		
			7.24	(i- 08		
			725	0 35		
			726	0-06		
			727	0-15		
			750	0- 27		
			794	0- 80		
			795	1)- 99		
			796	0 01		
			799	1-52		
			900	9- 45		
			501	0-06		
			822	0-36		
			438	0-05		
			5)	0 02		
			139			
			450	0 29		
			451	0-12		
			952	0- 08		
			356	U- 05		
			558	0- 10		
			557	0 04		
			940			
			ダース	0 03		
			566	ı⊨ [∃		
			807	1-12		
			566	0 02		
			444			
			868	0 12		
			980	U- 60		
			47_	0 -2		
			871	0- 02		
			۲7 5	1-00		
 	_					

[#o O-11016/3/81-Afortho]

SO 2594—Whereas by nonheation of the Government of India in the Ministry of Lettoleum SO 4101 dated 12-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notine 4001 hereby acquired for laying the pipeline,

And whereas the (empetent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore, in exercise of the power conferred by indiscretion (1) of the Section 6 of the said Act the Central

Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd free from encumbrances.

SCHEDULE Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot	Area	Remark
	JOHSH	1 wigana	V IIIII	No	Acquired	Kemar
1	— - <u>-</u> -	3	4	5	— - 6	7
Jhansi	Moth	Moth	Belma	120	0-05	——
		•		121	0-70	
				122	001	
				123	0-02	
				124	1-38	
				132	0-90	
				133	0-08	
				134	0-18	
				135	0-40	
				396	0-15	
				437	005	
				438	1-44	
				439	0-86	
				440	0-02	
				450	0-53	
				451	0-06	
				454	2-32	
				455	0-06	
				456	0-24	
				723	0-02	
				724	0-08	
				725	0-35	
				726	0-06	
				727	0-15	
				750	027	
				794	0-80	
				795	0-88	
				796	0-01	
				799	1-52	
				800	0-45	
				801	0-06	
				822	0-36	
				838	0-08	
				850	002	
				938	008	
				850	0-29	
				851	0-12	
				852	0-08	
				856	0-05	
				857	0-16	
				940	0-01	
				858	0-03	
				866	()_1 ¹	
				867	1-12	
				866		
				944	0-02	
				868	032	
				870	0-66	
				872	0-22	
				873	0-02	
				875	1-00	
	~					

का॰ आ॰ 2595 — यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अर्धान भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का॰ आ॰ नं नरीख 12-11-84/1401 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से मंलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारो ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपीर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अव, अत. उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गरित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोगन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि॰ में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा--- बरेली- - जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

জিলা	 तहसील	परसना	ग्राम	गाटा सं.	स्त्रिया गया रकवा	विवारण
भ्रामी	मोठ	मोठ	लहाबर	T 622	2- 16	
				625	0-04	
				627	0-78	
				634	0-22	
				637	0-08	
				656	1-05	
				662	0-05	
				634	0-04	
				661	0- 0.3	
				659	1- 24	
				660	1- (4)	
				686	10-0	
				687	2-28	
				695	0-04	
				696	0-48	
				694	1-07	

	1 to 1 to 100 - 100			القر مستق	
1	2	3	4 5	6	7
		-	698	0- 10	
-			68 5	0- 05	
			608	0-08	
			693	0- 01	
			652	0-19	

S.O. 2595.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 4101 dated 12-11-84 under sub-section (1) of Sections of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in 1 and, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that nomication for purpose of laving pipeline;

And whereas the Competent Authority has, under Sub-Section (I) of Section 6 of the Std Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the secton 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquire for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHFDULE

Gas Pipe Line from Hajira Bareilly Jagdishpur Project.

Distt,	Tohsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Jhansi	Moth	Moth	I.arawa			
			ra	622	າ–16	
				625	0-04	
				627	0-78	
				634	0-22	
				637	0-08	
				656	1-05	
				662	0-05	
				658	0-04	
				661	0–0~	
				659	1-24	
				660	1-60	
				686	001	
				687	2-28	
				695	0-04	
				696	0-48	
				694	1-07	
				6 9 8	0-10	
				685	9–05	
				688	0-08	
				693	001	
				652	0–19	
,			~ .	[No.	O-14016	/3/84-GP]

करं अ ० 2596- यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिम्यूचना का ब्यां असे तार्गाल 4101/12/11/84 द्वारा के केंद्री सरकार ने उस अधिस्वना के नेलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार का पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे घनः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चान इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनिदिष्ट भूमियों मे उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिध्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एनदद्वारा घोषित है कि इस अधिसुचना में मंनग्न अनुसूची में विनिद्धित उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपन्ताइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्तं शिवतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भ्मियों में उपयोग क अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस नारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा----धरेली--- जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेस्ट

—— जिला	— नहुमी'न	परगना	- — - ग्राम	गारा म	लिया गया रकवा	विवरण
	2	3	4	5	6	7
— — झांमी	 मोठ	 मोठ	चककोर	166	0-51	
			बेलमा	167	0-05	
				165	2-49	
				158	1-24	
				159	0-35	
				153	0-44	
				181	054	
				177	1-14	
				178	0-59	
				183	0-0.1/2	
				(ए ऑन्बी)		
				160	$0 - 0.1 \ 1/2$	
				161	0-011/2	
				168	0-03	
				169	0- 03	
				175	0-041/2	
				17 6	0-09	
		_		180	0-11/2	

[मं. O-- 14016/3/84-- जी पी]

S.O. 2596—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Portoleum, S.O. 4101 dated 12-11-84 under sub-section (4) of Section 3 of the Petroleum and Ministrals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that not fication for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

New, therefore, in exercise of the power conterred by sub-section (1) of section 6 of the said Act the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd., free from encumbrances.

SCHEDULE

		3	CHEDO			
G _B n	ip. Tits	From H	jrı Bır	illy	Jagei hou	Project
Distt.	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in	Rrmark
1		3	4	5	6	7
Jhansi	Moth	Moth	- Chakto	r -		
			Belma	166	0-54	
				167	0-05	
				165	2-49	
				158	1-24	
				159	0-35	
				153	0-44	
				181	0-54	
				177	1-14	
				178	0-59	
				183	0-0-12	
				(A&	B)	
				160	0-01-1/2	•
				161	0-01-1/2	<u>)</u>
				168	003	
				169	0-03	
				175	0-04-1/2	!
				176	0-09	
				180	0-1-1/2	

[No. O-14016/3/84-GP]

क्षि-०आ० 2597—यतः पेट्टोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्टोलियम मन्नालय की अधिसूचना का जातीख 4101/12/11/84 हारा केन्द्रीय सरकार ने उत्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के जिए अजिन करने का अपना आश्रम घोषिन कर विद्या था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी उक्त अधिनियम की धारी 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है। और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर श्रिचार करने के पश्चात इस अश्रिम्चना में संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों से उपयोग के अधिकार अजित करने कः विनिष्य किया है।

अब अत उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधार।
(1) वारा प्रदत्त मिक्त का प्रयान करने हुए केन्द्रीय सरकार
ए गर्द्दारः घोषित है कि इस अधिसूचना में संनयन अनुसूची
में विनिद्धिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग के अधिकार
पाइपनाश्चन विश्वाने के प्रयोजन के लिए एतद्दारा अजित
किया जाता है।

और अभी उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त णिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देण देती है कि उदत भूमियों से उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार से निहित होने के बनाय भारताय गैस प्राधिकरण लिए में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घायणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा।

अनुसूची इःजिरण--वरेली--जगदीलपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिता	नप्तमील ^५	रिगना	याम	गाटा म	लिया गया रकवा एकड्रमे	विवरण
1	2	3	1	5		7
झांसी	मोट	मोठ	मई	201/2	0-11	
				201/3	0-35	
				201/8	0- 50	
				201/9	0-27	
				209/2	0-54	
				210	0-04	
				213	0-27	
				214	1-08	
				220/3	0-16	
				220/4	1-44	
				221	0 - 0 4	
				224	0-51	
				225/3	0-48	
				226	0-07	
				240/3	2- 28	
				240/4	1-90	
				227	0-11	
				2 4 1	0-60	
				231	0-09	
				207	0-76	

[गं O--11016/3/84--र्जा पी]

S.O. 2597.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum. S.O. 4101 dated 12-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Pight of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it intention to acquire the right of user in the lands specified the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 5 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schellal appended to this notification,

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said. Act the Central Government hereby declates that the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification her by acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs that 1 ght of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd free from encumbrances

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tahsıl	Pargana	Village	Plot	Area	
				No	Acquired	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Jhansi	Moth	Moth	Sa	201/2	0-11	
				201/3	0-35	
				201/8	0-50	
				201/9	0-27	
				209/2	0-54	
				210	0-04	
				213	0-27	
				214	1-08	
				220/3	0-16	
				220/4	1-44	
				221	0-04	
				224	0-51	
				225/3	0-48	
				226	007	
				240/3	2-28	
				240/4	1-90	
				227	0-11	
				241	0-60	
				234	0-09	
				207	0-76	
	0000		******	[No.	O-1401	6/3/84-GPI

[No. O-14016/3/84-GP]

क ०आ० 2598 - --यत पेट्रोलियम और खिनज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 के 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मत्रालय की अधिसूचना का ०आ० स० त रीख 4101/12/11/84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची मे निनिदिष्ट भूमियो के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनो को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आधाय घोषिन कर दिया था।

और यत सक्षम प्राधिक रो ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना स सलग्न अनुसूची 229 GI/85—14 मे विनिदिष्ट भूमियो मे उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिष्चयं किया है।

अब अन उनन अविनियम को धारा 6 की उपवारा (1) द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदहारा घोषित है कि इस अधिसूचना में सलग्न अनुसूचों में विनिद्धिट उनन भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विद्यान के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपवारा (4) द्वारा प्रदत्त मिन्नियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उन्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहेन होने के बजाय भारतीय गेस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुमूची टर्जारर -वरेली---जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	नहमील	परगन"	ग्राम	गाटा स	लिया गया रकवा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कासी कासी	मोठ	— —– मोठ	चिरगवा	16	0-75	ttempedate pertinent
			म्बुर्द	17	0-02	
			·	18	1-75	
				20	0-45	
				21	0-02	
				23	0-52	
				24	0-04	
				25	0-85	
				28	0-01	
				30	0-02	
				244	0-10	
				245	1-20	
				247	0-02	
				249	0-80	
				250	1-25	
				252	0-50	
				253	0-03	
				254	0-07	
				255	0-03	
				2 5 8	1-20	
				275	0-03	
				277	0-90	
				284	0-02	
				285	0-90	
				289	0-75	
				290	1-52	
				291	0-20	
				295	0-02	
				296	0-08	
				297	1-30	

1	2	3	4	<u> </u>	6	7	1	2	.3	ì	5	6	7
				298	0-20		#- -				 285	0-90	
				340	1-02						289	0-75	
				345	0-90						290	1-52	
				348	0-02						291	020	
				350	0 → 0 5						295	0-02	
				351	0-88						296	0-08	
				352	0-03						297	1-10	
				353	1-03						298	0-20	
											240	1-02	
				[सं. Oı	4016/3/84-	-जी पी]					345	0-90	
S.O.	2598	_Wher	ėas by	notification	of the Gove	ernment of					348	0-02	
India i	in the l	Ministr	y of Po	tioleum. S.	O. 4101 date	d 12-11-84					350	0-05	
					of the Petro						351	0-88	
Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declarted its										352	0-03		
the so	on to a chedule pipeline	appen	the rig ded to	ht of user i that notif	n the lands sication for j	specified in purpose of			_		353	1-02	

[No. O-14016/3/84-GP]

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, declared to acquired the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tahsil	Par- gana	Village	Plot No.	Area Acquired	Re-
1	2	3	4	5	6	
Jhansi	Moth	Moth	Chir-	16	0-75	
			gaon	17	0-02	
			Khurd	18	1-75	
				20	0-45	
				23	0-52	
				24	0-04	
				25	0-85	
				28	0-01	
				30	0-02	
				244	0-10	
				245	1-20	
				247	0-02	
				249	0-80	
				250	1-25	
				252	0-50	
				253	0-03	
				254	0-07	
				255	0-03	
				258	1-20	
				275	003	
				277	0-90	
				284	0-02	

का०आ०2599.— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम. 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयोग (1) के अधीम भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचना का०आ०सं० तारीख 4102/1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से मंलग्न अनुमूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों की बिछाते के लिए अजित करने का अपना अण्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राविकारो ने उक्त आधिनिधम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चान एस अधिमूचना में संलग्न अनुमूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब अत' उक्त अधिनिधम का घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्वारा घोषित है कि इस अधिभूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्दिष्ट उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोगिन के लिए एनद् द्वारा अधित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बर्जाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस नारीख को मिहित होगा।

===	==		<u> </u>	==== सूची		=		2	3	4	5	6	7
	ज्यक्ति र	मरे ली		४ पुर पाइप ला	रन घोजे क्ट							1-0-0	v
											^{2 दुन} 0 एम	0-3-0	
जिला	तहसील	परगना	ग्राम	भिय	। भयारक बा	विवरण					एम	0-2-16	
			स, र	नाम							7 एम	0-0-10	
	2	3	. — ـــــــــــــــــــــــــــــــــــ	5	6	7					एम	0-15-0	
1						· –				1 9	9 एम	0-0-10	
राय-	महराज-	इन्हीना	जुगराज	294	0-11-8							_	<u> </u>
बरेली	गंज		<u>ሕ</u>	287 एम	0-3-12					[सं	O14	1016/4/84	-जी पी]
				292 एम	0-1-2								
				288 एम 285 एम	0-18-0		S.O. 2 India in	'' 1he Mi	Whereas to nistry of	oy notific Petrolen	cation of m. S.O.	f the Govern 4101 dated	nment of 12-11-84
				285 एम 284 एए	0-2-14		under s	ub-sectio	on (1) of	f Section	n 3 of	the Petrole	eum and
				284 एम	0-7-16		Minerals 1962 (5	Pipelir O of i	es (Acqui 962) the	isition of Centra	Right o al Gove	of User in La nament decl	and) Act lared its
				281 एम 183 एम	0-13-4 0-7-4		intention	n to acc	uire the <i>i</i>	cight of	user in 1	the lands spe	ecified in
				176 एम	0-0-4		the sch laying p		ррепаеа	o that	notineal	tion for pu	rpose or
				184 एम	0-2-2				the Con	nnetenr	Authori	ty has unde	r Sub
				175 एम	0-1-16		Section	(1) of	Section 6			ct, submitte	
				174 एम	0-3-12		to the C	iovernn	ient;				
				173 एम	0-3-0							onferred by	
				172 एम	()-()-6		user in	the lan	ds specific	ed in the	e schedi	acquire the ile appended	1 to this
				170 एम	0-13-0		notificati						
				188 एम	0-4-0		New.	therefe	ore, in e	xercise (of the	power confe	rred by
				160 एम	0-14-4							aid Act, the	
				158 एम	0-10-16		lands sp	ecified	in the se	hedule a	rpended	to this no	tification
				155 एम	0-2-8		hereby a	acquired	for layin	ig the pi	peline;		
				154 एम	0-3-12							onferred by ernment dir	
				152 एम	0-3-16		the right	of use	r in the s	said land	ls shall i	instead of v	esting in
				150 एम	0-4-0							ot the public India Ltd. f:	
				151 एम	0-6-0		encumb		III the G		31117 01	tiitia Eta, i	ice ijom
				131 एम	0-6-0					~~~~			
				130 एम	0-19-15				SC	CHEDUI	LE		
				49 ऍम	0-0-1			Hajira	Bareilly .	Jagdishp	ur Pipe I	Line Project,	
				129 एम	0-2-8		Distt.	Tebsil	Par-	Village	Plot	Area	Re-
				62.8 ए म 164	0-12-12		131300	10011	gana		No.	Acquired	mark
				164 62/1 एम	0-0-14 0-2-10			2	3	4	5	6	7
				62/2 एम	0-10-10		-					-	
				62/4 एम	() 1 1 2		Rai		aj Enhona			0-11-8	
				59 एम	0-3-0		Bareilly	ganj		pur	287m. -92m.	0-3-12 0-1-2	
				60 एम	0-3-0						288m.	0-18-0	
				61 एम	0-4-15						285m.	0-2-14	
				70 एम	0-5-6						284m.	0-7-16	
				71 एम	0-5-0						281m. 183m.	0-13 -4 0-7- 4	
				46 एम	0-18-0						176m.	0-0-4	
				41 एम	0-19-8						184m.	0-2-2	
				40 एम	0-4-0						175m.		
				38 एम	0-10-0						174m. 173m.		
				37 एम	0-9-0						173m.		
				22 ग्म	0-0-2						170m.	0-13-0 -	
				24 एम	0-1-10						188m.		
				.16 एम	0-4-0						160m. 158m.		
				25 एम	0-8-0						155m.		
				26 एम	0-3-8						154m.		
				27 एम	0-0-15						152m.		
				13 एम	0-3-5						150m.		
				14 एम	0-0-1				_		151m.	0-6-0	

131m 0 6-0 130m 0-19-15 49m. 0-0-1 129m. 0-2-8 62/8m. 0-12-12 164 0-0-14 62/1m. 0-2-10 62/2m 0-10-10 62/4m 0-1-12 59m. 0-3-0 60m 0-3-0 61m. 0-4-15 70m. 0-5-6 71m. 0-5-6 71m. 0-5-6 71m. 0-18-0 41m. 0-19-0 40m. 0-4-0 38m. 1-10-0 37m. 0-9-0 22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10			THE OA		i; Oı i = == —	:-	
130m 0-19-15 49m. 0-0-1 129m. 0-2-8 62/8m. 0-12-12 164 0-0-14 62/1m. 0-2-10 62/2m 0-10-10 62/4m 0-1-12 59m. 0-3-0 60m 0-3-0 61m. 0-4-15 70m. 0-5-6 71m. 0-5-0 46m. 0-18-0 41m. 0-19-0 40m. 0-4-0 38m. 1-10-0 37m. 0-9-0 22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10	!	2	3	4	5	6	7
49m. 0-0-1 129n. 0-2-8 62/8m. 0-12-12 164 0-0-14 62/1m. 0-2-10 62/2m 0-10-10 62/4m 0-1-12 59m. 0-3-0 60m 0-3-0 61m. 0-4-15 70m. 0-5-6 71m. 0-5-0 46m. 0-18-0 41m. 0-19-0 40m. 0-4-0 38m. 1-10-0 37m. 0-9-0 22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10		-			131m	0 6-0	
129m. 0-2-8 62/8m. 0-12-12 164 0-0-14 62/1m. 0-2-10 62/2m 0-10-10 62/4m 0-1-12 59m. 0-3-0 60m 0-3-0 61m. 0-4-15 70m. 0-5-6 71m. 0-5-0 46m. 0-18-0 41m. 0-19-0 40m. 0-4-0 38m. 1-10-0 37m. 0-9-0 22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10					130m	0-19-15	
62/8m. 0-12-12 164 0-0-14 62/1m. 0-2-10 62/2m 0-10-10 62/4m 0-1-12 59m. 0-3-0 60m 0-3-0 61m. 0-4-15 70m. 0-5-6 71m. 0-5-0 46m. 0-18-0 41m. 0-19-0 40m. 0-4-0 38m. 1-10-0 37m. 0-9-0 22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10					49m.	0-0-1	
164					129nı.	0-2-8	
62/lm. 0-2-10 62/2m 0-10-10 62/4m 0-1-12 59m. 0-3-0 60m 0-3-0 61m. 0-4-15 70m. 0-5-6 71m. 0-5-0 46m. 0-18-0 41m. 0-19-0 40m. 0-4-0 38m. 1-10-0 37m. 0-9-0 22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10					62/8m.	0-12-12	
62/2m 0-10-10 62/4m 0-1-12 59m. 0-3-0 60m 0-3-0 61m. 0-4-15 70m. 0-5-6 71m. 0-5-0 46m. 0-18-0 41m. 0-19-0 40m. 0-4-0 38m. 1-10-0 37m. 0-9-0 22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10					164	0-0-14	
62/4m 0-1-12 59m. 0-3-0 60m 0-3-0 61m. 0-4-15 70m. 0-5-6 71m. 0-5-0 46m. 0-18-0 41m. 0-19-0 40m. 0-4-0 38m. 1-10-0 37m. 0-9-0 22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10					62/1 m.	0-2-10	
59m. 0-3-0 60m 0-3-0 61m. 0-4-15 70m. 0-5-6 71m. 0-5-0 46m. 0-18-0 41m. 0-19-0 40m. 0-4-0 38m. 1-10-0 37m. 0-9-0 22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10					62/2m	0-10-10	
60m 0-3-0 61m. 0-4-15 70m. 0-5-6 71m. 0-5-0 46m. 0-18-0 41m. 0-19-0 40m. 0-4-0 38m. 1-10-0 37m. 0-9-0 22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10					62/4m	0-1-12	
61 m. 0-4-15 70m. 0-5-6 71 m. 0-5-0 46m. 0-18-0 41 m. 0-19-0 40m. 0-4-0 38m. 1-10-0 37m. 0-9-0 22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10					59m.	0-3-0	
70m. 0-5-6 71m. 0-5-0 46m. 0-18-0 41m. 0-19-0 40m. 0-4-0 38m. 1-10-0 37m. 0-9-0 22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10					60m	0-3-0	
71m. 0-5-0 46m. 0-18-0 41m. 0-19-0 40m. 0-4-0 38m. 1-10-0 37m. 0-9-0 22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10					61mz.	0-415	
46m. 0-18-0 41m. 0-19-0 40m. 0-4-0 38m. 1-10-0 37m. 0-9-0 22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10					70m.	0-5-6	
41m. 0-19-0 40m. 0-4-0 38m. 1-10-0 37m. 0-9-0 22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10						0-5-0	
40m. 0-4-0 38m. 1-10-0 37m. 0-9-0 22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10					46m.	0-18-0	
38m. 1-10-0 37m. 0-9-0 22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10							
37m. 0-9-0 22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10						0-4-0	
22m. 0-0-2 24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10					38m.		
24m. 0-1-10 36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10						0-9-0	
36m. 0-4-0 25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10							
25m. 0-8-0 26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10							
26m. 0-3-8 27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10							
27m. 0-0-15 13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10							
13m. 0-3-5 14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10							
14m. 0-0-1 11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10							
11m. 1-0-0 10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10							
10m 0-3-0 7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10 [No. O-14016/4/84-0							
7m. 0-2-16 57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10 [No. O-14016/4/84-0							
57m. 0-0-10 8m. 0-15-0 19m. 0-0-10 [No. O-14016/4/84-0							
8m. 0-15-0 19m. 0-0-10 [No. O-14016/4/84-0							
19m. 0-0-10 [No. O-14016/4/84-0							
[No. O-14016/4/84-0							
[No. O-14016/4/84-0							_
का०आ० 2600.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पह							/84-GF
नगरणार ४०००वतः पद्रमणयम् जारः खाण्यः पा	7L T	abita 4	200 · 75	a. ŋ#a	रेक्सिकार व	ਸੀਂਸ ਲਹਿਕ	G (S-11
नाइन (भिम में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनि				•			

लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधि-सूचना का०आ०मं तारीख 4102/1/12/84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से मंलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भृमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनो को बिछाने के लिए अर्जित आएरने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यत. सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चाप इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार ऑजन करने का विभिष्चय किया है।

अब अतः उनन अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केस्द्रीय सरकार एतदुद्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना मे संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनदुद्वारा अजित किया जाता है।

अं(र आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय संस्कार निर्देश देती। है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकारण लि० मे सभी बाधाओं स मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहिन होगा।

			ग्रन्स्च	ति		
	हाजिर	Tबरेली-	- – जगदी श	पुर पाइप लाइ	न प्रोजेक्ट	
 जिला	 नहमील	— परगना	 ग्राम का नाम	– लिया गेेेेंगा	 रकता	— विवरण
1	2	J	4	₅	(,	7
•ाय	महराज	मस्रोला	कोटवा	630 maj	0-10-0	
बर्गी	गज		मोहस्था	631 एम	0-13-15	
			वाद	632 DH	0-9-12	
				633 एम	0-17-0	
				५१ तम्	()9-()	
				635 एम	1-1-9	
				637 ग म	0-0-3	
				638 एम	1-6-13	
				1083 एम	0-5-12	
				1684 ma	1-12-0	
				1046 एम	0-2-10	
				1089 एम	0-5-10	
				1115 एम	0-1-15	
				1118 गम	0-12-12	
				1119 एस	1-2-1	
				1123 एम	0-12-7	
				1126 四年	0-5-0	
				1159 एम	0→52	
				1160 एम	1-2-2	
				1162 एम	0-1-17	
				1163 एम	0-1-0	
				1199 एम	0-4-19	
				1200 णम्	0-16-14	
				1201 एम	0-1-8	
				1202 एम	0-0-2	
				1245 एम	1-1-13	
				1251 एम	1-17-10	
				1 2 5 5 एम	0-11-2	
				1257 एम	0-16-16	
				1264 एम	1-14-6	
				1120 एम	0-0-12	
				1121 एम	0 2 8	
				1124 एम	0~2~0	
				1125 एम	0-1-8	
				।।७। एम	0-2-2	
				1163 गम्	0-0-16	
				1246 ण्म	0-2-2	
				1256 एम्	0-15-15	
					- .	

S.O. 2630.—Whereas by notification of the Government of tadia in the Ministry of Petroleum, S.O. 4102 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Monerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declares its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by stin-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government bereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that se tion, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from cucumbrances.

SCHEDULE
Hajıra-Bareilly-Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Par- gana	Village	Plot No.	Area Acquired	Re- mark
		3		5	6	7
Rai	Maha-	Sam-	Kotwa-	630m.	0-10-0	
Barielly	raj ganj	rata	Moh-	631m.	0-13-15	
			mdabad	632m.	0-9-12	
				633m.	0-17-0	
				634m.	0-9-0	
				635m.	1-1-9	
				637m.	0-0-3	
				638m.	1613	
				1083m.	0-5-12	
				1084m.	1-12-0	
				1086ක.	0-2-10	
				1089m.	0-5-10	
				1115m.	0-1-15	
				1118m.	0-12-12	
				1119m.	1-2-4	
				1123m.	0-12-7	
				1126m.	0-5-0	
				1159m.	0-5-2	
				1160m.	1-2-2	
				1162m.	0-1-17	
				1163m.	0-1-0	
				1199m.	0-4-19	
				1200nı.	0-16-14	
				1201m.	0-1-8	
				1202m.	0-0-2	
				1245m.	1-1-13	
				1251m.	1-17-10	
				1255m.	0-11-2	
				1257m.	0-16-16	
				1264m.	1-14-6	
				1120m	0-0-12	
				1121m.	0-2-8	
				1124m.	0-2-0	
				1125m.	0-1-8	
				1161m	0-2-2	
				1163m.	0-0-16	
				1246m.	0-2-2	
				1256m.	0-15-15	

कां अा० 2600 न्यतः पेट्रोलियम और खिनिज पाइप-लाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत संस्कार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचना कां आंश्रेस सरकार ने उस अधिमूचना सं संलग्न अनुसूची में विनिद्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विद्यान के लिए अजिन करने का अपना आण्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और अभे यतः केन्द्रीय सरकार में उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अभिन करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधित्यम की धारा । की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोगन के लिए एतद्द्वारा अजित किया दाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त भिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देण देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहिंत होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं स मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा।

ग्रनुसूची हाजिरा—-खरेली---जगवीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	नहमील नहमील	 परगना	ग्राम का नाम	लिया गया रकवा	 विवरण	_
1	2		4		6	7
राय∽	महराज-	इन्हीना	फतेह-	111	() () 5	
बरेली	गज		पुर	154	0-1-0	
				155	() 9 ()	
				156	111-0	
				157	0 - 1 - 0	
				158	0-0-3	
				170	0 → 0 → 1 5	
				171	0-1-15	
				172	() (i ()	
				173	0-0-15	
				174	0-5-0	
				175	0-2-0	
				176	0-3-8	
				1 7 7	1-17-0	
				179	0-7-0	
				233	0-1-0	

1	7	3	4	5	6	7			S	CHEDUI	LE		-
				234	0-1-5			Hajira-	Barielly-J	agdishpu	r Pipe I	ine Project	
				235	1-1-5		Distt.	Tehsil	Par-	Village	– – – Plot	Area	Re-
				236	1~0~0				gana		No.	Acquired	
				287	() 5()			····					
				238	0-1-10		1	2	3	4	5	6	7
				242	0~1~10		Rai	Mahara	j-Enhona	Lou-b	111	0-0-5	
							Barielly)-L1010/1/14	pur	154	0-0-3	
				244	0-0-5		•			,	155	0-9-0	
				476	0~0-10						156	1-11-0	
				478	1-10-0						157	0-12-0	
				485	0-18-0						158 170	0-0-3 0-0-15	
				487	4 -10-0						171	0-1-15	
				486	0-3-0						172	0-6-0	
											173	0-0-15	
				484	0~1-5						174	0-5-0	
				488	0-14-0						175 176	0-2-0 0-3-8	
				489	0-0-1						177	1-17-0	
				491	0-2-15						179	0-7-0	
				493	0-1-10						233	0-1-0	
				636	0-0-5						234	0-1-15	
											235	1-1-0	
				637	0-7-0						236 287	100 050	
				639	1-0-0						238	0-1-10	
				678	1-2-0						242	0-1-10	
				670	0-19-0						244	0-0-5	
				671	0-2-10						476	0-0-10	
											478 485	1-10-0 0-18-0	
				672	0-4-5						487	0-10-0	
				682	0-7-0						486	0-3-0	
				684	02-0						484	0-1-5	
				681	0-6-0						488	0-14-0	
				640	0-0-10						489	0-0-1	
				040	0 0 10						491	0-2-15	
						•-					493	0-1-10	
			[स. O 1	4016/4/84 - जी	पा]					636 637	005 070	
			_	•		•					639	1-0-0	
S.O. 26	60 L.—	-Whereas	by no	otification of	of the Governm	nent of					678	1-2-0	
dia in 1	the N	Ainistry	of Peti	roleum S.C	. 4102 dated :	1-12-84					670	0-19-0	
					e Petroleum at						671	0-2-10	
					f User in Land ent declared its						672	0-4-5	
					lands specified						682	0-7-0	
nedule	apper	nded to	that no	nuncation	for purpose of	laying					684	0-2-0	
ocline;											681	0-6-0	
And w	haran	a tha C	· swanoie	ant Author	ity has under	1-					640	0-0-10	

[No. O-14016/4/34-G.P.]

considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report

And further, whereas, the Central Government has, after

to the Government;

And further, in exercise of power conferred by sub-sction (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

का०आ० १६०२.— यतः पेट्टोलियम और खनिर पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्टोलियम मंद्रालय की अधिसूचना का०आ० मं० 4102 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में मंलग्न अनुसूची में विनिद्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को विकान के लिए अजिन करने का अपना आग्रय घोषित कर विद्या वा ।

[सं O-11016/4/84--जी पी]

[भाग [[खण्ड उ(11)]			भारतकाराजपस्र	जून २) ५४	३५/ज्येष्ट १४	190,				<u> </u>	2995
और यत सक्षम	==== प्राधिकार	= ो ने :	————————————————————————————————————	_ र्काः	1	2	3	1	5	6	7
धारा 6 की उपधार						-					
देदो है।	(409 919	0-4-0 0-5-0	
									820	0-10-0	
और आगे यत									8'7	0-0-3	
विचार कारने के पश्च	ात इस अ	धिसूचन।	से सलग्न अन	गु स्च ।					824	0-0-2	
मे विनिदिष्ट भूमियो									829	(-0-13	
का वि । उचय किया									830	0-3-0	
		_	•						8 1 1	0-9-0	
			ारा 6 की उप						8 1 2	0-2-0	
(1) द्वारा प्रदत्त शी	क्त का प्रय	ोग करते	ा हुए केन्द्रीय स	रका र					8;;	0-7-0	
एतद्द्वारा घोषित है									836	0-0-4	
मे विभिद्धिष्ट उवन १	निर्माम	उपयोग	का अधिकार	पाइप					935	0-0-1	
लाइम विकान के प्रय	रे गोजन के	ਲਿਹ ਸਟ	हिद्वारा अजिन						840	0-8-0	
	याच्याचा चा	, , , , ,	(- 1) - ()						841	0-0-2	
जाता है।									811	0-3-0	
और अ।गे उस	धारा की	उपधार	ा (4) हा स	प्रदत्त					849	0-2-10	
मक्तियों का प्रयोग	करने हःग	केन्द्रीय	सरकार निर्देश	देनी					846	0-7-0	
है कि उक्त भूमियो									850	()—5—()	
क ।क उपा मूलया मे निहित होने के ब									851	0-8-0	
									867	1-19-10	
सभी बाधाओं से मुक		घाषणा	क प्रकाशन क	। इस					890 891	0-1-0 0-15-0	
नारीख को निहित	होगा ।								892	0-0-15	
	भ्रनुर	पुर्णी							893	0-6-0	
			रूप स्टिबंदर स्टबंदर						915	0-4-0	
हाजिरा—- बरेली	। जगवासपु 	• ধাহ্ ধ প	IEA NIMAC						1146	0-2-0	
जिला नहसील परगना	ग्राम का	লি -	षा गया	विवरण					1147	0-2-0	
	नाम	रव	त्वा						1148	0-2-18	
1 2 3	4	5	6	7					1149	0-1-0	
	रतयति-		()— ()—						1150	0-0-15	
		212	(1-6-()						1151	1-18-10	
ब रेली गज		213	0-1-10						1157	(1 6 1 0	
	·	228	0 4 0						1158	0-11-0	
		229	1-10-0						1159	0-0-1	
		230	0-1-4						1160	0-15-0	
		233	0-3-0						1161	0-0-15	
		231	1-5-0						1162	0-3-0	
		235	0-2-0						1163	0-0-10	
	:	236	0-2-0						1183	0-1-15	
		237	0-1-15						1193	0→ 5~ 0	
	:	238	0 -7 -0						1194	0 8 0	
		239	0-0-5						1201	0-4-0	
	ı	888	0-1-0						1202	0-0-9	
		241	0-1-0						1203	0-2-8	
	;	254	0-0-15						1209	0-10-0	
		254	0-0-2						1210	0~1~0 0~4~1.0	
		259	0-11-0						1211	0-4-10 0-0-2	
		260	1-2-0						1272	0 5 0	
		389	0-7-0						1272	0-3-0	
		800	() 1 1-5						1278	0-11-0	
		676	0-5-10						1279	0 - 1 0 - 0	
		108	0-12-0						1280	0-10-0	
		802	0-5-0						1281	0 5 ()	
		807	0-1-0								

0-9-0

808

S.O. 2602.—WWhereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4102 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India I td. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira	Barielly	Jagdi	shxur Pi	pe Li	ne Project	
Distt.	Tehsil	Par-	Village	Plot	Area	Re-
		gana		No.	Acquired	mark
1		3	4		6	_ 7
Rai	Maharaj	- Enhons	Ratwa-	211	0-6-0	
Barielly			lya.	212	0-6-0	
			Majhnar	213	0-1-10	
				228	0-4-0	
				229	1-10-0	
				230	0-1-4	
				233	0-3-0	
				234	15-U	
				235	0-2-0	
				236	0-2-0	
				237	0-1-15	
				238	0-7-0	
				239	005	
				888	0-1-0	
				247	0-1-0	
				254	0-0-15	
				258	0-0-2	
				259	G-11-0	
				260	1-2-0	
				389	0-7-0	
				800	0-1-15	
				676	0-5-10	
				801	0-1 2- 6	
				802	0-5-0	
				807	0-4-0	
				808	0-9-0	
				809	0-4-0	
				819	0-5-0	
				820	0-10-0	
				82 7	0-0-3	
				828	0-0-2	
				829	0-0-13	
				830	0-3-0	
				188	0-9-0	
				832	0-2-0	

833

836

0 - 7 - 0

0 - 0 - 4

	2	3	4	5	6	7
_		• —	-	838	0-0-1	
				840	0-8-0	
				841	0-0-2	
				844	0 3-0	
				848	0-2-10	
				846	0-7-0	
				850	0-5-0	
				851	0-8-0	
				867	1-19-10	
				890	0-1-0	
				891	0-15-0	
				892	0-0-15	
				895	0-6-0	
				915	0-4-0	
				1146	0-2-0	
				1147	0-2-0	
				1148	0-2-18	
				1149	0-1-0	
				1150	0-0-15	
				1151	1-18-10	
				1157	0-6-10	
				1158	0-11-0	
				1159	0-0-1	
				1160	0-15-0	
				1161	0-0-15	
				1162	0-3-0	
				1163	0-0-10	
				1183	0-1-15	
				1193	0-5-0	
				1194	0-8-0	
				1201	0-4-0	
				1202	0-0-9	
				1203	0-2-8	
				1209	0-10-0	
				1210	0-1-0	
				1211	0-4-10	
				1212	0-0-2	
				1272	0-5-0	
				1273	0-11-0	
				1278	0-5-0	
				1279	0-10-0	
				1280	010 -0	
				1281	0 -<-(,	
				 [No	O-14016/4/84-	GP]

का. आ. 2603:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन), अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. अ . सं. 4102 त. रीख 1/12/84 द्वारा केन्द्रीय मरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची

में	वि{नर्दिष्ट	— भूमिया	मे	उपयोग	क्षा	अधिक। र	अजित	करने
का	वितिश्चय	किया	?	t				

अब अन उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) ब्रारा प्रदक्त शिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एत्रद्द्वारा घोषित बच्नो है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपनाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एत्रद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण नि. में सभी बाधाओं से मक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस नारीख को निहित होगा।

अन्स्ची हाजिरा-- बरेली-- चगदीशपर पादप लाटन

<u> </u>	तहमील	पॅरग्₁ा	ग्राम का नाम	निया गया रकेवा	विवरण	
<u> </u>			 1	5	6	7
गथ-	मंत्रीया •-	इन्होंना	धान्द्-	417 तम	1-15-0	
स रे ती	1 (L)		पुर	120 0年	0→ 4→ 0	
			_	116 एस	0-15-10	
				4। इ.एस	0- 4-18	
				414 एम	0-10-16	
				113 गुम	0-7-0	
				112 एम	0-6-10	
				१९३ एम	0-1-10	
				213 एम	0-5-0	
				410 एम	0-0-10	
				409 एम	0-4-5	
				409 एम	0-1-0	
				214 णम	0- 7-0	
				407 एम	0-0-2	
				215 एम	0-1-1:	
				216 एम	0-3-15	
				217 णम	0-16-7	
				40३ एम	0 0 2	
				21 : एम	0→ ≻- 5	
				३५ गम	0-17-0	
				3	0 10	
				383	0-14-6	
				3 6	0-2-10	
				3 80	0-3-0	
				3.	0-1-0	
				2 '	0-12-16	
				330	0-1-5	
				240	0 5 ()	
				365 एम	0→15→0	
				263 एन	0- 3-0	
				264 एम	0-2-5	

7	G	5	4	3	2)
	1-0-6	258 пң				
	01-10	256 एम				
	0-4-8	257 एस				
	0-1-10	259 mg				
	0-1-10	277 एम				
	0-3-8	255 एम				
	() () 1	254 एम				
	0-1-10	279 एम				
	0- 1- 0	278 एम				
	(F-0-2	282 एम				
	0-4-2	283 एम				
	8-1-0	284 एम				
	0-3-15	285 मभ				
	0-1-0	287 एम				
	0-3-4	292 गुम				
	0-3-0	293 एम				
	0- 10- 0	291 円甲				
	0-1-10	295				
	0-4-0	300 एम				
	0-3-0	302 एम				
	0-10-5	३०३ एम				

[सं. O--14016/4/84---जी मी]

S.O. 2603.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4102 dated 1-12-84 urder sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that polification for purpose of laving pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under subvection (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this rotification,

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Covernment hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline:

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall justed of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Barielly Jagdishpur Pipe Line Project

Distt	Tehsil	Par- gana	Village	Plot No.	Area Acquired	Re- mark
1	2	3	4	5	6	7
Rai Bariell	Maharaj- y ganj	Enhona	Dandu- pur	420m. 416m. 415m.	1-15-0 0-4-0 0-15-10 0-4-18 0-10-16	

2998	THE GAZETTE OF INDIA . J						
 1	2	, –	4	5	6	7	
				413m,	0-7-0		
				412m.	0-6-10		
				192m.	0-1-10		
				313m.	0-5-0		
				410m-	0-0-10		
				408m.	0-4-5		
				409m.	0-4-0		
				214m.	0-7-0		
				407m.	0-0-2		
				215m.	0-1-12		
				216m.	0-3-15		
				217m.	0-16-7		
				405m.	0-0-2		
				218m.	0-2-5		
				383m.	017-0		
				384	0-1-0		
				382	0-14-6		
				386	0-2-16		
				380	0-1-() 0-1-0		
				381 238	0-12-16		
				239	0-1-5		
				- 19 240	0-5-0		
				265m	0-15-0		
				263m	0.3-0		
				264m	0 -2 5		
				258m.			
				256m.			
				257m.			
				259m			
				277m			
				255m.	. 0-3-8		
				254m	. 0-0-1		
				279m	0-1-10		
				278m	. 0-1-0		
				282m	. 0-0-2		
				283m	. 0-4-2		
				284m	. 0-1-8		
				285m	0-3-15		
				287m			
				292m			
				293m			
				294m			
				295	0~1-10		
				300n			
				302n			
				303 m	1. 0-10-5		
			-				

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्टपर विचार करने के पण्चात् इस अधिमूचना से मंलग्न अनुसूची में विनिद्धिष्ट भूमियों मे उपयोगका अधिकार अजित करने का विनिण्चय किया है ।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधाम (1) द्वारा प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतब्द्वारा धोषित करतो है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एदब्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) ब्रारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार म निहित होने के बजाय भारतीय गैम प्राधिकरण जि मे मभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशक की इस नारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिस⊶-कर्मा--कशदीशप्र पाइप लाइन पोजेक्ट

· <u> </u>	हाजः — _—				-	
<u>সিবা</u>	नह म ेल	परगना	याम का	लियागया	ब्रथरण	
			_नाम -	्रक्षा .⊸ ——-		
t	2	ţ	i	5	()	7
<u> गग-</u>	 महराके-	मेम रौता	- स्रोधान्दा	्र~ दणस	0-0-3	
4	ग ा			377 सम	0-14-8	
				५७५ ⊓म	1-13-16	
				170 एम	0- 1- 4	
				403 एम	0-6-8	
				401 एस	0-7-2	
				405 एम	()- 9-12	
				469 तम	1-15-14	
				181 एम्	1- 5- 1	
				487 एम	0- 3- 1 3	
				१९० एम	0- 7-14	
				501 項框	0-6-10	
				50० एम	0- 7 - 1 2	
				503 TH	0-1-4	
				506 एम	0-10-4	
				5 25 एम	0-0-1	
				5.26 एम	1-7-10	
				रंं रुम्	0-16-18	
				५ }५ णम्	0-0-13	
				(-5) एम्	1-0-17	
				654 गम	()+ }- J	
				673 एम	1- 5-6	
				679 एस	0-8-8	
				१८७ प्रम	0-13-1	
				७८। यम	0− 1 2− 0	
				0 6 3 H±		
				6९३ एम		
				685 TH		
				779 एम		
				781 H	L 0-9-0	

[No. O-14016/4/84-GP]

का. आ. 3604 — यतः पेट्रोलियम और ख्रानिज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनयम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिस्चना का आ. स 4102 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिस्चना में मंलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनो को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

1 2	3	4	5	6	7	1	2	3	4 5	6	7
				0-15-18					404m.	0-7-2	/
			78 1 एम	0 - 6 - 6					405m.	0-9-12	
			५58 गम	2-1-8					469m.	1-15-14	
				0-0-1					481 m.	1-5-4	
			उर्द एम						487m.	0-3-12	
			186 एम	()- 1 4					499m	0-7-14	
			629 एम	() 1 1					501 m.	0-6-10	
			188 एम	(F 1- 13					502m.	0-7-12	
			(53) 市中	()= 3= ()					503m	0-1-4	
			674 TH	0-2-0					506m.	0-19-4	
			780 एम	0-1-10					525m.	0-0-1	
			८४८ एम	() 5					526m. 527m.	1-7-10 0-16-18	
			859 DA	0- 7- 1					528m.	0-0-12	
			860 एम	0-6-3					652m.	1-0-17	
									654m.	0-3-3	
			९७१ एम	()-9-12					675m	1-5-6	
			४७३ एम	0-6-18					679 m	0 - 8 - 8	
			९७३ एम	0-10-16	ñ				680п	0-13-4	
			४७४ एम	0-9-12					681 m.	0-12-0	
			८८३ म्म	0-10-10)				682m.	0-1-16	
			169 P.H	0- 0- 18					683m.	1-3-8	
			957						685m.	0-1-4	
				0-0-6					779m.	02-8	
			530 एम						781 m.	0-9-0	
	_		Iн O	14016/4/84	जी: र्यः <u>।</u>				782m.	0-15-18	
			[, ~						784m 858m.	0-6-6	
S O. 2604	Wherea	s by not	aljeation of	the Gover	nment of				376m.	2 1-8 0-0-1	
India in the									486m	0-1-4	
under sub-sectorials Pipelin									629 ₁₁₁ .	0-1-4	
1962 (50 of									488m.	0-1-13	
tention to acq									653m.	0-3-0	
sahedule appe pipaline;	ended to	that not	inication ic	r purpose	ot laying				674m.	0 2-0	
									780m.	0-1-10	
And where									848_{D1} .	0-0-5	
section (1) of to the Govern		0 01 111	e valu Aci,	Subinition	report				859m.	0-7-4	
	-		C 4 1 65-		L C4 .				860m.	0-6-3	
And furthe considering th									861 m.	0-9-12	
user in the la									862m.	06-18	
notification;	-								863m	0-10-16	
Now, there	fore, in	CACTOISE	of the po	wer confo	erred by				864m.	0-9-12	
sub-section (1) of the	Section	6 of the se	id Act, the	e Central				883m.	0 -10-10	
Government									469m.	0 0-18	
spid lands spe- tion hereby a					у погиса-				 957		
			5, p.101	,					7.) 7.0		

[No. O-14016/4/84-GP

530m. 0-0-6

SCHEDULE
Hajira-Barielly-Jagdishpur Pipe Line Project

encumbrances.

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in

Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Itd. free from

Distt.	Hajira-Ba Tehsil	Par- gana		Plot	Area Acquired	Re- mark
 I	2	3	4	5	h	7
	Maharaj- gang			377m. 378m.	0-13-16 0 1 4	

का. आ. 2605 — यत . पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत मरकार के पेट्रोलियम मंस्रालय की अधिसूचना का. आ स. 4102 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है ।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतव्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा-खरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट ।

जिला	तहर्माल	परगना	ग्राम का नाम	गाटा सं	र्लिया गया रक्षया	विवरण
1	2	3	4	5		7
राय-	भहराज-	इन्हीना	जिया-	2967म	01()	-
बरेली	रांज		पुर	2970म	0-410-10	
				299एम	0- (-10	
				381 एम	0-0-2	
				382एम	090	
				3837 म	0-11-10	
				४८ १एम	0 1 5	
				3 8 5ए म	0~16-0	
				3 8 60 म	0~ 6= 0	
				394एम	0 − 9 − 1 0	
				395एष	0-4-5	
				र96एम	0-8-10	
				197 र्म	0- 6-10	
				398एम	(12-10 €	
				<u> ३१९एम</u>	1)- ,3- ()	
				400एम	0- 0- 2	
				405एम	() 1 13	
				411 nje	0-8-0	
				41 अप्म	0= 1.2=`1.6	
				418एम	0-1-10	
				419एम	() () 4	
				420एम	0- 6- G	
				421एम	()→ ()→ ₹	
				422एम	0-4-10	
				123एम	0- 3- 5	
				424एम	0 - 3 - 17	
				425एम	n− n− 5	
				43 2ए म	0-6-0	
				433ऍम	0-2-11	

1	3	3	4	5	ล์	7
			-	43 4T #	- 0-+010	
				136F,74	0-15-0	
				13.7mH	0018	
				43 9एम	0-9-7	
				438एम	0-10-0	
				443ऍम	0-3-10	
				.1 16ए म 4 17एम	0-0-15 0-11-10	
				410UH	0 4 0	
				३०३मम्	0 0 1	

[म. O-14016/4/84-जो पी.]

S.O. 2605.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 4102 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lards shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India I td free from encombrances.

SCHFDULE
Hajira-Barielly-Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area \cguired	Re- mark
1		3	4	 -	6	7
Rai	Mahara	 ≀j₌Enhona	 Jiyapur	296m.	()-1-0	-
Baricily	gang			297n	0-10-10	
				299m.	0-3-10	
				381 m.	0-0-2	
				382m.	0 9-0	
				383ai.	0 11-10	
				384m.	0-4-5	
				385m.	0-16-0	
				386m.	0-6-0	
				394m	0-9-10	
				395m.	0-4-5	
				396m	0-8-10	
				397m	0-6-10	
				398m	0-12-10	
				399m	0-3-0	
				400m.	0-0-2	
				405m	0 - 1 = 0	

	5	6	-				अ	तसू च ी		
	411m	0-8-0	_		स्राजि	रा-खरेले-	- जगदीशपुर	ग्याह्य स्था	इन प्रोजेक्ट ।	
	412m 418m	0-12-10 0-1-10		जिला	— ਰਤਸੰਾਕ		 ग्राम्	_ गाटा स	——- निया गया	विवर
	419m	0-0-4		130.41	(1) (1)	4.40)	MILL	गान्त ल	ग्यमा गया स्क्री	144
	420m	0-6-6			_					_
	421 m	(1-1)-5		1	2	\$	1	٠	(7
	422m	0-4-10								
	423m 424m	0-3-5 0-3-17		झांसी	माठ	माठ	पुलिया	133	1- 92	
	425m	0-0-5						133	0-06	
	432m	0-6-0						130	0-02	
	433m	0-2-11						123	0 16	
	434m 436m	0-0-10 0-15-0						124	0-02	
	437m	0-0-18						1 '5	0-01	
	439m	0-9-7						1 '6	1-14	
	438m	0-10-0						139	0→ 0 3	
	443m	0-3-10						127	0-01	
	446m 447m	0-0-15 0-11-10						1,8	1- 11	
	410m	0-4-0						149	0-02	
	293ni	0-0-1						203	0 ← 1.2	
	· – <u> </u>							202	0 40	
	[No	O-1401 6/4/	84 G.P.J					201	()- ()	
								200	0-03	
का आ ३६०६—यत पेट्रो								157	[-(+()	
(भूमि मे उपयोग के अधिकार	का अर्जन) अधिनियम	1962					15(/2	0-10	
(1962 का 50) की धारा 3	। की उपध	ारा (1) के	अधीन					159	0-05	
भारत सरकार के पेट्रोलियम ः		, ,						158	0 3 *	
शा स 4101 तारीखा 12-								160	1-25	
ने उस अधिसूचना से सलग्न ः			भूमिया					1 (1 1 6 2	0 02	
			••					163	0~ ± 0~ ₹9	
के उपयोग के अधिकार को प								71/3	0-15	
नि <i>ण</i> अजित करने का अपना व	आशय भी	षत कर दिय	गथा।					59	0 01	
और यत सक्षम प्राधिक	· -	ਜ਼ੜ ਆਇਦੜਿ						57	0-04	
								5.5	0-51	
धारा 6 की उपधारा (1)	क अधान	सरकार का	ारपाट					59	1-40	
देदी है।								49	0-01	
			<u></u>					18	0-0-	
आंर अ।गेयत केन्द्रीय								17	(F 1 4	
विचार करने के पश्चात् इस	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •							1((F-81	
मे विनिर्दिष्ट भूमिया मे उपये	ोगका अ	धिकार अजि	त करने					+ +	0-02	
का विनिश्चय किया है ।								64	0-06	
6.6	•	•						र्ब एक	12-73	
अब अन उक्त अधिनिय								247	0-02	
	ग्योग करते	हुए केन्द्रीय	सरकार					143	016	
(1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्र			अनुसूची					, 19	0-05	
		नाम ललग्न						· 1	n− .7	
(1) द्वारा प्रदत्त मिन्न का प्र एतद्द्वारा धाषित परती है कि इ	स अधिसूच		रपाइप						U- ↓5	
(1) द्वारा प्रदत्त मक्ति का प्र एतद्द्वारा घाषित परती है कि इ मे विनिदिष्ट उस्त भमियों मे	स अधिसूच । उपयोग	का अधिक।						_ 11		
(1) द्वारा प्रदत्त मक्ति का प्र एतद्द्वारा घाषित परते है कि इ मे विनिर्दिष्ट उस्त भमियो मे लाइन बिछाने के प्रयोजन के	स अधिसूच । उपयोग	का अधिक।						27)	0- 19	
(1) द्वारा प्रदत्त मक्ति का प्र एतद्द्वारा घाषित परती है कि इ मे विनिदिष्ट उस्त भमियों मे	स अधिसूच । उपयोग	का अधिक।								
(1) द्वारा प्रदत्त मक्ति का प्र एतद्द्वारा घाषित परते है कि इ से विनिर्दिष्ट उस्त भमियों में लाइन बिछाने के प्रयोजन के जाता है।	स अधिसूच । उपयोग लिए एन	का अधिक। द्वारा अजि	त किया					270	0- 19	
(1) द्वारा प्रदत्त मिक्त का प्र एतद्द्वारा धार्षित परती है कि इ मे विनिद्धिट उस्त भिमयो मे लाइन बिछाने के प्रयोजन के जाता है। और आगे उस धारा की	स अधिसूच । उपयोग लिए एन ने उपधार	का अधिक। द्वारा अजि ा (4) द्वार	त किया रा प्रदत्त					27)	0- 19 (-06	
(1) द्वारा प्रदत्त मिक्त का प्र एतद्द्वारा घाषित परते है कि इ मे विनिर्दिण्ट उक्त भिमयो मे लाइन बिछाने के प्रयोजन के जाता है। और आगे उस धारा क् णिक्तयों का प्रयोग अरते हुए	स अधिसूच । उपयोग लिए एन जिए एन चे उपधार ए केन्द्रीय	का अधिक। द्वारा अजि । (4) द्वार सरकार निव	त किया रा प्रदत्त र्रेण देती					279 233 291	0 t + 0 - 19	
(1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्र एतद्क्षरा धार्षित परती है कि ह से विनिद्धिंट उस्त भिमयों में लाइन बिछाने के प्रयोजन के जाता है। और आगे उस धारा के शक्तियों का प्रयोग अरते हुए है कि उक्त भूमियों में उपयो	स अधिसूच । उपयोग लिए एत पे उपधार ए केन्द्रीय ।ग का आ	का अधिक। द्द्वारा अजि । (4) द्वार सरकार निष्धेकार केन्द्रीय	त किया रा प्रदत्त रेंग देती सरकार					279 253 251 20	0- 19 0- 06 0- 12	
(1) द्वारा प्रदत्त मिन्स का प्र एतद्द्वारा घाषित रिन्ते है कि इ मे विनिर्दिष्ट उस्त भिमयों में लाइन बिछाने के प्रयोजन के जाता है। और आगे उस धारा की मिन्तयों का प्रयोग अरते हुए है कि उक्त भूमियों में उपयो मे निहित हाने के बजाय मा	स अधिसूच । उपयोग लिए एत पे उपधार ए केन्द्रीय ।ग का अधि प्रतीय गैस	का अधिक। द्वारा अजि । (4) द्वार सरकार निव धकार केन्द्रीय 'प्राधिकरण	त किया रा प्रदन र्देण देती सरकार लि मे					279 253 251 270 259 293	0- 39 0- 06 0- 13 0- 33	
(1) द्वारा प्रदत्त णिक्त का प्र एतद्द्वारा घाषित परती है कि द मे विनिद्धिंट उस्त भिमयों में लाइन बिछाने के प्रयोजन के जाता है। और आगे उस धारा के णिक्तयों का प्रयोग अरते हुए है कि उक्त भूमियों में उपयो	स अधिसूच । उपयोग लिए एत पे उपधार ए केन्द्रीय ।ग का अधि प्रतीय गैस	का अधिक। द्वारा अजि । (4) द्वार सरकार निव धकार केन्द्रीय 'प्राधिकरण	त किया रा प्रदन र्देण देती सरकार लि मे					27.7 25.3 201 200 25.9 29.5	0- 19 0- 06 0- 13 0- 63	

HE GAZETTE QF INDIA:	JUNE 🔓 1985/JYAISTHA	18, 1907	[PART II—SEC. 3(ii)]
----------------------	----------------------	----------	----------------------

3002		THE (GAZETT :	E QF J	NDIA : JU	NE 🚅 1	<u> </u>	AISTH	A 18,	1907 - 	[P/	[PART II—S	
1	2	3	4	5	6	7	_1 _	2	3	4	5 – .	6	. 7
				 76	0-02	_					126	0-14	
											129	0-03	
				75	0-86						127 128	0-01 1-34	
			3	71	0-12						149	0-02	
			3	87	0-02						203	0-12	
			3	88	0-06						202	0-49	
			3	93	0-29						201 200	0-05 002	
			3	73	0-64						157	1-00	
			3	7 5	0- 0.2						156/2	0-10	
											159	0-05	
				74	1-27						1.58	0-32	
			3	76	0-02						160 161	1-25 0-02	
			3	77	0-02						162	0-02	
			3	78	(1- ()4						163	0 - 39	
			2	92	0-13						71/5	0-18	
			2	7 4	0 0.1						56 #7	0-01	
			-								57 55	0-04 0-54	
		Ł	गेग .∽		19-59						59	1-40	
											49	0-01	
			Į स .	O-140	1 6/3/8 4-র্জা	र्पा]					48	0-02	
.O. 2	2606.—W	herens	by notific	ation of	the Governn	nent of					47	0-48	
ia in	the Min	ristry of	f Petroleur	n, S.O. 4	102 dated 1	2-11-84					46	0-84	
					leum and M n India) Ac						28 64	0–02 0–06	
of 1	1962), th	e Cent	ral Gover	iment de	clared its in	tention					PF	12-72	
acqui	ire the	right of	f user in	the land	s specified	in the					247	0-02	
edine;		eu to t	mat nomic	ation to	r purpose of	таупц					248	0-16	
		the C	ompetent	Authorit	y has under	Sub-					249	0-06	
tion	(1) of	Section			t, submitted						283	0-37 0-45	
	Governm	-									281 279	0-39	
					ernment has						288	0-06	
					cquire the rile appended						291	0-42	
tificat		•			–						290	0-23	
Now	therefo	re. in e	ex≟icise of	the pov	ver confern	ed by					289	0-68	
-secti	ion (1) (of the S	Section 6	of the sa	id Act, the	Central					293 294	0-02 0-02	
					ght of user ded to this a						296	0 05	
			or laying t			ionne a							
And	further	in ava	roise of n	OWAT CO	nfariad by	ıb.a.					295	0-42	
n (4)	of that	rection	n, the Cen	tral Gove	nferred by s ernment dire	cis that					276	0-02	
righ'	it of use	r in the	e said land	i llada e	nstead of ve-	sting in					275	0-86	
					f the publica ndia Ltd. fre						371	0-12	
	rances.	0	J	52. 1							387	0-02	
											388	0-06	
			SCHED	ULE							393	0-29	
	Hainer	-Bariell	v _{ala} od ishr	ur Pine	Line Project						373	0-64	
	_	, 1011									375	0 02	
tt.	Tehsil	Рат-	Village	Plot	Arca	Re-					374	1-27	
		gana		No.	Acquired	mark					376	0-02	
	2		· · 4		6	7					37 7	0-02	
_						_ , ' -					370	0-04	
	N 1 0 4 l-	NA ~ O-	- Duline	123	1 _02						292	0-13	
ลุทรเ	Moth	Moth	n Puliya	132 133	1 -9 2 0-06						274	0-01	
				130	0-00								
											Total	19-59	
				123	0-46								

124

125

0- 02

0 01

[No. O-14016,3/84-GP]

का.आ 2607.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 का (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मन्नालय की अधिसूचना का, आ, स 304 तारीख 26-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिद्धित्व भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आणय घोषित कर दिया था।

और यस. सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट देवी है।

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्स रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलान अनुसूची में विनिर्दिण्ट भूमियों मे उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अव अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त मिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिमूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस श्रारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्तं शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में शिषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच० सी० गे० गैस पाईप लाइत प्राजेक्ट ----- -- -- -- -- -- --ग्राम रमद्री नहसील चापोद्य जिला सुना राज्य (स. प्र.)

		अन्	सूची				
 अनुप्र	 खमारा न	उपयाग म)	अधिक′र	अ र्ज न	 का	भेद्र	 (ਫ਼ੈਕਟਸੰ
. 1	 <u>7</u>		1			_	
-	-		-				
í	177/1/4			0	178		
2	177/1/3			()	178		
}	193			0	293		
4	2.16/1/2			0	084		
ร์	203			()	554		
15	202			0	136		
7	201			()	073		
አ	206			0	042		
4	154			0	575		
1 Q	ገና፣			0	366		
1.1	166/1/3			0	272		
1.2	109			0	167		
						•	

1	<u>.</u>	
۳.	108	0 010
1 4	101	0,157
1.5	163	0 115
i 6	89/467	0.303
17	5.5	0 167
18	57	0 397
19	58	0.063
20	5 9	0.240
2.1	28	0.240
2 2	32/1	0.010
23	30	0 732
2.4	20/3	0 784
2.5	216/1/3	0 084
26	366	0,125
27	368	0 3 3 1
28	370	0 18#
29	369/1	0.0%1
30	17	0 30 +
3.1	1 5/ 5	0 031
32	88	0.031
33	18	0 031
		
	योग कुल क्षेत्रफल	7 294

[मं॰ Q-14016/538/84-जी. पी]

S.O 2607.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 304 dated 26-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pupeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government,

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this netification,

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Covernment hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication in this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

	IIBJ	GAS PIPE LINE PROJECT
Villa	ge : Raindi,	Tehsil: Chachora Distt.: Guna, (M.P.)
		SCHEDULF
SI. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hect re
1	2	3
1.	177/1/4	0.178
2.	177/1/5	0.178
3.	183	0.293
4.	216/1/2	0.084
5.	203	0.554
6.	202	0.136
7.	201	0.073
8.	206	0.042
9.	154	0.575
10.	155	0.366
11.	166/1/3	0.272
12.	109	0.167
13.	108	0.010
14.	104	0.157
15.	103	0.115
16.	89/467	0.303
17.	55	0.167
18.	57	0.397
19.	58	0.063
20.	59	0.24(
21.	28	0.240
22	32/1	0.010
23.	30	0.732
24.	20/3	0.784
25 .	2 16/1/3	0 084
26.	366	0.125
27.	368	0.334
28.	370	0.188
29.	369/l	0.031
30.	17 15/2	0.303
31.	15/2	0.031
32. 33.	88 18	0.031 0.031
	Total Ari	7.294

[No. O-14016/538/84-G.P.]

का. अं. 3608.—-पतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचना का. अं. स. 300 तारीख 26-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चान् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है ।

अव अत. उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुभूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार पाइपलाईन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रांजेक्ट

		अनुस ूष ी
সন্হ 1	स्त्रमरानं.	उंत्रयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स मे
1	2	3
1.	37	0.073
2	35	0.548
3	34/1	0 281
1	34/2	0,428
5.	24	0.527
h	12	0.021
7	11	0 393
ч	10	0 974
ι	19	0.021
10	4	0.679

[म O-14016/534/84-जी. पी]

S.O 2608.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 300 dated 26-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT Distt. Guna Village Nesh Khurd Tehsil Chachoda

SCHEDULE

SI. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hoctare			
1	2	3			
1.	37	0.073			
2.	35	0.548			
3.	34/1	0.281			
4.	34/2	0.428			
5.	24	0.527			
6.	12	0.021			
7.	11	0.393			
8.	10	0.974			
9.	39	0.021			
10.	8	0.679			
	Total Area	3 .945			

[No. O-14016/534/84-G.P.]

का. आ. 2609:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय को अधिस्वना का . आ. सं. 1524 तारीखें 29-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आग्रय घोषिस कर विया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट वेदी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विकार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुभूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार आजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अठः उक्त अधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतव्द्वारा अजित किया जाता है।

और अागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्क भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा ।

अनुसूची

विजयपुर (म. प्र.) से सवाई माधोपुर (राज.) तक पाइप लाइन बिछाने के लिए राज्य राजस्थान जिला कोटा तहसील पीपल

गोव	खसरानं.	हेक्टर	आर	सेन्टीआर
1	2	2 3		5
उम्मेदपुरा	107	. 0	30	00
	108	0	30	90
	109/134	0	07	80
	109	0	48	00
	110	0	17	70
	164	0	04	20
	169	0	13	20
	170	0	04	20
	171	0	07	20

[सं. O-14016/191/85-जी. पी.]

S.O. 2609.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 1524 dated 29 3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
Pipeline from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.)

State : Rajasthan	District : Kota	Teshi	Teshil: Piplada			
Village	Survey No.	Hectare Are		Con-		
1	2	3	4			
Ummedpura	107	0	30	00		
	108	0	30	90		
	109/134	0	07	80		
	109	0	48	00		
	110	0	17	70		
	164	0	04	20		
	169	0	13	20		
	170	0	04	20		
	171	0	07	20		

[No. O-14016/191/85-G.P.]

का. आ. 2610:—याः पेट्रोलियम और खितज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिगूचना का॰ आ. सं. 3461 तारीख/16-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना से संलग्न अनुमूची में विनिर्दिष्ट धूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को विछाने के लिए अजित करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा गोषित है कि इस अधिसूचना में गंलग्न अनुसूची में विनिदिण्ट उक्त भूभियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) हारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकारण लि. में सभी बाधाओं से मक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

शन्पूचा हाजिरा−बरेली(-शगरीशपुर पाईप आईन प्रोजेतट

जिला	तहमील	पर्नना	ग्राभ	गाटा गं.	निया भया रक्तवा एकड़ में	विधरण
1	2	3	4	5	6	7
—— जासीन	जामीन	সালীন	रमृत्वपु र	1	0-03	
				19	0-27	
				20	0-10	
				21	0-03	
				160	0-03	
				164	0-16	
				165	0-93	
				166	0-03	
				167	0-03	
				173	0-18	
				174	0→10	
				175	0 - 1 0	
				176	0-49	

1	X	3	4	5	6	7
			1	51	1-15	
			1	52	1-02	
			1	47	0-03	
			1	43	0-57	
			2	29	0-03	
			2	30	0-03	
			2	42	0-31	
			2	43	0-33	
			2	44	0-03	
			2	249	0-69	
			2	850	0-03	
			2	259	0 → 6 4	
			1	260	0-57	
			:	261	0-03	
			:	264	0-83	
				289	0-03	
				290	0-05	

[सं. O-14016/31/84-जी. पी.]

S.O. 2610.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 3461 dated ¹⁶-10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipclines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands—specified in the school appended to that notification for purpose of laying pipcline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Covernment hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encurshrances.

SCHEDULE
Gas pine line from Hajira: Barcily: Jagdish pur Project.

Distt.	Tohsil	Pargana	Villago	Plot No.	Area in acres	R _e - marks
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun,	Jalaun,	Jalaun	Rasul-	1	003	
			pur	19	0-27	
				20	0-10	
				21	003	
				160	0-03	
				164	0-16	
				165	0-93	
				166	0-03	
				167	0-03	
				173	0-18	
				174	0-10	

	्रिया	·1-				7	6	5	4	3	2	1
तिद्व प्रकित्य	ाइन ।	नपुर पार-	गे−घ खोष	िरी—ारेव	ધૃ		0-10	175				
रबद्या एकड ्यिव	काटा स.	 ग्राप	परगना	√हिंगा Т	(ann		0-49 1-15 0-02	151				
- ザ 5 も 	<u>-</u> 5	i .	J	2	1		0-03 0-57	147 1 4 6				
	1 J 9 1 4 v	र्गुटना ाल	ध्यनान	जीतान	च्हान		0-03	229 230 242				
2 0-41	1 4 2						0-33	243 244				
3 0-22	143 174						0-62	249 250				
	175 175						0-61	250 260				
	176 132							_61 264				
O-14016/131/84-जी.	O-14	 जि						289 290				

[No. O-14016/31/84-G.P.]

का. अर्. 2611:—यनः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3790 तारींख 27-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुपूची में विनिर्दिण्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को जिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित वार दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उनत अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी हैं।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 कीं उपधार।
(1) द्वारा प्रदत्त भिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार
एतद्द्वारा घोषित हैं कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची
में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया
जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) हारा शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. मे सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

15. 2.11—Whereas by notification of the Government of India in the Minsary of Fe roleum, S.O. 3790 dated 27-10.84 under sub-section (1) or Section 3 of the Petroleum and Minerals Lip Lacs Acot's notification to User in Land) Act 1962 (30 or 1962), the Central Covernment declared its intention to acquire the right of that in the Lands, specified in the shedule appended to that installment for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the sed Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Covernment hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notineation hereby acquired for laving the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the eard lands shall instead of vesting in Central Government version this date of the publication of this decleration in the Grs Authorhy of India Ltd. five from encur brances.

SCHEDULE

Gas pipe line from, Hajna - Bareilly: Jagdishpur							
Distt.	Tchsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Ro- marks	
1	2	3	4	5	6	7	
Jalaun,	Jalaun	Jalaun	Khera Musta-		, <u> </u>		
			kil	139	0-23		
				140	0-30		
				142	0-41		
				143	0-45		
				172	0-22		
				173	0-22		
				_75	0-67		
				175	U-01		
				132	0-05		

[No. O-14016/181/84-G.P.]

का . आ , 2612:---यतः पेट्रोलियम और खनिजं पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ, सं. 3438 तारीख 16-10/84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिष्चय किया है।

अब अतः उन्त अधिनियम की धारा 6 की उप धीरा (1) द्वारा प्रवत्त मिलत का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदब्रारा करती घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अन्सूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमयों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजीय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइन लाइन प्रीजेक्ट

ज़िला	सहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं .	लिया गया रकवा एकड़ में	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
जालौन	जालीन	जालीन	विलीवा	19	0-03	
				30	0-42	
				31	0-42	
				32	0-20	
				33	0-03	
				34	0-11	
				35	0-08	
				39	0-02	
				43	0-60	
				44	0-70	
				45	0-01	
				49	0-02	
				51	0-38	
				53	0-02	

1	2	3	4	5	6	7
		•		54	0→78	
				55	0-80	
				56	0-45	
				172	0-02	
				173	0-21	
				174	1-03	
				176	0-03	
				168	0-03	
				164	0-02	
				165	0-15	

[स. O-14016/34/84-जी. पी.]

S.O. 2612.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 3438 dated 16-10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE Gas Pipeline from Hajira-Bareilly-Jagdishpur Project.

Distt.	Tehsil	-	Villago	Plot No.	Area in acres	Re- marks
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Ghilava	19	0-03	
				30	0-42	
				31	0-42	
				32	0-20	
				33	0-03	
				34	0-11	
				35	0-08	
				39	002	
				43	0-60	
				44	0-70	
				45	001	
				49	0-02	
				51	0-36	
				53	0-02	
				54	0-78	
				55	0-80	
				56	0-45	
				172	0-02	
				173	0-21	
				174	1-03	
				176	0-03	
				168	0-03	
				164 165	0-02 0-15	
				INo.	D-14016/34	/84-G-P

[No. O-14016/34/84-G.P.]

का.आ. 2613. — यतः पेट्रोलियम और खानिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिस्त्राना का. आ. सं. 4516 तारीख 3-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिस्त्राना से संलग्न अनुसूची में विमिधिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार कारने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट मूमियों में उपयोग का अधिकार अधित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा
(1) द्वारा प्रदल्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार
एतद्दारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची
में विनिधिष्ट उक्त मूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप
लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्रारा अजित किया
जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

धनसूची हाजिरा-वरेली,⇒जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजन्ट

जिला	तहसील	परगमा	प्राम	गाटासं.	लिया गया रक्तवा एकड़ में	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
जालीन	जा लौन	वालीम	बमावली	1	0-54	
			विद्यारा	3	0-72	
				4/3	0-16	
				22/1	3-60	
				5	1-02	

[सं. O-14016/410/84-जी. पी.]

S.O. 2613.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 4516 dated 3-12-84 under sub-section (1) of Section 3 or the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Gas Pipeline from Hajira-Bareilly-Jagdishpur Project.

Distt.	Tehsil	Par- gana	Village	Plot No.	Area in acres.	Re- marks
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Bagha- wali Diwara	4/3 a 22/1	0-54 3 0-16 3-60 102	

[No. O-14016/410/84-G.P.1

का. आ. 2614. — यत पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3703/17/11/84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धित भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय धोषित कर दिया था।

और यक्षः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट वेशी है।

और आगे यतः केन्द्रीय संरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संसग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिष्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की घारा 6 की उपधारा
(1) द्वारा प्रदत्त मिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार
एतव्द्वारा घोषित करती है कि इसे अधिसूचना में संलग्न
अनुसूची में विनिर्देष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार
पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित
किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संरकार निर्देश देती

-		••			क्यार केन्द्रीय जैन्द्रास		1	_ 2	3	4	5	6	7
					गैस प्राधिका						1921	0-2-0	
					पणा के प्रक	ाशात्र को					2113	0-15-0	
इस त	रि रोप्तु ब	हो निहि	र्त होग	Гι							2114	0-7-0	
											2115	0-5-10	
			धनुः	रूपी							2117	0-1-0	
₩ T/	रिकास अस्त्रेह	कि स्वतानीय		ग लाइन	प्रोजेक्ट						2118	0-14-10	
											2119	0-9-10	
जना	नहसील	परगसा	ग्राम	गाटा स.	लिया गया	विवरण					2120	0-2-0	
			कानाम		रकवा						2126	0-0-5	
											2127	0-3-0	
1	2	3	4	5	6	7					2162	0-13-0	
	 ी महराज-			Tr. F. F	0.4.0						2165	0-0-10	
14वरल		इ न्स्।या	अन स् र		0-4-0						2406	0-3-0	
	गंज			1516	0-10-0						2408	0-2-9	
				1570	0-2-0						2442	0-2-10	
				1573	0-7-0						2443	0-7-0	
				1574	I~ 5- 0						2444	0-4-0	
				1578	0-1-0						2445	0-4-0	
				1579	0-13-0						2446	0-15-0	
				1595	0-5-0						2447	0-1-0	
				1647	0-0-2						2453	0-2-0	
				1596	0-18-0						2454	0-5-8	
				1646	0-4-0						2455	0-4-10	
				1648	0-10-0						2459	0- 5- 0	
				1649	0010						2460	0-3-0	
				1665	0-13-15						2461	0-1-10	
				1667	0-7-0						2471	0-10-0	
				1669	0-3-0						2472	0-5-0	
				1670	0-8-0						2473	0-0-10*	
				1671	0-0-10						2474	0-0-10	
				1674	0-5-0						2475	0-2-10	
				1675	0-0-10						2476	0-9-10	
				1683	0-9-10						2477	0-19-00	
				1804	0-11-0						2497	0-3-10	
				1805	0-0-2						2533	0-5-10	
				1809	0-16-0						2534	0-5-0	
				1810	0-1-10						2539	0-15-0	
				1811	0-3-10						2541	0-3-10	
				1861	0-3-0						2545	0-18-0	
				1862	0-0-5						2546	0-10-0	
				1863	0- I-15						2586	0-16-0	
				1864	0-12-10						2587	0-10-0	
				1865	0-2-0						2588	0-2-2 0-4-10	
				1866	0 ~ 5~ 1 0							0-4-10 0-1-0	
				1867	0-3-10						2479		
				1874	o − 5− 0						2480	0-6-0	
				1875	0-1-5						1512	0-1-0	
				1876	0-3-10						1513	0-5-0	
				1880	0-9-10						1514	0-5-0	
				1881	0-6-10						2407	0-1-0	
				1882	0-2-0		~- 					· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
				1883	0-0-5						[सं ओ-140) 1 6/ 1 6 0/ 8 4 -जी	पी
				1917	0-11-0								·
				1918	0-2-10		s o	2614	Wher	eas by	notification of	the Governm	ent e
				1919	0-3-0		India	in the	Ministr	of Pe	troleum, SO.	3703 dated 17	-11-8
				1920	0-5-0		under	sub-sec	tion (1) of Sec	tion 3 of the	Petroleum and r in Land) Act	Mino
					ψ D U						Government of		

													
					s specified purpose o		1	2	3	4	5	6	7
	(1) of S	ection 6			/ has unde submitted						1917 1918 1919	0-11-0 0-2-10 0-3-0	
And f	urther v	whereas	the Centr	al Gov	ernment h	as after					1920	0-5-0	
					equire the						1921	0-2-0	
user in t	the lands				e appended						2113	0 –15–0	
notificati	on;											0-7-0	
Now.	therefore	e, in exc	reise of t	he pov	ver confe	red by					-	0-5-10	
					id Act, the							0-1-0	
					ght of use ded to this							0-14-10	
			laying the			mount a-						0-9-10	
						,						0 2-0	
					nferred by rnment dir							0-0-5	
					nstead of v							0-3-0	
Central (Governm	ient vests	s on this	date of	the publi	cation in						0-13-0 0-0-10	
		in the Ga	is Authori	ty of I	ndia Ltd. f	ree from						0-3-10	
encumbr	ances.											0-3-0	
		S	CHEDUL	.E							2442	0-2-10	
rto::-	. Dan				Madaa.						2443		
наји	rat : Bar	cilly Juga	ishpur Pip	eime i	Toject							0-7-0	
											2445	0-4-0	
Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot	Area	Rc-					2446	0-15-0	
				No.	Acquired	marks					2447	°0-1-0	
1	2	3	4	5	6	7					2453	0-7-0	
		-	•								2454	0-5-8	
Rai-	Maha-	Enhona	Bon-								2455	0-4-10	
Barlelly	rajganj		baharya	1515	0-4-0							0~5-0	
				1516	0-10-0							0-3-0	
				1570	0-2-0							0-1-10	
					θ–7–0							0-10-0	
					1-5-0						2472		
				1578								0-0-10	
					0-13-0							0-0-10	
					0-5-0							0-2-10 0 9-10	
					0-0-2							0-19-00	
					0-18-0 0-4-0							0~3-10	
					0-10-0							0-5-10	
					0-0-10							0-5-0	
					0-13-15							0-15-0	
					0-7-0							0-3-10	
					0-3-0						2545	0 - 18 - 0	
				1670	0-8-0						2546	0-10-0	
				1671	0-0-10							0-16-0	
					0-5-0							0-2-2	
					0-0-10							0-4-10	
					0-9-10							0-1-0	
					0-11-0							0-6-0	
					002							0~1~0	
					0-16-0							0-5-0	
					0-1-10							0-5-0	
					0-3-10						-40/	0-1-0	
					0-3-0					ſNe	o. O—	 401 <i>6</i> /1 <i>6</i> 0/	84_G P I
					0-0-5					Live	. •	. ,0,0,007	v — O.t.j
					0-1-15			वहाँ अ	T. 2615	तः पेटोलिय	प्रमा और	स्वरिकार व	। इपलायन
					0-12-10		1.						
					0-2-0 0-5-10		(भू		उपयोग के				
							19	62	(1962 का	50) की ਖ	भारा ३	की उपह	गरा (1)
					0-3-10 0-5-0				रित सरकार				, ,
					0-3-0 0-1-5								-,
					0-1-3				सं. 4077/त				
					0-9-10		ने	उस अ	धिसूचना से	संलग्न अ	नुमुची ग	ां विनिद्धि	ट भृमियों
					0-6-10		क्रे	दुपयोग	के अधिकार	को प्राप	ं. इक्टल	लीं करों	विद्यका≑े के
					0-2-0				ग आजना इक्टरने सरा				
					-		רו'אהין	311.5	ਕ ਰਨ∤ਜ਼ ਲਵਾਂ	ARTAI STIT	ाग स्टि	ान कर	1 TT 1 1 1 TT .

लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरगार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों मे उपयोग का अधिकार अजिन करने ा विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारः 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोगन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदल्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निष्टित होने के वजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

धनुसूची हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तपेसीॣ्स	पहगना	ग्राम का नॉम	लिया गया रकवा	विवरण	
1	2	3	4	5	6	7
राय- बरेली	सहराज- गंत्र	बछरावां	प हुं माशा	166	0-0-10	
				167	0-7-15	
				168	0-7-15	
				241	0-7-15	
				143	0-11-0	
				246	0-8-5	
				247	0-7-15	
				248	1-9-10	
				249	0-11-10	
				250	0-10-15	
				251	0-9-0	
				268	0-4-15	
				275	0-13-10	
				277	0-4-10	
				278	0-4-5	
				286	0-1-0	
				288	0-8-10	
				289	0-5-0	
				290	0-8-15	
				331	0-9-10	
				334	0-1-5	
				315	0-0-10	
				336	0-8-15	
				443	0-1-15	
				- 4 -		

347

0 - 8 - 0

l	2	3	4	5	6 7	
				348	0-8-10	
				350	0-0-5	
				357	0-1-0	
				358	0-2-0	
				359	035	
				360	0-4-15	
				361	0-7-5	
				362	0-4-5	
				374	0-3-0	
				375	0-2-15	
				376	0-7-10	
				388	0-0-5	
				394	0-4-10	
				396	0-10-0	
				397	0-1-0	
				398	0-7-5	
				399	0-15-15	
				400	0-5-0	
				416	0-1-10	
				418	0-9-10	
				458	0-8-0	
				459	0-2-5	
				460	0-0-5	
				461	0-2-5	
				462	0-18-10	
				463	0-13-10	
				464	0-1-10	
				465	0-1-5	
				470	0-1-5	
				471	0-1-10	
				472	0-0-15	
				489	0-12-0	
				496	05-10	
				497	0-8-10	
				501	0-2-5	
					0-14-0	
				585 586	0-2-0	
				342	0-2-0	
				169	0-0-10	
				389	0-1-0	
				582	0-0-15	
					0-1-12	
				291		
				584	0-2-0	
				242	0-0-15	
				244	0-4-0	
				269	014-0	
				287	0-4-5	
				485	0-1-15	_
				[Ħ. O	-14016/316/84-	त्रीर्प

S.O. 2615.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4077 dated 1-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declered its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification beauty according for leaving the similar to the said lands. fication hereby acquired for laying the nipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of publication of this declaration in the Gas Authority of India I mited free from encumbrances

SCHEDULE

Hajira: Barielly -Jagdishpur Pipe line Project

Distt	Tehsil	Par- ga _{il} a	Village No.	Plot No.	Area Acquired	Re- marks
1	2	3	4	5	6	7
Rai-	Maha-	Bachhr	a- Panna-			
Barielly	rajganj	wana	sha,	166	0-0-10	
				167	0-7-15	
				168	0-7-15	
				241	0-7-15	
				143	0-11-0	
				246	0-8-5	
				247	0-7-15	
				248	1-9-10	
				249	0-11-10	
				250	0-10-15	
				2 51	090	
				268	0-4-15	
				2 75	0-13-10	
				277	0-4-10	
				278	0-4-5	
				286	0-1-0	
				288	0-8-10	
				289	0-5-0	
				290	0-8-15	
				331	0-9-10	
				334	0-1-5	
				335	0-0-10	
				336	0-8-15	
				343	0-1-15	

347 0-8-0 348 0-8-10

350 0-0-5 357

358 0-2-0

359 0-3-5

360 0-4-15 361 0-7-5

362 0-4-5 374 0-3-0

375 0-2-15

376 0-7-10 388 0-0-5

394 0-4-10

396 0-10-0

397 0-1-0 398 0-7-5

0-1-0

1	2	3	4	•	6	7
				399	0-15-15	
				400	05-0	
				416	0-1-10	
				418	0-9-10	
				458	0-8-0	
				459	0-2-5	
				400	0 0-5	
				46]	0-2 5	
				462	0-18-10	
				463	0-13-10	
				464	0-1-10	
				465	0-1-5	
				470	0-1-5	
				471	0-1 -10	
				472	0-0-15	
				489	0-12-0	
				496	0-5-10	
				497	0-8-10	
				501	0-2-5	
				585	0-14-0	
				586	0-2-10	
				34 2	00-15	
				169	0-0-10	
				389	0-1-0	
				58 2	0-0-15	
				291	0-1-12	
				584	0-2-0	
				242	0-0-15	
				244	0-4-()	
				269	0 –14–0	
				287	0-4-5	
				485	0-1-5	
	-		[12]	To. O—	14016/376/84	-G P]

कः आ सं. 2616.-यतः पेट्रोलियम् और खनिज पाइपलाइन (भमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनो को बिछाने के लिए ऑजित करने का अपना आशय घोषित कर दियाथा।

और यस संअम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपौर्ट देवी है।

और अले यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के परचात् इस अधिसूचना स संलग्न अनुसूची में विनिद्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अनित करने का विनिध्चय किया है।

अब अत. उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त पाटि का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार पत्तात्वारा घोषित करती है कि इस अधिस्चना में संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट उक्त भूभियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोगन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदल शिक्तमों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देण देता है कि उकत भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण ति. में सभी बाधाओं में भुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस तरीज को निहित होगा।

ग्रनुस्ची हाजिरा–बरेली–जन्दीण-पुर पाइप नाक्ष्त प्रोजेक्ट

जिभा	नहमील	परगना	ग्राम कानाम	िंगया	गया रक्षया	विवर
— कानपुर	धक्तज्ञर-	 भ्रक्षबर-	 महाय -	369	(1-4-1)	
देहात	प्र	पुर	हरपाली	370	0-7-11	
		-		368	0-8-0	
				374	1-0-0	
				373	1-6-0	
				383	0~2~12	
				473	1-7-0	
				474	0-0-6	
				477	0-13-0	
				470	0-15-0	
				478	0 → 0 → 1 3	
				479	0-0-6	
				464	0-16-18	
				462	1-6-0	
				481	0-0-6	
				487	0-0-13	
				509	1-0-16	
				507	0-10-0	
				506	0-2-0	
				603	1-5-0	
				602	0-11-0	
				599	0~0~6	
				598	0-0-13	
				593	1-1-0	
				592	0-0-6	
				590	0-2-0	
				588	0-0-10	
				591	0-0-10	
				584	1-18-0	
				587	0-11-0	
				583	0-3-0	
				510	1-5-0	
				472	0-2-0	

मिं. ओ-14016/193/84~जी.पी.]

S.O. 2616.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3802 dated 17-11-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Net, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report. Jecided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government, yest on this date of publication of this declaration in the Gas Authority of India I mited free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipe Une Project

Distt.	Tohsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur	Akbar-	Akbar-	Sarai-	369	0-4-0	
Dehat	pur	rur	Harpali	370	0 - 7 - 0	
				368	0-8-0	
				374	100	
				373	1-6-0	
				383	0-2-12	
				473	1-7-0	
				474	0-0-6	
				477	0130	
				470	0-15-0	
				478	0-0-13	
				479	0-0-6	
				464	0-16-18	
				462	160	
				481	0-0-6	
				487	0-0-13	
				509	1-0-16	
				507	0-10-0	
				506	0-2-0	
				603	1-5-0	
				602	0-11-0	
				599	0-0-6	
				598	0-0-13	
				593	1-1-0	
				592	0-0-6	
				590	0 2-0	
				588	00-10	
				591	0-0-10	
				589	1-18-0	
				587	0-11-0	
				583	0-7-0	
				510	1-5-0	
				472	0-2-0	

[No. O-14016/193/84-G.P.]

का . 3ा . 2617.-- यत. पैट्रालियम और खिनज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम. 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का .आ.सं. 4523 तारीख 22-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस

अधिसूचन। सं मलग्न अनुसूचा में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अफित करने का अपना आगय घोषित कर दिया था।

और यत. सक्षम प्राधिकारों ने उक्त अधिनियम की धारा 6 को उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दें। हैं।

और अ.गे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चान् इस अधिसूत्रमः से संजरन अनुसूची में विनिद्दिष्ट भूमियों में उपयोगका अधिकार अधिक करने का विनिध्चय किया है।

अव, अतः उक्त आधानयम की धारा 6 की उपवास (1) द्वारा प्रदत्त मक्ति के प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोलित करता है कि इस अधिसूचमा से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोगन के लिए एतद्द्वारा अजिन किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्प्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण नि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

श्रनुसूची हाजिरा-बरली-जगवीशपुर पाइप लाइन प्रोजनट

- সিশা	नहसी ल	परगन	ा ग्राम	गोटा सम्ब्रा	लियागया विवरण रक्षेत्रा
1	2	3_	4	5	6 7
क∥नपुर	डेरा-	डेग-	बदा गांव	4	0-1-10
देहान	पुर	\vec{d}_{Δ}	भियर्खाः	18	0-2-0
				19	2-13-5
				24	2~ 1 2~ 3
				40	0-15-8
				41	0-0-15
				36	0-1-10
				38	0-1-1
				50	0-11-5
				5 I	0-17-10
				52	0-1-2
				54	0-10-0
				56	0-10-13
				57	0-0-15
				58	0-14-1
				60	0-14-10
				61	0-14-1
				369	0 → 3 → 6

						_=======	_
_	1 - — -	2	3	4	5	6 7	
					374	0-14-13	
					376	0-0-12	
					377	0-1-8	
					378	0-2-0	
					379	0-0-1	
-	-						
				r	1 0		-

[सं. O-14016/418/84-जी.पी.]

S.O. 2017.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4523 dated 22-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minetals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Covernment;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the light of user in the said lands, shall instead of vesting in Central Government, vest on this date of publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajıra-Bareilly-Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Toshil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remark
Каприг	Dorapur	Derapur	Bara-	4	0-1-10	
Dehat			gawn	18	0-2-0	
			Bhikhi	19	2-13-5	
				24	2-12-3	
				40	0-15-8	
				41	0-0-15	
				36	0-1-10	
				38	0-1-1	
				50	0-11-5	
				51	0-17-10	
				52	0-1-2	
				54	0-10-0	
				56	0-10-13	
				57	0-0-15	
				58	0-14-1	
				60	0-14-10	
				61	0141	
				369	0-3-6	
				374	0-14-13	
				376	0-0-12	
				377	0-1-8	
				378	0-2-0	
				379	0-0-1	

[No. O-14016/418/84-G.P.]

की.आ. 2618: — यतः पैट्रोलियम और खिनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. स. 4071, तारीख 12-11-1984 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से मलग्न अनुसूची में वितिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अजिन करने का अपना आगय घोषिन कर दिया था।

और यतः, सक्षम प्राधिकारो ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट देवी है।

और आगे यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से मंलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियों मे उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अव, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) ब्रारा प्रदत्त णिक्त का प्रयोग इस्ते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिमूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतब्द्वारा अजित किया जाता है।

और अगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग कारते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती. है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस तार्र ख को निहित होगा।

धनुसूची

জিলা	तहसील	परगना	ग्राम	गा टा सं	लियागया विवरण रकवा (एकड़ में)
जासीन	कोच	कोच	तीतरा	1	0-02
			परसराम	2	0-02
				13	1-47
				14	0-77
				15	0-51
				53	0-02
				58	0-05
				59	0-43
				60	1-05
				71	2-16
				72	1-18
				66	0-02
				54	0-05

[सं. O-14016/310/84-जी पी.]

S.O. 2618.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4071 dated 12-11-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands, shall, instead of vesting in Central Government, vest on this date of publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SCHEDULE *
Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Tchsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired (Acre)	Romark
Jalaun	Konch	Konch	Titra	i	0-02	
			Persh-	2	0-02	
			ram	13	1-47	
				14	0-77	
				15	0-51	
				53	002	
				58	0-05	
				59	0-43	
				60	1-05	
				71	2-16	
				72	1-18	
				66	002	
				54	0~05	
				Pa.T.	0.15015/010	10.4 Cm

[No. O-14016/310/84-GP]

का.आ. 2619. यतः पेट्टोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्टोलियम मंद्रालय की अधिसूचना का. आ. मं. 4096 तारीख र 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों की बिछाने के लिए अजित करने का अपना आणय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारण (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट देदी है। और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से मंत्रग्न अनुसूची में विनिद्धिष्ट भूभियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः, उक्त अधिनियम के धार। 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तिका प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एनव्द्वार। घंगषित करती है कि इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोगन के लिए एनद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय संग्कार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बनाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की दस तारीख को निहित होगा।

ग्रनुसूची हाजिरा--बरेती--जगदीग्रापुर पाइप लाइन प्रोजेश्ट

जिला	त हसील	परगना	ग्राम कानाम	प्लाट गं	लियागयारकवा	विश्वरण
1	2	3	4	5	6	7
~ — कानपुर	 श्रक्षबर-	श्रक्षर-	भिखना- सर	362	1-2-0	
देहात	पुर	पुर	पुर	368	040	
				369	2-8-0	
				370	0-8-0	
				371	0-7-2	
				372	0-4-0	
				373	0-11-18	
				427	0-2-14	
				424	0- 1- 5	
				423	0-18-0	
				425	1-15-0	
				429	0-3-0	
				419	0-15-0	
				420	0-7-0	
				458	0-8-0	
				457	0-2-16	
				464	0-0-1	
				463	1-1 7- 0	
				462	0-10-10	
				507	1-0-0	
				466	0-2-8	
				487	2- 4- 0	
				490	0-6-0	
				484	0-6-0	
				486	0-2-8	
				489	2-0-14	
				767	6-2-15	
				765	1-17-0	

1	3	3	4	5	6	7			
				763	0-2-8				
				764	0-15-0				
				753	0-2-0				
				757	1-5-0				
				755	0-17-0				
				730	0-10-10				
				728	0-0;10				
				726	0-17-0				
				725	1-18-0				
				361	0-5-0				
				432	0-0-10				
				459	0-11-0				
				456	0-0-2				
				488	0~ 8 0				
				460	0-0-13				
				461	0-0-13				

[स. O-14016/346/84~जी.पी.]

S.O. 2619,—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4096 dated 1-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power contoired by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall, instead of vesting in Central Government, vest on this date of publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tohsil	Pargana	i Village	Plot No.	Area Acquired	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur	Akbar-	Akbar-	Bhikh-	362	1-2-0	·
Dehat	pur	pur	napur	368	0-4-0	
				369	2-8-0	
				370	0-8-0	
				371	0-7-2	
				372	0-4-0	
				373	0-11-18	
				427	0 - 2 - 14	
				424	0-1-5	
				423	0-18-0	

किया जाता है।

1 2 3 4 5 6						रा (4) द्वारा	प्रदत्त
425 1-15-0	णा क्तयो	ोक¦ प्रक	योग स ्	रतं हुए	केन्द्रोध	सरकार निर्देश	देती
429 ()-3-0						। शक्तार केन्द्रीया	
419 0-15-0	_	•	`			सि प्राधिकरणा	
420 0-7-0							
458 0-8-0					म घाषण	कि प्रकाणन	જાતા કન
457 0-2-16 464 0-0-1	नारोख	ाको नि	हत होग	TI			
463 1-17-0							
462 0-10-10					- with		
507 1-0-0				અનુ	मूर्ची		
466 0-2- 8		झार्	நூரு	री ~जगदीण	सार्याङ्ग व	नाइन प्रोजेनट	
487 2-4-0							
490 0-6-0	जिला जिला	नहम िल	गरगना	ग्राम	गाटा मं.	लिया गया रथशा	त्रिवरण
484 0-6-0				का नाम			
486 0-2-8 489 2-0-14							_
767 0–2– 15	1	3	3	4	5	6	7
765 1–17–0							
763 0-2-8	कानपुर	फ्र'क ब र'-	ग्रकवर-	बिसवः-	34	0-1-0	
764 0-15 -0	देहाभ	पूर	$\bar{\mathbf{d}}_{\Delta}$	हार	40	1-12-0	
753 0-2-0	** * *	5	ت		42	1-12-0	
757 I-5-0 755 0.17.0					4 4	1-17-15	
755 0-17-0 730 0-10-10					45	()—.1 5	
728 0-0-10					47	8 ساير سرا	
726 0-17-0					48	0-11-7	
725 1-18-0					59	0-4-0	
361 0–5–0						040 075	
432 0-0-10					60		
459 0-11-0					61	0 - 5 - 10	
456					fo 🔏	0-17-0	
460 0-0-13					6.5	() () [
461 0-0-13					in to	0-0-5	
 -					65	0-2-10	
[No. O-14016/346/84—G.P.]					71	0—10—5	
का .अः. ३६३०ः—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन					72	0-01-0	
भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम,					73	1-1-10	
भूमि में उपयोग के आवकार की अगर्ग) आवार्यायम,					7 1	0-19-6	
1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1)					75	11-0	
s अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधि-					78	0-8-17	
चना कः, आ. स. नारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार					79	()— ()— <u>4</u>	
उस अधिसूचना से संनग्त अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियो					8.1	n-2-4	
: उपयोग के अधिकार की पाइपलाइनों को विछाने के					90	200	
त्र उपयाम् कञाधकारं का भाइपणाइना का विध्यानं क					917	1-3-11	
लए ऑर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।					98	0-0-8	
और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा					99	() () 4	
					100	0-14-0	
3 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट					109	0-1-4	
(दी है।					133	1-13-0	
और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार					260	0-7-0	
					262	1-2-0	
हरने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूचे में					263	(1-9-0	
विभिद्भिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का					264	1-13-0	
ेबिनाम्भयं किया है।					96	0-10-0	
					59 59	()—10−0	
अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा							
 ब्रारा प्रदत्त शक्ति का प्रयं गकरते हुए केन्द्रीय सरकार 					92	() 9 () () 4 ()	
तद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न					93	0-4-0	
प्रभागा भागा करता है के स्थान साम प्राप्त का अधिकार					9.5	0-1-10	
त्मूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार			—				
ग्रहपलाइम बिछ ने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित				r.	Δ		مالس ينتو
किया चाता है।				1.47	U-140	16/351/84-3	41.4Ľ

SO 2629—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum SO. 4127 dated I-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of over in the lands specified in the sebedule appended to this notification:

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline,

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government dire is that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of publication of this declaration in the Gas Authority of India I mited free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajita-Bareilly-Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana		Plot No.	Aroa acquired	Remark
1		3	4	5	6	7
Kanpur	Akhar-	Akbar-	Vilva-	38	0-4-0	
Dohat	pur	pui	hai	40	1-12-0	
				42	1-12-0	
				44	1-17-15	
				45	0-4-5	
				47	0-2-8	
				48	0-11-7	
				59	0-4-0	
				60	0-7-5	
				61	0-5-10	
				62	0-17-0	
				63	0-0 1	
				66	0-0-5	
				65	0-2-10	
				71	0-10-5	
				72	0-10-0	
				73	1-1-10	
				74	0-19-6	
				75	0~1-1	
				78	0817	
				7 9	0-0-4	
				81	0-2-4	
				90	2-0-0	
				97	1-3-11	
				98	008	
				99	0-0-4	
				100	0-14-0	
				109	0 1-4	
				133	1-13-0	
				260	0~7~0	

का का २६८१ — गत पेट्रोलियम और खितिल पाइपलाइन (भूमि से उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मतालय की अधिमूचना का, औ. स. 4068 वार्र ख 12/11/84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमिमों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिष्ट्राने के लिए अजित करने का अपना आणय घोषित कर दिया था।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारी 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे वी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्कारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धित उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विकान के प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देशी है कि उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

स्रतसूर्षा हाजिरा–बेरेली–अगदीमपुर पाष्टप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	नहसील -	पश्गना	ग्राम	- गाटा स	लिया गया रक्त्रा एकड	विवरण
1	2	3		 ī	8	7
 जातीन	 कोच	- कोच	— - टापोर	6 1	0-02	_
				h 4	() ¸ (⁽)	
				€, 5	0-52	
				67	008	
				65	0-02	
				7 [1-()5	
				7 1	0-01	
				711	1-02	
				157	0-02	
				153	1→ 47	
				154	0-50	
				162	0-01	
				167	1 - 20	
				168	0-02	
		_		66	0-13	

1-2-0

0-9-0

1-13-0

0 - 10 - 0

0-1-10

0-9-0

0-4-0 0-1-10

262

263

264

96

89

92

93

S.O. 2621.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum. S.O. 4068 dated 12-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laving the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE Hajira-Bareilly-Jagdisphur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area · acquired	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Konch	Konch	Тораге	61	0-02	
				64	0-39	
				65	G-52	
				67	0-08	
				б8	0-02	
				71	1-05	
				73	0-01	
				76	1-02	
				157	0-02	
				153	1 -4 7	
				154	0–80	
				162	0-01	
				167	1-20	
				168	0-02	
				66	0-13	

[No. O-14016 307/84—G.P.]

का.आ. 2622.—यतः पेट्रोलियम और खित्रज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिस्थाना का. आ. मं. 4101 तारीमा 12-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से गलग्न अनुसूची में विनिद्धिट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विद्याने के लिए अजित करने का अपना आणय घोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपेट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजिन करने का विनिय्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा घोषित करनी है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा अजिन किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

श्रनुसूची हाजिल-बरेली-जगदीणपुर पाइप लाइन प्रोजेस्ट

जिला	नहमीन नहमीन	परगना	ग्राम	गाटा मं.	लिया गया	विवरण
			_		रकवा	
1	2	3	1	5	6	7
∎ांमी	— <i>-</i> मोठ	 मोठ	बेलमा	117	0-17	
			कलां	118	0-33	
				119	0-84	
				120	0-03	
				121	0-04	
				131	1-80	
				132	0-44	
				133	0-05	
				144	0-10	
				145	0-07	
				146	0-09	
				289	0-68	
				290	() () 4	
				292	1-08	
				294	0-03	
				295	1-40	
				296	0-02	
				297	0-27	
				301	0-03	
				3 1 1	0-91	
				342	1-15	
				343	0-68	
				351	0 -0 6	
				352	0-03	
				354	0-46	
				355	0-68	
				356	0-64	
				357	0-04	
				358	0-90	
				354	0-22	
				[सं. O-	14016/3/84-3	- रोपी]

S.O. 2622.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum. S.O. 4101 dated 12-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government delared its intention to acquite the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for la/ing the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Ihansi	Moth	Moth	Belma-	117	0–17	
			kajn	118	0-33	
				119	0~84	
				120	0-03	
				121	004	
				131	1-80	
				132	0-44	
				133	005	
				144	0~10	
				145	007	
				146	0-09	
				289	0~68	
				290	009	
				292	1~08	
				294	0-03	
				295	1-40	
				296	0-02	
				297	0-27	
				301	003	
				341	0-91	
				342	1-15	
				343	0-68	
				351	006	
				352	0~03	
				354	0-46	
				355	068	
				356	064	
				357	004	
				358	0-90	
				359	0-27	

का. आ. 2623.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. स. 4101 तारीख 12-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विष्ठान के लिए अजित करने का अपना आशय भोषित कर दिया

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्यात् इस अधिसूचना ने संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूभियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की घारा 6 की उपधारा
(1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार
एतद् द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची
में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा अजित किया
जाना है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त मिलियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा-धनेली-जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

সিলা	तहमील	परगना	 ग्राम	गाहा मं	निया गया रक्तवः	विवरण
		3	4	5	6	7
झांसी	मोठ	मोठ	पुल-	73	0-38	
			गहमा	75	0-06	
				76	0-06	
				77	1-41	
				79	() - 0 4	
				80	0-05	
				81	1-12	
				82	0-30	
				97	0-03	
				98	0-06	
				99	0-01	
				100	0-90	

I 	2	3	4	5	в	7	section ((4) of th		n, the C	Central	r oonferred I Governmer	at directe
	•			101	1-25			_				ands shall in	
				102	006		_					on this dat	
				103	0-14				ncu m bran		пс О	as Authority	or indi
				292	0-03								
				319	0-88					CHEDU			
				219	0-18			Hajira	-Bareilly-J	lagdishp	ur Pip	e Line Projec	et
				285	1-20		Distt.	Tabati	Darrene	Village	Dlat	A === P	D - magest
				320	0-05		Distr.	Tehsil	Pargana	vinage	No.	Area acquired	Remarl
				282	1-10		 _						
				283	0-13		1	2	3	4	5	6	7
				176	0-17		Jhansi	Moth	Moth	Pulgo-	73	0-38	
				166	0-02		JIMILI	MOUL	MO(II	hna	75 75	0-06	
				165	2-10						76	0-06	
				164	1-20						77	1-41	
				183	5 05						79 90	0-04	
				182	0-03						80 81	0-05 1-12	
				181	1-55						82	0-30	
				184	. 0-88						97	0-03	
				185	0-23						98	0-06	
				187	0-08						99	0-01	
				200	0 → 03						100 101	0-90 1-25	
				253	0-35						102	0-06	
				145	0-04						103	0-14	
				228	0-20						292	0-03	
				229	0-23						319	0-38	
				225	0-02						291 285	0-18 1- 2 0	
				226	1-80						320	0-05	
				231	0-0 3						282	1-10	
				232	5-05						283	0-13	
				238	0-01						176	0-17	
				2:6	0-35						166	0-02 2 10	
				23.1	007						165 164	2-10 1-20	
				235	1-70						183	0-05	
				234	0-10						182	0-03	
				146	0-03						181	1-55	
~ —				[- 		 -					184	0-88	
				[er. O =14	1016/3/84-	તા. યા]					185	0-23	
											187	0-08	
					of the G						200	0-03	
					nm S.O. 4 on 3 of the						253	0-35	
d Min	erals F	Pipelines	(Acqu	isition of R	light of Use	r in Land)					145	0-04	
ct, 196 intent	52 (50 lion to	of 196	62), the ri	e Central ght of use:	Governmen r in the land	t declared is specified					228	0-20	
the se	chedule	appen	ded to	that not f	ication for	purpose of					229	0-23	
ying p	ipeline	;									225	002	
And	wherea	s the	Compe	tent Auth	ority has u	inder Sub-					226	1-80	
ction	(1) of	Section	n 6 of	the said	Act, submit	ted report					231	003	
the C	joverni	ment ;									232	0-05	
And t	further	where	as the	Central C	Government	has ofter					238	0-01	
onsider	ing the	said 1	report,	decided to	o acquire th	ne right of					236	0-35	
	the fa	inds s	pecified	l in the	schedule at	ppended to					233	0-07	
	meatio)	и,									235	1-70	
											1.5		
is noti Now,					power con						234	0-10	
Now,	ion (1)	of the	e Sectio	n 6 of the	e power con said Act, right of u	the Central					234 146	0-10 0-02	

कां. अ(. 2624.— पतः पेट्रोलियम और खानिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4101 तारीख 12-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अजित करने का अपनी आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिमूचना से मंलग्न अनुमूची में विनिद्धिः भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है। अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त णक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिस्वना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिः उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपघारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश वेती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होते के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

भनुसूची हाजिरा-बरेली-जगवीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

	40					
जिला	तहमील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया गया रकवा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
सांसी	मोठ	मोठ	वस्वदा	91	0-20	
				92	0-02	
				93	0-80	
				94	1-50	
				95	0-03	
				108	0-03	
				110	1-25	
				111	0-04	
				112	1-55	
				116	0-02	
				120	0-75	
				144	0-03	
				145	0-75	
				146	1-50	
				152	0-30	
				153	1-27	
				154	0-12	
				155	0-06	
				162	0-32	

1	3	3	4	5	6	7
				163	0-02	_
				164	1-20	
				165	0-56	
				166	0-02	
				170	0-01	
				171	1-24	
						-

[सं. ओ-14016/3/84/जी.पी.]

S.O. 2624.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Pettoleum S.O. 4101 dated 12-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that not fication for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
Hujira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project

Disst.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	. Area (In Acre)	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Jhansi	Moth	Moth	Baravda	91	0-20	
				92	002	
				93	0-80	
				94	1-50	
				95	0-03	
				108	003	
				110	1-25	
				111	0-04	
				112	1-55	
				116	0-02	
				120	0-75	
				144	0-03	
				145	0-75	
				146	1-50	
				152	0-30	
				153	1-27	
				154	0-12	
				155	0-06	
				162	0-32	
				163	0-02	
				164	1-20	
				165	0-56	
				166	0-02	
				170	10-0	
				171	1-24	

का. आ. 2625: यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधि-नियम 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4101 तारीख 12-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम् की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

ारि आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिष्ट्य किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा
(1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार
एतद्द्वारा घोषित करतो है कि इस अधिसूचना में संलग्न
अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार
पाइपलाइन बिछाने के लिए प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा
अजित किया जाता है।

ं और आगे उस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केद्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निश्चित होगा।

धनुसूची हाजिरा-मरेली-जगबीसपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिसा	तहसील	परगमा	ग्राम	गाटा सं.	लिया गया रकवा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
श्लांसी	मोठ	मोठ	कुइंबा	262	1-70	
				261	0-18	
				260	0-82	
				256	0-03	
				255	0-01	
				253	0-13	
				254	1-60	
				247	0-03	
				212	1-00	
				246	0 0 7	
				245	0-03	
				213	0-20	
				244	0-80	
				243	0-55	

1	2	3	4	5	6 7
				214	0-01
				217	0-04
				218	1 55
				229	0-03
				228	0-01
				327	0-40
				226	0-38
				225	0-40
				224	0-58
				223	0-26
	-	_			

[सं. O-14016/3/84-जी, पी.]

S.O. 2625.—Whereas by notification of the Government of India in the Muistry of Petroleum S.O. 4101 dated 12-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to the notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby required for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira-BareıllyJa-gdishpur Pipeline Project

Dist.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquirec	Remark i
1	2	3	4	5	6	7
Jhansi	Moth	Moth	Kanyan	262	1–70	
				261	0-18	
				260	0-82	
				256	0-03	
				255	0-01	
				253	0-13	
				254	1-60	
				247	0-03	
				212	1-00	
				246	0-07	
				245	0-03	
				213	0-20	
				244	0-80	
				243	0-55	
				214	0-01	
				217	0-04	
				218	1-55	

(411)		(11)]			41.50 44.5			9, 1007					3045
1	2	3	3	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
		=,		229	0-03				. –		68	0-42	
				228	0-01						69	0-42	
				227	0-40						7.0	0 ⊢ 0 1	
				226	0-38						7.2	0-11	
				22.5	0-40						7.3		
				224	0~58							0-28	
				223	0-25						74	r r -0	
		-									75	0-28	
				[N	o. O-140 16/	3/84-GP)					8.2	0-01	

का. आ 2626.: — यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधि-नियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3789 तारीख 27-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनो को बिछाने के लिए, अर्जिन करने का अपना आणय घोषिन कर दिया था।

और यत. सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की उपधारा (6) उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोट दें दी है।

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुभूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार रतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिठाने के प्रयोगन के लिए एदद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गिक्षियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उसा भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहिन होने के वजाय भारनीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाबाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

श्रनुसूची हाजिरा-चरेली---जगवीशपुर पाइप लाइन भ्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगनौ	ग्राम	गाटा सं.	लिया गया रकवा एकड्ड में	विवरण
1 -		3	4	5	6	7
जालीन	जाल <u>ी</u> न	जालीन	सीपुरो	52	0-08	
			मुस्तिकल	54	0-35	
				55	0-31	
				67	0-02	

[स. O-14016/180/84-जी. पी.]

S.O. 2626.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3789 dated 27-10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its mention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby required for laying the p peline;

And further in exercise of nower conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Villago	Plot No.	Area Acquired	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Sipura	53	0-08	
			Mustkil	54	0-35	
				55	0-31	
				67	0-02	
				68	0-42	
				69	0-42	
				70	001	
				72	0-11	
				73	0-28	
				74	0-33	
				75	0-28	
				82	0-01	

[No. O-14016/180/84-GP]

का. आ. 2627: — यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंज्ञालय की अधिमुचनों का. आ. सं. 4050 तारीख 12-11-84

द्वारा केद्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आणय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी से उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट देवी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिमूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्बारा घोषित करतें है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्बारा अजित किया जीता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा।

भ्रनुसूचा हाजिरा--वरेली--जगवीशपुर पाइप लाइन प्रोजेस्ट

जिला	महमील	पंरगमा	ग्राम	भाटा सं.	लिया गया रकवा एकड मे	विवरण
1		3	4	5	6	7
जालीन	कोंच	कोच	क्योला	ft 429	0-02	
·				428	1-73	
				424	0-01	
				423	0-70	
				421	0-01	
				413	1-43	
				412	0-02	
				419/1250	0-05	
				225	0-02	
				224	1-05	
				222	0-60	
				223	0-02	
				206	001	
				205	0-01	
				204	1-02	
				203	0-62	
				202	0-45	
				201	0-01	
				198	1-05	
				199	0-55	

:	2 	3	4	5	6	7
				195	0-01	
				194	0-70	
				184	0-01	
				183	0-90	
				409	0-01	
				167	0-01	
				166	0- 50	
				230	0-02	
				251	0-60	
				252	0-35	
				147	0-02	
				91	0-40	
				92	0-01	
				90	0-40	
				89	0 0 1	
				68	0-10	
				145	0-01	
				96	0-70	
				95	1-50	
				94	δ – 0 1	
				93	()—9()	
				97	0-10	
				100	0-05	
				98	0-05	
				99	0-45	
				51	0-02	
				41	0-02	
				47	0-35	
				48	0-60	
				46	0-03	
				45	0-70	
				44	0-30	
				43	0-35	
				42	0 2	D
				678	0 1 5	5
				679	0~03	
				116	0-03	
				692	0-20	
				691	0-43	
				690	0-01	
				689	0-30	
				688	0-20	
				687	0-10	
				686	0-08	
				682	0-20	
			—— [सं	O-140	016/288/84-जी	. पी

S.O. 2627.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4050 dated 12-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to th's notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notifica tion hereby required for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

ct

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Kouch	Konch	Quolari	429	0-02	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
				428	1–73	
				424	0-01	
				423	0-70	
				421	0-01	
				413	1-43	
				412	0-02	
				419/1250		
				225	0-02	
				224	1-05	
				222	0-60	
				223	002	
				206	0-01	
				205	0-01	
				204	1-02	
				203 202	0-62	
					0–45	
				201 198	0-01 1-05	
				198	0-55	
				195	0-33 0-01	
				193	0-70	
				184	0-01	
				183	0-90	
				409	0-01	
				167	0-01	
				166	0-50	
				230	0-02	
				251	0-60	
				252	0-35	
				J 47	0-02	
				16	040	
				92	0-01	
				90	0-40	
				89	0-01	
				88	0-10	
				145	0-01	
				96	0-70	
				95	1-50	
				94	001	
				93	0-90	
				97	0-10	
				100	0-05	
				98	0-05	
				99	0-45	
				51	002	

l	2	3	4	5	6	7
				41	0-02	
				47	0-35	
				48	0-60	
				46	0-03	
				45	0-70	
				44	0-30	
				43	0-35	
				42	0-20	
				678	0-15	
				679	0-03	
				116	0-03	
				692	0-20	
				691	0-43	
				690	0-01	
				689	0-30	
				688	0-20	
				687	0–10	
				686	0-08	
				682	0-20	

[No. O-14016/288/84-GP]

का. आ. 2628: -- यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधि-नियम 1962 (1962 का 50) की धारी 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3793 तारीख 27-10-84 धारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आध्य घोषित कर दिया था।

ओर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त भिन्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करतो है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुमूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाबाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

जिला	तहसील	परगना	गम	गाटा सं.	लिया गया रकवा एकड़ में]	विवरण
1		3		5	6	7
जा जी न	जालीन	जालीन	मृह मवपुर	5	0-01	
	•		•	41	0-01	
				43	1-14	
				132	1-32	
				133	0-01	
				136	0-01	
				1375	0-15	
				138	0-01	
				149	0-30	
				150	0-08	
				151	0-07	
				154	0-34	
				158	0-01	
				148	0-09	
				153	0-02	

[सं O-14016/19/94 जी पी.]

S.O. 2628.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3793 dated 27-10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the sadi Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby required for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Gas Pipe line from Hajira-Bareilly-Jagdishpur P?oject

Distt.	Tehsil	Pargana	Village 1	Plot No.	Area in acr	
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Moham- mad Pur		0-01 0-01 1-14 1-32 0-01	

[No. O-14016/185/84 c	
153	0-02
148	0-09
158	001
154	0-34
151	007
150	008
149	0-30
138	0-01
137 ^क	0-15
136	0-01

का. आ 2629: — यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधि-नियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय

सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अजित करने का अपना आणय घोषित कर दिया

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट वेदी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार अजित करने का विनिष्टय किया है।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त सक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेष देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

हाजिरा-- बरेर्ल-- पगर्द शपुर पा६प लाहन प्रोजेश्ट

जिला	तहर्स ल	परगना	ग्राम	गाटा स॰	क्षेत्रफल वि.वि०1	विवरण वे०
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर	प्रक ब रपुर	प्रक ग र्	 रुगहै		4- 09- 0	0
देष्ट्रात				458	0-14-0	0
				456	0-00-1	8
				457	1- 03- 0	0

		- N. T.											
1	2	3	4	5	6	7	sub-sec	tion (1)	of the S	ection 6	of the	adi Act. t	nforred by he Central
				465	1- 03- 00		Said la	iment ne ads speci	fied in t	ciares in he sched	at the i	nded to th	ser in the
				544 480	0- 01- 14 0- 03- 02			reby requ					
							And	further	i	mica of	*OW#F	conferrad	i by sub-
				481 482	0-15-00 0-12-00		section	(4) of 1	that sect	ion, the	Central	Governme	ent directs
				483	0-11-10		that th	ie right	of user	in the	said lar	ids shall on this de	instead of ite of the
				484	0-07-00		publ ca	tion of t	his decla	ration in			y of India
				485	0-00-10		Ltd. fr	ee from e	encumbra	inces.			
				486	1-06-00					SCHED	ULE		
				512	001-10		Ha	jira-Barei	llv-Jagdis	shour Pi	pe Line	Project	
				518	0-01-02								
				517	1-18-00		Distt.	Pargana	Tehsil	Village	Plot No	. Атея	Remark
				513	1-16-04							Acquired.	
				511	0 1 1 1 2		1	2	3	4		6	7
				508	2-03-00								
				510	0-02-09			r Akbar-	- Akbar-	Gahaliy		4-09-11	
				489	0- 03- 00		Dehat	pur	pur		458	0-14-00	
				509	1- 12- 00						456 457	0-00-18 1-03-00	
				497	2-07-00						465	1-03-00	
				498	0-12-00						544	0-01-14	
				246	2-00-00						480	0-03-02	
				684	0-03-10						481	0-15-00	
				680	0-00-16						482 483	0-12-00 0-11-10	
				247	0-00-18						484	0-17-10	
				678	1-00-00						485	0-00-10	
				677	I- 00- 00						486	1-06-00	
				676	0-11-11						512	0-01-10	
				679	0-17-00						518 517	0-01-10 1-18-00	
				674	0-11-00						513	1-16-04	
				673	1-00-00						511	0-01-12	
				703	0-01-18						508	2-03-00	
				701	0-04-18						510 489	0-02-09 0-03-00	
				702	1-04-00						509	1-12-00	
				704	1-19-00						497	2-07-00	
				706	0- 07- 00						498	0-12-00	
				711	0-15-00						246	2-00-00 0-03-10	
				710	0-02-00						684 680	0-00-16	
				708	0-16-00						2.7	0-00-18	
				707	0-02-00						678	1-00-00	
				719	1-11-00						677	1-00-00	
				622	1-10-00						676 679	0-11-11 0-17-00	
				718	0 0 4 1 0						674	0-11-00	
				621	0- 0 7 - 00						673	1-00-00	
				705	0-00-10						703	0-01-18	
			[#	O-1401	16/348/84 औ	. पो.1					701	0-04-18	
S.O. 2	2629	Wheres			of the Gov	-					702 704	1-04-00 1-19-00	
of India	in t	he Mir	nistry c	of Petroleu	ım. Ş.O. 409'	7 dated					706	0-07-00	
					3 of the Pe ight of User						711	0-15-00	
Act, 196	52 (50	of 196	62), the	Central	Government o	declared					710	0-02-00	
its intent	tion to	acquire	e the rig	th of user	in the lands in the lands in the lands	specified					708 707	0-16-00	
laying pi			464 10	mat nonne	anon for pur	Pose of					707 719	0-02-00 1-11-00	
And	wherea	s the	Compet	ent Autho	rity has und	er Sub-					622	1-11-00	
to the C	(1) of	Section	n 6 of	the said	Act, submitted	i report					718	0-04-10	
And f	further	wherea	as the	Central G	overnment ha	s, after					621	0-07-00	
consider	ting the	said r	report.	decided to	acquire the	right of					705	0-00-10	
user in this noti	ine ! Ification	ands sp	pecified	in the sc	heduled appe	nded to					[No	. O-14016/	348/84 GP)
229 G													·

शा. था. 2630. — यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भुमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधि-नियम 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंद्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3437 तारीख 16-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आध्रय घोषित कर दिया था।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनिविद्ध भूमियों में उपयोग के अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत. उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रमोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है। कि उनत भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में भोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

भनुसूर्य हाजिरा-- बरेलं — जगदं कपुर पाइपसान प्रोजेक्ट

जिंग्स	नहम स	परगना	ग्राम	गाटा सं•	लिया गया रकवा एकक्	
1	2	3	4	5	6	7
সাৰ্থ ন	রা শান	जाल)न	करतला-	1	0-03]
			पुर	2	0- 3	7
				3	0-43	3
				4	0-60)
				5	0 0 :	2
				11	0-02	2

[सं॰ O-14016/33/84 जी• पी.]

S.O. 2630.—Whereas by notification of the Goernment of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3437 dated 16-10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notificat on for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the sadi Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby required for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Gas Pipe Line From Hajira-Bareilly-Jagdishpur Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Are in acr		Remark
1	2	3	4	5		6	7
Jalaun	Jalaun	Jajaun	Kartala-	. 1	0-03		
			pur	2	0-37		
				3	0-43		
				4	0-60		
				5	0-02		
				11	0-02		

[No. O-14016/33/84-G. P.]

का. आ. 2631: — यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (मूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4491 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट वेबी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचमा से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है। अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वार प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वार घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतव्द्वार अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, भोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

मनुसूचे मुजंरा से बरेलं। से जगद गपुर तक पाइप साइन बिछाने के लिए

राज्य⊶गुजरात	जिलापंचमहय	तालुकाहालो	स	
गांव	661	0	10	00
	662	o	10	00
	603	0	01	00
	413	0	38	00
	412	0	37	00
	411	0	04	80
	410/2	0	36	30
	कोटर	0	16	50
	443	0	27	00
	444	0	20	00
	445	0	10	00
	518	0	26	00
	519	0	46	00
	कोटर	0	12	60
	532	0	11	00
	510	0	09	00
	531	0	03	00
	565	O	22	00
	712	0	12	00
	714 + 715	0	76	80

सिं O-14016/379/84-आः पः]

S.O. 2631.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4491 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby required for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration, in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Hazıra to Barcilly to Jagdishpur

State : Gujarat District : Panchmahal Taluka : Jalol

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
Halol	661	0	10	00
	662	0	10	00
	603	0	01	00
	413	0	38	00
	412	0	37	00
	411	0	04	80
	410/2	0	36	3(
	Kotar	0	16	50
	443	0	27	00
	444	0	20	00
	445	0	10	00
	518	0	26	0
	519	0	46	00
	Kotar	0	12	60
	532	0	11	00
	510	0	09	00
	531	0	03	00
	565	0	22	00
	712	0	12	00
	714 + 715	0	76	80

[No. O-14016/379/84 GP]

का. आ. 2632:— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4559 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अजित करने का अपना आइय घोषित कर विया था।

और यतः सक्तम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोट वेदी हैं।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार मे उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिभूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट मुमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अधित किया नाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

भ्रमुसूर्च। हुओरा से बरेली से जगदोगपुर तक पाइप लाइन विछाने के लिए राज्य-गजरात जिला--पंचमहाज साल्लुका--देवगढ़ पसर्रया

	राज्य-गुजरात	ाजलापचमहाल	साल्लुकादवगढ	पसर था	
गांव		सर्वे नं	हेक्टर	म्रार	सेट य
1		2	3	4	5
Ţ		893/पा	0	20	00
		892/पी	0	30	00
		887/पोर	0	18	00
		889	0	25	00
		887/पी	0	0.5	0 (
		888	0	52	00
		881	1	46	0.0
		856	0	03	00
		857	Ø	46	00
		862/4	0	01	6
		880	0	41	0
		873	0	00	1
		872	0	65	0
		871	0	41	0
		870	0	32	0
		80/ 1/पी	3	00	0
		100	0	03	0
		101	0	13	0
		144	0	40	0
		134	0	02	0
		143	0	58	0
		142	O	38	0
		1 4,6/पी	0	06	0
		1 46/पो	0	10	0
		1 39/पो	0	15	0
		139/पी	0	13	0
		1 39/पी	0	03	0
		139/ पी	0	14	0
		139/पी	θ	05	0
		147/3	0	10	0
		147/2	0	14	0
		147/1	0	20	0
		167	0	26	00
		160	0	36	00
		159	0	20	0.0

[सं.O-14016/462/84-जा. पा.]

SO. 2632.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4559 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subaction (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to the notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the sadı Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by submection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of westing in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline From Hazira-Breilly-Jagdishpur State: Gujarat District: Panchmahal Taluk: Dovgadhbariya

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiar
1	2	3	4	5
Gollav	893/P	0	20	00
	892/P	0	30	GO
	887/P	0	18	00
	889	0	25	00
	887/P	0	05	00
	888	0	52	0(
	881	1	46	00
	856	0	03	00
	857	0	46	00
	862/4	0	01	60
	880	0	41	00
	873	Ō,	00	10
	87 2	o`	65	00
	871	0	41	0
	870	0	32	00
	80/1/P	3	00	0
	100	0	03	Ö
	101	Ô	13	0
	144	0	40	Ö
	134	ŏ	02	Ö
	143	ō	58	Ö
	142	ō	38	O.
	146/P	ŏ	06	0
	146/P	Õ	10	00
	139/P	ŏ	15	00
	139/P	ő	13	00
	139/P	ő	03	00
	139/P	Ŏ	14	0
	139/P	Ŏ	05	00
	147/3	0	10	0
	147/2	0	14	00
	147/1	0	20	00
	167	0	26	00
	160	0	36	
	159	0	20	00

[No. O-14016/462/84-GP]

का. आ. 2633.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधि-निम्मम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 3462 तारीख 16-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आध्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त क्पिट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिष्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त पानित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करते है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुमूची हाफिरा-वरेली-अगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं,	लिया गया रक्षवा एकड्	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
अालीन	कोंच	कोंच	खेड़ाबेड़ा	1	0-35	
•••				2	0-18	
				5	0-01	
				6	0-30	
				17	0- 55	
				16	0- 60	
				15	0-77	
				19	0-01	
				21	0-35	
				22	0.86	
				31	0-02	
				43	0-06	
				44	0-02	
				79	0~11	
				78	0-02	
				77	0-50	
				76/1	0-08	
				76/2	0~50	
				65	0-10	

5	6	7
 65/152	0-42	
66	0-08	
67	0-41	
59	0-01	
47	0-60	
46	0-04	
45	065	
18	0-01	
60	0-01	

[सं. O-14016/32/84-फीपी]

S.O. 2633.—Whereas by notification of the Government of Iridia in the Ministry of Petroleum S.O. 3462 dated and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) 1616-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines acquisition of right of User in Land Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to the notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the sadi Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline:

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Gas Pipe line from Hajira Bareilly Jagdishpur Project

O.	a ripe .	ine mon	1143114	Datening	าสสิตารแก็สา	rrojec.
Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	ares in acres	Remail
1	2	3	4	4	6	7
Jalaur	Konch	Konch,	Khera	1	0-35	
			Bora	2	0-18	
				5	0-01	
				6	0-30	
				17	0-55	
				16	0-60	
				15	0-77	
				19	001	
				21	0-35	
				22	0-96	
				31	0-02	
				43	0-06	
				44	0-02	
				79	0-11	
				78	0-02	
				77	0-50	
				76/1	0-08	
				76/2	0-50	
				65	0-10	
				65/252	0-42	
				66	008	
				67	0-41	
				59	001	
				47	060	
				46	0-04	

 5	6	7
 45	0–65	
18	10-0	
60	001	
 IN	o O-14016/3	2/84-PG1

[No. O-14016/32/84-PG]

का. आ 2634: --- यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भिम में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधि-नियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना सं. 4550 का. अा. तारीख 22-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से मंलग्न अनुसूची में त्रिनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे वी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मन्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनस्वी में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजेंन के लिए एतवुद्वारा अजिल किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त मूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिया-बरेली-अगदीशपूर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

জিলা	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया गया े रक्षवा एकड़ में	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर	वेरापुर	देरापुर	डुड़ौ ली			
देहास				378	0-02-06	
				380	0-11-0	
				381	1-04-01	
				382	1-05-15	
				408	0-02-02	

	5	6	7
·	415	0-05-04	
	416	0-0-16	
	418	(← 1 2 - 1 0	
	419	0 → 0 → 18	
	420	0-15-12	
	421	0-17-0	
	423	0-0-13	
	4.26	0-17-0	
	427	0-0-07	
	429	1-07-0	
	430	0-01-06	
	₹, 0-14	016/425/84- जी	यो.]

S.O. 2634.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4530 dated 22-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule content of the section of the sectio in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report user in the lands specified in the schedule appended to to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to th's notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the sadi Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDUL

Distt.	Tobsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquir	Remark ed
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur	Dera-	Dera-	Durauli	378	0-02-06	
Dehat	pur	pur		380	0-11-0	
				381	1-04-01	
				382	1-05-15	•
				408	0-02-02	
				415	0-05-04	
				416	0-0-16	
				418	0-12-10	
				419	0-0-80	
				420	0-15-12	
				4 2 1	0-17-0	
				42 3	0-0-13	
				426	0-17-0	
				427	0-0-07	
				429	1-07-0	
				430	0-01-06	

[No. O-14016/425/84-GP]

का. था. 2635: यतः पट्टोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पट्टोलियम मंत्रालय की अधि- मूचना सं. का. आ. 3785, तारीख 27-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अजित हरने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्मात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि-विब्द भूनियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय संरकार एतद्वारा घोषित करती है ृंकि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा-बरेली-जगवीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

জিলা	तहसील ————	परगना	ग्राम	गाटा सं .	लिया गया रक्षवा एक इमें	विवरण
कालीन	जाली न	जालीन	वघावली			
			मुस्तकिल	2	0-43	
				5	0-55	
				6	0-08	
				9/1	0-81	
				9/3	0-07	
				9/2	012	
				18/1	0-07	
				18/2	0-06	
				19	0-60	
				20	0-47	
				21	0-46	
				23	0-45	

सं. O-14016/176/84-वि पी]

S.O. 2635.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 3785, dated 27-10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1862), the Central Government declared his intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has, under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government bas, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline,

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall, instead of vesting in Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira...Bareilly...Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot	No.	Arca Acquire	Remark d
1	2	3	4		5	6	7
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Baghwa	li 2		0-43	
			Mustkil	5		0-55	
				6		0-08	
				9/1		0-81	
				9/3		0-07	
				9/2		0-12	
				18/1		0-07	
				18/2		0-06	
				19		0-60	
				20		0-47	
				2 l		0-46	
				23		0-45	

[No. O-14016/176/84-GP]

का. आ. 2636'—यतः पर्देशिलयम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम,
1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1)
के अधीन भारत सरकार के पर्देशिलयम मंद्रालय
की अधिस्चना का. आ. सं. 4098, तारीख 1-12-84
ढारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिस्चना से संलग्न अनुसूची में
विनिर्दिण्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों
को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित
कर विया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की द्वारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने - का विनिश्चय किया है। अब, मत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतक् द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदल्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा⊶बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइम प्रोजेक्ट।

जेला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	प्लाट सं .	लिया गया रकवा	विवरण
जनपुर	अकबर पूर	र अकसर १	ूर मटियाम इर मटियाम	<u>-</u>		
हात	_			125	2-10-	1
				124	0-2-	18
				118	0-19	⊢ 3
				120	1-4	- 0
				123	0-0	- 3
				122	0-18-	10
				136	1-6	-0
				138	1-8	- 0
				139	0-2	– 0
				166	0-6-	11
				157	0-0-	13
				158	0-0	⊢ 7
				171	1-1	-0
				173	0- 2	- 0
				172	0-4-	18
				435	0-0-	18
				384	1-12	- o
				386	1-6	- 0
				387	0 1	- 6
				388	0-0-	13
				553	0-8-	14
				694	1-12	:- o
				591	0-14	⊢ 5
				592	0-6-	10
				593	1-2	2~8
				752	1-9	→ 7
				754	0-1-	10
				755	0-12	2 - 0
				751	0-11	
				761	0-2-	
				760	0 1 :	
				756	0~10	
				449	2-10	

S.O. 2636.—Whereas by notification of the Government of India in the Min stry of Petroleum, S.O. 4098, dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has, under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall, instead of vesting in Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipe line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot N	lo. Area Remark Acquired
Kanpur	Akba _r -	Akbar-	Bhatya-	125	2-10-1
Dehat	pur	pur	mou	124	0-2-18
				118	0-19-3
				120	1-4-0
				123	0–0–3
				122	0-18-10
				136	1-6-0
				138	1-8-0
				139	0-2-0
				166	0-6-11
				157	0-0-13
				158	0-0-7
				171	1-1-0
				173	0-2-6
				172	0-4-18
				435	0-0-18
				384	1-1 2 -0
				386	1-6-0
				387	0-1-6
				388	0-0-13
				553	0-8-14
				694	1-12-0
				599	0-14-5
				592	0-6-10
				593	1-28
				752	1-9-7
				754	0-1-10
				755	0-12-0
				751	0-11-0
				761	0-2-16
				760	0-11-1
				756	0-10-0
				449	2-10-0

[#. O-14016/350/84-30 की

एम. एस. श्रीनिवासन, उप सन्तिव

[No. O-14016/350/84-GP] M.S. SRINIVASAN, Dy. Scey.

इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय

(खान विभाग)

नई दिल्ली, 24 मई, 1985

का, आ. 1637 केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में इस्पात, खान और कीयला महालय, खान विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में निन्नेलिखित कार्यालयों / सरकारी उपक्रम एककों, जिनके 80 प्रतिशन या उपसे अधिक वर्मचारियों ने हिंदी का कार्यपाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को उक्त उपनियम के प्रयोजनों के लिए अधिभूचिन करती है —

- भारतं य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का मध्य प्रदेश सिकल कार्यालय, भोपाल।
- भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेकण का उत्तर प्रदेश सिकल कार्यालय, लखनऊ।
- 3. भारतीय खान व्यरो का क्षेत्रीय कार्यालय, गोआ।
- किंदुस्तान जिक लि. को जिक स्मेस्टर देवारा,
 उदयपुर (राजस्थान)।
- 5. हिन्दुस्तान जिक लि. का. राजपुरा दरावा, खान कम्नलैक्स (राज.)।
- 6. हिन्दुस्तान कापर लि. का खेतडी कापर कम्पलैक्स खेतडीनगर (राज.)।
- 7. हिन्द्स्तान कापर लि. का सम्पर्क कार्यालय, नई दिल्ली
 - भारत एल्युमिनियम कंपनी का कोरबा प्रोजेक्ट कार्यालय, कोरबा, जिला विलासपुर (म. प्र.)।

[स. ई.-11017 | 2 | 84 हि.] दुर्गादाम गुप्त, उप मचिव

MINISTRY OF STEEL, MINES & COAL

(Department of Mines)

New Delm, the 24th May, 1985

- S.O. 2637.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Language (use for Official purposes of the Union) Roles, 1976, the Central Government hereby notify the following offices under the Ministry of Steel, Mines & Coal, Department of Mines, the 80 per cent or more staff whereof have acquired working knowledge of Hindi, for the purpose of the said sub-rule:—
 - 1. Geological Survey of India, M.P. Cucle, Bhopal.
 - 2. Geological Survey of India, U.P. Circle, Lucknow.
 - 3. Indian Bureau of Mines, Regional Office, Goa.
 - 4. Hindustan Zinc I (d. Zinc Smelter, Udaipur (Raj).
 - 5 Hindustan Zinc Ltd., Rajpura-Duriba Complex (Ruj).
 - 6. Hindustan Copper Ltd, Khetri Copper Complex, Khetri Nagai (Raj)
 - 7. Hindustan Copper 1 td., Liaison Office, New Delhi.
 - 8. Bharat Aluminium Co. Ltd., Korba Project, Korba Distt. Bilaspur (M.P.).

[N. E-11017¹2 84-Hindi] DURGADAS GUPTA, Dq. Secy. (कोयला विभाग)

नर्ष दिल्ली, 15 मई, 1985

(मृद्धि-पत्र)

का. श्रा 26.78 — भारत के राजपत्र तारीख 1 दिसंबर, 1984 के मार्ग II. खंड 3, उपखंड (ii) में पृष्ठ 3680-3682 पर प्रकाशित भारत सरकार के भृतपूत ऊर्ज मत्रालय. (कोयला विभाग) की ग्रधिसूचना का जा. स. 4044, तारीख 13 तवस्थर, 1984 में:—

पृष्ठ ३६८१ पर--ग्रन्सूचिन मे।

- "गुपालपुर ब्लाक श्राई की घाटी क्षेत्र" के स्थान पर "गोपालपुर ब्लाक, ईब क्हेली एरिया, पहिए।
- 2 फम मं, साथ में अनुक्रम 1 मे~-"सरडोगा" के स्थान पर "साराष्ट्रोगा" पिंडा।
- 3 सिमा वर्णन में रेखा द × ध में "उखरी किनारे" के स्थान पर 'उसरी किनारे" पहिए

[सं. 43019/1/84[/]मी एल.**या** एल]

(Department of Coal) New Delhi, the 15th May, 1985

CORRIGENDUM

S.O. 2638.—In the notification of the Government of India in the late Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 4044 dated the 13th November, 1984 published at pages 3681 to 3682 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (a), dated the 1st December, 1984.—

At page 3681, in the Schedule under the column "District" against serial number 1, for "Sindargarh", read "Sundargarh", [No. 43019/1/84-CL/CA]

(श्द्धि-पत्र)

का. आ. 2639 भारत के राजपत तारीख 1 दिसम्बर, 1984 के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ji) में पृष्ठ 3679-3680 पर प्रकाशित भारत सरकार के भूतपूर्व ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना का. आ. सं. 4043, तारीख 12 नवम्बर, 1984 में —

पृष्टं 3679 पर अधिसूचना के अनुक्रम 2 मे---

- (1) "धारा 13 की उपधारा (1)" के स्थान पर "धारा 13 की उपधारा (7)" एव "नागपुर -446001" के स्थान पर "नागपुर 440001" पढ़िए।
 - (2) अनुसूचि में~-
 - (क) कम सं. स्तम्भ में अनुक्रम 1 में "जुनाविमृण्डा" के स्थान पर "जुनानीमृण्डा" पढ़िए।
 - (ख) क्रम सं. स्तम्भ में अनुक्रम 3 में "बाधराचक" के स्थान पर "बध्राचका" पढ़िए।
- (3) सबसे अंत में "(सं. 43019/4/84-सीएलसी. एल)" के स्थान पर ("सं. 43019/4/84 सी.एल-/ सी.ए..)" पढ़िए।

[मं. 43019/4/84-सी.एल./सी.ए.]

CORRIGENDUM

- S.O. 2639.—In the notification of the Government of India in the late Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 4043, dated 12th November, 1984, published at pages 3679 to 3680 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii), dated 1st December, 1984 at page 3680,
 - In the Schedule, for "North-West Block of Orient Mines No. 4—" VIB Valley "read North West Block of Orient Mine No. 4, Ib Valley".
 - 2. In Boundary Description in line G-H-I for "Village Chhuliberna" read "Village Chhuliberna".

[No. 43019|4]84-CL|CA]

का. भा. 2640.— केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक केन्न (धर्णन प्रतीर विकास) ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के ग्रिधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, कोयला विभाग की ग्रिधिसूचना मं. का. भा. 444 तारीख 28 जनवरी, 1984 दारा जो भारत के राजपन्न, भाग 2, खंड 3, उप-खंड (ii) तारीख 11 फरवरी, 1984 में प्रकाशित की गई थी, उस ग्रिधिसूचना से उपायद अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में 182.73 हैक्टर (लगभग) या 451.54 एकड (लगभग) भूमि में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने भागय की सूचना दी थी;

भौर केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि में कोयला अभिप्राप्य है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्राधिनियम की घारा 7 की उप-धारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इससे संलग्न अन्सूची में विणित 160.48 हैक्टर (लगभग) या 396.54 एकड़ (लगभग) माप की भृमि का, सभी अधिकारों सहित जैसा कि इससे उपाबद्ध भनसूची में विणित है, ग्राजैंस करने के ग्रापने शाश्य की सूचना देती है;

टिप्पण--1:इस ग्रधिस्चनः के भंतर्गेत भ्रोने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. सी1(ई)/111/जे श्रार/283/0684 तारीख 12-6-84 का
निरीक्षण क्लक्टर, चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या
कीयला नियंग्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के
कार्यालय में श्रयवा वैस्टैन कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व
प्रनुधाग) कोयला एस्टेट, नियिल लाइन्स, नागपुर-440001
(महाराष्ट्र) के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण--2:पूर्वोक्त ग्रधिनियम की धारा 8 के उपबंधों की मीर ध्यान माकृष्ट किया जाता है जिसमें निम्नलिखित उपबंध हैं:--

बर्जन के प्रति बापत्ति :

"8(1) किसी ऐसी भूमि में, जिसकी बाबत धारा 7 के प्रधीन अधिसूचना जारी की गई है, हितबद्ध कोई भी व्यक्ति, श्रधिसूचना जारी किए जाने के तीम दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या एसी भूमि में या उस पर के किन्हीं श्रधिकारो का श्रर्जन किए जाने के बारे में श्राक्षप कर सकेगा।

स्पष्टीकरण : इस धारा के अर्थान्तर्गत किसी व्यक्ति की घोर से यह कहना आक्षेय नहीं माना जाएगा कि वह स्वयं किसी भूमि में कोयला उत्पदन के लिए खनन संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी घन्य व्यक्ति द्वारा नहीं की जानी चाहिए।

(2) उपघारा (1) के प्रधीन प्रत्येक प्राक्षेय सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में किया जाएगा घीर सक्षम प्राधिकारी ग्राक्षेयकर्ता को स्वयं सुने जाने का या किमी विधि ध्यवमायी द्वारा सुनवाई का ग्रवसर देगा स्रौर ऐसे नभी स्राक्षेयों की सुनने के प्रश्वास् स्रौर ऐसी स्रतिरिक्त जांच, यिव कोई है, करने के पश्चात् जो वह झावस्यक समझे, या तो धारा 7 की उपधारा (1) के प्रधीन प्रधिस्थित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के स्रधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्त टुकरों या ऐसी भूमि में या उस पर के प्रधिकारों के संबंध में आक्षेयों पर अपनी सिफारियों सौर उसके द्वारा की गई कार्यवाही के स्रभिलेख सहित विभिन्त रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा !

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए यह व्यक्ति किसी भूमि में हितवत सभक्ता जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर के किस्ही श्रधिकारों को इस मिधि-नियम के श्रधीन श्रजिन कर लिया जाता।"

टिप्पण- - 3 : केन्द्रीय सरकार ने, कोयला नियन्नका ा, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को उक्त प्रधिनियम के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त कियः है।

> भनुसूची ''क'' पदमापुर विस्तारण क्लाक कर्धा घाटी कोयला क्षेत्र जिला चक्कपुर(महाराष्ट्र)

सभी प्रधिकारी (राजस्व भूमि)

क, ग्रामक। न(म सं.	पटवारी मर्फिल मं.	तहसील भौर जिला	क्षेत्र हैक्टर मे	टिप्पणियां
	1 1	चन्द्रपुर	9 87	भाग
2. पदमापुर	11	11	73,09	भाग
3. बुर्गापुर	10	11	5 48	भाग
4. सिनहाला	1 1	17	41 74	भाग

कुल क्षेत्र 130,18 हैक्टर (लगभग)

या 3 2 1 . 68 एकड़ (लगभग)

श्रनसूची ''क ।'' पदमापुर विस्तारण ब्लॉक वर्धा घाटी कोयला क्षेत्र जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)

भभी अधिकार (वन भृमि)

क. ग्रामकानाम तं.	ा पटवारी मर्किलमं.	तहसील ग्रीर जिला	क्षेत्र है क्टर म	टिप्पणिया
1 2	3	4	5	6
1. किटाबी	11	च न्द्रपुर	3.50	भाग
2. पदमापुर	11	"	26,80	भाग
		कुल क्षेत्र :	30.30 हैं ब	टर (लगभग)
			74 96 H	कड़ (लगभग)

ग्राम किटाडी में भर्जिस किए जाने वाले प्लाट सं.

1, 2 (भाग), 13(भाग), 14,80(भाग),81(भाग),85/2(भाग),86 श्राबादी (भाग), 87(भाग),88/1,88/2 श्रीरसङ्ब (भाग) श्राम पदमापुर में भ्रजित किए जाने वाले प्लाटस.

71/1, 71/2, 71/3(भाग), 72, 73, 74, 75(भाग), 76(भाग), 77(भाग), 124(भाग), 125(भाग), 126(भाग), 127 से 129, 130 (भाग), 131 से 133, 134(भाग), 135, 142(भाग), 143/3(भाग), 144(भाग), 145 से 148, 149(भाग)

ਰ-ਨ

150 से 153, 154 (भाग), 155, 156(भाग), 157, 158(भाग), 159(भाग), नाला (भाग), म्राबादी (भाग), मौर सङ्क (भाग)

ग्राम दुर्गापुर में भ्रजित किए जाने वाले प्लाट स.

45(भाग), 46 (भाग), 70(भाग), 71, 72(भाग), 74(भाग), 75(भाग), 76 (भाग),

ग्राम मिनहाला में मिजित किए जाने वाले प्लाट मं.

59(भाग, 62(भाग), 63, 64, 65/1, 65/2, 67 से 72, 73(भाग), 74 (भारा), 75 (भाग), 76 (भाग), 77, 78(भाग) 79 से 84, 85(भाग), 87(भाग), 88 (भाग), 90 (भाग), 91(भाग), 92 (भाग), 93 (भाग), भीर नाला(भाग)।

सीमा वर्णन

ग्-घ

ज-स

स-अ

क-ख रेखा, इरह नवीं के पूर्वी किनारे से प्रारम्भ होती है भीर ज्लाट सं. 13, 14, 2, 1की उत्तरी सीमा के नाथ-साथ किटाडी ग्राम से होकर जाती है, सड़क पार करती है, ज्लाट सं. 88/1 से होकर जाती है भीर फिर प्लाट स. 87, 85/2, 86 भावादी, 80,81 मे से होकर जाती है भीर प्लाट स. 81 में बिन्तु "ख" पर मिलती है।

ख-ग रेखा प्लाट स. 81, 80 में किटाड़ी ग्राम से होकर जाती है भौर पदमापुरग्राम से होकर, सड़क पार करती है भौर फिर प्लाट स. 76, 77, 75 में होकर लोक निर्माण विभाग की चन्द्रपुर-तारोबा सड़क को पार करती है और फिर प्लाट सं. 149, 154, ग्राबादी, 156 में से होकर जाती है ग्रौर प्लाट स. 156 में बिन्दु "भ" पर मिलती है।

रेखा, प्लाट मं. 156 में पदमापुर ग्राम में होकर जाती है, सड़क पार करती है, प्लाट सं. 131 की उत्तरी सीमा के माय-साथ भागतः जाती है, फिर प्लाट सं. 130, 124, 158 में से होकर जाती है ग्रीर मोटा घाट नाले के मध्य स्थल पर जिन्दु ''ग्रं' पर मिलती है।

घ-ड-च-छ-ज रेखा, मोता घाट नाले के मध्य स्थल से प्लाट मं. 159, 125 में पदमापुर ग्राम में होकर जाती है श्रीर फिर मिनहाला ग्राम में प्लाट सं. 78, 85, 87, 88, 91, 90, 93, 92में से होकर जाती है श्रीर फिर प्लाट

> स. 67, 65/1 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और प्लाट स. 62, 59 मे से होकर जाती है, नालश्रपार करती है भ्रोर फिर सिनहाला और दुर्गापुर भ्रामों की सम्मिलित सीमा के माथ-साथ जाती है और बिन्दु "ज" पर मिलती है।

> रेखा, दुर्गापुर ग्राम में प्लाट स. 76, 75, 74, 72, 70, 46, 45 में में होकर जाती है भीर सिनहाला ग्राम में से होकर जाती है, नाला पार करती है भीर फिर प्लाट स. 73, 74, 75, 76 से में होकर जाती है भीर फिर प्रकापुर ग्राम में प्लाट स. 126, 159 में से होकर जाती है, मीटा घाट नाला पार करके प्लाट सं. 158, 134, 143/3, 144, 143/1, 142 में से होकर जाती है भीर लोक निर्माण विभाग की चन्द्रपुर तारोबा सङ्क की पूर्वी मीमा पर बिन्तु "क्ष" पर मिलती है।

रेखा, लोक निर्माग विभाग की चन्द्रपुर—तारोबा सड़क की पूर्वी सीमा के साथ-साथ पदमापुर ग्राम में से होकर जाती है और बिन्दु "अँ, पर मिलती है।

िट रेखा, पदमापुर ग्राम से होकर जाती है, लोक निर्माण विभाग की चन्न्नपुर तारोबा सबक को पार करनी है ग्रीर फिर प्लाट से. 3, 70, 69, 68, 67, 66, 65 गाओ-धान आबादी की उसरी सीमा के साथ-सथ जाती है फ्रोर प्लाट स. 61, 71/2 फ्रीर 71/3 की सम्मिलित सीमा पर बिस्कु "ट" पर मिलती है।

रेखा, पदम पुर ग्राम में प्लाट स. 71/2 की पिक्सिंग सीमा के साथ-माथ जाती है श्रीर फिर प्लाट स. 71/3 में से जाती है, सङ्क पार करती है श्रीर प्लाट स. 80,86 की सम्मिलित सीमा के माथ-माथ किटाडी ग्राम में से होकर जाती है श्रीर बिन्दु "ठ" पर मिस्नती है।

ठ-ड रेखा, प्लाट स. 86 की उत्तरी सीमा के गाथ-साथ किटाडी ग्राम में में हाकर जाती है, सड़क पार करती है, भागतः प्लाट स्. 2 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है गौर भागतः उसमें से होकर जाती है गौर फिर प्लाट सं. 13 में में होंकर जाती है गौर इरह नदी के पूर्वी किनारे पर बिन्दु ''ड'' पर मिलती है।

ड-क रेखा, इरइ नर्दों के पूर्वी किनारे के साथ-साथ किटाडी ग्राम से होकर जाती है ग्रीर आरमिक बिन्दु ''क'' पर मिलती है ।

> [म. 43019/32/84-सी. ए.] समय सिंह, अवर सर्विष,

S.O. 2640.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Coal S.O. No. 444 dated the 28th January_ 1984 under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) and published in the Gazette of India in Part II, section 3, sub-section (ii) dated the 11th February, 1984, the Central Government gave notice of its intention to prespect for coal in 182.73 hectares (approximately) or 451.54 acres (approximately) of the lands in locality specified in the Schedule annexed to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in part of the said land;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the Lands measuring 160.48 hectares (approximately) or 396.54 acres (approximately) in All Rights as described in the Schedule appended hereto.

Note—1: The plans bearing No. C-1(F)|III|JR|283-0684 dated 12-6-84 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Chandrapur (Maharashtra) or in the Office of the Coal Controller, J. Council Houset Street, Calcutta or in the office of the Western Coalfields (Revenue Section), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur—440001 (Maharashtra).

Note—2: Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the aforesaid Act, which provide as follows:

Objections to Acquisition:

"8(1)—Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

EXPLANATION :-

It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

- (2) Every objection under su-bsection (1) shall be made to the Competent Authority in writing and the Competent Authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further enquiry, if any, as he thinks necessary, either makes a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of Section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him for the decision of that Government.
- (3) For the purpose of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any tights in or over such land were acquired under this Act."
- Note—3: The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta has been appointed by the Central Government as the Competent Authority under the Act."

SCHEDULL 'A'

PADMAPUR EXTENSION BLOCK WARDHA VALLEY COALFIELD DISTRICT CHANDRAPUR (MAHARASHTRA)

ALL RIGHTS (REVENUE LAND)

P.C. No.	Teshsil & District	Area in hectares	Remarks
11	Chandrapui	9.87	Part
11	• •	73.09	Part
10	7.4	5.48	Part
11	1.	41.74	Part
a;	130.18 hectares 321 68 acres	-	
	No. 11 11 10 11	No. District 11 Chandraput 11 ,, 10 ,, 11 ,, a : 130.18 hectares	No. District hectares 11 Chandraput 9.87 11 , 73.09 10 . 5.48 11 , 41.74 a: 130.18 hectares (approximately

SCHEDULE 'A1'

PADMAPUR FXTENSION BLOCK WARDHA VALLEY COALFIELD DISTRICT CHANDRAPUR (MAHARASTHRA)

ALL RIGHTS (LOREST LAND)

Sl. Name of No. village	P.C. No.	Tehsil S District	Area in hectares	Romarks
1. Kitadı 2. Padmapur		Chandrapur	3 50 26.80	Part Part
Total Ar	ea : .86	30.30 hectares	(approxima	- •
Grand Total (Ā∃ A	1)=160.48 hectares 390.54 acres	(approxin	

Plot numbers to be acquired in village Kitadi:
1, 2 (Part), 13 (Part), 14, 80(Part), 81 (Part), 85/2 (Part), 86 Abadi (Part), 87 (Part), 88/1, 88/2 and Road (Part).

Plot numbers to be acquired in village Padmapur: 71/1, 71/2, 71/3 (Part), 72, 73, 74, 75 (Part), 76 (Part), 77 (Part), 124 (Part), 125 (Part), 126 (Part), 127 to 129, 130 (Part), 131 to 133, 134 (Part), 135, 142 (Part), 143/1 (Part), 143/3 (Part), 144 (Part), 145 to 148, 149 (Part), 150 to 153, 154 (Part), 155, 156 (Part), 157, 158 (Part), 159 (Part), Nallah (Part), Abadi (Part) and Road (Part)

Plot numbers to be acquired in village Durgapur: 45 (Part), 46 (Part), 70(Part), 71, 72 (Part), 74 (Part), 75 (Part), 76 (Part).

Plot numbers to be acquired in village Sinhala:

59 (Part), 62 (Part), 63 64, 65/4, 65/2, 67 to 72, 73 (Part), 74 (Part), 75 (Part), 76 (Part), 77, 78 (Part), 79 to 84 85 (Part), 87 (Part), 88 (Part), 90 (Part), 91 (Part), 92 (Part), 93 (Part), and Nallah (Part).

Boundary Description:

A-B: Line starts from eastern bank of Lrai river and passes through village Kitadi, along the northern boundary of plot numbers 13, 14-2, 1, crosses road, 88-1, then in plot numbers 87, 85/2, 86 Abadi, 80, 81 and meets in plot number 81 at point 'B'.

B-C: Line passes through village Kitadi in plot numbers 81, 80 and proceeds through village Padmapur, crosses road, then in plot numbers 76, 77, 75, Crosses Chandrapur-Taroba P.W.D. road and then in plot numbers 149, 154, Abadi, 156 and meets in plot number 156 at point 'C'.

C-D: Line passes through village Padmapur in plot number 156, corsses road, proceeds prily along the northern b undary of plot number 131, then in plot numbers 130, 124, 158 and meets on the centre point of Motaghat Nallah at point 'D'.

D-E: Line passes through village Padmapur from the centre.

F-G: Point of Motaghat Nallah and in plot numbers 159.

H: 125, then proceeds through village Sinhala in plot numbers 78, 85, 87, 88, 91, 90, 93,92, then along the eastern boundary of plot numbers 67, 65,1 and in plot numbers 62, 59, crosses Nallah, then proceeds along the common boundary of villages Sinhala and Durgapur and meets at point 'H

H-I: Line passes through village Durgapur in plot numbers 76, 75, 74, 72, 70, 46, 45 and proceed through village Sinhala, crosses nallah, then in plot numbers 73, 74, 75, 76 and then through village Padmapur in plot numbers 126, 159, crosses Motaghat Nallah, 158, 134, 143/3, 144, 143/1, 142 and meets on the eastern boundary of Chandrapur-Taroba P.W.D. road at point 'I'.

I-J: Line passes through village Padmapur along the castern boundary of Chandrapur-Taroba P.W.D. road and meets at point 'J'

J-K: Line passes through village Padmapur, crosses Chandrapur-Taroba P.W.D. road, then proceeds along the northern boundary of Gaothan Abadi plot numbers 3, 70, 69, 68, 67, 66, 65 and meets on the common boundary of plot numbers, 61, 71/2 and 71/3 at point 'K'.

K-L: Line passes through village Padmapur along the western boundary of plot number 71/2, then in plot number 71/3, crosses aroad and proceed through village Kitadi along the common boundar of plot numbers 80, 86 and meets at point 'L'.

L-M: Line passes through village Kitadi along the northern boundary of plot number 86, crosses road, then partly along and partly through northern boundary of plot number 2, then in plot number 13 and meets on the eastern bank of Erai River at point 'M'.

M-A: Line passes through village Kitai along the eastern bank of Erai river and meets at the starting point 'A'.

नौटहन और परिटहन मत्रालय

(पारबहन) पक्ष)

नई दिल्मी 26 अप्रैल 1955

(वाणिज्यिकः ने वहन)

वा आ '०41 -- वाणिज्यिक नोबहन अधिनियम १५०३ (1953 का 44) के धा 7 के उपधार (1) हारा प्रदत्त गिनियम कर प्रयाग करने हुए और भारत सरवार नोबहन और परिवहन प्रवास ति विकास ३१ जुलाई, 198 के अधिनमण में क्लाय मरवार श्री वे के राव आई ए एम के स्थान पर थे एन चक्रवर्ती का नौबहन महानिद्शान नियुक्त करने है।

[म एम डब्न्यू/1-एमई एम (6)/50 एम ए] प वा राव, मयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 26th April, 1985

(MERCHANT SHIPPING)

SO 264—In exercise of the rowers conferred by subsection (1) of section 7 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) and in supersession of Notification of the Government of India Ministry of Shipping and Transport (Shipping Wing) No SO 2889 dated 31st July, 1982, the Central Government hereby appoints Shri N Chakraborty as the Director General of Shipping vice Shri B K Rao, IAS

INO SW 1 MDS(6)|85-MA]
P V RAO, Jt Secy

रेल मलालय (रेलबे बोर्ड) नई दिल्ली, 25 मई, 1985

का. आ 2642—चापरमुख सिलपाट रेलवे लाइन और कटखाल लालाबाजार रेलवे लाइन (राष्टीयकरण) अधिनियम, 1982 की धारा 14 को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा महाप्रवन्धक, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे माली गाव को इस अधिनियम के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रयोग की जा सकने वाली सभी शिक्तयो, इस अधिनियम की धारा 14,15 अंर 16 के अन्तर्गत की शिक्तयो को छोडकर का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करनी है।

भारत के राष्ट्राति के लिए तथा उत्तकी ओर से। ए एन बाचू, सचिव, रेलवे बोड

MINISTRY OF RAILWAYS (Railway Board)
New Delhi the 25th May, 1985

SO 2642—In exercise of the powers conferred by subsection (I) of section 14 of the Chaparmukh Silghat Railway I ine and the Katakhal La'ahazar Railway Line (Nationalisa tion) Act 1982 the Central Government hereby authorises the Geneal Manager, North Fast Frontier Railway Maligaon

to exercise all the powers under the Act which are exercisable by the Central Government excepting those under sections 14, 15 and 16 of the Act

A N WANCHOO, Secy Railway Board for and on behalt of the President of India

श्रम महालय

नई दिल्ली, 21 मई, 1985

वा अा .64 x -- औद्यागिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 11) की धारा 17 क अनुसरण में केन्द्रेय सरकार भारत य खाद्य निगम प जाब क्षेत्र) के प्रबधन व से सम्बद्ध नियोजको और उनके कर्म- कारा के बच, अनुबध में निदिग्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रेय सरकार आद्यागिक अधिकरण, चर्ड गड के पचाट का प्रकाशित करनी है, जो कन्द्रोय सरकार वा 14-5-1985 का प्राप्त हुआ थी।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 21st May, 1985

SO 2643—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, (Punjab Region) and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th May, 1985

BEFORE SHRI I P VASISHTH, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CHANDI-GARH

Case No I D 15 of 1984

PARTIES

Employers in relation to the management of Food Corporation of India

AND

Then Workmen

APPEARANCES

For the Employers —Sh B L Laroiya

For the Workmen —Sh P K Singla

INDUSTRY—Food Corporation of India STATE—Punjab

AWARD

Dated the 8th of May, 1985

The Central Govt. Minstry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act 1947, vide their Order No L—42011 (12)|83 D II (B)|D IV (B)|D (V) dated of 5th of May, 1984 referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication —

"Whether the management of FCI in relation to the Dist Manager FCI, Hoshfarpur in justified in refusing night duty allowance, for the night duty performed by its Class IV Employees? If not, to what relief are the Class IV employees entitled and from which date?"

- 2 The petitioner Union represents the Class IV employees of the Respdt Coiporation posted at its various depots in Punjab incliding District Hoshiarpur. It was complained that the Management was not paying Night Duty Alfowance to them despite the fact that they were made to work at odd hours of the night and even the rules required such payment. They, therefore raised a demand for the appropriate relief. However, the Management was found unresponsive despite the intervention of the A. I. C. (C) and hence the Reference.
- 3 The Management resisted the proceedings on the sole ground that there was no legitimacy in it

- 4. Keeping in view the comprehensive nature of the terms of reference, the parties were called upon to adduce evidence in support of their respective versions, without going through the drill of framing formal issues. Thus the pelitioners' examined their General Secretary Sh. P. K. Singla whereas the Management produced their Dy. Manager (IR) D. V. S. Raju. Of course, the petitioners filed a few document also whose authenticity was not challenged from the opposite side.
- 5. On a careful consideration of the entire available data and hearing the parties, I am not inclined to sustain the petitioners' cause for the simple reason that on the showing of their own authorised representative Sh. Singla their primary engagement is under the watch and Ward staff, who operate round the clock in three different shifts. To be precise, they work for only 8 hours duration per day. It is an entirely different thing that such shifts keep on rotating with the obvious result that nobody is permanently deployed in any particular shift.
- 6 Rehance was placed on the Circular FM. W-2 dated 6-11-75 with the contention that after a long drawn out struggle with the Management they had succeeded in extracting assurance that all Class III and IV employees put on night duty would be paid Night Duty Allowance also. I am attain the petitioners' have tried to read too much in between the lines of the Cheular because even a cursory scrutiny thereof would leave no manner of doubt that it benefits only such of the Class III & IV employees who are put on emergency duty in the Control room consecutively for more than six nights. In our case, under the weight of oath, in his cross-examination, Sh. Singla conceded that "the petitioners' do not perform duty in the Control room during the emergency for the simple reason that there is no control room."
- 7. In my considered opinion his admission on such a vital aspect of the issue takes the very wind out of the petitioners' sails because it clearly implies that there is neither any control room nor any occasion for them to be deputed there so as to invoke the philosophy of the aforesaid Circular Exb. W-2 otherwise too, in the very nature of things a watchman is often required to be on duty after the usual office hours, though in our case the petitioners are kept on rotation by the Management in different shifts.
- 8. Be that as it may for the reasons recorded above for want of merit, I reject the petitioners demand and on sustaining the Management's action in declining them any Night Duty Allowance, return my Award accordingly.

Chandigarh.

8-5-1985.

[No. 1-42011 (12)]83 D.H (B)]D. [V (B)]D. V.]
A. V. S. SARMA, Desk Officer

नई दिल्ली: 23 मई, 1985

का. आ 2644 .—-ऑद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारत कोक्षिण कोल लि की इडस्दी कोलियरों के प्रवधनव से सम्बद्ध नियोगकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण नं. 2 धन्बाद के पंचाट को प्रकाणन करती है जो केन्द्रीय सरकार की 21-5-1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 23rd May, 1985

S.O. 2644. --In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Dhanbad as

shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Industry Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, and their workmen, which was received by the Central Goernment on the 21st May, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDU-STRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD PRESENT

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 45 of 1984

In the Matter of Industrial Disputes under Section 10(1) (d) of the I. D. Act., 1947.

PARTIES:

Employers in relation to the management of Industrial Colliery of M|s. Bharat Coking Coal Limited, and their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of the employers.—Shri G. Prasad, Advocate.

On behalf of the workmen.—Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

STATE: Bihar: INDUSTRY: Coal

Dhanbad, the 15th May, 1985

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-20012 (110)[84-D.III(A), dated the 30th July, 1984.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Industrial Colliery of Mis. Bharat Coking Coal Limited, P.O. Dhansar, Distt. Dhanbad in denying regularisation as Dumper Khalasi to Shri Hajrat Mia and in stopping him to work as Dumper Khalasi with effect from 12-11-83 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled and from what date?"

The case of the workmen is that the concerned workman Shri Hajrat Mia was originally appointed as Miner|Loader in Group VA in Industry Colliery of M/s, B.C.C. Ltd. The concerned workman possessed valid driving licence and as such he was directed by the management to work as Dumper Khalasi and he was assured that he would be promoted as Dumper Operator. In pursuance of the said direction of the management the concerned workman has been regularly working as Dumper Khalasi since January, 1983 and was getting the wages of Cat. II. He had put 240 days attendance as Dumper Khalasi and as such the management being satisfied with his performance regularised him as Dumper Khalasi in Cat. II with effect from 20-8-83. The concerned workma was getting underground allowance when he was work-

ing as Miner/Loader but the said underground allowance was stopped since the concerned workman started working as Dumper Khalasi. The concerned workman had accepted Cat. II wages in place of Group V wages seeing the future promotional avenues and the assurance of the management for further promotion as Dumper Operator. After sometime the concerned workman represented before the management for his proper categorisation. The management with an ulterior motive stopped the concerned workman from working as Dumper Khalasi with effect from 12-11-83 illegally without giving any reason and notice under Section 9A of the Industrial Disputes Act. The action of the management in stopping him from work as Dumper Khalasi with effect from 12-11-83 was illegal and against the principles of natural justice. The concerned workman is an active member of Bihar Colliery Kamgar Union and the local management is biased and prejudiced against the members of Bihar Colliery Kamgar Union and for that reason the workman was stopped to work as Dumper Khalasi with a motive to victimise him. The concerned workman and the union protested against the illegal and arbitrary action of the management but without any effect. Thereafter the union raised an industrial dispute before the ALC(C), Dhanbad for conciliation but the same ended in failure and thereafter the Government of India, Ministry of Labour re'erred the said dispute for adjudication by this Tribunal. The concerned workman is legally entitled to be regularised as Dumper Khalasi with effect from 20-8-83 with all consequential benefits.

The case of the management is that the concurned workman was employed as permanent miner/loader in Group VA and was paid on the piece rate basis according to the output given by him from time to time. The concerned workman by an application dated 14-3-83 and another application intimated the management that he has got valid licence for driving light vehicles and offered himself to work as Dumper Khalasi expressing his desire to accept the wages payable to the workmen employed as Dumper Khalasi and requested the management to employ him as Dumper Khalasi. The management were in need of temporary Dumper Khalasi and as such the concerned workman was allowed by Office order dated 20-8-83 to work as Dumper Khalasi with a condition that he shall be paid Cat, II wages. The concerned workman reported for duty and was allowed to work in the third shift as Dumper Khalasi from 21-8-83 for the first time after the said order was passed. The concerned workman worked as Dumper Khalasi in Cat. II till 12-11-83 for a period of less than 3 months only. He was neither appointed on probation nor he had even worked for 3 months as Cat. II Dumper Khalasi. The concerned workman had not been appointed in any permanent vacancy as Dumper Khalasi and as such he was reverted back to his original job of Miner. The concerned workman had neither completed 240 days attendance as Dumper Khalasi nor he was employed as Probationary Dumper Khalasi to fill in the post of permanent vacancy and as such he did not acquire any right to work as Dumper Khalasi and was rightly reverted back to his original job of Miner/loader with effect from 12-11-83 and there was no question of his regulaiton as Dumper Khalasi. The action of the management in stoping the concerned

workman to work as Dumper Khalsi and reverting him back as Miner/loader is fully justified and he is not entitled to any relief. The management had never assured the concerned workman to promote him as Dumper Operator. He was allowed to work on his own request as Dumper Khalasi with effect from 21-8-83 but he, was never regularised as Dumper Khalasi with effect from 20-8-83. The management had no reason to victimise the concerned workman and the said allegation is false. Since the concerned workman was not appointed on probation to fill any permanent vacancy and was allowed to work as Dumper Khalasi on his request and as such he was reverted back to his old job when his services were no more required as Dumper Khalasi and in the circumstances there was no question of giving notice under Section 9A of the I.D. Act. On the above plea it has been submitted on behalf of the management that the Award be made in their favour.

Two questions arise for determination in this case in accordance with the schedule of the order of reference. The first point to be considered is whether the action of the management in denying regularisation as Dumper Khalasi to the concerned workman is justified and the other point for consideration is whether the action of the management in stopping the concerned workman to work as Dumper Khalasi with effect from 12-11-83 is justified.

The management have examined three witnesses in support of their case and the workman have examined one witness namely, the concerned workman Hajrat Mia in support of the case. The management have further produced some documents which have been marked Ext. M-1 to M-4. No document has been exhibited on behalf of the workmen.

Ext. M-1 dated 20-8-83 is an Office order under the signature of Shri A. K. Singh, Superintendent of Industry Collicry addressed to the concerned workman as Miner Industry Colliery, MW-1 A.K. Singh has stated that he is working as Superintendent of Industry Colliery and Office order dated 20-8-83 Ext. M-1 was issued by him allowing the concerned workman to work as Dumper Khalasi wth effect from 20-8-83. He has stated that before that the concerned workman was working as Miner/loader. According to him the concerned workman had applied for, working as Dumper Khalasi. It is the admitted case of the parties that the concerned workman was reverted back as Miner/loader with effect from 12-11-83 and since then the concerned workman is working Miner/loader. MW-1 has stated that he had not assured the concerned workman that he would be employed permanently as Dumper Khalasi,

Ext. M-2 is a petition by the concerned workman dated 14-3-83 to the Superintendent of Industry Colliery for his appointment as Dumper Khalasi. It will appear from this petition that the concerned workman was working as Miner in Industry Colliery at the time when he had filed this petition before the management. It is stated in his petition before the management that he has come to know that some posts of Dumper Khalasi are lying vacant and he intends to work in that post of Dumper Khalasi. It is further stated that the concerned workman possessed driving licence for light vehicles and that

he knows the work of Khalasi. It is also stated that he is ready to accept the wage, of the Cat. II of Khalasi if he is appointed as Dumper Khalasi, MW-2 N.K. Sinha was a senior personel Officer at Industry Colliery. He has stated that this petition Ext M 2 bears his endorsement and that the concerned workman had put his LTI in his presence. The concerned workman WW-1 has stated in his cross-examination that he had filed a petition Ext.M-2 for giving him the job of Dumper Khalasi. He has also accepted in his evidence that he had stated in his petition Ext. M-2 that he will be working in the Category of Khalasi, It is, therefore, clearly admitted by the concerned workman that Ext.M-2 was filed by the concerned workman before the management for Dumper Khalasi and that he was ready to accept the wages of Cat. II if he was appointed as Dumper Khalasi, It will also appear from this petition that the concerned workman was not working as Dumper Khalası prior to the filing of this petition Ext. M-2 dated 14-3-83. Ext.M-1 dated 20-8-83 shows that the management had favourably considered the petition of the concerned workman and thereafter permitted him to work as Dumper Khalasi in Cat.II Wages. In iew of the facts stated in Ext.M-2 it is clear that the concerned workman had not worked as a Dumper Khalasi since January, 1983 as stated by him in his evidence as WW-1. It is stated by WW-1 that he was regularised by the management as Dumper Khalasi on 20-8-83 but the Office order dated 20-8-83 does not show that the concerned workman was regularised from 20-8-83 but he was only permitted to work as Dumper Khalasi from 20-8-83. There is no other paper on the record to show that the concerned workman had worked as Dumper Khalasi prior to the Office order Ext.M-2 dated 20-8-83. I hold therefore that the concerned workman was allowed to work as Dumper Khalasi from 20-8-83 and that he had not worked as Dumper Fraiasi pri r to that date and as such it cannot be said that the concerned workman had worked earlier as Dumper Khalasi and was regularised as Dumper Khalasi from 20-8-83.

Admittedly, it concerned workman was stopped from working as Dumper Khalasi with effect from 12-11-83 and thereafter he is working in his old job of Miner/loader. The concerned workman has not completed 24 days attendance in a year prior to his stoppage of his work as Dumper Khalasi as he had worked as Dumper Khalasi only for the period from 21-8-83 to 12-11-83. Ext. M-3 and M-4 are Bonus Registers of Industry Collicity which will also show that the concerned workman had not completed 240 days as Dumper Khalasi. As the concerned workman did not complete regular and continuous' attendance of 240 days as a Dumper Khalasi, the demand of the concerned workman for his regularisation as Dumper Khalasi does not appear to be justified and this point referred to in the schedule of the order o' reference has to be decided in favour of the management.

The next question to be determined is whether the management was justified in stopping the concerned workman to work as Dumper Khalasi with effect from 12-11-1983. The case of the management is that the concerned workman was temporarily appointed to work as Dumper Khalasi and that when

his services were no more required he was reverted back to his old job of Miner loader for this purpose the most important document is the Office order dated 20-8-83 which is the order by which the concerned workman was allowed to work as Dumper Khalasi, On perusal of Fxt, M-2 it will appear that there is no mention of the fact that the concerned workman was being appointed for a temporary period for any limited period as Dumper Khalast and on reference to the petition of the concerned workman Ext. M-2 it will appear that there was some vacancies of Dumper Khafasi for which he had applied and had agreed to accept the wages of Cat. It and on those facts the concerned workman was appointed as Dumper Khalası vide Ext. M-1. MW-1 in his cross-examination has stated that Miner loader in Group VA are entitled for underground allowance and when the concerned workman was employed as Dumper Khalasi in Cat. II his underground allowance was stopped. He has stated that the concerned workman had not been engaged as Dumper Khalasi in place of sickness of any other Dumper Khalasi. He has further stated that the period for which the concerned workman was engaged as Dumper Khalasi was not stated in Ext-M-1. Thus from Ext,M-1 and the evidence of MW-1 it will appear that the concerned workman had not been appointed in a temporary vacancy. The point has further been clucidated in the evidence of MW-1. He has stated that there were four Dumpers in the mines on 20-8-83 and that on 1-1-84 there were four dumpers but only three were in use. He was unable to say, the number of permanent dumper Khalasi in Industry Colliery. MW-2 who is a Sr. Personnel Officer has stated that he does not remember if there were nine permanent Dumper Khalasi from August to November, 1983 in Industry Colliery and that out of them tive were promoted as Dumper Operator in 1983 and that the concerned workman was posted in place of the promoted Dumper Operator. Thus there is no positive evidence adduced on behalf of the maragement to show that the concerned workman was not appointed in a permanent vacancy. The concered workman as WW-1 has given a positive evidence on this score. He has stated that in 1983 four dumper were being operated which was still in operation. He has further stated that all the four dumpers were being operated in all the three shifts and there were 12 dumper operators and 10 dumper Khalasies to do the job. According to him at present there are only seven dumper Khalasies and the shortage of dumper Khalasies is made up, by engaging the workmen from other places by the management. He has, also stated that one Dumper Khalasi always accompany the dumper operator. He has also stated that he was appointed in regllar vacancy of a Dumper Khalasi. Thus the evidence of WW-1 positively shows that he was apointed as Dumper Khalasi in a permanent vacancy and I do not find any material on the record to show that the concerned workman was appointed as a Dumper Khalasi on temporary basis. Taking the entire evidence into consideration I hold that the concerned workman was appointed as Dumper Khalasi in a permanent vacancy,

Admittedly, no notice was given to the concerned workman when his work as Dumper Khalasi was stopped and he was asked to go back to work in his old job of Minerloader It will appear that the

concerned workman had gien his choice for being appointed as a Dumper Khalasi in Cat. II by giving up the job of Miner loader where his total wages were more than what he was getting as Dumper Khalasi. Now after the management accepted prayer and allowed him to work as Dumper Khalasi the service condition of the concerned workman had changed and by asking the concerned workman to go back as Miner/loader, from wages of piece rated workman in Group VA would be a complete change in his service conditions as he was working in a time rated job in Cat.II as Dumper Khalasi. It was imperative on the part of the management to give him notice under Section 9A of the I.D.Act as there was a complete change of the condition of service and on his being transferred as Miner/loader from the post of Dumper Khalasi Cat. II. The stoppage of work of the concerned workman as Dumper Khalasi from 12-11-83 and asking him to work as Miner loader from that date was an illegal order as no employer who proposes to effect any change in the condition of service aplicable to any workman shall effect such change without giving the workman a notice in the prescribed manner of the nature of change proposed to be effected. The order of the management, therefore, stopping the concerned workman from, working as Dumper Khalasi with effect from 12-11-83 and asking him to work as Miner loader is not justified and the concerned workman is entitled to continue as Dumper Khalasi with effect from 12-11-83.

In view of the discussion made above I hold that the action of the management of Industry Colliery of M|s. B.C.C.Ltd. in denying regularisation as Dumper Khalasi to the concerned workman Shri Hajrat Mia is Justified. I further hold that the action of the management of Industry Colliery of M|s. B.C.C.Ltd. in stopping the concerned workman Shri Hajrat Mia to work as Dumper Khalasi with effect from 12-11-83 is not justified, and the concerned workman is entitled to continue as Dumper Khalasi from 12-11-83. The management is further directed to pay the difference of wages, if any, which the concerned workman has received as Miner|loader and the wages of Cat.II which he was entitled to get from 12-11-83.

This is my Award.

J. N. SINHA, Presiding Officer [No. L-20012(110/84-D.III (A)] A.V.S.SARMA, Desk Officer

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 मई, 1985

का. आ 3645.:-- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, सेन्द्रल वैक ऑफ उंडिया के प्रवंधतंत्र में मम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई पिन्ली के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-5-85 को प्राप्त हुआ था।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 22nd May, 1985

S.O. 2645.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Government bereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in 229 GI/85—21

the industrial dispute between the employers in relation to the Central Bank of India, and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th May. 1985.

BEFORE SHRI O.P. SINGLA, RESIDING OFFICER, CENTRAL GOVI. INDUSTRIAL TRIBUNAL,

NEW DELHI

I. D. No. 208|77

In the matter of dipute between :

Shri D.L. Mazumdar slo late Shri H. L. Majumdar, r/o F-46/2, Kotla Mubarakpur, New Delhi,

The Management of Central Bank of India, New Delhi, APPEARANCES:

Shri S. S. Sethi for the Management. Shri Tara Chand Gupta for the workman.

AWARD

Central Government, Ministry of Labour on 16-12-77 vide Order No. L-12012|62|77-D.II.A. made reference of the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of the Central Bank of India, New Delhi in dismissing Sri D. L. Majumdar. Clerk at their Janpath Branch of the Bank w.e.f. 25-10-75 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Shri D.L. Majumdar joined as clerk in Central Bank of India on 10-3-47 as complaint was lodged with police by the Bank and he was suspended by order dated 17-6-71 after his arrest on 2-6-71 in the case under sections 409|420|467|468|471|477-A I.P.C. His suspension was pending completion of investigation in the case.

3. The challan was presented against the workman in the court of Metropolitan Magistrate only on 14th March, 75 and the case FIR/865/71 P.S. Parliament Street, New Delhi was pending before Shri Brijesh Kumar, M.M. New Delhi

in November, 1963.

4. The Management did not start any disciplinary proceedings against the workman but dismissed him from service on 25-10-75 with dismissal order in the following terms:

"We regret that we are hereby compelled to intimate to you that you are hereby dismissed from the

You are aware that criminal trial is pending against you and during pendency thereof. We cannot take departmental action against you. As you are due to retire on and from 18-12-75, and as the criminal trial is not likely to be over and even if the same is over, your departmental enquiry cannot be over, we are left with no other alternative but to dismiss you from service with immediate effect.

Your dues as per law will be paid to you after deducting there from the amount embezzled by you. Since there is no amount payable to you, you are hereby requested to make payment of the balance amount of Rs. 1,34,431.64 to us on or before 25-11-75."

- 5. This action was taken by the Management because the workman was due to retire on and from 18-12-78 and the Management did not think it proper that workman whom it believed to be guilty of the offences mentioned above should retire in the ordinary course.
- 6. The workman raised an Industrial Dispute which has been referred to this Tribunal as indicated earlier. The first question that was raised is whether the Management can justify its action of dismissal before this Tribunal by giving him the chargesheet on the basis of the facts in the FIR already lodgd against him on the basis of which criminal trial is pending in the Criminal court or whether the Management is precluded from doing so. The preliminary issue framed is in the following terms:

- "Whether in case of criminal proceedings at the instance of Management pending, a departmental enquiry enquiry by the Tribunal is admissible.
- 7. I have had the benefit of examining the written arguments filed by the parties.
- 8. The Management's case is that the Supreme Court in Kitz Theatres Private Ltd. Vs. its workmen, reported in 1962 II LLJ at page 498 ruled that in case of no enquiry or defective enquiry by the Management, the Management is entitled to lead evidence before the Tribunal and the whole issue is before the Tribunal for adjudication on the evidence to be led by the parties b fore the Tribunal. This position is said to be reiterated by the Supreme Court in later judgements in (i) M/s Bharat Sugar Mills Ltd. Vs. Sh. Jai Singh & Ors. 1961 II LLJ, page 644, (ii) Punjab National Bank Ltd. Vs. its workmen 1959 II LLJ, page 666, (iii) Workmen of Motipur Sugar Factory Pvt. Ltd. Vs. Motipur Sugar Factory, 1965 II LLJ, page 162, (iv) State Bank of India Vs. R.K. Jain & Ors. 1971 II LLJ, page 599, (v) Delhi Cloth & General Mills Ltd. Vs. Ludh Budh Singh, 1971-I-LLJ, page 180, and (vi) Workmen of Firestone Tyre & Rubber Co. Vs. The Management, 1973 I LLJ, page 278.
- 9. In respect of para 19.4 of the Bipartite Settlement dated 19-10-66 no enquiry could be held by the employer during the pendency of the criminal trial and employer could not hold enquiry that the Tribunal could not do so, the Management contention is that it is only the Management that was precluded from holding an enquiry during pendency of criminal trial and the bar did not apply to the Industrial Tribunal from discharging its functions when the dispute had been referred to it to examine the justifiability of the action of the Management. The Settlement was binding only on the parties and not on the Tribunal and even the findings of the Criminal court are not binding on this Tribunal.
- 10. In respect of the plea that since the employer did not hold enquiry during the period intervening between the date of expiry of one year from the filing of complaint with the police and the commencement of trial, the Management's case is that during that period there was temporary lifting of the bar in respect of departmental enquiry but the enquiry itself was totally impossible because of the documents in respect of the enquiry both of the bank and of the postal authorities were with the police who had collected them from the bank and the postal department during course of investigation and the Management could not hold the enquiry at all and under para 19.4 even if the enquiry 1s commenced it would have to be stopped from the commencement of criminal trial. In any case the Management view is that there is no bar whatsoever for the Tribunal to decide the matter on evidence before it.
- 11. In regard to the case cited by the workman Hindustan Steel Limited Workmen Vs. Hindustan Steel Ltd. and others reported in 1985 Current Labour Reports Vol. I page 193, the Management differentiated that case as one where standing Orders 32 was to be interpreted in the case of misconduct of an employee and was not a case dealing with the question whether the employer could justify dismissal by leading evidence for the first time before the Industrial Tribunal para 10 of the said judgment is referred to where the Sunteme Court observed that there are two course of options first to permit the Management to hold the disciplinary enquiry and to come to its own decision and the second to remit the matter to the Labour Court to remit the Management to lead evidence to substaniate the charges if it was entitled to do so under law.
- 12. In my ominion the Management cannot lead evidence and issue the chargesheet to the workman before his Tributal. The reasons are plain.
- 13. The Management had the right and opportunity to start enquiry by issuing chargesheet to the workman when the criminal trial did not start one year after the lodging of the report to the police. It was a default on the part of the Management and the Binarite Settlement did not have enquiry by the Management. The Management could refer to the Binartite Settlement and its power to hold enquiry.

- and could request the police to produce the relevant documents before it in the enquiry. There is no presumption that the police would not have produced the documents before the Enquiry Officer at the request by the bank-Management when the bank-Management was within its rights to hold the enquiry under Bipartite Settlement. However, if the bank was stalled in that enquiry by the police not co-operating by producing relevent documents before the Enquiry Officer at the request by the Management, a peculiar situation would have arisen and then in that event this Tribunal would certainly have allowed the Management to prove its case against the workman before this Tribunal.
- 14. What has been referred to this Tribunal is the justifiability of the action of the Management. The Management could take appropriate action by way of domestic enquiry during a period of three years from June, 72 to February, 75, but it failed to do so and the plea raised by it that the police would not have produced the documents before the Enquiry Officer is presumptuous and not factual. When such is the case, and the Management failed to hold enquiry in accordance with the Bipartite Settlement, it will be unfair for this Tribunal to hold enquiry against the workman when the criminal trial of the workman is also pending on the same charges.
- 15. The Delhi High Court in Civil Writ No. 1088 of 1969 decided on 12-11-70 in workmen of Indian Overseas Bank Vs. Indian Overseas Bank and another reported in 1973(1) LLJ, 316, through Hon'ble Mr. Justice Rajinder Sachar, has ruled that the Management need not first prosecute the workman or get him prosecuted when he appears to be guilty of an offence punishable under the LP.C. Their interpretation of para 581(3) of Shastry Award is that the Management has the option to proceed against the employee either in a criminal court or departmentally, and the Management need not wait for his being put on trial or prosecuted within a period of one year of commission of the offence. Accordingly, the Management could have decided to take disciplinary action against the workman without reporting the matter to the police|Criminal court, but it failed to do so.
- 16. In the circumstances above, the action of the Management in dismissing the workman from service without enquiry is unjustified, and this Tribunal will not allow the Management to issue a charge-sheet and hold enquiry for the first time before this Tribunal. The action of the Management in dismissing the workman from service w.e.f. 25-10-75 in the circumstances of the case is neither legal nor justified. The workman is entitled to relief and he shall be deemed to have retired in the normal course on 18-12-75 and to advantages on that basis. This, however, is not to say that the workman will suffer no adverse consequences of conviction in the criminal court if any ensued in respect of his employment but so far as this Tribunal is concerned, it refuses to allow the Management to hold enquiry before this Tribunal and further holds that order of dismissal of the workman in question passed on 25-10-75 is illegal and unjustified, and the workman must be deemed to have retired on and from 18-12-75 ignoring the order of dismissal dated 25-10-75. The Award is made accordingly.

Further is is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

O. P. SINGLA, Presiding Officer.
[No. L-12012|62|77-D.II(A)|Part I]

का. जा. 2646:— आँगोधिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रवंशतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्विष्ट औद्योधिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योधिक अधिकरण, नं. 2, बम्बई, के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 14-5-85 की प्राप्त हुआ था।

S.O. 2646.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay as shown in the Annexure in the industrial Jispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th May, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL

TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY Reference No. CGIT-2|33 of 1985

PARTIES:

Employers in relation to the management of State Bank of India, Nagpur,

and Their workmen.

APPEARANCES:

For the employers: Shri A. E. Kulkarni, Officer M.M.G. Sc. II, Regional Office, State Bank of India, Nagpur.

For the workmen: Shri S. D. Phadke, President, SBI & S. B. Employees' Union, Nagpur.

Bombay, dated athe 1st May, 1985 AWARD PART I

Termination of services of the workman in question on the ground that he was negligent in driving the vehicle of the State Bank of India whereby it met with an accident and secondly on the ground that the workman was found driving the vehicle while under the influence of liquor is the subject matter of the present reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act (Order of reference number being L-12012|200|84-D. II(A) dated 12-3-17985). There was also an allegation that some unauthorised persons were allowed to travel by the vehicle.

- 2. The facts are not much in dispute. The incident is alreged to have occurred on 7-8-1981 as a result of which there was a complaint to the Police who taking congnizance of the said complaint lodged chargesheet against the workman after investigating the offence, in which criminal proceeding ultimately the workman was acquitted by the judicial Magistrate who heard the complaint. After this acquittal the State Bank of India authorities chargesheeted the workman appointed an enquiry officer who on going through the Police Statements, statements recorded during the criminal trial and relaying upon the certificate issued by the Medical Officer, without calling any witness for adducing evidence and without giving any opportunity to the workman to challenge the statements and the certificate, arrived at his own conclusion, held the workman guilty of the misconduct as alleged, on the strength of which finding the competent authority decided to terminate the services of the workman.
- 3. Certainly even after the acquittal of the workman the Bank was entitled to hold an enquiry. There is no doubt about it but once it was decided to hold fresh domestic enquiry, the Enquiry Officer could not have relied upon the statements recorded during the Police investigation or the statements recorded before the judicial magistrate and could not have held the workman guilty especially when on the strength of the very statements the judicial authority had come to the conclusion of not guilty. If the matter was to be probed into again it was necessary to cite the witnesses before the Enquiry Officer giving the workman opportunity to cross-examine them and the Medical Officer who issued the certificate and also give the workman an opportunity to adduce his evidence and then the Enquiry Officer could have differred from the final conclusions arrived at by the Judicial Magistrate, if in his opinion the circumstances and evidence before him warranted such conclusion. Without following such procedure a curious procedure has been followed and thereby deprived the workman of an opportunity to defend himself. In my view therefore in the light of these circumstances, the enquiry is vitiated, cannot be held to be valid and therefore must be ignored.

- 4. Although such is the decision since there is a request by the Bank to give them opportunity to establish the misconduct before the Tribunal, said opportunity has to be given and as such the matter is fixed for evidence which the Bank is desirous to adduce for bringing home the charge against the workman.
- 5. Since the enquiry is being set aside, having been found to be vitiated, the status quo ante at the time of discharge order will have to be restored namely that the workman who was placed under suspension shall be deemed to continue to be under suspension till final order in the present reference.

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer[No. L-12012|200|84-D. 1I(A)]N. K. VERMA, Dosk Officer

नई दिल्ली, 23 मई, 1985

का. आ. 2647.—औं योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, देना बैंक के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2, धनबाद, के पंचाट को प्रकृशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 21-5-85 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 23rd May, 1985.

S.O. 2647.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Dona Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 21st May, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT:

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 87 of 1984

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)-(d) of the I.D. Act, 1947

PARTIES:

Employers in relation to the management of Dena Bank, Patna and their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of the employers—Shri I. P. Singh, Advocate.

On behalf of the workmen—Shri T. K. Prasad and Shri V. N. Sahay, Advocates.

STATE: Bihar. INDUSTRY: Banking
Dhanbad, the 14th May, 1985

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the LD Act. 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-12012|100|84-D.HA date, the 6th December, 1984.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Dena Bank, Calcutta in relation to their Bakhtiarpur Branch, Distt. Patna in dismissing from service Shri Ram Bali Singh, Cashier-cum-Clerk with effect from 21-12-1982 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

The case of the workmen is that the concerned workman Shri Kambalii Singh was appointed as a Clerk in Dena Bank on 8-10-68 and was posted at Bhawanipur Branch of Dena Bank at Calcutta. Subsequently he was transferred to Howkah Branch of the Bank and thereafter in November, 1971 he was transferred to Bakhtiarpur Branch of the Bank as Cashier-cum-Clerk till he was dismissed by the order dated 21-12-82. There was no complaint at any time in respect of his work or behaviour since his appointment. In recognition of his efficiency and good performance the concerned workman was allotted the work of a paying cashier in the year 1978 and for that job he was allowed special allowance of Rs. 120 per month. He was an active member of Dena Bank Employees Union, Bihar State affiliated to Bihar Provincial Bank Employees Association. In 1973 he was elected as Vice President of the Bihar State Dena Bank Employees Union and was being re-elected every year as Vice President till 1980. As Vice President he was voicing emphatically the grievances of the employees of the Bank before the superior authorities and due to his active participation in the union affairs the superior officers of the Bank did not like him and were on the look out for an opportunity to punish him. The union gave a call for work-to-rule in all the branches of Dena Bank including the Bakhtiarpur branch from 1-1-80 to 11-1-80 in order to get settlement of their industrial dispute implemented. Due to the efforts of the concerned workman the strike was a complete success. Seeing the successful organisation of the employees of the Bank the instance of the concerned workman, the management of the Bank were finding out a pretext to implicate and punish him. The union under the Vice Presidentship of the concerned workman informed the higher authorities in writing about the mal practices and mismanagement in the matter of loans and advances by the then Bakhtiarpur Branch Manager of the Bank Suri P. S. Padmanavan and the accountant Shri Baradarajan. Therefter there was departmental enquiry against them. Shri Padmanavan was suspended on 4-1-80 and Shri Baradarajan charge sheeted on 31-7-80 on various allegations including the complaint of the concerned workman against them. Shri Baradarajan was dismissed from service in April, 1983.

On 4-1-1980 Shri V. Shankar Narain took over charge of Bakhtiarpur Branch of Dena Bank from Shri Padmanavan. After taking over charge on that day Shri Shankar Narain accompanied by Shri Baradarajan, Accountant came to take a stock of the cash at the counter of the concerned workman when the cash had already been opened and daily Bank transaction had started, Shri Shankar Narain did not find any irregularity and as such no irregularity was pointed out to the concerned workman. Thereafter Shri Shankar Narain with Shri Baradarajan went away to talk and came in a few minutes and at that time there was n oindication of any shortage in cash. However, a packet of Rs. 10,000 had been misplaced but was found immediately on the spot. No verbal or written allegation was levelled against the concerned workman in respect of the misplaced bundle Rs. 10,000. He was rot asked to explain any shortages and no memo WBS issued bim to on 20-2-1980, the concerned workman had returned after a few days leave when he received an order not to perform the duties in the cash department. Eeven at that time there was no reference of any irregularity, shortage of cash defalcation, theft or attempt of theft. On 13-3-80 the Regional Manager, Calcutta issued a charge-sheet-cum-suspension order on the concerned workman alleging that 4-1-80 an amount of Rs. 10 000 was found missing at the time of checking cash but after sometime it was found. The further allegation was that the concerned workman had attempted to commit theft and that his act was prejudicial to the interest of the Bank. The concerned workman submitted his explanation denying the allegations in the charge as false and fabricated and it was stated that the charges were levelled with a view to victimise him for his trade union

activities. A domestic enquiry was conducted by Shri Kothari. The enquiry was being delayed and thereafter the concerned workman filed a Writ application CWIC 1691 of 1982 in the Hon'ble Patna High Court in which it was ordered on 7-5-82 that the domestic enquiry should be completed within two months failing which the suspension order would automatically stand vacated. The enquiry proceeding were not completed within 2 months of the order of the Hon'ble Court and thereafter the concerned workman was allowed to join his duties by a letter dated 29-7-82. The onquiry was held wherein some witnesses were examined. The enquiry Officer held the workman guilty of misconduct as alleged in the chargesheet by his report dated 30-9-82. A dismissal order dated 21-12-82 was served on the concerned workman under the signature of the Regional Manager. He filed an appeal before the AGM(P) against the order of his dismissal but the same was dismissed and his order of dismissal was confirmed. According to the concerned workman the management could not produce any dependable and direct evidence to establish that there was an attempt to steal or that any financial loss was caused or was likely to be caused by the conduct of the concerned workman. The findings are perverse being contrary to the oral and documentary evidence produced before the Enquiry Officer. There was no material establishing the charges against the concerned workman. The enquiry Officer did not explain the contradictions in the evidence of the management's witnesses which could go to show that the witnesses were all tutored The principles of natural justice were not observed in as much as the Enquiry Officer had restrained cross-examination of the management's witnesses by and on behalf of the concerned workman. The management had relied upon the witnesses who had got the benefits of wrongful advances by the Branch Manager and the Accountant of Bakhtiarpur Branch in respect of which the concerned workman as Vice President of the Union had made complaint. The dismissal of the concerned workman is a result of victimisation. On the above facts it is prayed on behalf of the workmen that an Award be passed declaring the order of the dismisal dated 23 6 82 as void and the concerned workman be reinstated with all benefits from the date of dismissal.

The case of the mangement is that the concerned workmar Shri Ramballi Singh was duly chargesheeted for attempt to commit theft of Rs. 10,000 by unauthorisedly and surrepti tiously removing the said amount from the safe and doing acts prejudical to the interest of the Bank involving of likely to involve the Bank in serious financial loss. A domestic proceeding for the same was held in which the concerned workman and his co-worker participated and cross-examined given full opportunity to defend himself in the domestic management's witnesses and the con-eined workman wafound guilty of the charges and thereafter he wadismissed from service by the conspetent authority. The order of dismissal was confirmed even in the appeal filed by the concerned workman before the appellate authority. The facts leading to the charge agains the concerned workman is that on 4-1-80 Shri V Shankaranarain joined at Bakhtiarour Branch of the Ban¹ as Manager on deputation from Regional Office, Calcutta On his arrival he decided to check the entire cash. In cours of cheeking he found shortage of Rs. 10,000 in the tota cash. The concerned workman was the Cashier Inchange o all the Cash and was responsible for the shortage. The Branc Manager stopped all business mansaction and with the help c Accountant and other staff made a thorough search of th office for the missing amount but was not found. It transpire that while the Branch Manager had gone to inform th superior authorities on phone or the upper floor of the Bank the concerned workman surreptitiously left the Bank premisand managed to indust into the Bank premises the missin amount. The concerned workman handed over the amount to the Bank cash Peon Shri Rabindra Bahadur Singh stitched and stamped the bundle of the note at the instanc of the concerned workman. Thereafter the concerned workma cleverly kept the said bundle of note under old ledgers. Whe the Branch Manager came down stairs, the concerned wor! man made a show of discovery of the missing amount from the old ledgers. The Branch Manager had already thorough: scarched the said place earlier from where the missing amou was later shown to be recovered by the concerned workma The Branch Manager made a report of the entire fact t

the Regional Manager, Calcula who after considering the entite matter issued a charge sheet-cum suspension order dated 13-5-80. The charge-shoot was served on the concerned workman to which the concerned workman gave explanation. rac explanation was found insatisfactory and a departmental proceeding was started and the enquiry was conducted by san M. Kothan the then Astt. General Manager (O), Carcusts who was a competent authority on the panel of en-quity officers, the Enquiry Officer heid enquiry according to the rules in which the concerned workman duty participated. the concerned workman was given full opportunity to detend immself and in fact he cross-examined all the management's witnesses and also adduced witnesses in his defence. After thilly discussing the materials on record, the enquiry officer loand the concerned workman guilty of the charges. The Kegional Manager who is a disciplinary authority considered the enquity report and the materials on the record and was satisfied about the guilt of the concerned workman and passed an order of his dismissal after giving an opportunity for personal hearing of the concerned workman, the concerned workman med an appeal against the order of his dismissai before the appellate authority and after properly hearing the concerned workman the appellate authority conarmed the order of dismissal passed by the disciplinary authority. The findings is based on the oral and the documentary evidence produced before the Enquiry Officer and there was no question of victimisation or biasness from the side of the management. The second charge is connected with the first charge and as the first charge of committing the their is proved, the second charge was also automatically proved because the said act of theft of money prejudicial to the interest of the Bank involving in serious imancial loss. The management's witnesses clearly stated the that of theft of money committed by the concerned workman and there was no contraliction in the evidence of the management's witnesses. The paying cashier's allowance was withdrawn as the concerned workman was stopped from working as a Paying Cashier. On the above plea it has been submitted that an Award be passed that the action of the management in dismissing the concerned workman is justified.

The management had raised a preliminary point that as it is a case of dismissal based on domestic enquiry the question of farness and propriety of the domestic enquiry should be lirst decided as a preliminary issue and in case the domestic enquiry was held to be improper and unfair an opportunity should be given to the management to prove their case by adduting direct evidence before the Iribunal. The said prayer was allowed. The preliminary issue was heard and decided by the order dated 25-3-85 wherein it was held that the Enquiry Proceeding against the concerned workman was fair and proper.

As it has been held that the Enquiry Proceeding was fair and proper it has now to be seen whether the materials before the Enquiry Officer were sufficient to establish the charge against the concerned workman.

It has been submitted on behalf of the concerned workman that the evidence led in the Enquiry Proceeding did not establish the charges against the concerned workman and because of the prejudice against the concerned workman for his trade union activities, he has been found guilty and dismissed from service.

I will deal with some of the salient features in the evidence of the witnesses to find out whether there was sufficient materials in the Enquiry Proceeding to establish the charges against the concerned workman and that the enquiry report was centrary to the evidence showing perversity. For this purpose I would refer to the domestic enquiry proceeding Ext. M-7. It will appear from the evidence of Shri P. S. Padmanavan MW-5 Branch Manager that on 4-1-80 Shri V. Shankarnarain took charge as Acting Manager of Bakhtiarpur Branch of Dena Bank. Shri Padmanavan has stated before the Enquiry Officer that as about 10 A.M. Shri Shankar Narain came to the Bakhtiarpur Branch on 4-1-80 and Shri Shankar Narain had asked him to handover the charge of Bakhtiarpur Branch and to verify the cash. Shri Padmanavan had already applied master key to the safe. He had asked Shri Shankernara'n to check the cash which was under the custody of the Cashier Rambali Singh (concerned workman). He has further stated that Shri Shankernarayan detected that one packet of Rs. 100 note was missing and on being cerched inside the safe the said bundle of notes was not

round, MW-3 Smr Padmanavan has stated that the banking transaction had afready started when Shij Shankar Naruja wanted to check the cash, MW-5 have further stated that in the evening of 3-1-80 he had closed the each in joint custody wan kamoan Singh and table was no shortage of eash when it was closed. He has stated that even on 4-1-80 when the cash was opened along with Shii Rambah Singh it was all intact. Thus it is clear that the said bundle of 100 rupee notes was in the safe on 3-1-50 and on 4-1-80 at the opening time. It will appear that thereafter shri Rambali Singh took some cash from the sale for daily banking transaction and the safe was locked jointly. It appears therefore that Shri Rambali Singh had no occasion to take out surreptitiously the bundle of 100 rupee note from the safe. MW-5 in his further cross-examination has stated that after opening the cash and prior to the arrival of Shii Shankar Narain the concerned workman Shri Rambali Singh was inside the bank and nobody had seen him going out of the Bank. Thus Rambab Singh had not left the Bank premises after opening the cash and prior to the arrival of Shri Shankar Narain and as such he had no occasion to take the bundle of 100 rupee notes outside the banks premises. Admittedly, the bundle of 100 rupee note was found from the ledgers and registers kept around the safe area by Shel Rambali Singh.

The case of the management is that Shri Rambah Singh had removed the bundle of 100 rupee note outside the banking premies and when Shri Shankar Narain detected shortage of the bundle of 100 rupee note in the safe, Shankar Narain went upstairs is to phone the higher authorities and in the meantime Shri Rambali Sing went out of the Bank premises and came back with the buildle of notes and got it stitched and stamped and manoeurved to keep it under the registers and ledgers. In order to prove that Shri Rambali Singh had left the premises and had returned back soon with the bundle of note which was stitched and stamped and kept under the ledger and registers the management had adduced oral evidence in the enquiry. MW-1 Shi V. Shankar Natain who had taken the charge of Acting Manager on 4-1-80 and had checked the cash has stated that when he had located the shortage of Rs. 10,000 in the denomination of 100 rupee notes, he asked the watchman to close the gate of the Bank and went up stairs to contact the Regional Manager on telephone and informed him of the shortage and there after he came down and found that Rambali Singh was not in his seat and on enquiry he was informed by Shri Padmanavan that Shri Rambali Singh had gone out and that when he again went upstairs to telephone the Regional Office and came down stairs, he found Rambali Singh sitting in his seat in the cush counter, and that on seeing hun Rambali Singh came out of the counter and started searching in and around the safe area by removing ledgers and registers and found a packet of 100 rupee note. Shri Shankar Narain had not himself seen Shri Rambali Singh either going out of the bank or returning back with the bundle of the notes. The evidence on this point is of MW-2 Prabhat Kumar, MW-3 Sachitanand Yajee and MW-4 Sailendra Kumar who all maintain account in the Bank and of MW-6 Rabindra Bahadur Singh, a subordinate staff of Baktiacpur Branch of Dena Bank. MW-2 had gone to deposit money in the Bank on 4-1-80 and was asked to go out as Banks gate was being closed for verification of the shortage of amount in the Bank by an Officer who had come from outside. When the gate was closed he was waiting outside the gate of the Bank and after two or 3 minutes he saw the cashier (Rambali Singh) coming out of the Bank's gate and going towards Bazar hurriedly and after sometime the cashier returned to the Bank premises and went inside and thereafter he learnt that the shortage of cash was found. MW-3 Sachitanand Yaice had also gone to deposit cash in his account in Dena Bank on 4-1-80 and when he was standing near the each counter he was informed that the cash would not be accepted as one officer had come from Calcutta and was checking cash and when he was waiting in the Bank he saw the cashier Shri Rambali Singh going out 2 or 3 minutes after the gate was closed and returning back holding a bundle in his hand wrapped in a paper and he further saw that the bundle contain 100 rupee note which was handed over by the cashier to a subordinate on duty and the subordinate was asked to stitch the notes and thereafter the subordinate stitched the bundle and returned it to the cashler and the cashier put the said bundle below some registers and thereafter the cashier started telling that the money was located. It will appear from his evidence that PW-3 remained inside the Bank when the gate was

closed although all the other customers and outsiders were asked to go our of the bank in the time the gate was closed. MW-4 Sailendra Kumar had gone in the Bank on 4-1-80 m connection with bill transaction and he was told that the work will not be transacted as an otherr has come from Calcutta for checking and at that time he learnt that there was a shortage of Rs. 10,000|- in cash and he was asked to leave the Bank's premises. He came out and was waiting near the window and saw the cashier coming out hurriedly from the bank and returning after sometime with one packet which the cashier gave to the cash poon asking him to stich and thereafter the cashier came out saying that the cash was located. MW-6 is Rabindra Bahadur Singh a subordinate working in Baktiarpur Branch of Dena Bank. He has stated that on 4-1-80 at about 10.15 A.M. Shri Shankar Narain came and checked the cashier and found a shortage of Rs. 10,000. He has further stated that when Shri Shankar Narain went up stairs Shri Rambali Singh went outside and brought Rs. 10,000|- which was given to this witness and the witness stitched and stamped the notes on the slip with the date of 3-1-80 and returned it to Shri Rambali Singh, From his further evidence it will appear that the gate was closed at the time of checking and that the gate was epend after 2 minutes. He has stated that he saw Shri Rambali Singh going out and coming in the Bank but he did not see him bringing the cash and he further states that when Rambali Singh returned he gave him one bundle of notes of Rs. 10,000. Thus it will appear from the evidence of MW-6 that he had not seen any bundle of note being carried by Shri Rambali Singh when he entered the Bank and he saw notes only when it was handed over to him for stitching and stamping. The other two witnesses who were standing outside the bank have stated that they had seen Rambali Singh entering the Bank with a bundle of notes in the hand is not supported by MW-6 and as such the evidence of MW-3 and MW-4 is of very doubtful nature and in this circumstances it is difficult to believe their evidence on the point

Another very important evidence is that of MW-8 Shri Parash Nath Singh who had closed the gate of the Bank after shortage of the amount was detected by Shri Shankar Narain. He has stated that on the order of Shri Baradarajan he closed the door of the bank and thereafter Shri Shankar Natain and Shri Baradarajan went up stairs and when they came down they again checked the cash and he heard that the amount was located and thereafter Padmanavan told him to open the gate as money was located. MW-8 was the gate Keeper who does not say that the concerned workman had gone out and returned after the gate was closed and as such his evidence also does not support the evidence of the so called eye witnesses who had seen the concerned workman coming out of the bank and returning back with a bundle. There is no reason as to why this witness would not have supported the case of the management on this point if the concerned workman had gone out of the Bank's premises and returned when the gate of the bank was closed for checking of the cash.

MW-6 has stated that Rumbali Singh had handed over the bundle of 100 rupee note to him which he stitched and stamped on the slip with the stamp dated 3-1-80. It has come in the evidence of the MW-5 that the transaction of the Bank had started at 10 A.M. on 4-1-80 and the date of stamp must have been changed from 3-1-80 to 4-1-80 when the transaction of the Bank started. The evidence of MW-6 that he had stamped the slip with a date of 3-1-80, therefore, does not appear to be convincing. It will appear that the bundle of 100 rupee note which was recovered from under the ledger of the Bank had not been produced before the Enquiry Officer so as to examine the truth of the evidence of MW-6. It appears to be admitted by MW-6 that the slip of 100 rupee note contain the stamp of 3-1-80. Had the bundle of note been restitched and new slip attached to it on 4-1-80 the slip should have stamp of 4-1-80. In this view of the matter the evidence of MW-6 that he had stitched and stamped the 100 rupee note on 4-1-80 giving the stamp of 3-1-80 on the slip is not convincing.

The evidence discussed above will show that the concerned workman had not gone outside the bank after the cash was taken out from the safe for the days transaction and before the arrival of Shri Shankar Narain and as such there was

absolutely no possibility of removal of the bundle of 100 rupee notes from the Bank outside its premises. If the bundle was not removed during that aime how can it be said that the concerned workman had removed the bundle of 100 rupee note which he subsequently brought when the shortage was detected and the gate was closed on the order of Shri Shankar Narain. This fact alone will show that the witnesses who have deposed that the concerned workman had gone cutside the Bank's promises when the gate was closed and had returned back with the bundle of notes appears to be a complete myth by which it is being tried to implicate the concerned workman.

There is another important point which has remained unanswered by the management. Admittedly the concerned wokman had taken out some cash out of the safe for days transaction before the actual transaction of the Bank started. A very pertinent question was asked from MW-I Shri Shankar Narain on behalf of the concerned workman. On being questioned as to how much rupces were inside the safe at the tme of checking, Shri Shankar Narain could not say the amount which was actually in the safe of the amount which was taken out from the safe for days transaction on 4-1-80. As some amount had been taken out of the safe for days transacton, the amount of cash inside the safe must be less than the amount of cash which was in tact at the time the safe was opened by the Manager and the Cashier on 4-1-80. It appears from the evidence of MW-1 that the cash balance book is maintained by the Branch indicating the position of the cash inside the safe during the banking hours and the amount of cash taken out for days transaction, but the said cash balance book was not produced before the Enquiry Officer and as such it was not possible for MW-1 to say as to what was the amount which was taken out of the sate for days transaction on 4-1-80. This was an important question which was being repeatedly asked from Shri Shankar Narain on behalf of the concerned workman but the answer was evasive. A request was made on behalf of the concerned workman to produce the book dated 4-1-80 and it appears that the prosecuting Officer stated to the Enquiry Officer that one Shri M. S. Pathak has stated that there was no system of maintaining such a register during the relevent time, This answer was just to explain as to why the required register was not being produced and it still remain a mystry as to what was the amount of cash inside the safe and what was the amount of cash which was taken out of the safe for days transaction. As there is no evidence as to the amount which was taken out of the safe for days transaction on 4-1-80 there may be a possibility that the said bundle of 100 rupee note might have been taken for days transaction and had slipped under the ledger near and around the safe. Positively there is no evidence what I have stated above but in the circumstances of the evidence discussed above the possibility stated by me above cannot completely be ruled

One of the important question will naturally arise as to how the bundle of 100 rupee notes was found under the ledgers near and around the safe of the Bank, MW-1 has stated that after checking the cash he located a shortage of Rs. 10,000 in the denomination of 100 rupee note and thereafter he asked the Watchman to close the gate. A question was put to him in the cross examination made on behalf of the concerned workman as to whether the shortage of Rs. 10,000 was inside the safe or the shortage was located in the cash taken out for the days transaction in the counter to which he answered that the entire cash was brought to him to the counter and checked. It appears therefore that Shri Shankar Narain was sitting in the counter where the entire cash from the safe was brought by the concerned workman and the amount taken out by the cashier in the counter was checked. MW-1 has further stated that he himself did not take out the cash from the safe and that the cashier brought all the cash of various denominations kept inside the safe to the counter for checking while he himself was sitting inside the counter. DW-3 Lala Prasad is a Deftry in the Dena Bank. He has stated that formerly he was employed as subordinate and thereafter he was made a Daftry. He also worked in the cash department. It was asked from him as to how cash is brought out from the safe to which he has stated that the cash is put on register and then carred to cash counter and that only coins is kept in the box. It will thus appear that the cash is

brought from the safe keeping it on some registers on the counter and there may be possibility of some bundle slipping from the registers. It will appear from the evidence of MW-1 that all the cash was brought from the safe to the counter for checking and as such there was also a possibility of bundle of note slipping from register while the cash is brought from the safe to the counter. MW-1 has no doubt stated that the cash was short in the safe. But it has not been established as to the amount which had actually been taken out of the safe at the earlier hours for days transaction. It has also been said by MW-1 that he had scarched all the places including the place from where the bundle of note was found and by this evidence he has tried to show that the bundle of notes was subsequently planted there by the concerned workman but there is no specific evidence that all the registers and ledgers had been removed from the place at the time of search from where subsequently the bundle of note was found. Thus taking all the evidence and circumstances of the case into consideration the possibility of the bundle of note slipping in the ledgers while the cash was being brought from the safe to the counter cannot be eliminated.

DW-2 Rohan Ram is a sweeper working in the Bakhtiarpur Branch of Dena Bank. He has on duty on the alleged date from 9.45 to 11.45 A.M. He was working on the ground floor when Shri Shankar Narain had come and checked the cash. He has stated that he had seen the gate of the bank closed when he was working and at that time Shri Shankar Narain and Baradarajan had gone up stairs to telephone. He has stated that Rambali Singh did not go out during the shortage was located. Thus his evidence is to the effect that the concerned workmen had not gone out of the Bank premises at the time of checking. No reason has been taken out from him in the cross-examination made on behalf of the management to show as to why he would depose falsely against the management. DW-3 Shri Lala Prasad was working as Daftry in Bakhtiarpur Branch of Dena Bank, who also said that Shri Rambali Singh was inside the Bank when alleged shortage was located and when the search was go ng on. He has also stated that the Bank's gate was closed. DW-4 Shri Rajendra Prasad Singh had transaction with Dena Bank at Bakhtiarpur. He has stated about the behaviour and good performance of the concerned workman in the Bank...

In view of the evidence discussed above it will appear that the findings of the Enquiry Officer that the charges have been establishment against the concerned workman lacks evidence on the point that the concerned workman had removed the bundle of 100 rupee notes outside the premises of the Bank. The evidence adduced on behalf of the management that the concerned workman had brought the bundle of note from outside the Bank's premise and had planted under the ledgers and registers, near and around the safe has also not been establishment by the competent and reliable witnesses. In that view of the matter the finding lacks evidence regarding the establishment of the charge against the concerned workman and as such the finding appears to be preverse.

The concerned workman is the Vice President of Dena Bank Employees Association and in that capacity he must have taken up some disputes with the management causing irritation to the management. As such it is no wonder that the concerned workman has alone been picked up although the previous Branch Manager Shri Padmanavan may also be reponsible being in possession of the double key system of the safe.

The shortage took place on 4-1-80 and the chargesheet was submitted against the concerned workman on 13-3-80. In hetween this period there is nothing to show that any endorsement was made on any register of the Bank to show that there was shortage of Rs. 10.0001 on 4-1-80 and that the concerned workman was responsible for it. No explanation in writing was asked from the concerned workman prior to the receipt of the chargesheet.

In view of the discussion made above I hold that the action of the management of Dana Bank, Calcutta in dismissing from service the concerned workman Shri Rambali Singh Cashier-cum-clerk with effect from 21-12-82 is not justified and as such the concerned workman is reinstated with full back wares from the date of this dismissal with continuity of service and all consequential benefit accruing to him.

This is my Award.

I. N. SINHA, Previding Officer [No. L-12012/100/84-D. II(A)]

नई **दिल्ली, 28 मई, 1985**

का. अत. 2648...-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय स्टेट बैंक, के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करतों है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-2-85 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 28th May, 1985

S.O. 2648.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd May 1985.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

I.D. No. 186 of 1983

In the matter of dispute between Shri Suresh Kumar Dwevidi C/o Shri Shishu Pal Singh, 119/205 Om Nagar, Darshan Purwa, Kanpur.

AND

The management of State Bank of India, (Law Department) Halwasiya Place, 24, Hazarat Ganj, Lucknow.

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide its notification No. L-12012/178/82-D-Π-A, dated 11th May, 1983 has referred the following dispute for adjudication:

"Whether the action of the management of State Bank of India Swarup Nagar, Branch, Kanpur in terminating the services of Shri Suresh Kumar Dwevidi, temporary messanger w.e.f. 1st September, 1981 is justified. If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

The case of the workman is that he was appointed as temporary messenger at Latouch Road Branch of the management State Bank of India on 27-11-78. He took charge of the permanent messenger which was lying vacant and he worked as temporary messenger till 13-4-79 and was confirmed w-e-f 14-4-79. The workman was never paid his salary and on his demand, he was told by the branch manager that the same would be payable to him after sanction from the Local Head Office. The workman concerned was paid conveyance allowance for the duties when he was asked to go out of the bank in connection with the work. In this way from November 78 till August 31st 1981 except for three months i.e. September October and November, when he was on leave. On 20-2-80 the workman was transferred to Swarup Nagar, Branch, Kanpur where he worked up to 31-8-81 and his services were terminated verbally w.e.f. 1-9-81 without assigning any reason and without giving him any termination letter. In this way the workman concerned worked with the management bank for three years when his services were done away without justifying any reason. That the act of the management bank in terminating the services of the workman is illegal and unjust. That the act of the management bank in terminating the services of the workman concerned is against the staff circular no.167/7 dated 8-9-76.

The management bank has contested the case of the work and raising the perliminary objection that Shri S. K. Dwevidi a so called workman is not workman as defined under sec. 2(s) of the I.D. Act. In as much as Shri Dwevidi had never been in the employment of the management bank of its Latouch Road Branch, Kanpur, or Swarup Nagar Branch, Kanpur and no employer and employee relationship existed between the bank and Shri S.K.Sharma so called workman, at any

time during the period alleged and as such it was not an industrial dispute.

On merit the bank management has alleged that the workman Shri Dwevidi somehow knew the then Branch Manager Shri R.S. Sharma and approached to help him in securing the job for him. The branch manager out of sympathy accommodated Shri Dwevidi by giving him casual work of carrying dak and for that he was paid conveyance which is nominal at the rate of Rs.3 or 4 per day in the name of conveyance allowance. That the work performed by the workman was only for an hour or so in a day. No appointment or termination letter was given to the workman nor was he required to attend office work nor paid any salary to the workman. When the branch manager Shri R.S. Sharma was transferred to Swarup Nager Branch on 20-2-80 Shri Dwevidi again approached him for similar favours and he was given similar favour of carrying dak etc. for which some amount was paid to him in the name of conveyance. The workman Sri Dwevidi was trying to encash the said circumstances by calling himself to be a bank employed during that period. It is further averred that no person could continue in service without any instruction for such a long time and without salary and the workman never demanded salary or wages for the service rendered. The management has denied all other averments of the workman except that the workman was issued dak/papers each day for which he was paid Rs.3 or 4 per day in the name of conveyance.

It is argued by the management representative that Sri Suresh Kumar was not an workman within the meaning of section 2(s) of the Industrial Dispute Act and no jural relationship of employer and employee was there and at the worst he was casual ad hoc and gratituous worker to whom no appointment letter was ever given, no salary was ever given and no termination letter was ever given to him. Only this such is admitted that he was given dak for which he was paid conveyance allowance.

It is further argued that the workman Shri Dwevidi whereever Shri Sharma bank manager was posted and that he did not work as other employees did work in the bank.

At the instruction of the workman the joint inspection report has been filed which shows that the workman was paid conveyance charges from 6-7-81 to 28-9-84 for carrying dak/bank clearing work and he was paid Rs. 3 for each side i.e. in alf Rs. 6 per day. A solitary day he was paid Rs. 2 for going to Nawabganj, for office work, one day he was paid Rs. 5 and on the other day he was paid Rs. 4.80 paise for purchase of 12 reffile for official pens and in the same way he was paid Rs. 3.50.

The management has filed detailed statement of conveyance paid to Shri S.K.Dwevidi at Swarup Nager, Branch, Kanpur for the period 20-2-80 to 31-8-81. This shows that the workman was paid conveyance charges for going to Local Head Office for either delivering Dak or for going to clearing work and was normally paid conveyance charges for going and coming and on some occasion charges were paid three times. On one occasion he was paid Rs. 5/- for going to Post Office for delivery of registered letter of the bank. The workman has also filed the list of the working days prepared by him for the purposes of payments made to him either at Swarup Nager Branch or at Latouch Road Branch, Kanpur and the said paper is ext. W.1. It is almost the same as ext. W.1 and he was paid Rs. 5/- as casual labour from 30-11-78 to 19-4-79 and from 15-4-79 he was paid conveyance charges at the rate of Rs.5/- per day. From 18-6-79 to 7-7-79 he again worked as labour and was paid at the rate of Rs. 6/- per day. Thus barring for September. October and November 79 he almost worked regularly with the bank insatisfying him as casual labour or as messenger for taking dak for clearance.

The only question to be decided is whether was the work done by the workman a gratutious one or of ad hoc nature or of casual nature which did not make him a workman of the management concerned.

The workman has been defined under section 2(s) of the I.D. Act as allowing any person to employee in an industry to do any mannual, unskilled......the work for which he was rewarded whether the terms of the employment be ex-

pressed or implied. It is common ground that regarding the employment working expressed except daily payment of conveyance charges. There is no doubt that the workman Shri S. K. Dwevidi was asked by the management to do the job almost daily i.e. taking of dak or clearance to L.H.O. or other places. The question is whether the payment made by the management to the workman was for hire or reward or simply actual conveyance charges. The word "in the name of conveyance" carrying in para 2 of the written statement and again in para 7 of the w.s. which is quite significant showing that the payments were not actually conveyance charges paid to the workman who had been doing all that work for one remuneration or he was being paid that amount for the services rendered though in the name of conveyance salleged. Word in the name of conveyance shows that the payment were for the services rendered, though payments shown in the vouchers by way of conveyance. The workman was free to utilise the amount so regulatly paid and not that he actually paid towards Rickshaw charges. Thus it was the way to remunerate a man for the services rendered i.e. doing the job or taking away dak or clearing work and paying in the name of conveyance.

Thus Shri S. K. Dwevidi though he might have been doing not full time work as other bank employee do but was employed to do the bank work for hire or reward in the name of conveyance and in this way he comes in the definition of the workman as defined under section 2(s) of the I.D. Act and the dispute raised by the management would be industrial dispute and in this way reference is competent.

It can not be denied looking to the chart filed by the parties Ext. W-1 and the joint inspection note that the workman worked in the bank almost continuously from 27th November, 1978 till 31st August, 1981 which would be more than 240 days for purposes of section 25F and this has not been disputed by the management. As the workman's services were done which amounts to retrenchment w.e.f. forenoon of 1st September, 1981 after a continuous service of more than one year and without payment of retrenchment compensation or notice pay as required under section 25F of the A.D. Act. Thus the termination/retrenchment is illegal and void ab initio.

I accordingly hold that the action of the management bank State Bank of India in terminating the services of Shri Suresh Kumar Dwevidi Messanger Swarup Nagar Branch, Kanpur, w.e.f. 1st September, 1981 is not justified and void ab initio.

The result is that the workman has to be reinstated in service with full back wages which he was getting at the time of his termination.

I, therefore, give my award accordingly.

Let six copies of this award be sent to the Ministry of Labour for publication.

Dated: 10-5-1985.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer [No.L-12012/178/82-D.II(A)]

नई दिल्ली, 30 मई, 1985

का०आ० 2649: — औद्योगिक दिवाद अधितयम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मेकारों के बीच, अनुबंध में निनिद्धित्र औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कामपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-5-95 को प्रान्ध हुआ था।

New Delhi, the 30th May, 1985

S.O. 2649.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government

Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd May 1985.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

Industrial Dispute No. 52 of 1981

In the matter of dispute between:

Shri Sabbir Ahmad C/o Shri Harmangal Prasad 36/1, Karlash Mandir Kanpur.

AND

The Regional Manager, State Bank of India, Post Bag No. 1, Varanasi.

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/75/80-D-II-A dated 1st April, 1981 has referred the following dispute for adjudication:

"Whether the action of the management of State Bank of Inda (Regional) Varanast in terminating the services of Shri Sabbir Ahmad, temporary watchman with effect from 5th May, 1973 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?

Sabbir Ahmad workman was initially appointed by Bhadohl Branch of the State Bank of India on 18th December, 1970 as a temporary godown watchman and his services were terminated on 5th May, 1973 by the branch manager Badohi after the workman had put in 783 days of service as ennumerated in annexure 'A' of the rejoinder. At the time of termination on 5th May, 1973 the workman had put in 330 days of service during the preceding 12 calender months yet at the time of termination be was not given notice, notice pay or retrenchment compensation. The termination of the workman having been brought about without following the mandatory provision of section 25% of the LD. Act and the termination is illegal void ab initio and the workman is entitled to be reinstated with full back wages. The management has raised objection that the claim is highly belated having been raised on 4th December, 1979 when the termination was effected on 5th May, 1973. It has been prayed that the claim of the workman may be rejected outright on this ground.

The management admits that the workman was initially appointed by Bhadohi Branch of S.B.I. Varanasi on 18th December, 1970 and was extended from time to time according to the requirement of the branch and ultimately his services were terminated on June, 1972 and the workman received his full and final navment of his own account. The workman never challenged the termination thereafter. Later workman commits to know that a godown watchman was required by the Bhadohi branch, the workman applied on 7th June, 1972 requesting the employment as godown watchman The management appointed the workman is temporary godown watchman at the godown of M/s Dass Carpet Limited Sambharia Bhadohi for specified period of two months from 7th Line 1972. The workman thereafter continued to work as temporary godown watchman and his services were extended from time to time after expiry of two months. There were reports that the worl man was frequently absent from the godown the Branch Manager visited the godown on 4th May 1973 and found the vorkman absent from his place of duty and even the keys of the godown were left with the employees of the said factory The branch manager after noticing the serious lapse on the part of the workman thereby exposing the bank to serious risk did not grant him further extension for the service and his services were consequently expired on 5th May. 1973 after noon and he was relieved from his duty. The workman voluntarily vide his letter dated 14th May. 1973 admitted his lanses of rema nine abjent from his place of duty and requested to excuse him and reemployed in the bank The Branch Manager Bhadohi Branch decided not to allow him any further work and consequently he was not given any work having lost confidence in the workman According 229 GL'35-22

to the averments of the management, the termination brought about on 5th May, 1973 will not amount to retrenchment and section 25F of the I.D. Act is not attracted. Lastly they pleaded that the workman was gainfully employed if the tribunal comes to the conclusion that the termination is illegal.

In the rejoinder the workman has explained that after his terrunation on 5th May, 1973, the Letter dated 14th May. 1973 was obtained from him under threat, pressure and elurement. It is not disputed that the services of the workman were terminated on 5th May, 1973. It is further not disputed that the workman had completed more than 240 days of his temporary service counting backward from 5th May, 1973. It is further not disputed that no notice, pay, or retienchment compensation was given to the workman. The term nation having been brought about as early as 5th May, 1973, it is true that the workman sat quite and raised demand as later 4th December, 1979 which letter is paper No. 1 filed by the management on 22nd April, 1983. In this very letter the workman has given reason to have raised demand late. The reason is given in para 9 of that letter in the following words:

"that hundreds of employees of your bank who had worked for 240 days in 12 consequence months in subordinate cadre during the period rendered services were reemployed by the bank after the judgment in Sunder Mony Case by the Supreme Court and in this case you had also issued a circular on that point inviting the application from such cand dates,"

The workman having worked as a temporary in the management bank for more than 240 days prior to 5th May, 1973 should have been paid notice pay and retrenchment compensation as required under section 25-F which was admittedly not done, and on that account the termination becomes void ab initio resulting re-instatement of the workman with full back wages.

It is argued that the termination was for lack of confidence in the workman. The original letter terminating the services of the workman his not been filed to decifer from its whether it is a reasoned order and is not the result of capriswhim of fancy reached on the ground of policy or experience. The letter dated 5th May, 1973 written by the then branch manager who terminated the services of the workman to the Secretary State Bank of India, Kanpur requesting for permission to recruit a temporary hand as godown watchman and stating the reasons that the workman's services had been despenced with from 5th May, 1973 as on his inspection on 4th May, 1973 he was found absent from duty. The Manager also found that the factory gate was opened and lock and key was lying in the varandah. He checked the stock kept in the godown and luckly he found the stock in order.

Termination on the ground of loss of confidence is also retrenchment and is not covered by any of the exception given in section 2(00) of the I.D. Act. The termination could awarded the effect of the termination had the workman been chargesheeted for his latches and punished by way of deciplinary. Thus termination by way of loss of confidence is also covered under definition of retrenchment attracts the provisions of section 25-F. As admittedly the provision of the section 25-F were not resorted too, the termination is illegal.

I accordingly, hold that the action of the management of S.B.I. Varanasi Region in terminating the services of Shri Sabbir Ahmad Temporary Watchman from 5th May, 1973 is not justified. The termination being void ab initio, the workman is entitled to be reinstated with full back wages.

I, therefore, give my award accordingly,

Let six copies of this Award be sent to the Government for publication.

Dated: 10-5-1985.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer
[No. L-12012/75/80-D. II(A)]
N. K. VERMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 मई, 1985

का. आ. 2650:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 22-5-85 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 31st May, 1985

S.O. 2650.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd May, 1985.

BEFORE SHRI R.B. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

I.D. No. 194 of 1984

In the matter of dispute between:

Mahatma Mishra, Clo Shri N. C. Pande, Authorised representative of the Workman-C-323, Guruteg Bahadur Nagar, Kaneli, Allahabad;

And

The Regional Manager, State Bank Of India, Region III, The Mall, Kanpur.

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour, vide its order dt. 19th July, 1934 and its No. L-12012|319|83-D-II-A, has referred the following dispute for adjudication:

"Whether the action of the management of State Bank Of India, Region III, The Mall, Kanpur, in relation to their Jhonstonganj Branch, Allahabad in terminating the services of Shri Mahatma Mishra, Ex-Massenger with effect from 4-9-82 and not co-sidering him for further employment as provided under sec. 25-H of the ID Act, is justified? If not to what relief is the workman concerned entitled?"

It is common ground that the workman was engaged as temporary employee of the management bank of its Jhonstonganj Branch, Allahabad on 31-5-82, and his services were terminated on the ground as no more required. It is further not disputed that the workman worked for a total 88 days with breaks. It is also not disputed that no appointment letter, termination letter or notice pay was given to the workman rather after his terination persons namely S|Shri Basudeo Harihar and Jai Ram were appointed for same or similar job and the workman was not called to work and thus the management bank has violated the provisions of 25G and 25H of the I.D. Act.

The management has raised a preliminary objection that no demand or claim was made before bringing the case hence there was no subsisting valid industrial dispute. In their rejoinder, the workman alleged that one Basudeo Misra on the same day i.e. 3-9-82 and continued till and beside Basudeo, Jairam Harinar and others were appointed after the termination of the workman. It is further argued that there was clear vacancy and he was not allowed to work after 3-9-82.

The whan has filed circular staff no. 163|64 paper no. 1 issued by the Personnel Department of the management bank, Head Office Lucknow, to all the branch managers and in its para (ii) direction was given in the following word i.e. that temporarily appointment were to be made for maximum period of 90 days in the case of sub staff and 180 days in case of temporary after obtaining suitable number of names from concerning employment exchange. In sub para (v) it is laid down "engagement of casual labour was required to be resorted to for work of casual nature only and they were not be engaged in members of subordinate staff."

On the preliminary point it has been argued by the representative for the workmen that the workman did sent notice dt. 7-6-83 requiring for the management to reinstate him in service with continuity and with entire back wages and allowances. This was itself a demand, moreover, the reference resulted after conciliations proceedings which after failure was referred to the government and the government in its wisdom finding it as industrial dispute referred for adjudication. Thus it cannot be said that there was no valid demand and that there was no subsisting valid industrial dispute.

On behalf of the management one Shri V.K. Mehrotra an officer of the management bank appeared in the witness box and admitted that the workman was engaged as temporary massenger. It may be mentioned here that the job of massenger is not of casual nature but is of permanent nature. According to him the date of employment of the workman is 3-5-82 and date of termination is 3-9-82. He has further admitted that no appointment or termination letter was given to the workman nor notice of termination was given to him. He has admitted that prior to the workman one Shri Rajendra Kumar was working there as temporary massenger and then one Ashok Kumar had worked as temporary massenger from 26-4-82 to 31-5-82. He has further admitted that one Basudeo was also appointed as temporary massenger for the period 30-9-82 to 30-11-82. When enquired about Jai Ram and Hari Ram he expressed his ignorance. The management witness has further stated that he is not able to tell if the workman was appointed through the employment exchange. He has further admitted that all the above temporary massenger were appointed on leave vacancy or casual requirement. In the end he admitted that in persuance of the instructions contained in circular letter the duration of the temperary workmen was restricted.

Th workman in his affidavit evidence stated that during his span of service i.e. from 31-5-82 to 3-9-82 no permanent massenger remained on leave continuously and that during his tenure of service Rajaram Suresh Chandra were appointed for period less than 90

days and after his termination Basudeo Jai Ram and Harihar were again appointed for less than 90 days. In the end he stated that since termination he is not gainfully employed anywhere else.

In cross-examination he has admitted that he was not employed on vacancy created by retirement of some one. He further stated on enquiry as to why his services were being terminated, he gave reply that there were others who were given change.

It is further admitted that when workmen was terminated on that very day, one Basudeo was apointed as temporary massenger who continued for another two months. This goes to show that the work of temporary massenger was there and the workman would have been continued but for the circular of the management bank referred earlier he had to be terminated before completion of 90 days of work. Thus the practice of the management to terminate when work was there was unfair labour practice.

Further if it was necessary to terminate the workman then another workman Sri Basudeo should not have been appointed. Further as required in para 522 (v) of the Shastri Akard, the workman should have been given 14 days notice or notice pay but nothing was done and in the absence of compliance of this rule which has force of law, the termination of the workman would be illegal. The management did not comply with the provision of para 495 last para and para 522(5) of the Shastri Award.

In view of the facts mentioned above it can not be said that the workman was purely temporary against the temporary requirement of the management bank.

In Central Bank of India vs. Jammu & Kashmir 1968 LLJ page 646 J & K where in it was held that where no written order is served on the employee it is victimisation and unfair labour practice, and the court is competent to set aside the order and direct for reinstatement".

The Bipartite settlement, Shastri and Desai Award in which are in the nature of standing order.

In Whedia District Central Cooperative Bank vs. Bhargava Balwanti Vyas, 1984 II LLJ page 330 it was held that standing order bringing for terminating of employment by giving one months notice or notice pay was void and inaffective as the contention of standing order was not satisfied and in any case the workman would be deemed in continuing service entitle to order of reinstatement with full back wages."

Para 20.8 of Bipartie settlement lays down that a temporary workman may also be apointed to fill all permanent vacancy provided with such temporary appointment shall not exceed for a period of three month during which the bank shall make permanent arrangement for filling up the vacancy permanently.

The permanent vacancy is created by the death or retirement or transfer of a permanent employee or continuity of a permanent nature of work for a prolong period.

In the instant case before termination of Mahatma Mishra two other persons worked as temporary massenger and after his termination several others were also appointed to work as temporary massenger. Thus there was vacancy of permanent nature and has the workman allowed to be continued after 88 days he could have acquired the status of permanent massenger and it was on that count that his services were terminated two days before which was an unfair labour practice on the part of the management bank.

Thus in view of the discussion made above and the law discussed, I hold that the action of the management bank of the State Bank Of India in terminating the service of the workman concerned w.e.f. 4-9-83 which in reality and admittedly 3-9-82 and not considering him for further employment as provided under sec. 25H of the ID Act is illegal. The effect is that he will be reinstated in service full back wages.

R. B. SRIVASIAVA, Presiding Officer [No. L-1012|319|85-D.II(A)] N. K. VERMA, Desk Officer

नई विल्ली, 22 मई, 1985

का. था. 2651. --- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) कं धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्राय सरकार टेल कॉम फैक्ट्रों के प्रश्वतत्त से सम्बद्ध नियोजको और उनके कर्मकारों के बीच अनुमधं में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्राय सरकार औद्योगिक अधिकरण न . 1, सम्बद्ध के पंचाट को प्रकाशित करते हैं, जो केन्द्राय सरकार को 13 मई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 22nd May, 1985

S.O. 2651.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government Leteby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, No. I, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Telecom Factory and their workmen, which was received by the Central Government on the 13th May, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL

TRIBUNAL NO. I AT BOMBAY

Reference No. CGIT-2 of 1985

PARTIES:

Employers in relation to Tele-com Factory.

AND

Their workmen

APPEARANCES:

For the employer—Mr. Masurkar, Advocate.
For the workmen—Mr. Wagh, Advocate.
INDUSTRY: Telecommunication STATE: Maharashtra
Bombay, dated the 11th day of April, 1985

AWARD

This reference relates to the short question as to the justification of non-promotion of Shri Nerurkar as Planner Grade I in the Telecom Factory, Deonal, Bombay-400088.

- 2. The statement of claim is filed by the workman Nerurkar himself, though it appears that his cause was taken up at some stage by the union. The workman, Narurkar himself is also a party to the reference. Unfortunately, the statement of claim made by him done not disclose all the true and material facts which ought to have been disclosed. It seeks to convey an impression that Nerurkar was Planner Grade-II from the Method Section. As a matter of fact, he came from the planner section. In para 3 he says "two other employees junior to me in order of seniority whose names appears at Sr. Nos, 3 and 4 as per Trade Test......were promoted overiding my claim with effect from 14-1-1975 as Pianner Grade-I in method section.' Some of the relevant memoranda issued in this connection and orders have also been filed on behalf of the workman. According to him, a new policy was introduced which directed in-shop seniority to be observed for promotions and not seniority in the passing of the test. This, he contended, is a change in the service conditions.
- 3. The correct picture and position, however, is revealed by the written statment filed by the employer. It points out that there are two shops, viz, planning and methods. Both of them have got planners Grades II and I. According to R. 2, as amended in 1959 promotions are to be given to

planners grade il, who pass the trade test in the same section. it is only it suitable candidates are not available, then others may be considered. The management pointed out that inftiany notice of the trade tos, and availability of promotions from methods section was notified on 28th of June, 1974. the management was then prevailed upon to amend that notice and a riesh notice was issued on 16-9-1974 inviting applications from the combined sentority has or both the enops, namely, Method section and Planning Section. Unimately, it pointed out that the matter was referred after selection and appointment of planners at Sl. Nos. 3 and 4 who came from the Methods Section to the Director who pointed out that that was correct. Circumstance that Nerurkan topped the list in the trade test was not denied. It was pointed out that he belonged to the Planning Section and not Methods Section in which there were vacancies. Methods Section in persons at Sl. Nos. 3 and 4 have also passed the trade test and were eligible to be promoted irom among the planners from the Planning Section. No new promotional policy was introduced and there was no change in the service condition.

- 4. The documents produced in this case both by the workman and by the management, can now be examined, which will disclose the correct position. Appendix B to the written statement sets out the promotional avenues, it will be seen from entry at Si. No. 6 thereof that planners Grade-II are promoted as planner Grade-I which is highly skilled category. Exhibit-B which is produced alongwith the written statement and is similar to W2 produced by the workman contains Rule 2 which was later substituted by another rule framed in the year 1959. The contention however, on behalf of the workmen is not right even if we are to consider the original Rule 2, as it says, Normally tests will be opened to workers of the same shop in which vacancy occurs. If no standble candidates are available workers of allied trade from other shops may be allowed to appear." This clearly goes to show the preference for in-shop promotions. In other words, the rule indicates that tests would not be thrown open for persons outside even if eligible ordinarily and only in exeptional circumstance of non-availability of suitable candidates. It would follow therefore that the policy and principle was that promotions should be vertical and shop-wise.
- 5. The position is made quite clear by the amendment made on 2nd April, 1959 (Ex-C). There the existing Rules 2, 5 and 7 have since been revised. This has been approved by the P & T Board, Rule 2 now says, "if no suitable worker is available for promotion in accordance with the channel of promotion laid down, other workers will be eligible in the following order of priority:—
 - (i) Workers of similar trades and grade in other shops.
 - (ii) Workers of other trades, but in equivalent grades in all shops". It will thus be seen that the priority is firstly to workers in-shop and if no suitable worker in-shop is available for promotion, then of similar trade or grade in other shops and lastly workers of other trades in equivalent grade in all shops. What was therefore not very clear originally, was made perfectly clear by the amended rules.
- 76. The notice issued on 28-6-1974 was in accordance with the amended rule and also in accordance with the earlier policy and principle. It has invited applications for selection to planner Grade-I in the method section and the eligibility of applicants was "planners Grade-II attached to methods section". It is therefore, quite clear that the original notice for a applying eligibility tests for these promotions was restricted to methods section planners Grade-II only and not to others. The trouble has arisen only on account of the subsequent notice of 16-9-1974 which the management issued under union pressure.
- 7. This was however modified and another notice dated 16th September, 1974 was put on the notice board, which gave eligibility to everybody. It merely said "Planner Grade II having 5 years experience" and not only planners, Grade II in methods section. That clause obviously led to the present confroversy. It seems to me however quite clear that though workman Nerurkar had stood first in the test, being from the Planning Section, he was not entitled to be considered

in preference when suitable Planners Grade-II who have passed the tests were available in Methods Section Consequently, the management is justified in not promoting Neturkar. On the contrary, it would have committed a breach of its own rules and violated them, if it had not done so. If the matter had been raised by Planners Grade-II who had passed the test in the Methods Section in a court it is clear that Neturkar promotion had it been made would not have been sustainable.

8. The reference therefore has to be answered according. Award to that effect.

R. D. TULPULE, Presiding Officer
[No. L-40012(15)]84-D. II(B)]

का. आ 2652.--- आँद्यागिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 की अनुसरण में, केन्द्रीय भरकार ओवरमी काम्युनिकेशन सर्विस, जम्बई के प्रशंघतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कामेजारों के बीच अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिश विवाद में केन्द्रीय मरकार औद्योगिक अधिकरण, न 1, सम्बई के प्रभाद को प्रकाशित करती हैं, जो केन्द्राय मरकार का केन्द्राय मरकार का केन्द्राय मरकार का केन्द्राय मरकार का 13 मई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2652.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government bereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the Overseas Communication Service, Bombay and their workman, which was received by the Central Government on the 13th May, 1985

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, BOMBAY

Reference No. CGIT-23 of 1984

PARTIES:

Employers in relation to the Overseas Communication Service, Bombay;

AND

Their workman

APPEARANCES:

For the employer—Mr. Masurkar, Advocate For the workman—Mr. Samant, Advocate

INDUSTRY: Communications STATE: Maharashtra.

Bombay, dated the 26th day of March, 1985

AWARD

This is a reference in which facts which privide the background for the two questions referred to this Tribunal under order of reference dated 12-12-1984 which call for decision are not in dispute. The questions referred are as follows:—

- (i) "Whether the varkmen engaged by the Overseas Communication Service Bombay to the factory ceases (cease) to be industrial workers when they perform similar duties outside? If not, to what relief are they estitled?"
- (i) "Whether overtime should be paid to workers engaged in the Factory of Overseas Communication Service, Bombay as per Factory Act which they perform as part of the duties outside the factory premises?"
- 2. The claim in substance of the workmen, who are represented by the Overseas Communication Service Stai Union, is that work-ship workmen working on the fourth floor are also required to perform duties on the 5th floor 9th floor 11th floor, 14th floor and 16th floor. They are also required to perform outdoor duties at the offices of the customers, who are granted leased telegraph channels. It may be mentioned that at the time of the hearing no reference was made to 14th and 16th floors, nor any claim pu

torward in that behalf, but a claim was put forward in respect of the work on the /th floor required to be performed by these 4th floor workmen. The duties which are required to be performed by such workmen employed in the worksnop of the fourth floor of the Videsh Sanchar Bhavan are set out in para 6. They are— 1) toutines and maintenance of telegraph equipment, (2) fault attention of telegraph equipment. ment in the building as well as at leased channels, (3) over-hauls and partial overhaults of telegraph equipment, (4) I abstract on or all spare parts of telegraph equipment, and (5) working on milling, lathe, drilling machine, press and bench work. According to the union, workmen are governed by the Factories Act and workmen employed in the worksnop on the 4th floor are treated as factory workmen. The workshop was also declared as a factory under the Factories Act. They say that they are entitled for payment of double overtime under Section 59 of Factory Act, even if they perform and whenever they perform duties sometimes outside the workshop. If that is so, the Overseas Communication Service department neglects and refuses to pay them and near them as factory workers when working on floors other than 4th floor and at the customers of leased channels. They therefore pray that they should be granted overtime according to Section 59 of the Factories Act and not at the rate granted by the Overseas Communication Service. In para 10, tney also added that considering the hazardous and strenuous duties performed by the employees in all kinds of climatic conditions they must be adequately compensated. I have no hesitation in saying that if this demand is to mean anything over and above the claim to be pad under the Factories Act, then it is outside the ambit of the terms of the reference.

- 3. In the written statement of the department, it sets out what is done in the workshop, which is registered as a factory under the Factories Act, namely the 4th floor premises. They say that this workshop is meant for "maintenance of Teleprinters, Receivers, Transmitters etc. belonging to the Employer" and "also attends to the repairs of the machines in case of breakdown and fabricates some minor spare parts of the various machines". In addition, there were leased channels given to the customers for their private use, and are located at the premises of the customers.
- 4. In case of any fault in these machines, the mechanics are sent for repairs of these machines located outside the workshop. There are also a few machines, according to it, installed on other floors of the Videsh Sanchar Bhavan, outside the factory premises and which are also attended to by the workmen, in case of faults and break-downs. The complement of the staff is 92 of which 73 are Senior Mechanical Assistants and Junior Mechanical Assistants, and nine are sub-staff.
- 5. It then says that out of this complement some 14 are utilised for shirt duty "on floors of Videsh Sanchar Bhavan other than 4th floor". Place of work of these 14 persons is the instrument room on 5th floor and 11th floor. They are rotated in duty hours beginning from 0000 hours to 0700 hours, 0700 hours to 1400 hours, 1000 hours to 1700 hours 1400 hours and 1700 hours to 2400 hours.
- 6. According to the department, workers working in the factory on 4th floor are paid for the overtime work at double the rates, in excess of 48 hrs. working in a week. These attending to "Teleprinter Machines located on the premises of the customets and to machines located on other floors of Videsh Sanchar Bhavan" which are not factory premises, according to it, are not paid overtime at double the rate, but at the normal rate of overtime admissible accordingly, as prescribed by the Government. It denied that all the duties, which are mentioned by the union in its statement in para 6 which are preformed in the workshop are similarly performed on other floors or at customers' premises. According to it, teleprinter machines located in areas other than at workshop are neither overhauled nor any major repairs carried out to them, outside the factory, meaning thereby on the other floors of the building or at the customer's premises. According to it, such machines are brought back and replaced by good ones and are repaired at the workshop on the 4th floor.
- 7. It is the case of the employer that factory workers are entitled to payment of double overtime, according to Section 59 f and only when they do any work on overtime duty within the precincts of the factory and not for workers

- working outside the factory" or factory premises. According to it, Section-70 of the Bombay Shops and Establishments Act, 1948 also dose not apply, since they have to work, according to it, not "in and in connection with the factory. Even it the work done by the factory is in connection with the factory, it is not, according to it in factory. Therefore, they are, according to the department, outside the ambit of Section 70 of the Bombay Shops and Establishments Act.
- 8. The premises of the Overseas Communication Services Department were visited and my notes of inspection are kept at exhibit.
- 9. A few facts which may now be set out, which I have pointed our above, are not in dispute, are that on the fourth floor of the Overseas Communication Building, as has appeared in the evidence and also in my inspection report, a section of the area has a few machines which can be said to be general purpose machines in a general workshop, such as lathe, handpress, workshop bench, etc. In the machine section, various machines used by the OCS, namely, receivers teleprinters, transmitters, perforators, etc. are repaired and overhauled. Each section is being entrusted with the repairs to particular kinds of machines. A small area is also used for making minor spare parts. These are the ones which are very often required. The kinds of machinery which is used by the OCS is the computer peripheral equipment, such as disc mechanism and tape peripheries. The more sophisticated machinery such as VDU by other sections is attended to by other mechanics who are conversant with electronics on 7th 9th and 11th floors, for repair work. We are in the present case not concerned with these.
- 10. In this workshop, on the fourth floor, various kinds of machines either working on the 5th, 7th, 9th and 11th floors of the OCS building or at the customers premises, are for major repairs brought and repaired. They are also overhauled at the workshop and defects rectified in case of major defects. Other minor defects are rectified as also cleaning is carried out on the other floors or the customers' premises themelves. The workshop hours which consist of only one shift are between 9 a.m. to 5 p.m. The staff can also be sent out for rectification or attending to repairs and servicing or handling complaints of customers at their places So far as the other floors are concerned, staff drawn from the workshop establishment is permanently attached to these floors. They work in shifts, which are mentioned to Exhibit-C and they work round the clock. Since they are on duty ail the time, in case of complaints received from the customers when the factory shift is not working that is, when they are received after 5 p.m. or before 9 a.m. then it is this staff which is drawn from the workshop which is sent to serve the customers' requirements. Whether it is the staff drawn from the workshop or it is staff drawn from the other floors, if they attend a customer, they have to complete the work and return then only. If any day, they have to work more than their prescribed duty hours, the staff either in the workshop or in the other floors gets only overtime at the departmental rates prescribed, mentioned at Exhibit-B. They are admittedly, not the rates payable in accordance with Section 59 of the Factories Act. It is also an admitted position that the staff which is attached to the other floors from the workshop which is not only rotated, but is also periodically sent to the workshop and other set of employees drawn therefrom to work on the other floors. Though they work on the other floors of the OCS for longer duration, they are not permanently attached to that floor,
- 11. The crucial and controversial question, therefore, is whether the staff which is drawn from the workshop establishment and directed to work on the other floors and staff working on the fourth floor workshop or other floors directed to go and work at the premises of the customers of leased channels are entitled to overtime in according with Section 59 of the Factories Act. In this context, if we look to the terms of the reference once again, it would be seen that question No.1 in the schedule in not harply worked. We have aiready re-produced the terms of the reference. The dispute does not appear to be whether these workmen when they go out of the factory cease to be industrial workers, but what was presumably intended and what if the order of reference were to be meaningful and consistent should mean is not whether they cease to be industrial workers, but whether they cease to be factory workers. In other words, the first question in the schedule of reference

should read "whether the workmen engaged in the OCS Bombay in the factory cease to be factory workers when they perform similar duties outside."

- 12. I do not think that there is also any dispute between the parties or that it is possible to say that such factory workmen cease to be factory workers when they are sent out to perform duties which are similar, though not entirely same, outside the declared factory premises, namely, 4th floor, which is the workshop. In that view of the matter the first issue referred is really redundant. What is disputed and what is in controversy, and what is claimed is not the stating of such workmen, but their right to get overtime in accordance with the Factories Act. A Factory worker, does not bare aside his status or description, when he leaves the lactory premises and works at some other place, on the same kind of work, which he is required or can be called upon to do within the factory premises. The principal controversy between the parties is not answered by the change in status. It is not because they leave the factory premises that they cease to be factory workers, if they carry out the same kind of work which they do in the factory and their right to the overtime under Section 59 does not depend upon merely their status as factory workers As I shall presently point out, it is really not enough to be factory worker to be entitled to claim double overtime under Section 59 of the Factories Act. In that view of the matter, it is clear to me that it is really the second issue which is referred, which is the most important and germane issue and the question must be germane to the controversy between the parties. That question, shortly stated, is whether these workmen, who are on the establishment of the fourth floor workshop of the Overseas Communication Service are entitled to overtime in accordance with the Factories Act, when they perform similar duties, not on the factory premises and technically in the factory, but outside. In other words, the question is when and whether workers borne on the workshop establishment of OCS, when they are doing sim lar kind of work at the customers' premises qualify for double payment of overtime under Section 59 of the Factories Act, and whether such workmen qualify similarly for payment of overtime at double the rate under Section 59 of the Factories Act, when they are the section 59 of the Factories Act, when they are the section 59 of the Factories Act, when they are doing the same kind of work on the other floors, namely, 5th, 7th, 9th, and 11th floors. It a these latter two questions which are the most important and fall for decision. Incidentally it may be mentioned that though in the claim statement 7th floor was not mentioned and 14th and 16th floors were mentioned, in the evidence there was no mention of 14th and 16th floors while there was mention of 7th floor. It is however, an admitted position that similar work which is carried out in the workshop is also carried out on 5th, 7th, 9th and 11th floor and the employees borne on the workshop establishment are attached to these floors for the time being.
- 13. The question, therefore, is purely and more or less, of application of relevant provisions of the Factories Act and finding out what is the applicable law on the point, on the established and admitted facts. The established and admitted facts, which are relevant for our purpose, are (a) The concerned employees are borne on the workshop establishment. (b) the duties which they perform on the other floors and at customers premises are also similar in kind in some respects to the duties which they may be and they are required to perform at the workshop. Such duties being attending to minor faults and defects, minor repairs, cleaning and rectification of faults.
- 14. It is necessary firstly to refer to Section 59 of the Factories Act. That section reads "where a worker works in a factory for more than aline hours in any day of for more than forty-eight hours in any week, he shall be entitled to wages at twice the rate of ordinary wages." We are not concerned with the rest of the portion of Section 59. The key words, therefore, which have to be considered and which will determine the operation of Section 59. are that he must be a worker as defined under Factories Act and must work in a factory, then there is no dispute between the parties and there can not be any dispute between the parties about his entitlement to overtime allowance under Section 59 of Factories Act. The main controversy therefore, centres upon

- the question whether the particular kind of work the concerned employee is doing on the other floors of the OCS, namely 5th, 7th, 9th and 11th, whether he is a factory worker working in the factory and samilarly whether a worker when he is working at the customers premises doing the same kind of work which he is along and which he does or can be called upon to do in the workshop can be said to be working in factory". I have bifurcated the two questions which operate slightly differently, primarily to concentrate and understand the propal question of controversy in the present case. If I may straightaway specify the controversy, then it is whether the workmen can be deemed to be factory workers when they are doing similar work a the customers premises and whether they can be deemed to be wroking in a factory when they work on the other floors of the OCS. Different curcumstantial factors and evidence require the two aspects of the matter to be considered separately and differently.
- 15. We have, therefore, in order to provide an answer to the aforesaid questions refer to the definition of the expression manufacturing process' and given the circumstantial situation and place of work, whether the workman can be considered and treated and held to be "working in a factory". It it is found that he must, in the circumstances, be deemed to be working in a factory' then he will have to be held entitled to overtime in accordance with Section 59 of Factories Act. While it will have to be held that he is not entitled to such overtime, it is found that he is not working "in a factory".
- 16. In the context, Section 2(1) of the Factories Act defines a worker and says "worker" means a person employed, directly or by or through any agency (including a contractor) with or without the knowledge of the principal employer, whether for remuneration or not! in any manufacturing process or in cleaning any part of the machinery or premises used for a manufacturing process, or in any other kind of work incidental to, or connected with, the manufacturing process, or the subject of the manufacturing process (but does not include any member of the argued forces of the Union)." It would be seen from the definition that it is not only a person employed in any manufacturing process, who is called a worker, but even a worker who does cleaning any part of a machinery used for manufacturing process will also be entitled to be described as a worker under the Factories Act. It is not even suggested for the OCS that these workmen can not be said to be cleaning any part of the machinery used for manufacturing process. Indeed, it is admitted and conceded that t is the most elementary part of their duty and they have to do repairs, attend to defects, carry out minor repairs, etc. That is undoubtedly the work "incidental or connected with the manufacturing process" and can be described also as "subject of manufacturing process" and can be described also as "subject of manufacturing process".
- 17. The two crucial definitions and important ones for the purpose are the expressions "manufacturing process" and "factory". A factory is defined as "premises including the precincts thereof". There is a quantative limit in the form of number of workmen and qualitative limit which is also prescribed, but that is not a subject of contention or dispute here. On all the other floors, more than 10 workmen were working and the work done was being carried out with the aid of power. The principal contention of the OCS seems to be that while the workshop is a factory registered under the Factories Act and designated as such the very circumstances that 5th floors 7th, 9th and 11th floors are not so designated, must be held to exclude any claim under the Factories Act by the workmen Similarly, it seems to be the contention that they can not also fall within the extended definition of the factory namely precincts, as they are neither, precints nor premices of the factory, so that persons working on the other floors or at the customers premises will automatically become workers not working in a factory. The principal ground of contention, therefore, is and seems to be that 5th, 7th, 9th and 11th floors as well as the customers premises are not factory within the meaning of the Factories Act, so that the workers working there can not be described as working "in a factory".
- 18. The question can not be answered by merely looking at the definition of the word "factory" before one refers to

the expression "manufacturing process" appearing in the body of its definition. The expression 'manufacturing process' has been defined under Section 2(k) as follows:—

"Manufacturing process" means any process for ---

- (i) making, altering, repairing, ornamenting, finishing, packing, oiling, washing, clean ng, breaking up, demolishing, or otherwise treating or adapting any article or substance with a view to its use, sale, transport, delivery or disposal, or"
- (ii) xxxxxxxxx
- (iii) XXXXXXXXX (iii)
- (iv) (composing types of printing, printing by letter press, lithography phytogravare or other similar process or book binding) (or)"
- (v) and
- (vi) XXXXXXXX
- 19. We are concerned only with clauses (i) and (iv) of sub-section (k) of Section 2. Other parts of the sub-Section are not relevant. From what I have stated above and admitted, the workmen are at least concerned with repairing, when they are attending to work on the other floors and at the customers premises. They are also engaged in oiling and cleaning of machinery with a view to its use. Similarly, composing types for printing or printing by letter press or "other similar process" is also a manufactuing process.
- 20. Now, on the other floors of the OCS, there is undoubtedly "printing" by "other similar process" going on. It would be seen from my notes of inspection that there are received by transmitters, they are printed on reels of paper and go out of the machine. On the 9th and 11th floors, process is much more electronically controlled and operated. It is difficult to exclude that however from the compendious expression 'printing by other similar process." It embraces expression 'printing by other similar process." It embraces in the definition printing even by perforation, which is a means by which messages can be read and is as good as letter printing. The other floors therefore, can be said also to be engaged in a manufacturing process where printing "by other similar process" is going on. Repairing in connection with such machinery used for printing would also therefore be part of the manufacturing process, and persons engaged would be engaged in a kind of work "incidental to or connected with manufacturing process". It is, in the c'reumstances, difficult to think that on 'the other floors, no manufacturing process is going on or the concerned workmen who are borne on the workshop establishment are not who are borne on the workshop establishment are not workers working in a factory though they are working on the premises where a manufacturing process is going on. They will, therefore, have to be held to be factory workers within the meaning of the Factories Act and for purposes of Section 59 also working 'in a factory'. Persons working on the other floors therefore, who are subject matter of this reference must be held to be and considered, notwithstanding that no declaration or registration under the Factories Act, having been made with regard to these floors, held to be factory workers working in a factory under the Factories Act. Therefore, under Section 59 they are entitled to overtime at twice the rate of ordinary wages. The absence of declaration of other floors as factories is not a matter between the workmen and the management. If that contention were to be accepted, then by not registering the premises where a manufacturing process is going on, the employees can be denied the benefit under Section 59 of Factories Act. Factories Act is meant for regulation of premises and work-men engaged in a certain kind of activity. The declaration or registration is not a singuo-non to be eligible for the benefits under the Factories Act.
- 21. This does not however, apply in the absence of any evidence whatsoever with regard to the activity which is going on at the customers' premises when such a factory worker is sent to the customers premises namely, to do some kind of work or similar kind of work which he may be called upon to do on the other floors or on the 4th floor. There is little evidence which would establish that any manufacturing process is going on at the customers.

- premises or more than 10 persons are working there or were working there. Besides, it is not clear and not an admitted position whether the customers are entitled to transmit messages or the channels are only for receiving facilities. I have already referred to the definition of the word 'factory' and the essential requirement therein of a 'manufacturing process' being carried on there with the aid of power. Even if therefore, the leased equipment is repaired at the customers premises, so that it can be used, that itself would not satisfy the requirement of 'a worker' "working in a factory' the requirement of 'a worker' "working in a factory the held that employees borne on the 4th floor establishment of the workshop when engaged on other floors must be deemed to be factory workers working in a factory and entitled to overtime under Section 59 of Factories Act, the same can not be said when such workmen are sent out to the customers' premises for repairs, claiming or normal servicing.
- 22. What now remains is to refer to some of the decisions on the subject. In AIR (46) 1959 Allahabad page 794, though the complement of the rice mill workmen was only 7 and temporarily 3 persons were employed for repairing the compressor, that was held to satisfy the definitions under Section 2(k) and 2(m).
- 23. In AIR 1957 (MB) page 125, the view that a person engaged in receiving messages on a teleprinter and editing them into news items constituted a manufacturing process, was dissented and disapproved by the division bench of the Madhya Bharat High Court. There it was held that the employee whose duties were to get the messages recieved by the teleprinter and to cast them into news-items which does not constitute a manufacturing process, is not a factory worker. The High Court held, contrary to the finding of the Tribunal, that he can not be described as a factory worker. It may be seen that the person was not engaged in operating the teleprinter where messages are printed, but only concerned with receiving them and casting them into news-frem.
- 24. Reference was made to the decision reported in 1959 II LLJ p. 397. In the present case also Section 70 of the Bombay Shops and Establishment Act was referred to. According to the employers, the workmen are not entitled to its benefits. In the view, which I have taken of what is going on other floors, it does not appear to me to be accessary to refer to Section 70 of the Shops and Establishments Act or to consider that decision.
- 25. The other two decisions reported in 1960 I LLJ page 270 and 1968 II LJJ page 74 also deal with the application of Section 70 extending the benefit of Factories Act in certain contingencies. It seems to me not necessary to elaborate and deal with these decisions, as they present merely another aspect of the matter. It cannot be disputed that these persons were working "in connection with the factory". The contention was that they were not "working in the factory". I have already dealt with that contention.
- 26. The result therefore, is that it must be held that the workmen working on other floors are entitled to be paid overtime in terms of Section 59 of the Factories Act, if they work overtime.
 - 27. Award accordingly,

R. D. TULPULE. Presiding Officer
[No. I.-40011(2)/83-D.II (B)]
HARI SINGH, Desk Officer

नई विल्ली, 30 मई, 1985

का०आ०2653:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स सिगरेनी कौलरीज कम्पनी लि०, बैलमपाली के प्रवंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निविध्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैवराबाद के पंचाद की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18 मई, 1985 की प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 30th May, 1985

S.O. 2653.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, as shown in the Annevare, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited. Bellampalli and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th May, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, CENTRAL AT HYDERABAD

PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal.
Inustrial Dispute No. 11 of 1981
BETWEEN

Workmen of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli.

AND

The Management of Singareni Collieries Company Ltd., Bellampalli, Adilabad District.

APPEARANCES:

Sri D.S.R. Varma, Advocate-for the workmen.

Sri K. Srinivasa Murthy. Advocate—for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-21011|6|81-D.IV B dated 10-6-1981 referred under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act for adjudication of the industrial dispute between the workmen and the management of Singareni Collieries Company Ltd. Bellampalli with the following issues:—

- 'Whether the decision of the management of M/s. Singarenl Collieries Company Limited to deduct the wages of coal fillers of Somagundam-I Kalyankhani-I and Kalyankhani-II Includes for going on strike in the month of April, 1981 is legal and justified? If not to what relief are the workmen concerned are entitled?"
- 2. After the notice served, both parties were present along with their Counsel Sri Saigal for the Management and Sri D.S.R. Varma for the workmen before the Tribunal. When the matter came up for enquiry Sri Varma filed a Memo dated 31-1-1985 stating that the Management had paid back the deducted wages for the period in question after the failure report of the conciliation is sent and therefore they are not pressing the matter for adjudication of the dispute stating that there is no necessity for this Tribunal to adjudicate the reference. Sri Saigal for the Management filed a counter stating that the Memo convey the different meaning than what is transpired. It is said for the period of strike when wages were deducted on the principle of "no work no pay" discussions took place and the Management paid the amount not on the ground that they are entitled for the same but as a temporary measure. It is maintained that there is no settlement of this issue as provided for under the LD. Act. Therefore the counsel wanted that the matter should not be treated as closed. The counsel wanted that the Industrial Tribunal should hear the case on merits and report the award as required by law and the matter should not be treated as closed.
- 3. The point for consideration now is whether the reference is to be adjudicated in the given circumstances or not?
- 4. Sri D.S.R. Varma for the Workmen contended that the Management paid back the deducted wages for the month of April, 1981 and their grievances were fulfilled and thus there is no dispute to be adjudicated upon. On the other hand the Management contends that there is no settlement of the issue as provided for under the ID. Act and that they made temporary adjustments fact that the full deducted wages are paid for the period in question subsequent to the conciliation proceedings indicated that the grievance is solved. Whether it is paid as a temporary measure or temporary adjustment once it is paid for the same period by deduction

of wages the dispute is not there for adjudication. The Management having paid back the deducted wages, cannot say that it is only temporary measure of temporary adjust-ment. There is nothing like temporary measure or temporary adjustment which specify back wages for the period of strike which were deducted and paid. If they paid as a sort of erations amount without reference to the deducted wages for the period, it would have been a different matter. It is not The period of strike is specified and the amount of deducted wages for the period specified also accepted and when the same is paid for the particular period, the dispute itself is solved in its own way. So it cannot be construed itself is solved in its own way. So it cannot be construed that the payment is only temporary measure or temporary adjustment. It is not the case of the Management that they did not work after April, 1981 and therefore they paid it as a sort of inducement to come into the work. Now the workers are working and the management is taking work from them. Therefore when the specified point involved is only deduction of wages for the month of April, 1981 and other failure of conciliation proceedings with reference to after failure of conciliation proceedings with reference to the same said amount is paid. It is deemed that the same is paid in settlement of the said issue. So in the light of this memo filed by the workers I hold that when the factum of payment of back wages is not denied for the specified period the workers are entitled not to press the matter for adjudication. In the said circumstances the reference is terminated as not pressed.

Award is accordingly passed.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and pronounced in the open Court, this the 4th day of May, 1985.

Sdl- Illegible.

Industrial Tribunal. APPENDIX OF EVIDENCE NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal.

[No. 1-21011(6)]81-D.IV.(B)]D.III(B)]

का०आ०२654:—-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्म गवान मिका माइनिंग कम्पनी लि०, डाक्षपर दोमचंच जिला हजारोबाग के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बोच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, 2, धनबाद के पंचाट को प्रकाणित करतो है, जो केन्द्रीय सरकार को 15 मई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2654.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2. Dhanbad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Gwan Mica Mining Company Limited, P.O. Domchanch, District Hazar bagh and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th May, 1985.

BEFORF THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRFSENT:

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 1 of 1985

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

PARTIES:

Findlevers in relation to themahagement of Mis. Gwan Mica Mining Company Ltd., P.O. Domchanch, Distt. Hazaribagh (Bihar) and their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of the employers—Shri G. Gopal, Advocate.
On behalf of the workmen—Shri V. Gopal, Advocate.

STATE ; Bihar INDUSTRY : Mica

Dhanbad, the 9th May, 1985

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation in exercise of the powers conferred on them under Sect on 10(1)(d) of the I D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-28012/3/84-D.III (B) dated the 31st December, 1984.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Gwan Mica Mining Company, P.O. Domchanch in terminating the services of Shri Ravindra Prasad Verma, an employee of their Khirkia Mica Mine with effect from 23-9-82 without complying with the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947 is legla and justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

The case of the concerned person is that he is working in Khirkia Mines of M/s Gwan Mica Mines since 1957 in different capacity. In 1970 he passed the examination of Foreman and since then he is working as Foreman. After procuring Foreman certificate he was sometimes working as Manager of Khirkia Mines under the Mines Act but Manager of Khirkia Mica Mines under the Mines Act but he was never fullfledged Manager in as much as all administrative and policy decisions were taken by the Agent and the owners of the said mines. He was served with a notice of termination of his services on 25-9-82 intimating him that his services were no longer required with effect from 23-9-82. He made verbal representations before the Management that his services should not be terminated. He was asked to hand over the charge to Shri Balvadra Prasad on 22-10-82. He was not given one months notice or retrenchment compensation before his services were terminated. The action of the management in terminating his services was in violation of the principles of natural instice and without resorting to the rules and regulations under the Industrial Disputes Act. 1947. He was not allowed any payment untill he was forced to put his signature on receipt on 19-1-83 for full and final settlement and he had to reluctantly sign it as his services had been terminated without any payment and he was starving. He was paid gratuity, bonus and leave wages salary only. But he was not paid the retrenchment compensation and the salary for the period 22-9-82 to 25-10-82. He first applied before the LFO(C) Giridin for the settlement of his claim but he was advised by the LFO (C) Girid'h to raise an industrial dispute before the ALC(C) He thereafter filed a complaint before the ALC(C). Hazari-bach on 4-1-84 for his illegal termination of his services and non-payment of his dued but, due to the adamant attitude of the employers, there was failure of conciliation and thereafter the present reference was made. It is prayed that the Teibonal should hold that the termination of his services is illegal and void and that he is entitled to retrenchment compensation, notice pay and salary for the idle period and other benefits.

The case of the management is that the reference is not maintainable as the concerned person Shri Ravindra Prasad Verma was working as Manager of Khirkia Mica Mines and is not a workman under Section 2(s) of the L. D. Act. Shri Verma was a fullifledged Manager of Khirkia Mica Mines having all administrative and supervisory powers vested in him. He was duly served with a notice of termination of his services dated 23-9-82. He was asked to hand over charge to Shri Balvadra Prasad on 22-10-82 and all legal dues were paid to Shri Verma and accordingly Shri Verma issued a certificate declaring that he had received his full and final dues and had no claims whatsoever on the said company and that he will not claim for his service in fitting. Shri Verma never protested and raised any oblection regarding the termination of his services or for any legal dues before the management prior to the receipt of the letter from the ALC(C) Hazaribagh dated 24-1-84 with 229 GI/85-23

which a complaint of Shri Verma dated 4-1-84 was enclosed. The failure of conciliation report given by the ALC(C), Hazar bagh dated 31-8-84 is misleading. The management of M/s. Giwan Mica Mines Co. Ltd. is justified in terminating the services of Shri R. P. Verma and he is not entitled to any relief or benefit under the I. D. Act.

The only point for consideration in this case is whether the termination of the services of Shri Ravindra Prasad Verma with effect from 23-9-82, without complying with the provisions of the I. D. Act, 1947 is justified.

The management has examined one witness Shri T. K. Prasad, Export Executive of M/s. Gwan Mica Mines Co. The concerned person Shri Ravindra Prasad Verma has examined himself as WW-1. Besides that the management have produced documents which have been marked Ext. M-1 to M-20. The concerned person has also produced documents which have been marked Ext. W-1 to W-8.

It will appear from the case of the concerned person that the termination of his services was bad on account of the fact that the termination of his services was a retrenchment in respect of which there was no compliance of the conditions of the provisions of Section 25F of the 1. D. Act. Admittedly Shri Ravindra Prasad Verma was in employment of M/s. Gwan Mica Mining Co. and that his services were terminated with effect from 23-10-82. The main difference between the case of the concerned person and the manager as Manager of Khirkia Mica Mines or not. The claim of the concerned person is based on the fact of non compliance of the conditions laid down under Section 25F of the Industrial Disputes Act. Section 25F provides that no workman employed in any industry who has been in continuous service for not less than one year under an employer shall be retrenched by that employer untill:—

- (a) The workman has been given one months notice in writing indicating the reasons for retrenchment and the period of notice has expired, or the workman has been paid in lieu of such notice, wages for the period of the notice. Provided that no such notice shall be necessary if the retrenchment is under an agreement which specifies a date for the termination of services.
- (b) The workman has been paid, at the time of retrenchment, compensation which shall be equivalent to 15 days average pay for every completed year of continuous service or any part thereof in excess of 6 months;
- (c) Notice in the prescribed manner is served on the appropriate government or authority.

Retrenchment is defined under Section 2(00) of the I. D. Act and means the termination by the employer of the services of a workman for any reason whatsoever, otherwise than as a punishment inflicted by way of disciplinary action but does not included:—

- (a) Voluntary retirement of the workman; or
- (b) Retirement of the workman on reaching the age of superannuation if the contract or employment between the employer and the workman concerned contain a stipulation in that behalf; or
- (c) termination of services of a workman on the ground of continued ill health.

Thus on perusal of the definition of retrenchment under Section 2(00) and the conditions precedent to the retrenchment of workman under Section 25F of the ID. Act it has to be seen whether the concerned person is a workman as defined under Section 2(s) of the I. D. Act.

Workman under Section 2(s) of the I. D. Act means any person employed in any industry to do any skilled or unskilled manual, supervisory, technical or clerical work for hire or reward, whether the terms of employment be expressed or implied, and includes any such person who has been dismissed d scharged or retrenched in connection with that disnute, but it does not include any such person who is subject to the Army Act, Air Force Act or the Navy Act or who is employed in the Police service or as an officer or

other employee of a prison or who is employed mainly in a manager al or administrative capacity, or who, being employed in supervisory capacity, draws wages exceeding 500 hundred rupces per mensem or exercises, either by the nature of the duties attached to the office or by reason of the powers vested in him, function mainly, of a managerial nature. Keeping the above definition of workman in view, now let us examine whether the work performed by the concerned person was that of a workman or he functioned mainly in a managerial or administrative capacity. has stated that Shri Ravindra Prasad Verma was the Manager of Khiikia Mica Mines and looked after the administrative and supervision of the said mines. He has further stated that Shri Verma took disciplinary action against the workman and he was the authority to grant leave to the workman. Shri Payindra Prasad Verma has gated in his evidence Shri Ravindra Prasad Verma has stated in his evidence that in 1970 he passed the examination of Foreman and since thereafter he was working as a Foreman. He has stated that he never worked as Manager in Khirkia Mica Mines, According to him he did not obtain any certificate from DGMS for Managership under the Mines Act and he did not get permit to act as Manager on the ground of health till May, 1985. He has also stated that unless certificate is given by DGMS one cannot work as Manager of Mines. In hs cross-examination he has stated that he was temporarily working as a Manager when DGMS had inspected the mines after 5-2-80. It will also appear from his evidence that he has signed many papers of the Mice Mines as Manager that he has signed many papers of the Mica Mines as Manager of Khirkia Mica Mines but he has tried to explan that he was forced to sign those papers by the management which apparently appears to be unconvincing. The management has produced Ext. M-1 which is an extract of Marager's diary from 12-8-80 onwards. This diary bears the signature of the concerned person Shri Ravindra Prasad Verma as Manager and shows that he was inspecting the mines and maintaining a note of his inspection in Manager's diary, Ext. M-2 dated 9-7-82 and Ext. M-3 of the same date shows that the concerned person had issued notice to the workmen Rajendra Prasad Singh and S. K. Pain as to why suitable the written instructions as they had left the mines without sanctioned leave and as to why S. K. Pain did not ioin duty after the expiry of his sanctioned leave. Admittedly these notices were issued under the signature of the concerned person as Manager and shows that he was the person authorised to take disciplinary action against the workmen Fxt. M-4 M-5, and M-6 are leave applications of workmen of Khirkia Mica Mines and leave was granted to them under the signature of the concerned person Shri Ravindra Prasad Verma. It is clear therefore that Shri Pavindra Prasad Verma was the authority who was granting leave to the workmen of Khirkia Mica Mines. Ext. M-8 is leave to the workmen of Khirkia Mica Mines, Ext M-8 is the Manager's charge report dated 22-10-79 which shows that the concerned persons Shri Ravindra Prasad Verma took over charge as Manager on 22-10-79 from the cutgoing Manager Shri S. K. Guha. Shri Ravindra Prasad Verma has signed as in coming manager on Fxt, M-8. Ext. M-9 is a notice in Form E-2 of temporary discontinuance of mining operation of Sheosankar Mine. It shows that a notice was given under the signature of the concerned person Shri Ravindra Prasad Verma as Manager to the Director Indian Busen of Mines Nagour that the working of the said mines Buyeau of Mines, Nagour that the working of the said mines has to be discontinued from 9-9-78 Fxt M-10 is a notice in Form-I which also shows that Shri Ravindra Prasad Verma was the Manager who had given the notice and had a tually signed it Ext M-20 will show that the management in their comment before the ALC(C) Hazaribagh had clearly stated that the concerned nerson Shrl Ravindra Pracial Verma was Manager in the Mica Mines and as such he was not entitled to retrenchment relief. Besides that there are documents filed and exhibited on behalf of the concerned person himself which shows that he was working as Manager in Khirkia Mica Mines Fxt. W-5 is the complaint which the concerned person Shri Rayindra Prasad Verma made before the ALC(C) Hazaribach for payment of service compensation. It will ancest from this netition that he was working in Khirkia Mica Mines of Mls Gwan Mica Mines Co for the last 25 years as Manager Ext. W-8 dated 5-2-80 is a letter from the Director of Mines Safety. Koderma written to Shri Ravindra Prasad Verma describing him as Manager Khirkia Mica Mines This was in connection with application of Shrl Ravindra Prasad Verma for the grant of Manager's permit

It no doubt shows that Shri Ravindra Prasad Verma had not been examined and declared medically fi under Metalliferous Mines Regulation-30(1)|31(1) and Shri Verma was requested to get himself medically examined. This Ext. W-8 only shows that he had not been medically fit but this does not go to show that Shri Ravindra Prisad Verma was not working as Manager of Khirkia Mica Mines. The learned Advocate appearing on behalf of the concerned person has drawn my attention to the evidence of MW I wherein MW-1 has stated in his evidence on recall that Shri Verma used to do the work, of accounting in the mines. On the basis of this statement it is stated that Shri Verma was working as an Accountant which is, a work of clerical nature and as such he was a workman as defined under the I.D. Act. Except for this solitary evidence to show that the concerned person was working as Accountant, there is no other evidence to show that he was doing any clerical or any skilled or unskilled manual, supervisory, technical or clerical work. While considering the nature of job performed by a person the totality of the entire work has to be seen and in view of the evidence it will appear that the concerned person was actually doing all the jobs of managerial nature and his work of accounting was only incidental or formed a minor part of his multiferious activities of a manager.

On consideration of all these documents and the oral evidence adduced on behalf of the parties, it appears clear that Shri Ravindra Prasad Verma was working as Manager of Khirkia Mica Mines and was not a workman as defined under Section 2(s) of the I. D. Act.

In view of the fact that the concerned person was not a workman the termination of his services by the management will not be covered under the definition of 'retrenchment' under Section 2(00) of the I. D. Act and as such the provision of Section 25F of the I.D. Act cannot be availed of by the concerned person. Without going into the merits of the claim of the concerned person regarding his dues, I would only hold that as the concerned person is not a workman under the I.D. Act he cannot get any relief from this Tribunal and the action of the management of M/s. Gwan Mica Mining Company in terminating his services cannot be looked into.

In view of the facts, evidence and the circumstances discussed above I hold that as the concerned person Shri Ravindra Prasad Verma was not a workman the action of the management relating to the termination of his services as a Manager cannot be looked into by this Tribunal and as such no relief can be granted to the concerned person, I further hold that this Tribunal cannot consider the case of termination of a Manager and it is not possible to give the Award either in the affirmative or in the negative.

[No. L-28012]3[84-D III(B)]
I. N. SINHA, Presiding Officer

का०आ०2655:--- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 की 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार आयल एण्ड नेचुरल गैस कमीशान, अंकलेश्वर के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं० 1 बम्बई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 13 मई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2655.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay, as shown in the Annexure. in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Oil & Natural Gas Commission, Ankleshwar and their workmen, which was received by the Central Government on the 13th May, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO I AT BOMBAY

Present

Dr. Justice R.D. Tulpule Esqr., Presiding Officer

Reference No. CGIT-5 of 1983

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Oil & Natural Gas Commission, Ankleshwar.

AND

Their workmen.

APPEARANCES:

For the Employer—Mr. S. R. Pai, Advocate, For the workmen—Mr. M. B. Anchan, Advocate.

INDUSTRY : Oil fields

STATE: Gujarat

Bombay, dated the 25th day of March, 1985.

AWARD

This is a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act worded as follows:—

SCHEDULE

"Whether the demand of workmen for stepping up of pay of Shri T. E. Prabhakaran, Rigmar now production operator from 1-4-1957 at par with his juniors is justified? If not, to what relief the workmen are entitled to?"

Heard parties. They found the terms of settlement which are settled and negotiated in my presence acceptable. The workmen was present. He was understood the terms and agrees to them voluntarily. The parties have filed the terms of settlement. I am satisfied that the settlement is genuine, bonafide and in the interest of the workmen. A copy of that settlement is filed as schedule to this award. I accept the settlement and direct award in terms of settlement.

R.D.TULPULE PRESIDING OFFICER

[No.L-30012/2/82-DIII(B)]

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT BOMBAY

Ref. CGIT 5 OF 1983

BETWEEN

The management of Oil & Natural Gas Commission, Baroda.

AND

Their workmen

MAY IT PLEASE THE HON'BLE TRIBUNAL TERMS OF SETTLEMENT

Without prejudice to the contentions of the parties, the parties have negotiated and arrived at the following settlement:—

- 1. The workman Shri T. E. Prabhakaran Chargeman (P) hereby withdraws his demand of his free will for stepping up his pay on par with his juniors.
- 2. In view of the above and with a view to mainta'n good Employer-Employee relations, the management of ONGC hereby agrees to pay the workman an ex-gratia amount of Rs. 3400 which the ONGC pays hereby vide cheque No. 033669 daird 16-3-85. But this would not be considered as creating a precedent in any other case.
- 3. The workman accepts the said amount of Rs.3400/- in full and final settlement of his claim arising out of the aforesaid demand and will not have any other claim of whatsoever nature in future against ONGC arising out of the said demand or connecting with the said demand.

4. The parties pray that the above reference be disposed of in terms of the said settlement.

Name of the workman

Name of the Employer

Witness for the Employee

Witness for the Employer

Bombay:

Dated:

New Delhi, the 25th March, 1985

का०आ०2656:--औबोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार मैसर्स सिंगरेनो कोलरीज कम्पनी लि० के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करतो है ।

S.O. 2656.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division I, and their workmen.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL: (CENTRAL)
AT HYDERABAD.

PRESENT:-

Sri J. Venugopala Rao,

Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 69 of 1984.

BETWEEN

The Workmen of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-I, P.Q. Godavari Khani, Dist Karimnagar.

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-I, P.O. Godavarı Khani, Dist. Karimnagar.

APPEARANCES:

Sri K. Srinivasa Murthy, Kumari G. Sudha and Sri H.K. Saigal, Advocates—for the Management None represented—for workmen.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order Letter No.L-22012/35/83-D.III(B)/DE-II(B) dated 16-6-1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Singareni Collieries Company Limited Ramagundam Division-I to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action taken by the management of M/s. Singarent Collieries Company Limited, Ramagundam Division-I in terminating the services of Shri Usikamalla Lachulu, General Mazdoor, Godavari Khani-I Incline w.e.f. 9-8-1982 is justified?

If not, to what relief, the workmen is entitled?" The reference was registered as Industrial Dispute No. 69 of 1984 and notices were issued to both the parties.

2. Notice was served to the workmen to file their claims statement on 28-11-1984. On 28-11-1984 no claims statement was filed on that day and workman called absent. Adjournments were given on 28-12-1984, 4-2-1985, 22-2-85, 8-3-1985, 29-3-1985 and finally on 18-4-1985 the workmen did not file their claims statement and were called absent on the dates mentioned. On 29-3-1985 Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saigal, P. V. Sidhartha and Miss G. Sudha, filed their vakalat for the Management.

Inspite of giving several adjournments the workman called absent and did not file their claims statement and the workman has not contested the case. Hence I hold that the workman is not interested to contest the case for best reasons known to himself and no relief can be granted and an Award is passed accordingly.

Given under my hand and the seal of this Tribunal this the 18th day of April, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Appendix of Evidence.

·NIL

INDUSTRIAL TRIBUNAL
J. VENUGOPALA RAO
[No.L-22012/35/83-D.III(B)]

Dated : 23-4-85.

का० आ० 3657:--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, मैसर्स सिगरेनी कोलरीज कम्मनी लि० के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करता है।

S.O. 2657.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messis Singarchi Collieries Company Limited, Kothagudem and their workmen.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD

PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal Industrial Dispute No. 4 of 1984

BETWEEN

The Workmen of Singareni,
Collieries Company Limited,
Kothagudem, Khammam District. A. P.

AND

The Management of Singareni,
Collieries Company Limited,
Kothagudem, Khammam District. A. P.
APPEARANCES:

Sri K. Srinivasa Murthy, Advocate—for the Management. None present on behalf of the Workmen.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order Lr. L-22012(113)|83-D. III(B) dt. January, 1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the management of Messrs Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem and their workmen to this Tribunal for adjudication.

"Whether the management of Messrs Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem are justified in refusing grant of two extra increments to Shri Ch. Mooses, Lineman, No. 5 Incline? If not, to what relief is the workman concerned entitled?". This reference was registered as Industrial Dispute No. 4 of 1984 and notices were issued to both the parties.

2. The workman sent his claims statement by 1-3-1984 by post, and posted for counter to 20-3-1984. On 20-3-1984 the Management sent counter by post by 20-3-1984 and posted for enquiry to 11.4.1984. posted for enquiry to 11-4-1984. On 11-4-1984 workmen was not ready and posted to 4-5-1984. Both parties were called absent on 4-5-84, 23-5-84, 13.6.84, 26.6.84, and on 10-7-1984 Sri K. Srinivasa Murthy offered to appear for the management. Workman was called absent on that day, and posted the matter for account to 20 7 1084. and posted the matter for enquiry to 28-7-1984. On 28-7-84 both sides are not ready and adjourned to 13-8-84. On 13-8-84 and 14-9-84, 29-9-84 both parties called absent. On 29-10-1984 Sri K. Srinivasa Murthy wants to file vakalat for the Management. Workman called absent and notice was sent to the workman to be present in the court on 22-11-1984. On 22-11-1984 Sri K. Srinivasa Murthy filed vakalat for the Management and Sri D.S.R. Varma wants to file vakalat for the workmen, the matter was adjourned to 21-12-1984 for vakalat and enquiry. On 21-12-1984 Sri D.S.R. Varma for the workmen not ready and vakalat was not filed, the matter was adjourned to 30-1-1985 for counter and enquiry. On 30-1-1985 and on 12-2-1985 and 20-3-1985 workmen called absent and finally adjourned to 20-4-1985. On 20-4-1985 counsel for the management and Personnel Officer were present. Sri D.S.R. Varma offered to file vakulat on 22-11-1984 and 21-12-1984 did not file any vakalat for the workman till this date. Workman also called absent. Inspite of giving several adjournments the workman nor their representative came forward to contest the case. Hence I find that the workman is not interested in contesting his case inspite of giving several adjournments and fair and full opportunities, the workman called absent for the reasons best known to himself, the reference is terminated and the workman is not entitled to any relief.

Award is passed accordingly.

Given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 20th day of April, 1985.

Sd|-

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Appendix of Evidence

NIL

24-4-85.

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal [No. L-22012|113|83-D. III(B)]

क्ला०आ०2658:— औशोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में. केन्द्रीय सरकार मैंसर्स सिगरेनी कोलरीज कम्पनी, कोठागुडम डिवीजन के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निदिष्ट औशोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट की प्रकाशित करती है।

S.O. 2658.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947). the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between employers in relation to the management of Messrs Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem Division and their workmen.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT:

S1i J. Venugapala Rao, Industrial Tribunal.
Industrial Dispute No. 21 of 1984

BETWEEN

The Workmen of Singareni Collieries, Company Limited, Kothagudem Division, Khammam District. (A.P.).

AND

The Management of Singareni Collieries, Company Limited, Kothagudem Division, Khammam District, (A.P.)

APPEARANCES:

Sis. K. Srinivasa Murthy, G. Sudha and H. K. Saigal, Advocates—for the Management,

None present on behalf of the Workmen.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order Lr No. L-22012|111|83-D.III(B), dt. 21-3-1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the emplooyers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem Division to this Tribunal for adjudication.

"Whether the management of Messrs Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem are justified in refusing supply of uniforms to Peons working at Mines especially when they are providing uniforms to those employed in the Head Office? If not, to what relief are the Peons in the Mines entitled? This reference was registered as Industrial Dispute No. 21 of 1984 and notices were issued to both the parties.

2. Notice was given to the Workmen to file their claims statement on 12-4-1984. But the workmen did not file their claims statement on adjourned dates on 12-4-1984, 23-4-84, 30-4-84, 14-5-84, 31-5-84, 12-6-84, 25-6-84 and finally on 9-7-84 the workmen filed their claims statement. On all the above said dates the workman called absent, and subsequently the workman called absent from time to time after several adjournments i.e. on 25-7-84, 4-8-84, 22-8-84, 17-9-84, 12-10-84, 6.11.84, 30.11.84, 41.85, 1.2.85, 13.2-85, 20-3-85 and finally on 20-4-1985 the Workman nor their representative were present. Sri D.S.R. Varma offered to file vakalat on 30-1-1984 and 4-1-1985 but he did not file any vakalat on behalf of the workmen. M/s. Srinivasa Murthy, G. Sudha & H. K. Saigal filed vakalat for the management on 30-11-1984. Inspite of giving several adjournments the workmen did not come forward and contested the case for best reasons known to themselves. Hence I find that the workmen are not interested to contest the case after having given full and fair opportunity to them. The workmen are not entitled to any refief.

Award passed accordingly.

Given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 20th day of April, 1985.

Sdl-

INDUSTRIAL TRIBUNAL
Appendix of Evidence
NIL

Dated.-23-4-85

Venugopala Rao, Industrial Tribunal [No: L-22012(111)]83-D. [H (B)] HARI SINGH, Desk Officer नर्ष विल्ली, 23 मर्ड, 1985

का. आ 2659. — केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीन हीता है कि मैस प्री प्रीयस केरीन कारपोरेशन (प्रा.) लिसिटेड, मं. 116, आर-मेनियम स्ट्रीट, मद्राम-600001 और उसकी शाखाये, 1. महास, 2 महुराई, 3. अहमदाबात, 4. एरनाकुलम, 5. मगलौर, 6. तिपतुन, 7 सूरत, 8. विशाखापटनम, 9 मैसूर, 10 कोटायम, 11 तिरूचिरापाली, 12. इच्चपुरम 13. उदयपुर, 14 सिचूर, 15 हैवराबाद, 16 कालीकट 17 पूना सिहत नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपयध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उकत स्थापन को लागू किए काने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपधंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[सं एस-35019/(189)/85-एस एस -2]

New Delhi, the 23rd May, 1985

S.O. 2659.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Precious Carrying Corporation Private Limited No. 116, Armenian Street Madras-600001, including its branches at (1) Madras, (2) Madurai, (3) Ahmedabad, (4)Ernakulam, (5) Mangalore, (6) Tiptun, (7) Surat, (8) Visakhapatuam, (9) Mysore, (10) Kattayam, (11) Tiruchirapalli, (12) Ichchapuram, (13) Udaipur, (14) Trichur, (15) Hyderabad, (16) Calicut and (17) Poona have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(189)]85-SS. II]

का आ. 2660'—केन्द्रीय सन्कार को यह प्रतीत होता है कि मैनमें एस दयानन्द, 6549 किन्मने, सिकत्वराबाद, आन्ध्र प्रदेश, नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कमैचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कमैचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपधंध अधिनियम, 1952 (195? का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अत. केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागु करती है।

[सं. एव--35019(232)/85-- एस.एस.-II]

S.O. 2660.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs S. Dayanand, 6549, Kingsway, Secunderabad, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(232)|85-SS. [I]

का. आ. 2661 — केन्द्रीय सरका को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स टी. बी. एनाकिलोरिस, एल-10, इनसद्रोनिक कम्पांड, अदोर, सद्वास-41, नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहु-संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी प्रविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उसन स्थापन की लागू किये जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपवंध उक्त स्थापन को सागु करती है।

[सं. एल-35019(239)/85- एस एस. II]

S.O. 2661.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs T. V. Ancilaries I-10, Instronic Compound, Adyar, Madus-41, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(239)[85-SS.11]

का. आ. 2662.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वामोदरवास राष्ट्रियाम बूंब, काटन मर्थेन्द्स, प्लाट मं. 1, राजेन्द्रा- ग्रंजं, रायपुर, नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मपारियों की बहु- मंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी मंजिय्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उकत स्थापन को लाए किए काने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एल-35019(243)/85-एस एस.-II]

S.O. 2662.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Damodardas Radheshyam Boob, Cotton Merchants, Plot No. 1 Rajendragunj Rajchur, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(243)|85-SS. II]

का. आ 2663:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि प्रसर्स प्रिमिमन टूलिंग्स और एसोसिएट्स 16, गजापति खाला गली, ट्रिप्लीकेन, मद्राम-5, नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मेचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मेचारी प्रविष्य निधि और प्रकीण उपबंध क्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन की नास किये जाने वाहिए।

अत. केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनिथम की घारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उपत स्थापन को लागू करती है।

[सं. एल-35019(237)/85-एस एस -II]

S.O. 2663.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Precision Toolings and Accessories 16, Gjapathi Lala Street, Triplicane Madras-5, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(237)]85-SS. II]

का. आ. 2664: — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि भैसमें इन्टेगरेटिंड ट्रांसपोर्ट सर्विस, बम्बई म्युक्स बिल्डिंग 6 फ्लोर, 232, एन. एस. सी. बोस रोड, मद्रास-1 और इसकी साखार्में हैं— मद्रास, मद्रुराई, कोयम्बट्टर, बंगलीर, हैदराबाद, विश्वयवाड़ों और इरना-कुलम, नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जोने वाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रकृत शाक्तयों का प्रयोग करते हुए उक्त समिनियम के उपश्रेष्ठ उक्त स्थापन को लागु करती है।

[सं. एल-35019(241)/85~एस एस.-II]

S.O. 2664.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Integrated Transport Services, Bombay Mutual Building VI Floor, 232, N.S.C. Bose Road, Madras-1, including its Seven branches at Madras, Madurai, Coimbatore, Bangelore, Hyderabad, Vijayawda and Ernakulam, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(241)|85-SS, II]

का. आ. 2665: — केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि बैंसर्स कोकोतिया सीमेण्ट लिमिटेड, 1-10-140/1, गुरकुरूपा, अशोकमगर, हैवराबाद-500002 और इसकी फैक्ट्री-श्लोतिवासमगर, डोडापौडु गाँव, कोवाद तहमील, नालगाँदा करवा, भामक स्थापन के संबद्ध नियोक कोर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्म-चारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जामे चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को सागु करती है।

[सं. एल-35019(244)/85-एस एस -II]

S.O. 2665.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Kakatiya Cements Limited, 1-10-140|1, Gurukrupa, Ashoknagar Hydorabad-500020 including its factory at Sreenivasanagar, Dondapadu Village, Kodad Tq. Nalgonda Dist., have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(244)|85-SS. II]

ना आ 2606 --- नेन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे प्रिन्ट ऐंड्स, 9, टाकुबुर्वन खान बहापुर गली, ट्रिप्नीकेन, मद्राम-5, नामक स्थापन है सबद नियोजन और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपसंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्ष स्थापन को लागु कियें जाने आहिए।

अन नेन्द्रिन सरकार, उक्त अधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम की उपबध उक्त स्थापन को सागू करती है।

सिं. एस- 35019(245)/85- एमएस.-II]

S.O. 2666—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Print Aids, 9, Taccuddinkhan Bahadur Street Triplicane, Madras-5, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Misceflaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(245)]85-SS. II]

का. था. 2667 -- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अरूप्गृहा सर्जिक्ष्म काटनस, छत्रपति 626102, 133, अम्पीगुलाम रोड, एस. तिरूबेंकटरापुरम, नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मवारियों की बहुसंख्या हस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मवारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्वापन को सांधू किये जाने चाहिए।

बतः केन्द्रीय संन्कार, उक्त अधिनियम की घारा 1 की उपचारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

सि. एश.-35019(222)/85-एसएस.-III

S.O. 2667.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Arumugha Surgical Cottons, Chatrapatti 626102, 133, Alangulam Road, S. Thiruvenkatapuram, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(222)|85-SS. II]

का. आ. 2668.——केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रतना द्रांसपोर्ट, 70, कांग्रेस बिल्डिंग, 574, मार्केट रोड, मद्रास-600006 नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक भीर कमैजारियों की बहुसंक्या इस बात पर सस्मत हो गई है कि कमैजारी भविष्य निश्चि भीर प्रकीर्ण उपबंध भिनित्म, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध सकत स्थापना को लागू किये जाने वाहिए ।

भत . केन्द्रीय मरकार, उक्त प्रिधिनियम की घारा 1 की उपधारा 4 हारा प्रवत्त गवितयों का प्रयोग करते हुए उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापना को सागु करनी है ।

[सं. एस-35019 (238)/85-एस एस-II]

S.O. 2668.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rathna Transports, 70 Congress Building, 574. Mount Road, Madras-60006, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(238)|85-SS. II]

कां. मां. 2669. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे श्री प्रिया एंटरप्राइजिज, 13, पेरीभार रोड, मब्रास-600017, नोमक स्थापन के संबंध नियोजक भीर कमैचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कमैचारी भविष्य निधि भीर प्रकीण उपबंध मिश्रिनयम 1952 (1962 का 19) के उपबंध उनत स्थापन को लागू किये जाने चाहिए ।

भतः केन्द्रीय सरकारं, उक्त भिधितियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रवत्त गर्कितयों का प्रयोग करते हुए उक्त भिधितियम के उपबंध उक्त स्वापन को लागू करती है।

[सं. एल-35019 (240)/85-एसएस.-II]

S.O. 2669.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sree Priva Enterprises, 13, Periyar Road, Madras-600017, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be mode applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the raid Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

INo. S-35019(240)[85-SS, 11]

का. भा. 2670.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स निक्ष्य साएन कोरन लिमिटेड, रिज. कार्यालय 9, धरोरा कोलीनी, रीड नं 3, बनजारा हिल्म, हैदराबाद-34, नामक स्थापन के मंदद नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीण उपबंध घिसिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध जकत स्थापन की सागू किये जाने चाहिए।

भ्रतः केन्द्रीय संस्कार, उन्त प्रक्षितियम की धारा-1 की उपधारा 4 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त प्रक्षितियम के उपबंध उक्त स्थापम को लाग करती है।

[सं. एस-35019 (242)/85-एसएस.-II]

S.O. 2670.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nirup Synchrome Limited, Reg. Office 9, Arora Colony Road No 3, Banjara Hills, Hydrabad-34, have agreed that the provisions of the Fmplovees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(242)|85-SS. II]

का. मा. 2671.—मैसर्स भ्राईशर प्रमीजन मशीम्स लिमिटेड, प्लीट नं. 75 सँ कटर-6, फरीदाबाद (पी एन/4983) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चास् उक्त ग्राधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के श्रधीन छूट विए जाने के लिए भावेदन किया हैं;

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक धृधिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना हो, धारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के घडीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं धीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से घांछक धमुकूल है, जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के घडीन उन्हें घन्जेय हैं;

प्रत: केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधार। (2क) द्वारा प्रदक्ष प्रक्षितयों का प्रयोग करते हुए भीर इससे उपध्यक्ष प्रनुसूची में जिनिर्दिष्ट गर्तों के सधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की प्रविध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

भमुसूची

- 1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक अखिष्य निधि ग्रायुक्त, हरियाणा को ऐसी विवरणियां भेजेगा ग्रीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निविष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निर्पाक्षण प्रभारो का प्रत्येक मास की समाध्य के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के प्रधीन समय-ममय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रकाशन में, जिसके धैनर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रन्तुन किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का धैतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय घादि भी हैं, होने वाझे सभी व्ययों का वहन नियोजन द्वारा किया जाएगा।
- 4. जियमेजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रनुमोदित सामृहिक श्रीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संगोधन किया जाए, नव तक उस संगोधन की प्रति तथा कर्मवारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्या बातों का प्रनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रविशत करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त भिक्षित्यम के भवीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजिक, मामूहित बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त वर्ज करेगा भीर उसकी बाबन भावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संबक्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदे बदाया जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कमजारियों को उपलब्ध फायदीं में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेग। जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध कायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनु बैप है।

- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बांगे के हांसे हुए भी, यदि किसी कर्मवारी की भृत्य पर इस स्कीम के प्रधीन मंदेय रकम उमे रकम से कम है तो कर्मवारी को उस दथा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के भ्रदीन होता तो नियोजक कर्मवारी के विविध वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के ग्रन्तर के बराबर रकम का संवाय करेगा।
- 8 सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संगोधन प्रावेशिक भृतिष्य निधि प्रायुक्त, हरियाणा के पूर्व प्रनमोदन के बिना नही किया जाएंगा ग्रीर जहां किसी संगोधन के कर्मवारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की संभावना हो, वहां प्रावेशिक प्रविच्य निधि प्रायुक्त प्रपता प्रमुमोदन बेने से पूर्व कर्मवारियों को ग्रपना दृष्टिकोण स्पष्ट करमें को युक्तियुक्त ग्रवसर बेगा ।
- 9. यदि किसी कारणवंश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन गहेले झपना चुका है, झंडीम नहीं रह जाते ने, या इस स्कीम के झंडीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले फायदे किसी रीति से कम हो ज'ते हैं, नो यह रह की जा सकती है।
- 10. यदि किमी कारणवा, नियोजक उस नियंत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियंत करें, प्रीमियम का संदाय करने में ससफल रहता है, भीर पालिसी को व्ययगन हो जाने दिया जाता है तो छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यति-कम की वणा में उन मृत मदस्यों के नाम निर्देशितियों या विविध वारिमों को जी यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के भातर्गन होने, कीमा फायदों के संवाय का उक्तरदायिश्व नियोजक पर होगा।
- 12. उनत स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीभ के प्रधीन माने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होते पर उनके हकवार नाम निर्वेशितियों। विविध वारिसो को बीमाक्कत रकम का मदाय तत्परता से भीर प्रत्येक दणा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाक्कत रकम प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिष्यित करेगा।

[सं. एस-35014/116/85-एम एस -4]

S.O. 2671.—Whereas Messrs Eicher Precision Machines Limited, Plot No. 75, Sector-6, Faridabad (PN|4983) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Schene of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Haryana, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shalf display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shalf arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approvar of the Regional Provident Fund Commissioner., Haryana and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as riready adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014]116|85-SS. IV]

का. मा. 2672,—मैसर्स भारवेन (इंडिया) लिलमिडेड 10वां कलोर मेकर वेम्बर $\sqrt{1}$, 22, बेन्बेय रिक्लेमेशन नारीमन पाइंट, बम्बई-22 (एस एज/1790) (जिसे इसमें इसके पश्चान उक्त स्थापन कहा गया है) ने कमैंबारी भविष्य निष्ठि भीर प्रकीण उपबंध भविनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मिश्रिनयम कहा गया है) की भारा 19 की उपधारा (2π) के महीन श्रृष्ट विए जाने के लिए मावेबन किया है;

मीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक ग्राभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना हो, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहित बीमा स्कीम के ग्राधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से ग्राधिक ग्रानुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के ग्राधीन उन्हें ग्रानुक्रिय हैं ।

भतः केन्द्रीय सरकार, उक्त भिन्नियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भौर इससे उपाबद भनुसूची में विनिर्दिष्ट गर्तों के भिन्नीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की भवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से एट देती है।

भगु सुची

- 1. उपन स्थापन के संबंध में निगोजक प्रादेशिक भविष्य निधि मामुक्त, महाराष्ट्र को ऐसी विवरिणयां मेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 विन के भीतर संवाय करेगा जो केश्वीय सरकार, उक्त मिन्नियम की भाषा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के मधीन समय-समय पर निविष्ट करें।
- 3. सामूहिक सीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतगत लेखाओ। का रखा जाना विवरणियो का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम क संवाय लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारो संवाय भावि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजन द्वारा किया जाएगा ।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा धनुमोदित सामृहिक बीमां स्कीम के नियमों की एक प्रति धौर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब तक उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की धावा में उसकी मुख्य बातों का धनुवाब, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त मधिनियम के मधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजिक स्सामूहित बीमा स्कीम के मबस्य के रूप मे उसका नाम तुरस्त वर्ज करेगा चौर उसकी बाबत मावष्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संबत्त करेगा।
- 6 यदि उनन स्क्रीम के प्रधान कर्मचारियों को अपलब्ध फायदे कहाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्क्रम के प्रधीन कर्मचारियों कि उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने के ध्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बाग स्क्रम के घ्रधान उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक प्रमुक्त हों, जो उपत स्कीम के घ्रधीन प्रमुक्तेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किस बात के होते हुए थं: यदि किसी कर्मचार को मृत्यु पर इस स्कम के भ्रष्यं न संदेय रकम उस रकम से कम है तो कर्मचार को उस दशा में संदेय होती, जब वह उस्त स्काम के भ्रष्यीत होता तो तियोजक कर्मचारं के विविध बारिस नाम निर्देशितो को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संवाय करेगा।
- 8. सामृहिक बेमा स्काम के उपबंधों में कोई की संसोधन प्रावेशिक भविष्य निश्चि भायुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व भनुमोवन के बिना नही किया जाएगा भौर जहां किस संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृष प्रभाव पड़ने के संभावना हो, वहां प्रावेशिक भविष्य निश्चि भ्रायुक्त भपना भुमोवन देने से पूर्व कर्मचारियों को भपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने की वृक्तिनुक्त भवसर देगा।

- पदि किमा कारणवंश, स्थापन के कर्मचारा, भारतीय जंबन बेमा निगम को उस सामृहिक बीमा स्कंम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, प्रधंन नही रह जाने है, या इस स्कंम के प्रधंन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किस रंगित से कम हो जाते हैं, तो यह रह के
- 10. यदि किसं, कारणवश, नियोजक उस नियन नारंख के भातर, जो भारत,य जीवन बःमा निगम नियत करें, प्रमियम का मंदाय करने में असफल रहता है, और पालिक को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छुट रद्द कं आ सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सवाय में किए गए किया व्यक्तिकम की वर्णा में 'उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विविध वारिसों को जो यदि यह छट न दा गई होता तो उक्त स्कम के प्रस्तर्गन होते, बोमा फायदों के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा ।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधान धाने बाले किसं। सबस्य का मृत्यु होने पर उसके हकबार नाम निर्देशितियों/ विविध वारिसों को बोमाकृत रकम का संदाय तत्परता से ग्रीर प्रस्येक वशा में भारतेय अध्वन बामा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक माह केभंतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं॰ एस-35014/123/85-एस.एस-1]

S.O. 2672.—Whereas Messra Naarden (India) Limited 10th Floor, Maker Chamber IV, 22, Beckbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-22, (MH|1790), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtia, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Govern-

provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns payment of insurance premia, transfer

- submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shalf display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay neces-

sary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India

- 6. The employer shalf arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the sald Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the the total any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9 Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

INo. S-35014|123|85-SS. IV]

का० प्रा० 26 73:-- मैसर्स किलॉस्कर इलेक्टिक कम्पर्नः लिभिटेक, पोस्ट बाक्स मं॰ 5555, माल्लेशवरम, बैगलीए (के एन/29) (जिसे इसमें इसके पत्रजातु उक्त स्थापस कहा गया है) ने कर्मचार्रः भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबंध ग्राधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है (की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन छुट दिए जाने के लिए प्रावेदन किया है ;

भौर केन्द्र[∂]थ सरकार का समाधान हो गया। है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पथक ग्राभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना हैं। भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहित बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप मैं फायदे जठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मेशारियों के लिए ये फायदे जन फायदों से प्रधिक प्रनुकुल हैं, जो कर्मचारी निक्षेष बीमा स्कीम, 1976 (जिमे इसके पश्चात, उक्त स्कीम कहा गया है) के ब्रधीन अन्हें बनुज्ञेय हैं ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्ति अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवक्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए मौर इससे उपायदा धनुसूची में विनिर्विष्ट शतों के ब्राधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की सबक्षि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती 🖢 ।

प्रनुसूची

- 1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, कर्नाटक को ऐसी विवर्णियां मेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा निधा निरीक्षण के लिए ऐसी। मुविधाए प्रवान करेगा जो केर्न्स य सरकार, समय मनय पर निरिच्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरंक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम क समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जी केन्द्रय मरकार, उक्त अधिनियम की द्यारा 17 के उपधारा (3क) के खंड (क) के अधिन ममय समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. मामृहिक बंमा स्कंम के प्रशासन में, जिसके प्रत्नर्गत ने खाम्रो का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुन किया जाना. बमा प्रंमियम का संवाय, लेखाम्रों का ग्रंतरण, निरंक्षण प्रभारों संदाय स्त्रावि में हैं, होने वाले सभ व्ययों का बहन नियोजन बारा किया जाएगा।
- 4. निर्श्वतक, केर्ग्वय सरकाण द्वारा धनुमोदित सामृहिक बमा स्क्रम के नियमों के एक प्रति ग्रौर जब कभी उनमें संगोधन किया जाए, तब तक उस संगोधन के प्रति तथा कर्मचारियों के बहुसंख्या का भाषा में उसकी मख्य बातों का धनुवाद, सस्थान के मूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मशार, जो कर्मनार। अविष्य निधि का या उक्त प्रधिनियम के प्रधंन छूट प्राप्त किए। स्थापन के अविष्य निधि का या उक्त प्रहिते ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजिक, मामूहिक ब मा स्क म के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसका बावन प्रावण्यक प्रमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबत्त करेगा।
- 6. यदि उन्तर स्कम के प्रधंन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ामें जाते हैं तो नियोजक सामृष्टिक बीमा स्कम के प्रधन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृजित रूप में वृद्धि के जाने क व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृष्टिक ब मा स्कम के प्रधंन उपलब्ध फायदे उन फायदों में प्रधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कम के प्रधःन धन्वें य है
- 7. सामूहिक बीसा स्कम से किस बात के होते हुए भ. प्रिक्त कर्मवार के मृत्यु नर इस स्कम के अधन संदेय काम उस रकम से कम है तो कर्नतारी की उस दशा में मंदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधन होता तो नियोजक कर्मवार के विविध वारिस/नाम निर्देशित की प्रतिकर के रूप में बोनों रकमों के अस्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।
- 8, सामूहिक ब मा स्क म के उपबंधों में कोई भा संगोधन प्रादेशिय भिविष्य निधि प्रायुक्त, कर्नाटक के पूर्व मनुमोदन के विना नहीं किया जाएगा और जहां किया संगोधन के कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पंड़ने की सभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त प्रभाव मनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को मपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने की पुक्तियुक्त प्रवसर देगा ।
- 9. यदि किस कारगवश, स्थापन के कर्मवार, भारत य भीवन बीमा निगम कः उस सामूहिक बामा स्कम के, जिसे स्थापन पहले भपना चुका है, भ्रम्नान नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के भ्रम्न कर्मचा। रयों को प्राप्त होने वाले फायदे किमा रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रह का जा सकत। है।
- 10 यदि किसा कारणवरा, नियातक उस नियत सारीख के भातर, जा भारतीय जवन बीमा नियम नियत करें, प्रामियम का संदाय करने में प्रसफल रहता है, और पालिका को व्ययस्य हो जाने दिया जाता है ता छूट रहू का जा सकती है।

- 11. नियोजक द्वारा प्रामियम के सवाय म किए गए किसा व्यक्तिकम क दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विविध बारिसा को जा यदि यह छूट न वा गई होता तो उक्त स्कम के भतर्गन होते, बीम फायदों के संवाय का उत्तरवाधित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उसत स्थापन के सबध में नियोजक, इस स्काम के अक्ष न माने वाले किसा सदस्य का मृत्यु होने पर उसके हकवार नाम निर्देशितियों / विविध वारियों को अामाइत रकम का संवाय तत्परता से धार प्रत्येक विशा में भारताय ज वन अभा निगम संब माइन रकम प्राप्त होने के एक माह के भ तर सुनिश्चित करेगा!

[स एस-35014/122/85-एस. एस-4]

S.O. 2673.—Whereas Messes Kirloskar Fleetine Company Limited, P.B. No. 5555, Malleswaram, Bangalo e (KN|29). (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellancous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in employment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of 1 ife Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the amployees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule anneved hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Kanataka, maintain such accounts and provide such facilities for in pertion, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Contral Government may, from time to time, ducct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shalf display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a mamber of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more javourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nomine of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of permium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014]122[85-SS. IV]

का. धा. 2674 -- मैंससं भसकोटंस लिमिटेब, माटोमोटिव विवीजन येलाहांका, बंगलीर-64 (के एन/6721) (जिसे इसमें इसके परवात् उकत स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारां भविष्य निवि भीर प्रकीर्ण उपवंच मिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पण्यात् उक्त भिनियम कहा गया है) कं: धारा 17 को उपधारा (2क) के मधीन छूट विए जाने के लिए मानेवन दिया है;

भौर केलं य सरकार का समाधान हो गया है कि उन्त स्थापना के कर्मांचारं, किसं। पृथक अभिवाय या प्रीमियम का संवाय किए बिना ही, भारतेय जीअन बीमा निगम की सामूहित बोमा स्काम के प्रधीन ज बन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारों निजेप सहबद बीमा स्काम 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीम उन्हें ममुजय हैं;

ग्रान: केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रिशिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर ग्रससे उपायद्व ग्रमुसूची में विनिधिष्ट गर्ती के श्रद्धीन रहेते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की ग्रविध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपवंधों के प्रवर्तन से छूट केती है।

मनुसूची

 जनत स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि धायुक्त, कर्नाटक की ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरोक्तण के लिए ऐसी मुविधाएं प्रदाम करेगा जी केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्विष्ट करें।

- 2. नियोजक, ऐसे निरंक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 विन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्र य सरकार, उक्त प्रक्षिनियम क धारा 17 क उपधारा (3क) के खंड (क) के प्रधीन समय समय पर निविष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्क्रम के प्रशासन में, जिसके झंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रमियम का संवाय, लेखाओं का झंतरण, निरक्षण प्रभारों संवाय झादि भी हैं, होने वाले सम ब्ययों का बहुन नियोजन द्वारा किया जाएगा ।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहित बीमा न्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभ उनमें संशोधन किया जाए तब तक उस संशोधन का प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाब, संस्थान के सुखन प्टूट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचार, जो कर्मचार, भविष्य निधि का या उक्त प्रधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसा स्थापन की भविष्य निधि का पहुंसे हूं। सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजिक सामूहिक बीमा स्कं.म के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत प्रावश्यक प्रीमयम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदश्त करेगा।
- 6. यदि उनत स्काम के प्रघंत कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बंमा स्कंभ के प्रधंन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने को ध्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक प्रनुकूल हों, जो उदन स्कंम के प्रधीन प्रमुक्त क्रुनेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्क.म में किसा बात के होते हुए भा, यदि किसा कर्मचार की मृत्यु पर इस स्कंम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है सो कर्मचार को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कंम के अधंन होता तो नियोजक कर्मचार के विविध बारिय/नाम निर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्षमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।
- 8 सामूहिक बेमा स्कंम के उपबंधों में कोई भ संबोधन प्रादेशिक भिविष्य निधि भायुक्त, कनटिक के पूर्व अनुभोदन के बिना नहीं किया जाएगा भीर जहां किसा संशोधन के कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो. वहां प्रादेशिक भविष्य निधि भायुक्त भ्रपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को भ्रपना ट्रिटकोण स्पष्ट करने को युक्तियुक्त भवसर देगा।
- 9 यदि किस कारणवण, स्थापन के कर्मचार, भारतिय जीवन विमा निगम की उस सामृहिक बमा स्काम के, जिसे स्थापन पहले प्रपना चुका है, अश्रन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फययवे किस रिन में कम हो जाते हैं, तो यह रह् की जा सकती है।
- 10 यदि किस कारणवश्च, नियोजक उस नियत तार क के भीतर, जो भारन य ज वन बीमा निगम नियत करें, प्रमिथम का मंदाय करने में मसफल रहता है, और पालिसं को व्ययगत हो जाने दिया जाना है तो छूट रह का जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रमियम के संवाय में किए गए किसं स्थानिक्रम की विधा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशिनियों या विविध वारिसो को जो यदि यह छूट न वी गई होती तो उक्त स्काम के ध्रतर्गत होते. बोमा फायदों के मंदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इन स्कीम के ग्राधन प्राने वाले किस नाथस्य क मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्धेणितियों/ विविध वारिमों को बामकृत रकम का संदाय तत्परता से ग्रीर प्रत्येक स्था में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक माह के भारत मुनिश्चित करेगा ।

[स. एस-35014/121/85-एस-एस-4]

S.O 2674.—Whereas Messis Escores imited, Automotive Division, Yelahanka, Bangalote-64 (KN|6721), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Mescellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employe₁ in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominec of the employee as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be caucefled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the oremium etc. within the due date, as fixed by the Life insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of pemium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the aid Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in the respects.

[No. S-35014|121|85-SS. IV]

का. आ. 2675 — मैससं आईगर गुड़अर्प लिमिटेड (पहले आइगर ट्रैक्टर इंडिया लि.), आइगर रिसर्च मैन्टर प्लोट नं. 8, सैन्टर 4, बस्लबगढ़ 121004 (हरियाणा पी. एन. /4905) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट विए जाने के लिए आवेधन किया है;

और केन्द्रीय संस्कार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्म-भारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा, स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुक्षेय हैं;

अस केन्द्रीय सरकार, उनन अधिनियम की धारा 17 की धारा (2क) द्वारा प्रदत्त गनिनयों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे विनिद्निट गतों के अधीन उहने हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अविध के लिए उक्न स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट वेनी हैं।

अनुसूची

- 1 उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निश्चि आयुक्त हरियाणा को ऐसी विवरिणयों भेजेगा और ऐसे लेखा रगक्षी, तथा निरोक्षण के लिए ऐसी मुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 विन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंय (क) के अधीन समय समय पर निर्विष्ट करें।

- 3 सामृहिक बीमा म्हीम के प्रणासन भें, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिणों का प्रस्तु । किया जाना, बोभा प्रांमियम की सदाय लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों मंदाय आदि भी हैं, होने बाले मभी स्वयों का बहुन नियोशक द्वारा किया जाएगा।
- 4 नियोगक, केन्द्रीय भरकार द्वारा अनुसोधित सामृहित बीमा स्कोम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब तक उस संशोधन की प्रति तथा कर्मबारियों की बहुसंख्या की मावा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निश्चिका या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निश्चिका पहले ही सबस्य है उसके स्थापन में नियोजिक किया पाना है, तो नियोजिक, सामूहिक धीमा स्कीम सहस्य के कप मे उसका नीम नुरस्त वर्ण करेगा और उसकी बायन आवग्यक प्रीमियग । प्रतीय जीवन भीमा निगम को संबक्त करेगा।
- 6. युवि उक्त स्कीम के अश्रीत कर्मेकारियों को उपलब्ध पायदे बढ़ाये जाने हैं तो नियोक्षक मामृहिक बीमा स्कीम के अश्रीत कर्मेघारियों को उपलब्ध फायदों में समृचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मेबारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अश्रीत उपलब्ध फायदे उन फायदों से अश्रिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अश्रीत अनुकूल हों, वो उक्त स्कीम के अश्रीत अनुकूल हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन मंदेय रक्तम उम रक्तम से काम है तो कर्मचारी को उस द्याग में संदेय होती, जब बह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विविध बारिस! नाम निर्वेणिती को प्रतिकर के रूप दोनों रकमों के अस्तर के बराबर रक्तम का संवाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीस के उपबंधों में कोई भी संगोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, हरियाण के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संगोधन से कर्मचारियों के हिस पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की संभावना हो, वहां प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दिन्दिकोण स्पष्ट करने को युक्तियुक्त अवसर देगा
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारियों भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाने हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रह की आ सकता है।
- 10. यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत तारीछ के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियत करे, प्रीमियम का सदाय करने में असफल रहता है, और पालिमी की व्यगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विविध वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, जीमा फायबों के संवाय का उक्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

1.2. उथल स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्काम के अधीन आने बाले किसी सदस्य का मृत्यु हाने पर उसके हकदार नाभ निर्देणितियो। विनिध बारियो की बीमाइन रकम का सदाय स्वयंक्ता से और प्रत्येक दशा में भारताय जावन बीमा निगम से बीमाइन रकम प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिध्चित करेगा।

(मश्या एम-35014/116/85 एस एस-4)

S.O. 2675.—Whereas Messrs Eicher Goodlarth Limited (Formerly Eicher Tractors India Limited), Ficher Research centre, Plot No. 8, Sector 4, Ballabgarh-121004 (Haryana) (PN 4905) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the I life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinaster referred to us the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioer. Haryana and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4 The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employers under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nomineo of the employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund (mmissioner, Haryana and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shalf be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomineellegal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

(No. S-35014'118'85-SS-IV;

का आ 2676.— मैसमें आईशर गृडअपे लिमिटेड (पुराना ना आइशर ड़ैनटर्स इंडिया लिमिटेड) 59, एन आई , टी. 'फरीवानाद' 121001 (हरियाणा) पी. एन. (1358) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है नें कर्मचारी , विषय निश्चि और प्रकोण उपसंघ अधिनियम 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2 क) के अधीन छूट विष् जाने के लिए शबिवन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अदिय या प्रीमियम का संवाय किए जिना ही, भारतीय जीवन शीमा निगम की सामूहित शीम स्क्रीम के अधीन जीवन शीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उद फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निश्रीप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुनेय हैं, अर केर्न्द्रीय सरकार उकत अधिनियम की बारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदक्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिधिन्द गलों के अधीन रहते हुए उकत स्थापन को तीन वर्ष की अधीध के लिए उपन रकाम के सभी उपशंधी के प्रवर्तन से छुट देती हैं।

अससूची

- 1 उरन स्थापन के सम्भ्र नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि आयुरत, हरियाणा को ऐसो विवरिणमा भेजेगा और ऐसे सेखा रखेगा नथा निरीक्षण के लिए ऐसी मुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्विष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रमारों का प्रत्येषः मास की समाप्ति के 15 दिन के मीतर मंदाय करेगा जो केम्द्रीय सरकार, उक्त अखिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-मनय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, त्रिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीकियम का सवाय लेखाओं का अंतरण निरोक्षण प्रमारों का संवाय आवि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया आएगा।
- 4 सियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहित श्रीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और अब कभी उन में सणीधन किया जाए तब तक उस संणोधन की प्रति तथा कर्मेचारियों की बहु सख्या की माधा में उसको मुख्य बानों का अनुवाद संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रविश्वित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मभार , जो कर्मभारी अविषय निष्ठि का या उन्हें अधिनियम के अधिन छूट प्रान किया स्थापन की अविषय निष्ठि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाना है, सो नियोजिक, मामृह्मि कीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम नुस्त्य दर्ज करेगा और उसकी काना आवश्यक प्रीमयम भारतीय जीवन कीमा निगम की संदन करेगा!
- 6 यदि उक्त स्कीम क अधाव कर्मचारियों को उपजब्ध कायदे बढाये जाते हैं तो तियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अर्था, कर्मचारियों को उपलब्ध फापरों में समुजित रूप से वृद्धि की जाने वाले व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अर्थात उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकृत हों, नो उक्त स्कीम के अधीन अनुनेय हैं
- 7 सामू तिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मवारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रक्षम उस रक्षम से कम है तो कर्मवारी की उप दशा में मंदेन होती जब वह उकत स्कीम के अधीन होता सो नियोक्षक कर्मवारी के विविध वारिस नाम निर्देशिती की प्रतिकार के स्थेप में दोनों रक्षी के अन्तर के वराबर रक्षम का संवाय करेगा।
- ९ सामृहिक वीमा स्कीम के उपबंधों में कोई मो संशोधन प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, हरियाणा के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन के कर्मवारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की संभावना हो, वहाँ प्रावेशिक अविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मवारियों को अपना कृष्टिकोण स्पष्ट करने का यक्तियुक्त अवसर देगा

- 9 यदि किसी कारणवंश, स्थापन के कर्मधारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कोम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या दस स्कीम के अधीन कर्मधारियों को प्राप्त होने वाले फायवे किसी रीति से कम ही जाते हैं, तो यह रह की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम निगत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत ही आने दिया जाता हैती छुट रह की आ सकती है।
- 11. नियोजक हारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी ध्यक्ति कम की दशा में उन मृत सबस्यों के नामनिर्देशितियों या विविध वारिसों को जो यदि यह छूट नदी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा कामधों के संदाय का उन्हराबायिस्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों विविध वारिसों को बीमाकृत एकम का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम बीमाकृत रक्षम प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-२501 4/119/85-एस-एस-4]

S.O. 2676.—Whereas Messrs. Eicher Goodearth Limited (Formerly Eicher Tractors India Limittd), 59 N.I.T. Faridabad-121001 (Haryana)-(PN|1358) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under subsection (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Haryana and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Illustrance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Haryana and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shalf be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects

[No. S-35014]119[85-SS-IV]

का. आ. 2677.— मैसर्स उत्तम एयर प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटेड, 573, कटन ईक्वर न्वत दिल्दी-6 (डीएली 1913) (किसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी अवित्य निधि और और एकीर्ण उपक्ष्म अधिनियम 1952 (1952 का 19) (किसे इसमें इसके पण्चात् उक्त प्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन घुट दिए जाने के निए अन्दिन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्म-भारी, किसी पृथक अभिताय या प्रीमियम का संवाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहित बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे है और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदां से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे क्रांके पश्चान उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुक्षेप हैं,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनयम की धारा 17 की उपधारा. (2क) द्वारा प्रसत्त शक्तियों का प्रयोग वारते हुए और इसमे उपावद अनुसूची में विनिविष्ट गतौं के अर्ध न रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अविधि के लिए उक्त स्काम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देनी है।

अनसभी

- टक्न स्थापन के गंबंध में नियोजिक प्रादेशिक भीषस्य निधि आयुक्त, दिल्ली को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय संस्कार, समय-समय पर निदिष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की ममाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय गरजार, उक्त अधिनियम की भारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (य) के अधीन समय-मम्भ पर निर्विष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रथारों का संवाय आदि भी हैं, होने बाले गभी क्यों का बहुत नियोक्तक द्वारा किया जाएगा।
 229GI|85—25

- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनमोदित मामृहित बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें मंगोधन किया आए, तब तक उस मंगोधन की प्रति तथा कर्मजारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सुचना पट्ट पर प्रविश्वत करेगा।
- 5 बदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उन्हेंत अधिनियम के अधीन खुट प्राप्त किसी स्थापत की भविष्य निधि का पहले हो सदस्य है, उसके स्थापत में नियोजित किया ज्या है, तो नियोजक सामहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसा नाम तुरस्य दर्ज करेगा और उसकी बाबन आवण्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदम करेगा।
- 6 यदि उस्त स्कीम के अधीक कर्मचारियों को उपलब्ध कायदे घडाये जाते हैं तो नियोजक लाम्बिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदों में मम्बित रूप में वृद्धि की जाते की व्यवस्था करेगा जिममें कि कर्मचारियों के लिए सामृष्टिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध क्रायदें उन क्राययों ने अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रेस हैं।
- 7. मामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हीते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीम संदेय रक्तम उस रक्तम से कम है तो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, अब बहु उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोक्षक कर्मचारी के विविध वारिस नाम निर्देशिती की प्रतिकार के रूप में दीमों रक्तमों के अस्तर के बराबर रक्षम का संदाय करेगा।
- अ. मामृहिक बीभा म्कीम के उपबंधों में कोई भी संबोधक, प्रादेणिक भविष्य निधि आयुक्त, दिल्ली के पूर्व अनुभोदन के बिना नहीं किया जाएगा और कहाँ किसी संबोधन में कर्मचारियों के हिन पर प्रति कृत प्रभाव पड़ने मंभावना हो, वहाँ प्रावेशिक भविष्य विधि आयुक्त अपना अनुभोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने को युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवण; स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह ताते हैं, या इस स्कीम के अधीन वर्मचारियों को प्राप्त हीने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रह की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवम, नियोजक उस नियन नारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियन करें, प्रीमियम का संदाय करने में अमकल रहना है, और पालिसी को व्ययगत ही आने दिया जाता है तो छूट रह की जा मफती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमयम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दणा में उक मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विविध वारिमों को जो यदि यह छूट नदी गई होती तो उक्त स्कीम के असंग्रंत होते, बीमा फायबों के संदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सबध में नियोजक, इस स्कंप्त के अर्धान आने वाले किसी सदस्य के मृत्य होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों विनिध बारियों को बन्मा कृत रकम का सवाय तत्परता में और पत्येक बणा में भारतीय जीवन बीमा निगम से भीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक साह के भीषर मुनिष्णित करेगा।

[संख्या एस-35014/120/85 एस-एस-4]

have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Schene for a period of three years.

SCHEDUI E

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintenance such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act. within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of Iudia.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7 Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be fiable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects".

का. आ 2678. — मैसर्स मानाली टीफिन रुमज डिपार्टमेटल स्टारज, लालजार रोड,वराली?-560027 (के एन/6554) (भिमे दूसमें इसके पश्चान उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी स्विष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियस, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चान उक्त अधिनियस कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन खुट विए जाने के लिए आवेदन किया है,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए विना ही, मारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के एम मे कायदे उठा रहे है और ऐसे कर्मचारियों के ये फायदे उन फायदों में अधिक अनुकुल है, जो कर्मचारियों निश्लेष सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुसेय है,

अत. केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनयम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपाबद अनुसूची में विनिविष्ट सतों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन की तीन वर्ष की अविधि के लिए उक्त के सभी उपबंधी के प्रवर्तन से खूट देती हैं।

मनुसूषी

- 1 उक्त स्थापन के सबंध में नियाजक प्रादेशिक भविष्य निधि ग्रायुक्त, कर्नाटक की ऐसी विषरिणयों भेजेगा ग्रीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी मुविधाए प्रयान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निरिट्ट करे।
- 2. नियाजक, ऐसे निर्दक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम का ममाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय मरकार, उक्त श्रिधिनयम के धारी 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के श्रवेन यधीन समय समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3 सामूहिक अपा स्कम के प्रशासन में, जिसके भनगेन लेखाफ़ा का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, जमा प्रसियम का सदाय लेखाफ़ों का भनग्ण निर्दक्षण प्रभाग सदाय भादि में, हैं, होने वाले सभा अथयों का बहन नियाजन द्वारा किया जाएगा।
- 4 नियोजक, केन्द्र य सरकार द्वारा भनुमोदित सामृहित ब मा स्कोम नियमो के प्रति ग्रीर अब कभे उनमें संगोधन किया आए, तब तक उस संगाधन के प्रति नथा कर्मचारिया के अहसक्या की भाषा उसके सक्य खाता का भनुबाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करना।
- 5 यदि कोई ऐसा कर्मचारः, जो कर्मचारः भविष्य निधि का या उक्त श्रीधनियम के भ्रार्धन छूट प्राप्त किसे स्थापन के भविष्य निधि का पहले हैं। सबस्य है, उसके स्थापन में नियाजित किया जाता है, तो नियोजक सामृहिक बंग्मा स्काम के सबस्य के रूप में उसका नाम पुरन्त दर्ज करेगा और उसका बाबन भावण्यक प्रांमियम भारत या जावन भाग निगम को सबस्त करेगा।
- 6. यदि उनत स्कंम के प्रभंन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे यहाये जाते हैं भा नियोजक सामृहिक बंगा स्क.म के प्रधान कर्मचारियों का उपलब्ध फायदों में चित्र से युद्धि क जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बंगा स्कीम के धर्धान उपलब्ध फायदे उन पायदा से प्रधिक भनुकूल हों, जो उनत स्कीम के घर्धान भनुक्रेय है।
- 7 सामृहिक वंमा काम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किस कर्मचारियां क सुत्यू पर इस सकाम के अर्धन सदेय रकम उस रकम में कम है तो कर्मकारियों का उस दणा में सदेय होता, जब वह उक्त स्काम के प्रधान होता तो नियोजक कर्मचारियों के विधिब बाल्स नाम निदंशिन की प्रतिगर के दल गेंदोनों के रक्षमी के अन्तर के बराबर रक्षम का सदीय करेगा।

- 8 सामूहिक बीमा स्कीम के उपबधी में कोई मी लंशीधन प्रावेशिक अविष्य निधि प्रायुक्त, कर्नाटक के पूर्व प्रनुमोवन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मकारियों के हित पर पित्रकृष प्रभाव पड़ने की संभावता हो, वहा प्रावेशिक अविष्य निधि प्रायुक्त प्रपता प्रमुसीयन देने से पूर्व कर्मचारियों का प्रपत्ता दृष्टिकीण स्पष्ट करने की युक्तियुक्त प्रवसर देगा।
- ण यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारताय जीवन जीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्काम के, जिमे स्थापन पहलें प्रपत्ता खुका है, प्रधान नही रह जाते हैं, या घम स्कीम के प्रधान कर्मचारिया का प्राप्त होन वाले फायवे किसी रीति से कम हो जाने है, तो यह रह की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत नारोख के भीतर जो भारतीय जीवन बामा निगम नियत करे, प्रामियम का सदाय करने में भसकत रहता है, भार पालिसी का स्थयनत हो जाने दिया जाता है तो छूट रह का जा सकती है।
- 11 नियाजक द्वारा प्रतिमयम के सवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम के दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देणितियों या विविध वारिमी का जो यदि यह छूट दा गई होता ता उक्त स्काम के प्रवत्तीत होते, बामा फायकों के नदाय का उत्तरद्वायस्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन क सब स नियोजक, इस र्म्काम के अर्धान धाने वाले किसा सदस्य को मृत्यु होने पर उस के हकदार नाम निर्दिणिनियो/विविध वारिसो को बामाकृत रक्तम का संवाय तत्यन्ता से और प्रत्येक दक्षा में भारत(य जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रक्तम प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस. 35014/124/85-एस-एस-4] ए. के. भुशराई, भवर संजिब

5.O. 2678.—Whereas Messes Mavalli Liffin Rooms Departmental Stores, Lalbagh Road, Bangalore-560027 (KN|6554) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Schene for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Karnataka and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2 The employer shall ray such inspection charges as the Central Covernment max, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

- 3 All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc shall be borne by the employer
- 4 The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees
- 5 Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7 Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation
- 8 No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view
- 9 Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled
- 10 Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled
- 11 In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer
- 12 Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects".

[No S-35014 124 85 SS IN]

या भ्रा 2679 — केन्द्रंथ मरकार को यह प्रतास होता है कि मैस , पर एनेक्स 34, यामकाया रोड, त्रास मामकालाम, भ्रष्टास 600033 जा स्थापन के सबद्ध नियोजक भीट कर्मचारियों में बहुसच्या इस बात पर शहुसत हा गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकार के छपबंध मिकिस्मा, 1952 (1952 का 19) के उपवंध उक्त स्थापन को शासू किये जाने चालिए।

ग्रन कन्द्रीय सरकार, उक्त भ्रधिनियम क धारा-1 क उपधारा-1 द्वारा प्रदक्त गरितया का प्रयोग करते हुए उक्त ग्रधिनियम व उपबिध उक्त स्थापन का लोग बरत है।

[स एल-35019 (231)/85-एम एस-3]

SO 2679—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Super Annexe, 34, Thambiah Road, Wese Membalam, Madias-600033 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. S-35019(231)|85 SS II]

का. घा 2680 --केन्द्रीय सरकार यो यह प्रतत होता है कि मैससं क्यामवास एक स 3-3-3121, कुरमाबास्ता, सुभाष रोड, सिकदरा-बाद-3 नामक स्थापन के सबद्ध नियोजक और कमचोरिया का बहुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारा भविष्य निधि और प्रकर्ण उपबंध प्रक्षित्यम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने पाहिए।

भत नेन्द्रिय सरकार, उनत भ्रधिनियम का भ्रास-1 क उपधारा-4 द्वारा प्रवत्त भानितयो का प्रयोग करने हुए उनत भ्रधिनियम के उपबन्ध उनत स्थापन को लागू क'रतः है।

[स॰ एस-35019/(235)85-एस एस-2]

SO 2680.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shamdas and Sons 3-3-3121. Kurma Basti, Subash Road, Secunderabad-3 have agreed that the provisions of the Employees Provident lands and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[N > S-35019(235)|85-SS-II]

का. भ्रा 2681 -- केन्द्र य सरकार को यह प्रत त होता है कि मैंनर्स महास्थर एंड क , पैर यान केलपालयाम, एस भ्रार के विद्यालय पोस्ट, कोयस्बटूर-641020। नामक स्थापन के सबद्ध नियोजक भ्रीर कर्म- चारियो का बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भिषय्य निधि भ्रीर प्रक ण उपबध्य भ्रक्षितियम, 1952 (1952 का 19) के उपबध्य उन्त स्थापन को लागू किये जान चाहिए।

ग्रत केन्द्रिय सरकार, उक्त प्रधिनियम का धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदेश शक्तियो का प्रयोग करते हुए उक्त प्रधिनियम के उप ध उक्त स्थापन को सागू करता है।

[स एल 35019 (228)/85-एस. एस-2]

SO 2681—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mahalakshmi and Co. Periayaickenpalayam, S.R.K. Vidyala Post, Coimbatore-641020 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(228)|85-SS. II]

का. मा. 2682.— केन्द्रय सरकार को यह प्रतान होता है कि मैसमं एसालिन एजेक, प्राइवेट लिमिटेड नं. 41, एन. एम. एम. रोड, भ्रम नज कराय, मद्रास-29 ग्रीर एसक शाखा है-विजयवाडा। नामक स्थापन के सबंद्र नियोजक ग्रीर कर्मचारियों का बहुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचार। भविष्य निधि ग्रीर प्रकर्ण उपबंध ग्रीध-नियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए।

भत. केन्द्रय सरकार उक्त भविनियम का धारा 1 के उपधारा 4 क्षारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त श्रीधनियम के उपबेध उक्त स्थारन को लीयू करत है।

[सं. एल-35019 (229)/85-एसं. एस-2]

S.O. 2682.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, Elmin Agencies Privact Ltd., NoN. 41, N.M.M. Road, Aminijikarai, Madras-29 including its branch at Viiaywada have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(229) 85-SS-11]

का. भ्रा 1.681 - केन्द्रीय सरकार की यह प्रश्तेत होता है कि मैसमं रिव गम इंडस्ट्रिज, $\nabla -1/14$, जा. भ्राई. इ. म., फेज-II बतवा, जिला भ्रहमदाबाद। नागक स्थापन के सबद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों क बहुसख्या इस बात पर सहसन हो गई है कि कर्मचार भविष्य निधि भीर प्रक्ष उपबंध प्रशिविषयम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन का लागू किये जाने चाहिए।

यत केन्द्र य सरकार, उक्त श्रीधिनियम के, धारा-1 क उपधीरा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त श्रीधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लाग करत है।

[स. एस-३५०19 (230)/ 85-एस. एस-७]

S.O. 2683.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Ravi Gum Industries A-14, G.D.C. Phase-IJ Vatva Dist. Ahmedabad base agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(230)|85-SS. II]

की. त्रा. 2664.~-केन्द्रीय सरकार को यह प्रतंत होता है कि सैसर्स ए० बालासुक्षमण्यम प्रदेश्लूम फैंब्ट्र 13/1. बाकापालायम रोड. ईलामिपलायाई, सेलम कस्त्रा। नामक स्थापन के सबद नियोजक प्रार कर्मनारियों क बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचार भित्रस्य निधि भीर प्रकर्ण उपश्रंष ग्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) है उत्तरेष प्रता स्थापन को लागू किये जाने चाहिए। श्रत. केन्द्रीय सरकार, उन्त श्रविनियम के धारा-1 के उपधारा-4 द्वारा प्रथत शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्त श्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करत है।

[म. एल- 35019 (236)/ 85-एम. एस०-2]

S.O 2684.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis A. Bala Subramaniam Powerloom Factory 13/1, Kakapalayam Road, Eliampillai, Salem Dist. have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now therefore in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019 (236) 85-SS.II]

का. आ. 2685.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रत्तित होता है कि मैसर्स नेसामनी टैक्स, वेलान्दवालमई 637105, ईडापपड़ी, सेलम कस्वा। नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त मिक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है। [सं. एल.-35019(234)/85-एस. एस.-2]

S.O 2685. Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nesamani Tex. Vellandivalasai 637105, Idappadi, Salem District, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment:

INo. S-35019(234)[85-SS-III]

का. आ. 2686.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रक्षीत होता है कि मैसमं डी. पी. बी. प्रिन्टमं, 6/48. अवानाशी रोड, कोम्बेट्र-641037 नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपवध अधिनियम. 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागृ करती है।

[सं. एल. 35019(227)/85-एस. एम.-2]

S.O. 2686.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees relation to the establishment known as Messrs D.P.V. Printers, 6/48, Avanashi Road, Coimbatore-641037 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(227)'85-SS-11]

नर्द दिल्ल , 25 मई, 1985

का आ 2687.--केन्द्रय सरकार को यह प्रवान होता है कि मैमर्स कल रियन इटरप्राइजिज 111-म , हाजरा रोड, कलकत्ता-26 नामक स्थापन के सबंद नियोजक भीर कर्मचारियों के बहुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचार भिषय निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबक्ष प्रधिनियम, 1952, (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लायू किए जाने चाहिए।

ग्रतः केन्द्रय सरकार, उक्त अधिनियम का धारा । क उपधारा (4) द्वारा प्रयत्त शक्तियों का प्रयाग करते हुए उसत श्राधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लाग करत है।

सि. एस-35017/68/85-एस. एस -2]

New Delhi the 25th May, 1985

S.O. 2687.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the estalishment known as Messrs CLARION ENTER-PRISES, 111-B, HAZARA ROAD, CALCUTTA-26 agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. \$-35017(68)[85-SS. II]

का. आ. 2688 --केन्द्रिय सरकार को यह प्रतंत होला है कि मैसर्स सुपर दुपर 18-मं, पार्क स्टूट, कलकत्ता-7! नामक स्थापन के संबंध नियोजक भीर कर्मचारियों क. बहसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचार भविष्य निधि और प्रकर्ण उपबंध मधिनियम, 1952) (1952 का 19) के उपबठ्य उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

भनः केन्द्र य सरकार, उक्त भश्चितियम कः धारा 1 क उपधारा (4) क्षारा प्रदक्त मस्तियों का प्रयोग करते हुए अक्त प्रश्विमियस के अपबंध उक्त स्थापन को लागु करतः है।

[**न०** एम- 35017/69/85-एसएम 2]

S.O. 2688.—Whereas it appears to the Central Goernment that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Super Dooper 18-C, Park Street, Calcutta-71 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(69)]85-SS. III

था 3689 -- कर्मचार राज्य बीमा अधिनियम, 1918 (1948 का 34) का धारा । की उपचारा (३) द्वारा पदन भविनयी का प्रयोग करते हुए, केन्द्रेय सरकार एतद्शारा 1 जून, 1985 को उस

तारीख के रूप में नियवन करती है, जिसको उक्त ग्रीधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 फ्रीट 15 के सिवाय जो पहले है। प्रकृत क जा चुक है) ग्रीर मध्याय 5 भीर 6 धारा (76 कः उप-धारा (1) ग्रीर धारा 77, 78, 79 भीर 81 के सिवाय जा पहले हैं। प्रवृत्त के जी चुक है) के उपशंघ हरियाणा राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रयुत्त होगे अर्थात ।

"राहतक जिले मे--

 भम म	राजस्य ग्राम का नाम	हृद बस्त संख्या	
1.		28	_
2.	साखोल	39	
3.	जसोदा	41	
4.	कमार	4.3	
	r.		

[**स** , एम-38013/1**0**/85-एमएम-1[

S.O. 2689.—In exercise of the powers conferred by sub-section(3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st June 1985 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except subsection (1) of section 76 and sections 77. 78. 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act. shall come into force in the following areas in the State of Haryana namely -

"SI.	No. Name of Revenue Village	Had Bast No.	
1,	Ashodha	28	
2.	Sarkhol	39	
3.	Jakhoda	41	
4.	Kasar	43	
	in the District of Rohtak".		

[No. S-38013/10/85-SS-I]

बा द्या 2.69.0 .--केन्द्रय सरकार को यह प्रतन होसाहै कि मैसनं सूत्र म पेपर मिल्स लि., शांतिनिकेतन, 9वी मोजिल, 9. केमेवा स्ट्रीट कलकत्ता-17 और पैन्द्रीज (मिल्स) शनीनगर गांव जिला नादिया में स्थित नामक स्थापन के सबद्ध नियोजक और कर्मचारियों क बहुसंख्या इस बात पर सहसत हा गई है कि कर्मचार भविष्य निधि और प्रकर्ण उपबंध मिविनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन का लागू किए जाने चाहिए।

भन केन्द्र य सरकार, उक्न श्रीधनियम का धारा-1 क उपधारा-4 हारा प्रदश शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त प्रधिनियम के उपवध उक्त स्थापन को लागू करती है।

S.O. 2690.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Supreme Paper Mills Ltd. Shantiniketan, 9th floor, 8, Camac Street, Calcutta-17 including Factory (Mill) at village Raninagar Dist. Nadia, West Bengal have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(63)|85-SS, III

का. आ. 2691 - केर्म्बय सरकार को यह प्रर्तन होता है कि मैसर्स माहरोजन ट्रं कपनी, चटर्जी इंटरनेशनल मेंटर, 20थी मंजिल स्थर नं. 1, 33ए. चौरणी रोड, कलकना-71 नामक स्थापन के गंबंद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहसंख्या इस बात पर महमन हो गई है कि कर्मचारी भिक्षिय निश्चि और प्रमुर्ग उपयोध प्राधिनियम, 1952 (1952 गा 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागृ किए जाने साहिए।

ग्रत केन्द्र य भएकार, उक्त ग्राधिनियम का धारा-: का उपधारा-4 हारा प्रदक्त शक्तिया का प्रयोग करते हुए उक्त ग्राधिनियम के उपबंध 3 उक्त स्थापन को लागु करत हैं।

[स. एस-35017 (64)/85-एस एस-2]

S.O. 2691.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to be establishmen known as Messrs, Nahorajan Tea Company Private Limited., Chatterjee International Centre 20th Floor, Suit No I 33-A, Chowinghee Road, Calcutta-71 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(64)]85-SS. II]

का थ्रा. 269.2 -- केन्द्रंय सरकार को यह प्रतान होता है कि मैसर्स तामरिवरित कोध्रापरेटिब स्मानिस मिल्स लि म - 93 सं. धार्ड ट. रोड रक म- 6 एस. उसर मिलिल कलकत्ता- 54 प्रीर शास्त्रा मिदनापुर पिष्यम बंगाल में स्थित नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मबारियों के बहुमंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मबार भिष्य निर्धि और प्रकार्ण उपबंध भिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लोग किए जान बाहिए।

श्रन कन्द्रेय मरकार, उन्न श्रधिनियम क धारा-1 क उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्न श्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लाग करत है!

सिं. एस-35019(65) 85-एम एम-<u>2</u>]

S.O. 2692.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Tamaralipta Co-operative Spinning Mills Ltd., P-93, C.I.T. Road Schome VI-M, (2nd Floor), Calcutta-54 including Branch at Sarat Pally P. O. & Dist Midnapore (W.B.). have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment..

[No. S-35017(65)|85-SS, II]

का भ्रा, 2.93 — केन्द्रीय गरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्म फिरेग एसीनिएमम 190, सैट पालस रोड, एक्सर्टेंबन क्षेत्रा, बम्बई-50, नोमक स्थापन के सम्बद्ध नियीजक भ्रीर कर्मनारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भ्रांविष्य निधि श्रीर प्रकीणें उपबंध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किएं जाने चाहिएं।

श्रान केन्द्रीय सरकार, उक्त क्रिधिनियम, की धारा-1 की उपधारा-4 बारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त श्रीधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करनी है।

[मं एस-35018(8)/85-एसएस-2]

S.O. 2693.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Fetreira Associates 190 St. Paul's Road Extension Bandia Bombay-50 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(8)]SS. II]

का ब्रा 2694 --- केन्द्रीय सरकार की यह प्रसीत होता है कि मैनर्स पैट रिसर्च कारपरिधान 298, एस एन रीय रोड, कलकसा-38, नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक ब्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हा गई है कि कर्मचारी भ्याविष्य निधि ब्रीर प्रकीण उपबंध अधि-नियम, 1952 (1952 को 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागृ किए जाने चाहिए।

श्रात: केन्द्रीय सरकार, सकत क्रिविनियम की आण-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त ब्रिविनियम के उपबंध उक्त स्वापन को लागू करती है।

[सं **एस-35**017(67)/85एसएस-2]

S.O. 2694.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majorit, of the employees in relation to the establishment known as Messrs Paint Research Corpn. 295, S. N. Roy Road, Calcutta-38 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable, to the said establishment;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No.S-35017(67)|35-SS. II]

का. या. 269 5.- - केन्द्रं य सरकार को यह प्रतिन होता है कि संसर्भ आपटसमेने 336 जयगोपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, भवानी शंकर आस रोड, दादर, बस्बई-28 'नामक स्थापन के संबंद्ध नियोजक ग्रौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहसत हो गई है कि कर्मचारि भविष्य निधि ग्रौर प्रकीण 'उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के 'उपबंध उक्ल स्थापन को लागू किये जाने चाहिए।

धन केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम के धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदक्त प्रक्रियों का प्रयोग करने हुए उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लाग् करनी है।

[मं एस-35018 (7)/85-एम, एस-2]

S.O. 2695.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Crafts-man 336, Jaygopal Industrial Estate Bhawani Shankar Cross Road, Dadar, Bombay-28 have agreed that the provisions of the Employees Providen Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act. the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(7)|85-SS. II]

का. श्रा. 269 6.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीन होता है कि इंडियन ट्यूब प्रोडेक्टम 84-बी, फर्स्ट फ्लोर, वेवर्ज रत्नजी मार्म, दानाबन्दर मार्ग, खम्बई-9 नामक स्थापन के संबंद्ध नियोजक और कर्मबारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहसन हो गई है कि कर्मचारी प्रविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रशिसम 1952 (1952 का 19) के अपबंध उक्त स्थापन की लागू किये जाने चाहिए।

ग्रन केन्द्र य संरक्षार अक्न प्रधिनियम क धारा-1 के उपधारा-4 क्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्न भश्चिनियम के उपबंध उक्त स्थापन का लाग करती है।

[सं. एम-35018 (6) / 85-एम एस-४]

S.O. 2696.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Indian Tube Products 84-B 1st Floor, Devji Ratansey Marg, Dana Bunder Marg, Bombav-9 have agreed that the provisions of the Employees provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

INo. S-35018(6) 85-SS. III

का. प्रा 2697 -- केन्द्र य सरकार को यह प्रतोत होता है कि मैसमें स्वछम एंड कंपने 13, राजाराम मोहन सारती (रामहरस्ट स्ट्रीट), कलकत्ता-9 नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक धीर कर्मचारियों के बहु-संख्या इस बात पर सहस्त हो गई है कि कर्मचारों भविष्य निधि धीर प्रकीर्ण उपबद्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवंध उकत स्थापन को साम किए जाने चाहिए।

श्रतः केब्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम के धारा-1 को उपद्यापा-4 वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त श्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लग्न करन है।

[सं एस-35017 (66) / 85-एसएस-2]

S.O. 2697.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Sovachem and Co. 13, Raja Ram Mohan Saran (Amherst Street) Calcuttage have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(66)|85-SS. II]

का० था० 269% - मैसर्स हैण्डलूम इनटैन्सोव डिवलपर्मेट प्रोजेक्ट घावास विकास कालोती, ए-41, लाजपतनगर, मुरावाबाद (यू पे/11055) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि धौर प्रकर्ण उपबंध धिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) के धारा 17 क उपधारा (2क) के धारा न छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

ग्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किस पृथक ग्रीभदाय या प्रेमियम का संदाय किए बिना हो। भारत य जेवन बामा निगम को सामृहिक बोमा स्कीम के ग्रधीन जीवन बोमा के स्पामें फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन कायदों से प्रधिक प्रमुक्त हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बामा स्काम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्काम कहा गया है) के प्रशीम उन्हें श्रमुक्तेय हैं;

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियमं का धारा 17 कं उपधारा (3क) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करने हुए और इसमें उपाबद्ध अनुसूच म विनिदिष्ट शर्तों के श्रधीन रहते हुए उक्त स्थापम की तान वर्ष के श्रवधि के लिए उक्त स्काम के सभा उपबंधी के प्रवर्तन में छूट देत हैं।

प्रनुसूच

- 1. उक्त स्थापन क सब्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि भ्रायुक्त, उत्तर प्रदेश को ऐसी विधर्णिया भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा नथा निर क्षण के लिए ऐस सविधाए प्रदान करेगा नो केन्द्र य सरकार समय-गमय पर निर्दिग्ट करें ।
- 2 नियोजक, पेमे निरक्षण प्रभारों का प्रस्थेक भाम के समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्र य सरकार, उनन अधिनियम क धारा 17 क उपधारा (3क) के खंड (क) के खंड समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3 सामृद्धिक बामा स्काम के प्रणासन में, जिसके अनर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बामा प्रमियम का सवाय, लेखाओं का अंतरण, निरक्षण प्रभारों का सवाय आदि भ हैं, डोने बाले सभ स्थयों का बहुन नियोगिक द्वारा किया जाएगा !
- 4 नियोजक केन्द्र य सन्तार द्वारा धनभादिन सामृहिक बास स्कंस के नियमों क एक प्रति भीर जब कभ उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन के प्रति तथा कर्मचारियों के बहुसंख्या के भाषा में उसकी संख्य बातों का प्रनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचार, जो कर्मचार भविष्य निधि का या उनन अधिनियम के ग्रष्ठ न छूट प्राप्त किसी स्थापन क भविष्य निधि का पहले ह सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, साम्हिक ब मा स्क म के सदस्य के इस में उसका नाम नुग्ल दर्ज करेगा और उसक बायन ग्रांबण्यक प्रमिथम भारत्य जंबन य मा निगम को सदस्य करेगा।
- 6 यदि उक्त स्क म के श्रधन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढाये जाते हैं तो नियोजक साम्हिक ब मा स्क म के अधंन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से बृद्धि क जाने के ब्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक ब मा स्क म के ब्रधन उपलब्ध फायदे उन फायदों से घष्टिक अनुकूल हों, जो उक्त स्काम के अध न अप म अनुकूल हों, जो उक्त स्काम के अध न अनुकूल हों
- 7 सामूहिक ब.मा स्कीम में किसं बात के होते हुए भं, यदि किसी कर्मचार के मृत्यु पर इस स्काम के भागन संदेय रकम उस रकम से कम है तो कर्मचार को उस दशा में संदेय होत, जब वह उक्त स्काम के प्रधीन होता तो नियोजक कर्मचार के विधिक धारिस/नाम निर्वेशित को प्रतिकर के रूप मे दोनो रकमों के मन्तर के वरावर रकम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बे.मा स्क.म के उपबंधों में कोई भी मंगोधन प्रावेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रतुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के दिन पर प्रतिकृत्न प्रभाव पटने के संभावना हो, वहां प्रावेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त प्रभाव प्रतुमेदन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्रपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त प्रवसर देगा ।
- यदि किंस कारणवण, स्थापन के कर्मचार, भारत न जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बामा स्काम के, जिसे स्थापन पहले प्रपत्ता चुका

- है, सधीन नहीं रह जाते हैं, क्या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों का प्राप्त होने काले फायदे किस र ति से कम हो जाते हैं, तो यह रह की जा सकती है ।
- 10 यदि किसा कारणवण, नियोजक उस नियन नार **स के भीतर,** जो भारतय जंबन बंभा निगम नियन करे, प्रभियम का सदीय करने में ग्रमफान रहता है, ग्रीर पालिस को व्यप्गत हो जाने दिया जाना है सो छट रहकी जा सकार है।
- 11. नियाजक द्वारा प्रमियम के सवाय में किए गए किस. व्यक्तिकम क. दणा में उन मुल नदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दः गई होतः ता उथल स्कम के स्रंतर्गत होते बीमा फायदी के सदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा ।
- 12. उक्त स्थापन के सबध में नियोजक, इस स्काम के अधीन आने वाले किस सदस्य का मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का सदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बामा निगम से बामाकृत रकम प्राप्त होने के एक माठ के भीवर मुनिध्वित करेगा।

[स॰ एस-35014/140/85-एसएस-4]

S.O. 2698.—Whereas Messis Handloom Intensive Development Project, Avas Vikas Colony A-41, Lajpat Nagar, Moradabad (UP|11055) (heremafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Funds Comnissioner. Uttar Pradesh, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under lause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of eccounts, submission of returns, payment of insurance prenia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. hall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the stablishment a copy of the rules of the Group Insurance scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the empoyees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the imployees' Provident Fund or the Provident Fund of an stablishment exempted under the said Act, is employed in 229 GI/85—26

- his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Uttar Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employee, of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for erant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomineelleval heirs of the decessed member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014|140|85-SS-IV]

नई विरुती, 27 मई, 1985

कां॰ प्रा॰: 2699- मैसर्स हैण्डलम इनटेन्सीय डिबलपर्मेंट प्रोजेक्ट, धोमपर (किजनोर) (य पी:16915) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापम कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिमियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रश्नीन छूट दिए जाने के निए ग्रावेदन किया है,

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक प्रभिवाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना हो, भारतीय जीवन बीमा नियम की सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक प्रनक्त हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चाक उक्त स्कीम कहा गथा है) के अभीन उन्हों अनुजीय हैं,

भ्रम: केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए भ्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्विष्ट शर्तों के भ्रधीन रहने हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की भवधि के लिए उक्त स्कीभ के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट वेती है।

धमुसूची

- उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि ध्रायुक्त, उत्तर प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा ध्रीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए ऐसी मुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रंय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम को समाप्ति के 15 दिन के भंतर संदाय करेगा जो केन्द्रय सरकार, उक्त श्रीधनियम की धारा 17 क उपधारा (3क) के श्रीड (क) के श्रीड न समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 3. सामृहिक बत्मा स्कोम के प्रशासन में, जिसके श्रंतर्गत लेखाश्रों का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बंभा प्रमियम का संदाय, लेखाश्रों का श्रंतरण, निर्दक्षण प्रभारों संवाय श्रावि शंः है, होने बाले थश्र थ्ययो का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।
- 4 नियोजक, केन्द्रेश सरकार ग्रारा प्रतुमीदित सामूहिक बेमा स्कम के नियमों की एक प्रति, ग्रीर जब कभी उनमें संगोधन किया जाए, तब तक उस संगोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का भ्रमुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रविश्ति करेगा।
- 5. यवि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या जनसं अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक, सामृहिक बीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त वर्ज करेगा और उसका वासत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्क्रीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्क्रीम के धर्धन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृचित रूप मे वृद्धि को जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए मामृहिक कीमा स्क्रीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक प्रमुक्त हों तो उक्त स्क्रीम के अधीन प्रमुक्तेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के मर्भन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उस्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिस नाम निर्वेशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अस्तर के बरावर रकम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा क्कीम के उपबंधों में कोई को संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि भायुक्त, उत्तर प्रदेश के पूर्व मनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और अहां किसा संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने को सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक मिष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्रपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त श्रवसर देगा ।
- 9. यदि किस्तं कारणविश, स्थापन के कर्मचार, भारतीय जंबन बीमा निगम को उस सामूहिक स्कीम के, जिसे स्थापन पहले भपना चुका है भन्नीन नही रह जाते हैं, या इस स्कीम के भन्नी कर्मचारियों की प्राप्त होने बासे फायदे किसी रिति से कम हो जाते हैं, तो यह रहे के जा सकती है।
- 10. यदि किसा कारणजा, नियोजक उस नियत नारीख के भातर, जो भारतीय जीवन बांभा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में भासफल रहता है, भीर पालिसों को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो खट रह की जा सकती है ।
- नियोजक द्वारा प्रंश्मियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत भवस्यों के नाम निर्देणितियों या विविध वारिसों को

- जो यदि यह छूट न वे गई होते। तो उक्त स्क्रिम के अंतर्गत होते, बेगा फायदों के संदाय था उत्तरदायिक्य नियोजक पर होगा ।
- 12. उक्त स्थापन के सबध में नियोजक, इस स्क्रम के अधीन आने वाले किसी, सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निर्वेशितियों! विधिक वारिमों को ब माकृत रक्षम का संवाय तत्परमा रो और अत्येक दणा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रक्षम प्राप्त होने के एक माह के भंतर सुनिश्वित करेगा ।

[संख्या एस-35014/142/85-ए सएस-]

New Delhi, the 25th May, 1985

S.O. 2699.—Whereas Messrs. Handloom Intensive Development Project, Dhampur (Bijnor) (UP|6915) (thereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Uttar Pradesh, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Groun Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Groun Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount pavable under this scheme be less than the amount that would

be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.

- 8 No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Uttar Pradesh and where any amendment is likely to affec, adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this, exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomineellegal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014|142|85-SS-TV]

का. आ. 2700 :मैसर्स हैण्लूम इतटेम्सीव डिबलप-मेंट, कारपोरेशन, इंडस्ट्रियल इस्टेंट, गोरखपुर (यूपी) (यू पी/6525) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिस इममें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनक्केय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्विष्ट गतौं के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि में लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अन् सूची

- 1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, उत्तर प्रदेश को ऐसी विधरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निक्टिंट करे।
- 2. नियोजक, ऐसं निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा-17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के प्रधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं छा रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमिश्रम का संदाय लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय श्रादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदिस सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का धनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मवारी, जो भविष्य निधि का या उकत अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहुले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियो-जित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रोमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदस्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं ती, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक धनुकूल हों जो उक्त स्कीम के प्रधीन धनक्रेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में हिसी बात के होते हुए भी,
 यदि किसी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के प्रधीन संदेय
 रक्षम उस रक्षम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में
 संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता तो,
 नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निर्देशिती को
 को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्षमों के श्रम्तर के बराबर रक्षम
 का संदाय करेगा।

- 8. सामू हिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि ध्रायुक्त, उत्तर प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्म- बारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि ध्रायुक्त, अपना श्रनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को ध्रपना दृष्टिको-स्पष्ट करने का युक्त युक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कमचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम अधीन के कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्व की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें प्रीमियम का संदाय करने में श्रमफल रहता है, और पालिसी को व्यागत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियो या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट नि दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के सबंध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन प्राने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसी को बीमाइत रकम की संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में आरतीय जीवन बीमा निगम से बीमाइत रकम प्राप्त होने के एक मास के के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/141/85-एस एस-IV]

SO 2700—Whereas Messrs Handloom Intensive Development Corporation, Industrial Estate, Gorakhpur, Uttar Pradesh (UP/6525) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2As of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefit, under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now therefore, in exercise of the powers confeired by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Uttar Pradesh, maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, tranfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- . 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Group Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Uttar Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adonted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance, benefits to the nominees or the leval heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee / legal heirs of the deceased member antitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. \$-35014/141/85-SS-IV]

का ग्रा. 2701.—मं सर्स हैण्डलूम इनटेम्सीव डिवलप-मेंट प्रोजेक्ट, पुष्पराज टाक्षीज के पीछे, सिविल लाइन फैजाबाद (यू.पी/11080) (जिम इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध ग्रधिनियम, 1952 (1952 का 39) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के ग्रधीन छूट विए जाने के लिए ग्रावेदन किए है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया कि उकत स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक ग्रिभियम या प्रीमियम का संदाय किए विना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के ग्रधीन जीवन बीमा के रूप मे फायदे उठा रहे हैं और ऐसं कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से ग्रधिक श्रनुकूल है जी कर्माचारी निक्षेष महबद्ध बीमा स्कीम, 1976 जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें श्रनुक्रेय है ;

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपाबद अनुमूची है बिनिदिब्ट भर्तों के श्रधीन रहते हुए उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अन्नधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

ग्रनुसूची

- 1. उक्त स्थापन के मंबंध में नियोजक प्रादेशिक प्रिक्षिय निधि श्रायुक्त, उत्तर प्रदेण को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे नेखा रखेगा हथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2. नियोजिय, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा -17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के प्रधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना , बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार संवाय ग्रादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा भ्रनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियो की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का भ्रनुवाद, संस्थान के सूचना पट पर प्रवर्शित करेगा।
- 5. पदि कोई ऐसा कर्मवारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्रांत किसी

- स्थापन की भविष्य निधिका या उक्त निधिका पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त धर्ज करेगा और उसकी बाबत धावायक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं। तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन प्रमंचारियों को उपलब्ध फायदों में समूचित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारि हों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदें उन फायदों से प्रधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के प्रधीन अनुक्षेय है।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए, भी, यदि किसी दर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रक्षम उस रक्षम से दाम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक वर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिक्षी को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्षमों के अन्तर के बराबर रक्षम दंग सदाय अरंगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन प्रावेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त, उत्तर प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नही किया जाएगा और अहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने को संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को श्रपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस, सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नही रह जाते है, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले फायदे किसी रीति से कम ही जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियोजक, उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में ग्रसफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने वियाजाता है तो छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम , निर्देशितियों या विविध वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरदायिख नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के संधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्य होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को एम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक माह के भीतर मुनिष्वत करेया।

[संख्या एस-35014/143/85-एस एस-4]

S.O. 2701.—Whereas Messrs Handloom Intensive Development Project, behind Pushpraj Talkies, Civil Lines, Faizabad, (UP)11080) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Uttar Pradesh, maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority o fthe employees.
- 5 Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees, than the benefits admissible under the said Scheme
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the

amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Uttar Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Incurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be hable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer to pay the premium etc, within the due datc, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is hable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/143/85-SS-IV]

का. था. 2702 .— मैंसर्स सिन्थेटिक्स इंडस्ट्रियल कार-पोरेशन (ए) डिबीजन धाफ सोहिया मशीन्स लिमिटेड) सी-3, पनकी इंडस्ट्रियल एस्टेट, कानपुर-208022(युपी/ 5157-ए) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध [म्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त म्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2) के मधीन छूट विए जाने के लिए धायेवन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक प्रभिदाय या प्रीमियम का मंदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहित बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे ,उन फायदों से प्रधिक प्रमुक्त हैं, जो कर्मचारी मिक्षेप सहब इ बीमा स्कीम, 1976 (जिस इसके पण्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीन उन्हें प्रमुजेय हैं ;

श्रतः केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त गिक्तयों का प्रयोग करते हुए, और इससे उपायस अनुसूची में बिनिर्दिष्ट गर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को तीन वर्ष की श्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के श्रवर्तन से फूट देती है।

भनुसूची

- 1. उक्त स्थापत के संबंध में नियौजक प्रावेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त, उत्तर प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की ममाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के ग्रधीम समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभारों का संदाय प्रादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संगोधन किया जाए, तब तक उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुनंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भिष्य निधि का या उक्त श्रधिनियम के स्प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भिष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, मामूहित बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वावत भावश्यक प्रीमियम भारतीय 'जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की ब्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों मे अधिक अनुकूल हों तो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्षेय है।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रक्तम उस रक्तम से कम है तो कर्मचारी को उस देशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिस नाम निर्वेशिती की प्रतिकर के रुप में दोनों रक्तमों के अन्तर के बराबर रक्तम का संदाय करेगा।
- 8. सामुहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त, उत्तर प्रदेश के पूर्व भनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और अहां किसी संशोधन से कक्षमाँ।रियों के हित पर अनुकूल प्रभाव पड़ने की संभावना

- हो, वहां प्रावेशिक भिंबच्य निधि आयुक्त स्रपना स्रनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को स्रपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने को यक्तियुक्त स्रवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपत्ता चुका है, प्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते है, तो यह रद्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का मंदाय करने में भ्रमफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाना है तो छूट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दणा में उन मृत सदस्यों के नाम- निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अतर्गन होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्नरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के श्रधीन श्राने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विश्विक वारियों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता मे और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवम बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक माह के भीतर मुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-45014/115/85-एसएस-4] ए०के०भट्टाराई, स्रवर सचिव

S.O. 2702.—Whereas Messrs Synthetics Industrial Corporation Limited (A Division of I ohia Machines Limited), C-3, Panki Industrial Estate, Kanpur-208022 (UP/5157-A) (heremafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annoxed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- =*=-*-- - .

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Uttar Pladesh, maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection tharges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Uttar Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer to pay the premium etc within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any, reade by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominess or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure promot payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014]115[85-SS-IV]

नई दिल्ली, 30 मई, 1985

का. अा. 2703.—मैंसर्स सूजा रबड़ प्रोडक्ट्स, 45, पटटामगलम स्ट्रीट, माइलायुतुराय-609001(टी एन/8827) (जिसे इसमें इसके पण्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भिक्षिय निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 को उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामू-हिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे है और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहस्रत्न भीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पण्चात् उक्त स्कीम कहा गयां है) के अधीन उन्हें अनुकाय है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) ब्रारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उबपाबद्ध अनुसूची में विनिर्विष्ट शतौं के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अविधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अ**नु सू**षी

- 1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तिमलनाडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समान्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेंगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीभा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत्त संखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों, संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब तक उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसका मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदेशित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भिष्य निधि का पहले ही सवस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम

के सदस्य के ह्या में उसका नाम नुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबन आवश्यक प्रोमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संदत्न करेगा।

- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों मे समुचित रूप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसो कमंचारों को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम में कम है तो कमंचारी को उस दशा में संदेय होती. जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भिषय्य निधि आयुक्त, निमलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्म चारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने को युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवंश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बोमा निगम को उस सामूहिक बोमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीसि से कम हो जाने हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवण, नियोजक उस् नियृत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, ,प्रीमियम का संदाय करने मे असफल रहता है, और पालिसी को क्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दणा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्दे-णितियों या विधिक वारिसों को, जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के मंदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. जक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बोमाकृत रकम का 229 GI/85—27

सं दाय तत्परता से और प्रत्येक दशों में भारतीय जीवन वीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिध्चित करेगा।

[संख्या एस.-35014/134/85-एस.एस.-4]

New Delhi, the 30th May, 1985

S.O. 2703.—Whereas Messrs Suja Rubber Products, 45, Pattamangalam Street, Mayiladuturai-609001 (TN|8827) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamilnadu, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premimum in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme he less than the amount that would be nayable had employee been covered under the said scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance-Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamiliadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer followed to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nomineo₃ or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince local heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014]134'85-SS-IV]

का. अ. 2704. - मैसर्म प्रणान्त टैक्सटाइल ज प्राइवेट लि. रंगत्स्वामी नगर, वेदापट्टी पोस्ट कैंग्बट्टर (टी एन 1178), (जिंते इसमें इसके पण्चात् उनस स्थापन कहा गया है) ने कर्नवारी भविषय तिथि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनिधम, 1952 (1952 क 19) (जिने इसमें इसके पण्चाम् उन्त अधिनिधम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2स) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रोय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मकारी, किनी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिंक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐमें कर्मकारियों के लिए ये फ़ायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मकारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुकीय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, 'उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपत्रारा (2क) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए और इसने उपाबद अनुसूची में विनिद्धिट गर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्यापन की तीन वर्ष की अविधि के लिए 'उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन में फूट देती है।

अन्सूची

1. उन्त स्यापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तिमलनाडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करें।

- 2. नियोजका, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रेय सरकार, उक्त अधिनियम को धारा 17 की उपधारा (3क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3 स मृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत तिखाओं क रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना बीमा प्राप्तियम का संदाय, तिखाओं का अंतरण निर्दाक्षण प्रभागों का संदाय अदि भी है, होने बाले समी व्ययों का वहन निर्याजन द्वारा किया दाएगा।
- 4. तियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमौदित सामूहिक बोमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और अब कभी उनमें संशोधन किया असे तब तक उस संशोधन की प्रति तथा कमेंचारियों की बहुसंख्या की भागा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी, भविष्य निधि गा या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके प्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजिक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम नुण्नत दर्ज करेगा और उसकी बाबन आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संदन्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढाए आते हैं तो नियोजक स मृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों मे समुचित क्य में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए स मृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनक्षेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचरी की भृत्य पर इस स्कीम के अधीन संदेय रक्षम उस रक्षम से काम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकार के रूप में दोनों रक्षमों के अन्तर के बराबर रक्षम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रदिशिक भिवष्य निधि आयुक्त, तिमलनाडु के पूर्व अनुभोदन के बिना नहीं किया अरण्या और अहां किनी संशोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकूल प्रभाव उड़ने की स्भावना हो, वहां प्रादेशिक भिवष्य निधि आयुक्त अपना अनुभीदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करमे को युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किशी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस समूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अर्धान नहीं रह जाते हैं, या

इस स्कीभ के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने विले फ़ायदे किभी रोप्ति से कम हो जाने हैं, तो यह रद्द की जा सकती है ।

- 10. यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत तारीख़ के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियंत करें, प्रीमियम का मदाय करने मे असकत रहता है, ऑर पालिमी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रोमियम के संदाय में किए गए किपी व्यातिकम की दणा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्दे-णितियों या विश्वित्र वारिमो की जो यदि यह छूट न दो गई होतो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बामा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।
- 12. उनत स्थापन के सबंध में नियोजन इस स्कीम के अधीन आने बाल किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/बिविध वारिमों की बीमाकृत रकम की नंदाय तत्परता में और प्रत्येक दशा में भारतीय जातन बामा निगम में बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक माह के भीतर मृतिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/135/85-एस एस-4]

S.O. 2704.—Whereas Messrs Prashanth Textiles Private Limited. Rangaswamy Nagar, Vedapatty Post, Coimbatore-641007 (TN|1178) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamilnadu, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premimum in respect of him to the Life Indurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamiliadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer followed to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Instrumee Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11 In case of default, it any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominers or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sam assured to the nomineelegal heirs, of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014]135 85-SS-1V]

का. आ. 2705.— मैसर्म काली मैट्टीयल हैडिलग सिस्टमन, 42/6-बी. मद्रास रोड. मेलाकोवरी-612002. कुम्बाकोनम (टी एन/16326) (जिमे इसमें इसके पञ्जात उक्त स्थापम कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध ऑधनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया कि उकत स्थापन के कर्मचारी किमी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे है और एंसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल है, जो कर्मचारी निक्षेप सहबढ़ बीमा स्कीम, 1976 (जिम इसके पश्चात् उक्त कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुन्नेय हैं;

अतं केन्द्रीय संरकार, उक्तं अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसस उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भतौं के अधीन रहते हुए, उक्तं स्थापन को तीन वर्ष को अवधि के लिए उक्तं स्कीम के सभी उपवंधों के प्रवर्तन सं छूट देतो है।

अनुसूची

- 1. उक्त स्थापन के सबंध में नियोजक प्रादेशिक राविष्य निधि आयुक्त, तमिलनाषु को एमी विवर्णाणयां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी मुविधाएं प्रदान करेगा जो केर्न्द्राय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजना, ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मृत्य को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रोय सरकार, उन्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निदिष्ट कोरें।
- 3. सामूहिक बीमा स्वोम के प्रणासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवर्णणयों का प्रस्तुत किया जाना, बोमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों मदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया आएगा।
- 4. नियंत्रक केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बोमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें मंशोधन किया जाए, तब नक उस मंशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुमंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के मूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेंगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि के या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त कियी स्थापन की प्रविष्य निधि का पहले में हो सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजन किया जाता है, तो नियाजक, सामूहिक बामा क्कीम के सक्स्य के रूप में उसकी नाम नुरन्त दर्ज करेगा और उसकी नाबत अधिक्यक प्रोमियम भारतीय जीवन बीसा निगम को संदत्त करेगा!
- 6. यांव उक्त स्कीम के अधीम कर्मचारियों की उपलब्ध फ़ायदे बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सम्मृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फ़ायदों में समृचित रूप से वृद्धि हो गाँ हो उगारणा भरेगा िससे कि कर्मचारिए

- के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूष हों, जी उक्त स्कीम के अधोन अनुजेंथ हैं।
- 7. सामूहिक वीमा स्कीम में किसे बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम में कम है तो कर्मचारी की उस द्रशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस्त/माम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनो रक्तमों के अन्तर के ब्रावर रक्षम का संदाय करेगा।
- 8. सः मूहिक बंता रकीम के उपबंधों में कोई भी मंगोधन, प्रादेशिक पांचित्य निधि अध्युक्त, तिमलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और पहा कियी संगोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रातकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दिष्टकोण स्पष्ट करने को युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. अदि किसी कारणवंश स्थापन के कर्मचारी, भारतिय जीवन वामा निगम को उस सामूहिक बामा स्काम के जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते है, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फ़ायदे किसी रीति से कम हो गाने हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।
- 10. यदि किनो कारणवण नियोजक उस नियन तारीख़ के भीतर, जो भारताय जीवन बीमा नियम नियत करें, प्रामियम का मंदाय करने में असफल रहता है और, पालिसी को व्ययणन हो जाने दिया जाता है तो छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोधक हारा प्रशंमयम के संदाय मे किए गए कियो व्यक्तिश्रम का दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्दे-शितियों या निन्निध नारिसों को जो याँद यह छूट न दी गई होतो तो उक्त स्कोम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोधक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापम के सबध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किया सदस्य का मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/बिविध वारियां का बोमाञ्चत रकम का सदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निशम से बीमाञ्चल रकत प्राप्त होने के एक माह के शीनर भूतिश्चल करेगा।

गि. एस-35014/130/85-एम एस-4] ए के पहाराई, अवर सचिव

S O. 2705.—Whereas Messis Kali Material Handling Systems 42|6-B. Madras Road, Mela Kaveri-612002, Kumbakonam (TN|16326) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercisee of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamilnadu, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Goernment may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premit, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premimum in respect of him to the Life Insurance Corporation of India,
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insutance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer small pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8 No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Fantifandii and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9 Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Groun Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable—to be cancelled.
- 10 Where, for any reason, the employer followed to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

- 11. In case of default, if any made by the employer in rayment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nomines, or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomineellegal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014]136[85-SS-IV]

A. K. BHA'TTARAI, Under Secy.

नई विल्ली, 31 मई, 1985

का. आ. 2706: —केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रदन्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत कोकिंग कील लिमिटेड, धनबाद के बरारी कोक वर्कमं, जो भारत सरकार का एक उपक्रम है के नियमित कर्मचारियों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 1 मई 1972 से 30 सितम्बर, 1985 तक की अविध के लिये जिसमें यह तारीख भो सम्मिलत है, छूट देती है।

- 2. उक्त छूट निम्नलिखित शतों के अधीन है, अर्थात -
- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारियों नियोजित है, एक रजिस्टर रखेगा जिसमें छूट प्राप्त कर्म— चारियों के नाम आर पदाभिधान दिशित किए जाएंगे,
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधि— नियम के अधीन ऐसा प्रमुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिये वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने का तारीख से पूर्व संदत्त अभिदायों के आधार पर हकदार हो जाते,
- (3) छूट प्राप्त अविध के लिये यदि कौई अभिदाय पहले हो संदत्त किये जा चुके है, तो वे वापस नहीं किये जाएंगे,
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवृत्त था (जिसे इसमें इसके पण्चात उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विविधारयां ऐसे प्रारुप में और ऐसी विधिष्टियों सिहत देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि के बाबत देनी थी,
- (5) निगम द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा, 45 की की उपधारा (1) के श्रधीन नियुक्त किया गया

कोई निरीक्षक या इस निमिन्त प्राधिकृत निगम का कोई श्रन्य पदधारी ---

- (i) धारा 44 की उपधारा (1) के प्रधीन उक्त श्रविध की बाबत दी गई किसी विवरणी के विशिष्टियों की सत्यापित करने के प्रयोजनों के लिए, या
- (ii) यह श्रिभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनिमय, 1950 द्वारा यथा श्रिपेक्षित रिजस्टर और श्रिभिलेखा उक्त श्रविध के लिए रखे गए थे या नहीं, या
- (iii) यह ग्रभिनिष्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दी गई उन प्रमुविधाओं को, जो ऐसी प्रमुविधाएं हैं जिनके प्रति फलस्वरुप इस ग्रधिसूचना के ग्रधीन छूट दी जा रही है, नकद और वस्सु रूप मे पाने का हकदार हुआ है या नहीं, या
- (iv) यह अभिनिष्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि श्रविध के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में श्रधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्ही उपबंधों का श्रनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा--

- (क) प्रधान नियोजक या ग्रव्यवहित नियोजक से यह ग्रपेक्षा कना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह वह ग्रावस्यक समझें, या
- (ख) ऐसे प्रधान नियोजक या ग्राट्यवहित नियोजक के ग्राभियोग में कारखाने, स्थापन, कार्यालय या परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेण करना और उसके भारसाधक व्यक्ति से यह भ्रपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से सर्वाधन ऐसे लेखे, बहियां और श्रन्थ दस्तावेज, कैसे निरीक्षक या भ्रन्य पद धारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनको परीक्षा करने दे या वह उसे ऐसी जानकारी दे जी वह आवण्यक समझे, या
- (ग) प्रधान नियोजक या श्रव्यवहित नियोजक को उसके अभिकर्ता या सेवक को या ऐसे किसी व्यक्ति को जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यानय या श्रन्य परिसर में पाया जाए या ऐसे किसी व्यक्ति को जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या श्रन्य पद धारों के पास यह विश्वास करने का युक्ति युक्त कारण हैं कि वह कर्मचारों हैं, परोक्षा करना, या

(घ) ऐसे कारखाने स्थापन, कार्यालय या श्रन्य परिसर में रखेगए किसी रिजिन्टर, लेखा बही या श्रन्य दस्तावेज, की नकल करना या उससे उद्धरण लेना।

[सं॰ एस-38015/12/83-एच॰ग्राई॰]

स्पट्टीकरण ज्ञापन

हम मामले में छुट को भुतलको प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्यों कि छुट के लिये आवेदन देर से प्राप्त हुआ था। किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छुट को भुतलक्षी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकुल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

New Delhi, the 31st May, 1985

S.O. 2706.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the regular employees of the Bararee Coke Works, belonging to Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad, a Government of India Undertaking, from the operation of the said Act for the peiod from 1st day of May, 1972 upto and inclusive of 30th day of September, 1985.

The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

- 1. The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- Notwithstanding this exemption, the employees shall
 continue to receive such benefits under the said Act
 to which they might have become entitled to on the
 basis of the contributions paid prior to the date
 from which exemption granted by this notification
 operates;
- 3. The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- 4. The employer of the said factory shalf submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950:
- 5. Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
- (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and in kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to—
 - (a) require the principal or insmediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal of immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
 - (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014]12¹83-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the application for exemption was received late. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

का.आ. 2707.— केन्द्रिय सरकार, कर्मचारा राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्त मिनतयों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिमूचना संख्या का. आ. 4327, तारीख 24 नवम्बर, 1984 के कम में हिन्दुस्तान णिपमाई लिमिटेड, विमाखापटनम को, उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 1 अप्रैल, 1984 से 31 मार्च, 1985 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिये छुट देती है।

- 2. उक्त छूट निम्नलिखित गर्तो के अधीन है, अर्थात् -
- (1) उक्त कारखाने का नियोजक उस अवाध की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवृत्त था (जिसे इसमें इसके पण्चास् उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियों ऐसे प्रारुप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (माधारण) विनियम, 1950 के अधीन उमे उक्त अवधि की बाबत देनी थीं:
- (2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक या इस निमित्त प्राधिकृत निगम का कोई अन्य पदधारी,
 - (i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन उक्स अवधि की बाबस दी गई किसी

- विविरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनों के लिये, या
- (ii) यह अभिनिष्ट्वित करने के प्रयोजनों के लिये कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधार) बिनियम, 1950 द्वारा अपेक्षित राजस्टर और अभिलेख उक्त अविधि के लिये रखे गए, थे या नहीं, या
- (iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिये कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दी गई उन प्रमुविधाओं को जो ऐसी प्रमुविधाएं हैं जिनके प्रतिफलस्वरुप इस अधिस्तना के अधीन छुट दी जा रही है, नकद और वस्तु रुप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं, या
- (iv) यह अभिनियचित करने के प्रयोजनो के लिये कि उस अविध के दौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्ही उपबंधों का अनुपालन किया गया था, या नहीं,

निम्नलिखिस कार्य करने के लिये सशक्त होगा-

- (क) प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक से यह अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे, या
- (ख) ऐसे प्रधान नियोजिक या अव्यवहित नियोजक के अखिभोग में कारखाने, स्थापन, कार्याल या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेण करना और उसके भारसाधक व्यक्ति से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखे, बहियां और अन्य दस्तावेज ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुन करे और उनको परीक्षा करने दे या वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे, या
- (ग) प्रधान नियोजक या अध्यविहत नियोजक की उसके अभिकर्ता या सेवक को या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए या ऐसे किसी व्यक्ति को जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वाम करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है परीक्षा करना, या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखें गए किसी राजस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल करना या उसमें उद्धरण लेना।

[सं. एस-38014/40/84-एच. आई.]

स्पष्टीकरण ज्ञापन

इस मामले में छुट को भुतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छुट के आवेदन संबंधी प्रक्रिया में समय लग गया था। किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छुट को भुतलक्षी प्रभाव वेने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिक्ल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

S.O. 2707.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 4327 dated the 24th November, 1984, the Central Government hereby exempts Hindustan Shippard Limited, Visakhapatnam from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from 1st April, 1984 upto and inclusive of the 31st March, 1985.

- 2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:--
 - 1. The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Instruance (General) Regulation, 1950;
 - 2. Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars conatined in any neturn submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benealts provided by the employer in case and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to-

- (a) required the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and required any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such

- accounts books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to turnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from any register account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014]40,84-HIII

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with recrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

का. आ. 2708.— केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रवत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. अ. 1443, तारीख 17.4.84 के श्रम में; (1) भारत गोल्ड माइंस प्राइवेट लिमिटेड (सेंट्रल वर्क-धाप) डाकघर ऊरगांव, कोलार स्वर्ण क्षेत्र, (2) भारत गोल्ड माइंस प्राइवेट लिमिटेड (उरगांव डेरी), डाकघर उरगांव, कोलार स्वर्ण क्षेत्र, और (3) भारत गोल्ड माइंस प्राइवेट लिमिटेड, ऊरगांव प्रिटिंग प्रेस, डाकघर, ऊरगांव, कोलार स्वर्ण क्षेत्र को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 1 जलाई, 1984 से 30 जून, 1985 तक की अविध के लिए, जिसमें मह तारीख भी सम्मिलत है, छट देती है।

- 2. उक्त छूट निम्नलिखित शर्ती के अधीन है, अर्थात् :-
- (1) उक्त कारखाने का नियोजक उस अविध की बाबत जिसके दौरान उस कीरखाने पर उक्त अधिनियम प्रवृत्त था (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त अविध कहा गया है) ऐसी विवरणियां ऐसे प्रारुप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अविध की बाबत देनी थीं;
- (2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियक्त किया गया कोई निरीक्षक या इस निमित्त प्राधिकृत निगम का कोई अन्य पदधारी:
 - (i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन उक्त अवधि की बात वी गई किसी विवरणी को विशिष्टियों को सत्यापन करने के प्रयोजन के लिये, या

- (ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिये कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नहीं, या
- (iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोत्तमों के लिये कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दी गई जन प्रसुविधाओं को, जो ऐसी प्रसुविधाएं हैं, जिनके प्रतिफलस्वरुप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं, या
- (iv) यह अभिनिष्चित करने के प्रयोजनों के लिंगे कि उस अवधि के दौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबंधों का अनुपालन किया गया था या नही,

निम्नलिखित अर्थ करने के लिये सशक्त होगा :--

- (क) प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक से यह अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जो सब आवश्यक समझें, या
- (ख) ऐसे प्रधान नियोजंक या अञ्यवहित नियोजक के अधिभोग में कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिमर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके भारसाधक व्यक्ति से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्ति में के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखे, बहियां और अन्य दस्तावेजों ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनको परीक्षा करने दें या वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे, या
- (ग) प्रधान नियोजक या अव्यवहत नियोजक की, उसके अभिकर्ता या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए या ऐसे किसी व्यक्ति को जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना, या
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे किसी रजिस्टर, लेखा बही,

अन्य दस्तोवेज की नकल करना <mark>या उससे</mark> उदधरण लेना।

[सं. एस- 38014/4/84-एच. आई.] ए० के. भट्टाराई, अवर सचिव स्पष्टीकारक ज्ञापन

इस मामते में छूट को भृतलक्षी प्रभाव देन। आवश्यक हो गया है, क्योंकि छुट के आवंदन संबंधी प्रतिया में समय लग गया था। किन्तु यह प्रमाणित किया जभता है कि छुट को भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

- S.O. 2708.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A of the Empioyees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the normalition of the Government of Lidius in the Ministry of Ludour No. S.O. 1443 dated 17-4-1984, the Central Government hereby exempts: (1) Bhaart Gold Mines Private Limited (Central Workshop), Oorgaum Post, Kolar Gold Fields; (2) Bharat Gold Mines Private Limited (Oorgaum Diary), Oorgaum Post, Kolar Gold Fields, and (3) Bharat Gold Mines Private Limited Oorgaum Printing Press, Oorgaum Post, Kolar Gold Fields from the operation of the said Act for a further period from the 1st July, 1984 upto and inclusive of the 30th June, 1985.
- 2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—
 - 1. The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
 - 2. Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particular, contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to-

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of person and payment of wages

or to furnish to him such information as he may consider necessary; of

- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been employee; or
- (d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014]4|84-HI]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

नई दिल्लें, 35 मई, 1985

का. था. 2709:---केन्द्रीय सरकार कारखाना सलाह सेवा और स्त्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेणालय की सहायक थीं ही. के. बजीरार्न और कर्मजारी राज्य बीमा निगम के निरीक्षक थीं पी सी. वधवा को उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की घारा 5 के अधीन प्रवक्त गक्तियों को बापन लेनी हैं।

[मं. जैड-11011/2/84-इत्प्रवास-II]

इन्द्र सिंह, अवर मचिक

New Delhi, the 27th May, 1985

S.O. 2709.—The Central Government hereby withdraws authorisation given to Smt. D. K. Vazirani, Assistant from DGFASLI and Shri P. C. Wadhwa, Inspector of Employees State Insurance Corporation, under Sectioon 5 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983).

[File No. Z-1¹011|2|84-EMIG, II] INDER SINGH, Under Secy.

नई फिल्ली, 27 मई, 1985

का. था. 2710: --- केन्द्रीय सरकार, राजभावा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में कर्मचारी राज्य बीमा निगम जो श्रम महालय के अधीन एक स्वायत्त संस्था है, के क्षेत्रीय कार्यालय हरियाणा का नाम उक्त उप-नियम के प्रयोजनों के लिए अधिसुचित करती है।

[संक्या ६० 11012/2/85-एस. एस.-1] विज्ञा चोपड़ा, निवेशक

New Delhi, the 27th May, 1985

S.O. 2710.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages [Use for Official purposes of the (Union) Rules], 1976, the Central Government hereby notifies the name of the Regional Office, Haryana of the Employees' State Insurance Corporation, an autonomous body under the Ministry of Labour, for the purposes of the said sub-rule.

[No. E-11012|2|85-SS.I] CHITRA CHOPRA, Director.

नई दिल्ली, 27 मई, 1985

का. आ. 271:—केन्द्रीय सरकार ने बह समाधान हो जाने पर कि सोकहित में ऐसा करता अपेक्षित या औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (द) के स्पर्कण्ड (6) के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय, अम विभाग की अधिसूचना संख्या का. आ. 4452 दिनाँक 30 तबम्बर, 1984 द्वारा कोल उद्योग को उदन अधिनियम के प्रयोशनों के लिए 2 दिसम्बर, 1984 से छ। मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा भौषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालाबधि का छ: मास की और कालाबधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है,

अन', अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (क) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रवस्त मित्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 2 जून, 1985 से छः मास की और कालाविध के लिए लोक उपयोग्ध सेया घोषिन करने हैं।

[फा. संख्या एस-11017/13/81-की-**[**(ए)] श. ह. स् अय्यर, अवर सचिव

New Delhi, the 27th May, 1985.

S.O. 2711.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of I abour & Rehabilitation, Department of Labour S.O. No.4452 dated the 30th November, 1984 the Coal Industry to be public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 2nd December, 1984;

And wheheas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period of six months;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section (2) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947). The Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 2nd June, 1985.

[F. No. S-11017|13|81-D.I(A)]S. H. S. IYFR, Under Secy.

नई विल्ली, 28 मई, 1985

का. आ. 2712.—केन्द्रीय सरकार खान नियम 1955 के नियम 72 के उप नियम (2) क खंड (ख) के अनुसरण में और भारत के राजपत्न भाग 2 खंड 3(i) तारीख 14 मई. 1960 में प्रकाशित भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 547 तारीख 4 मई 1960 को अधिकांत करते हुए नीचे की सारजी के स्तम्भ 2 में उल्लिखित सामाजिक विज्ञान, सामाजिक कार्य या श्रम कल्याण में डिग्री या डिप्लोमा के संबंध में उसके स्तंभ-1 की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित संस्थाओं को उपरोक्त नियम के प्रयोजन के लिए मान्यता प्रदान करती हैं:—

सारणी

 भारत में विधि द्वारा स्था- सामाजिक विज्ञानों में कोई पित कोई विश्वविद्यालय डिग्री या स्नातकोत्तर डिप्लोमा जिसके अंतर्गत

1

2

समाजशास्त्रं या समाज कल्याण/सामाजिक कार्य/ समाज सेवा/सामा जिक विज्ञान/तकनीकी या श्रम विधियां/ कल्याण या औद्योगिक संबंध और कार्मिक प्रबंध भी हैं।

- 2. श्रम निदेशालय पश्चिम बंगाल सरकार
- श्रम कल्याण में प्रमाण-पन्न पाठ्यक्रम
- भारतीय औद्योगिक संस्थान खडगगुर
- औद्योगिक मनोविज्ञान और औद्योगिक संबंध में डिप्लोमा
- (i) पी. एस. जी. समा-जिक कार्य विद्यालय। कोयम्बट्टर;
 - (ii) राष्ट्रीय सामाजिक वि-ज्ञान संस्थान बंगलीर; और
 - (iii) मद्रास समाजिक कार्य विद्यालय;

समाज सेवा प्रशासन में डिप्लोमा

काशी विद्यापीठ बनारस

अनुप्रयुक्त समाजशास्त्र मे मास्टर की डिग्री

 श्रम कल्याण कर्मकार संस्थान (श्रम कल्याण कर्मकारों का मृतपूर्व विद्यालय) मुम्बई श्रम कल्याण में डिप्लोमा (दो वर्षीय पाठ्यक्रम)

- जेवियर्स श्रम संबंध संस्थान जमशेदपुर, बिहार
- औद्योगिक संबंध और कल्याण में डिप्लोमा
- भारतीय सामाजिक व्यवस्था संस्थान पुणे
- (i) सामाजिक विज्ञान

 में स्नातकोत्तर
 डिप्लोमा जो सैंट
 जेवियर महाविद्यालय रांची द्वारा
 प्रदान किया जाता
 है।
- (ii) समाज सेवा में
 स्नातकोत्तर डिप्लोमा जो सामाजिक विज्ञान
 संस्थान लोयोला
 महाविद्यालय मद्रास
 द्वारा प्रदान किया
 जाता है।

- (iii) समाज सेवा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा जो सैंट एलोयसिस महा- विद्यालय मंगलौर द्वारा प्रदान किया जाता है।
- 9. टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान सामाजिक विज्ञान प्रशासन मुम्बई में डिप्लोमा
- 10. राष्ट्रीय श्रम विधि संगम के औद्योगिक संबंध और का-तत्वावधान में औद्योगिक मिक प्रबंध में स्नात-संबंध और कार्मिक प्रबंध कोत्तर डिप्लोमा। संस्थान, नई दिल्ली।

[सं. एस.-65025/2/83-एम.**I-]** एल के नारायणन, अतर स**ियव**

New Delhi, the 28th May, 1985

S.O. 2712 —In pursuance of clause (b) of sub-rule (2) of rule 72 of the Mines Rules, 1955, and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No.G.S.R.547 dated the 4th May, 1960, published in Part II—Section 3(i) of the Gazette of India dated the 14th May, 1960, the Central Government hereby recognises for the purpose of the above rule, the institutions mentioned in column I of the table below in respect of the degree or diploma in Social Science, Social Work or Labour Welfare mentioned in the corresponding entry in column II thereof:—

TABLE

1. Any University in India and diploma in Social Sciences, including any degree or post graduate diploma in Social Sciences, including any degree or post graduate diploma in Sociology or Social Welfare/Work/Ser vice/Science/Techniques or Labour Laws/Welfare or Industrial Relations and Personnel Management.

- 2. Labour Directorate, Government of West Bengal.
- vernment of West Benga
 3. Indian Institute of Tech-
- nology, Kharagpur.
 4. (i) P.S.G. School of Social Work,
 Coimbatore.
 - (ii) National Institute of Social Sciences, Bangalore; and
 - (iii) Madras School of Social Work.
- Kashi Vidya Pith, Banaras.
- Institute for Labour Welfare Workers (formerly School for training of Labour Welfare Workers) Bombay.

Certificate course in Labour Welfare.

Diploma in Industrial Psychology and Industrial Relations. Diploma in Social Service Ad-

ministration.

Degree or Master of Applied Sociology.

Diploma in Labour Welfare (two year course).

- Institute, Jamshedpur, Bihar.
- 7. Xaviers Labour Relations Diploma in Industrial Relations and Welfare.
- 8. Judian Institute of Social Order, Poona.
- (i) Post-graduate diploma in Social Science, conferred at St. Xavier's College, Ranchi.
- (ii) Post-graduate diploma in Social Service, conferred at the Institute of Social Sciences, Loyola College, Madras.
- (iii) Post-graduate diploma in Social Services conferred at St. Aloysius Colle ge Mangalore.
- 9. Tata Institute of Social · · Sciences, Bombay.
- Diploma in Social Science Administration.
- Management, New Delhi under the auspices of National Labour Law Association.

 Institute of Industrial Post-graduate Diploma in Relations and Personnel Industrial Relations and Personnel Management.

> [No. S-65025/2/83-MT] L. K. NARAYANAN, Under Secv.

नई दिल्ली, 28 मई, 1985

अधिसूचना

का. आ. 2713 -- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 33ग की उपधारा (2) के अधीन दायर किया गया आवेदन, जो इससे उपावक अनुसूची-1 में उहिलखित है श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1683 दिनांक 14 अप्रैल, 1969 में विनिर्दिष्ट श्रम-न्यायालय इलाहबाद के समक्ष लम्बित है ;

और भारत सरकार ने अधिसूचना संख्या का. आ. 2029 तारीख 6 जून, 1984 और अधिसूचना संख्या 2212 तारीख 26 जून, 1984 के द्वारा औद्यागिक विवाद अधिनियम की धारा 7 के अधीन कानपूर में एक श्रम न्यायलय गठित किया गया है जिसका न्याय-क्षेत्राधिकार उत्तर प्रदेश के ऊपर होगा।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1948 का 14) की घारा 33 ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त आवेदन से संबंधित कार्यवाहियों को उक्त श्रम न्यायालय, इलाहबाद से वापस जैती है और इन्हें उक्त केन्द्रीय सरकार श्रम न्याया-लय, कानपुर को अंतरित करती है और उक्त केन्द्रीय सर-कार श्रम न्यायालय, कानपूर उन पर उसी प्रक्रम से कार्रवाई प्रारम्भ करेगा जिससे वे उन्हें अंतरित की गई है और विधि के अनुसार उनका निपटान करेंगे।

अनुसूची-1

उस मामले की धूची जो श्रम न्यायालय इलाहबाद के पास लिम्बत पड़ा है और केन्द्रीय सरकार श्रम न्यायालय कानपुर को अंतरित किया जाना है:--

श्रम श्रम न्यायालय सं. आवेदन संख्या	विषय
1 2	3
1. श्रम न्यःयालय आवेदन संख्या 16/68	भारतीय स्टेर बैंक बनाम श्री आर. एन. गोविल

. [सं.एस. 11020/1/84 डेंस्क I (ए)]

New Delhi, the 28th May, 1985

S.O.2713.—Whereas application filed under sub-section (2) of section 33-C of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947) mentioned in Schedule I hereto annexed, is pending before the Labour Court, Allahabad, specified in the Notification of the Ministry of Labour S.O. 1683 dated the 14th April, 1969;

And whereas the Government of India have constituted vide Notification S.O.No.-2029 dated the 6th June, 1984 and S.O. No.221? dated the ?6th June, 1984, a Labour Court at Kanpur under section 7 of the Industrial Disputes Act, with jurisdiction over the State of Uttar Pradesh;

Now Therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 33-B of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby withdraws the proceedings in relation to the said application from the said Labour Court, Allahabad and transfer the same to the said Central Government Labour Court, Kanpur and the said Central Government Labour Court, shall proceed with the proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose the same in accordance with the law.

SCHEDULE I

List of case pending with the Labour Court, Allahabad to be transferred to the Central Government Labour Court, Kanpur

Serial Labour Court No. application No.	Subject
1. LCA No.16/68	State Bank of India versus Shri R.N. Govil.
	[F.No. S-11020/1/84-D.I(A)]

नई .दल्ली, 30 मई 1985

का. आ. 2714 - औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 33-ण की उपधारा (2) के अधीन दायर किए गए आवेदन पत्र जो इससे उपाबद्ध अनुसूची-1 में उल्लिखित हैं श्रम मंत्रालय की अधिसूचंना संख्या का.आ. 458 तारीख 5 फरवरी 1963 में वि-निर्विष्ट केन्द्रीय सरकार श्रम न्यायालय जालन्धर के समक्ष लम्बित पड़े हैं ,

और भारत सरकार ने श्रम और पुनर्वास मंझालय, श्रम विभाग की असिसूचन संख्या का. आ. 2251 तारीख 2 मई 1983 और का.आ. 3104 तारीख 25 जून 1983 द्वारा श्रीद्वांगिक विवाद अधिनियम की धारा-7 के अधीन चंडीगढ में एक श्रम न्यायालय गठित किया गया है जिसका न्याय क्षेत्राधिकार पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू व कम्मीर राज्यों तथा चंडीगढ संघ राज्य क्षेत्र के उपर है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 33-ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आ-वेदनपत्नों से संबंधित कार्यवाहियों को उक्त श्रम-त्यायालय, जालन्धर से वापस लेती है और उन्हें उक्त श्रम न्यायालय, चंडीगढ, को अंतरित करती है तथा उक्त त्यायालय चंगीगढ़ उन पर उसी प्रक्रम से कार्यवाही प्रारम्भ करेंगे, जिससे व उन्हें अंतरित की गई हैं और विधि के अनुसार उनका निपटान करेंगे।

अन्सूचे;⊸ि

ऋमांक ग्रावेद	न मंख्या	विषय
1, 92-मी -1983	,	श्रंः गोमतो प्रसाद बनाम उन्तरी रेलवे
2. 108-सी-198	4	श्रोमित मुग्धर देवो और प्रन्य बनाम उस्तरी रेलवे
3. 12 न्मी- 1985	;	श्रो जसराम बनाम उस्तरी रेलवे
4. 20 मी- 1983	(বিবিষ)	श्रो मुरिन्द्र सिंह बनाम उस्तरो रेलवे
5. 41-सी'- 1983 -		श्री जोगा सिंह बनाम उत्तरी रेलवे
6. 108 सी में 11: तक	5-सी¹/ 79	श्री केवल सिंह और ग्रन्थ बनाम उस्तरी रेलवे

[मं. एस 11020/2/83-डी- 1(ए)] एस एस एस. श्रथ्यर, श्रवर सचिव

New Delhi, the 30th May, 1985

S.O. 2714—Whereas the applications filed under sub section (2) of section 33-C of the Industrial Disputes Act 1 947 (14 of 1947) mentioned in Schodule hereto annexed, are pending before the Contral Government, Labour Court, Jullundhar, specified in the Notification of the Ministry of Labour No. S.O. 458 dated the 5th February, 1963;

And whereas the Government of India have constituted, vide Ministry of Labour and Rehabilitation, Department of Labour Notification No.S.O. 2251 dated the 2nd May, 1983 and S.O. No. 3104 dated the 35th June, 1983, a Labour Court at Chandigarh under section 7 of the Industrial Disputes Act with jurisidiction over the States of Punjab, Himachal Pradesh, Haryana, Jammu and Kashmir and the Union Territory of Chandigarh;

Now, therefore, in exercise of powers conferred by subsection (1) of section 33-B of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby withdraws the proceedings in relation to the said applications from the said Labour Court, Juliundhar and transfers the same to the said Labour Court, Chandigarh and the said Labour Court, Chandigarh shall proceed with the proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose the same in accordance with the Law.

SCHEDULE I

Serial No.	Application No.	Subject
1	2	3
1, 92-0	C-1983	Shri Gomti Parshad versus Nor- thern Railway
2, 108	-C-1984	Shrimati Sunder Devi and others versus Northern Railway
3, 12-0	C-1985	Shri Jas Ram versus Northorn Railway
4. 70-0	C-1983 (Misc.)	Shri Surinder Singh versus Northern Rallway
5. 41-0	C-1983 (Misc.)	Shri Joga Singh versus Northern Railway
6, 108	-C to 115-C/79	Shri Kewal Singh and others versus Northern Railway. [No.S.11929/2/83.D.I(A)] S. H. S. IYER, Under Secy.

नई दिल्ली:, 27 **मई**, 1985

का आ. 2715. - औद्योगिक विवाद अधिपियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रोम सरकार, हारीयाजाम कोलियरा मैसर्ज ईस्टर्म कोल- फोल्डज लिमटेड के प्रवधतंत्र से सम्बद्ध नियोगकों और उनके कम्कारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रोम सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2 धनवाद के पचाट की प्रकाणित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 22-5-85 की प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 27th May, 1985

S.O. 2715.—In nursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Dhanbad, as snown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Hariajam Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd May, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT:

Shri I. N. Sinha, I'residing Officer.

Reference No. 23 of 1984

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1).
(d) of the I.D. Act., 1947.

PARTIES:

Employers in relation to the management of Hariajam Colliery of Eastern Coalfields Ltd. and their workmen

APPEARANCES:

On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy, Advocate.

On behalf of the workman--Shri D. Mukherjee, Secretary Bihar Colliery Kamgar Union.

STATE: Bihar INDUSTRY: Coal

Dated, Dhanbad, the 16th May, 1985

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-24012(60)|83-D.IV(B) dated, the 8th June, 1984.

SCHEDULE

'Whether the action of the management of Hariajam Colliery of Eastern Coalfields Ltd., in superannuating Shri Meshar Scikh with effect from 12-7-82 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

The concerned workman Shri Meshar Seikh was originally employed in Singhpur Colliery by the erstwhile employer. The said colliery was taken over and nationalised in 1973 thereafter it was merged with Badjna Colliery of ECL. According to the case of the workmen the concerned workman was transferred to Hariajam Colliery by the management of Mis. ECL after nationalisation. The management of Badjna Collierz had issued an identity card to the concerred workman. The said identity card was prepared on the basis of Form B Register but there was no entry regarding the date of birth of the concerned workman in the identity card issued to him. The management issued a letter 16/18-11-82 alleging the date of superannuation of the con-cerned workman as 12-7 82 but in view of late detection the concerned workman was physically superannuated with effect from 19-12-82. The concerned workman represented before the management challenging his proposed superannuation by drawing attention of the management towards Form A record maintained in the office of the Regional P.F. Commissioner and the age recorded in the school leaving certificate. As per Form A record quaintained in the office of the Regional C. M. P. F. Commissioner, the actual date of birth of the concerned workman is 2-1-1932 and according to the school leaving certificate also the date of birth is 2-1-1932. The said Form A record was prepared by the erstwhile management in accordance with the entry in Form B register and a copy of the same was also handed over to the concerned workman. The management is bound to respect the date of birth as entered in Form A record and school leaving certificate. The actual date of birth of the concerned workman is 2-1-1932. The management refused to cancel the order of superannuation of the concerned workman and thereafter the union raised an industrial dispute before the ALC(C) Dhanbad demanding the reinstatement of the concerned workman with full back wages. The alternative demand made by the union for assessing the age of the concerned workman through medical examination was turned down by the management. The action of the management in unperannuating the concerned workman with effect from 19-12-82 was illegal, arbitrary, unjustified and against the principle of natural justice. On the above facts it has been prayed that the Award be made in layour of the concerned workman by reinstating him with full back wages.

The case of the management is that after Singhpur Colliery was merged with Badjna Colliery of ECL after nationalisa-tion the Form B Register of Singhpur Colliery also merged with Badjna Colliery in which the age of the concerned work-man was shown as 43 years on 12-7-65. Later on a part of Badjna Colliery was merged with the adjoining Hariajam Colliery of ECL in 1981 and thereafter the concerned workman along with some other workman became the employees of Hariajam Colliery. The entries in the Form B Register in regard to the date of appointment age and other particulars were duly attested by the concerned workman and in confirmation of the same he had signed the entries in the said Col. As per the aforesaid entries the date of birth of the concerned workman was taken to be as 12-7-22 and when he attained the age of 60 years which is the age of retirement he should have been superannuated from 12-7-82. But due to lapse on the part of the office for putting up the case in time, the concerned workman could not be retired with effect from 12-7-82 and was superannuated from service with effect from 19-12-82 by an order issued on 16/18-12-82 by the Agent of Hariajam Colliery. During the course of conciliation proceeding the spongaring union contended that the age of the concerned workman was not recoded in the records of the management in as much as the identity card assued to him after nationalisation did not indicate his age or date of birth. It was further submitted that the entries in the date of birth of the concerned workman was recorded as the identity card are made in accordance with the entries in Form B Register. The other point raised by the sponsoring union during the conceiliation proceeding was that the date of birth of the concerned workman was recorded as 2-1-1932 in the C.M.P.F. records. The management had concerned the C.M.P.F. records. The management had concerned the C.M.P.F. records. tacted the C.M.P.F. organisation and was informed that they had no such record and Form A could not be traced. sponsoring union produced a document purported to Form A completed at the time of his employment in 1968, before the conciliation Officer. But the said Form A was torged and fabricated as on verification it was learnt that the signature of the Officer on the said Form A was not that of the manager of the Colliery concerned in 1968. Earlier the concerned workman had made a representation before the management but he had not made any reference in respect of the entry of his age in Form A record and the date of his birth in the school leaving certificate. The workman had clearly stated in his representation that on the date of his appointment his age date of birth was wrongly recorded as 43 years instead of 33 years by the erstwhile employer. The management rejected the representation of the concerned workman dated 24-11-82 by letter dated 17-12-82. The concerned workman and the sponsoring union have besed the case on some tabricated records and they cannot be accepted in face of the entries in Form B Register which was duly attested by the concerned workman. In the schedule of the order of reference it is wrongly stated that the concerned workman was retired from 12-7-82 in as much as the concerned workman was actually retied with effect from 19-12-82. In regard to the alternative demand of the union for determining the age of the concerned workman through medical examination the same could not be accepted as there was no doubt about the age of the concerned workman as from the entries in Form B Register. On the above plea it has been submitted on behalf of the management that the superannuation of the concerned workman with effect from 19-12-82 is justified.

The only question to be determined in this case is as to what was the age date of birth of the concerned workman because the said date would determine the date of superantuation of the concerned workman after completing the age of 60 years.

The management have examined three witnesses and the concerned workman have examined WW-1 who is the concerned workman himself. Besides that the management has moduced document which have been marked Ext. M-1 to Ext. M-9. The concerned workman also produced documents which have been marked as Ext. W-1 to W-3.

The management has superannuated the concerned workman on the basis of the entry of his age in Form B Registier. Photo copy of which has been marked as Ext. M-8. entries in Ext M-8 show that the concerned workman Shri Meshur Scikh was aged 43 years on the date of his appoint ment dated 12th July, 1965. This Ext. M-8 is in respect of Hariajam Colliery and the concerned workman has not admittedly signed against the said entry. As the concerned workman has not signed Ext. M-8 it cannot be said that he had knowledge about the entry of his age in the said Form B Register Ext. M-1 is Form B Register of Badjna Colliery. MW-1 who is working as Senior Personnel Officer of Hariajam Colliery has stated that in 1975 Singhpur was merged with Badjna Colliery and thereafter a combined Form B Register was prepared in respect of Badjna and Singhpur Colliery and Ext. M1 is the entry in the said Form B Register of Badjina and Singhpur Colliery. The relevant entry is in Sl. No. 274 which relates to Meshar Seikh. It will appear from the said entries that the age of the concerned workman was noted as 43 years on 12th July, 1965. It is stated on behalf of the management that in Col. 9 of the said entry there is the signature of the concerned workman showing that he had accepted the entries made against his name. The concerned workman however has denied his allegname. The concerned workman however has defined his alteged is gnature in Col. 9. This Tribunal is not of course has derived writing expert but on a casual perusal of the signature in Col. No. 9 against the name of the concerned workman with his admitted signature on Ext. M-4, Ext. W-2 and his signature on his deposition (WW-1's deposition) it will appear that the signature made in Col. No. 9 against his name in Ext. M-1 is not similar to the admitted signatures of the concerned workman. The entry of age of the concerned concerned workman. The entry of age of the concerned workman n Ext. M-1 appears to be somewhat doubtful in view of the fact that the said age was not mentioned in the identity card of the concerned workman which is marked as Ext. W-1. It will appear from the evidence of MW-1 that the identity card has col regarding the names, father's name Form B No. C.M.P.F. No., home address date of employment and the date of his birth and these particulars are filled up in the identity card. He has also stated that In 1975 identity cards were issued to the workmen of Badjna Colliery but all particulars mentioned in Form B Register were not included in the identity card. He has further stated that the identity card particulars are filled up on the information given by the workmen. According to him the particulars in the identity card are filled up on the information given by the workmen, but the said statement does not appear to be correct as entries in the identity card are to be made in accordance with the entry in the identity card register and the identity card register is maintained on the basis of entries made in Form B Register. He has further stated that Form A is filled up by the office of the Colliery when a workman applies for being a member of the C.M.P.F. He does not know if a copy of the said declara-tion is also handed over to the workman and another copy sent to the office of the C.M.P.F. The concerned work-man WW-1 has stated that he had filled up Form A when he had applied for being a member of C.M.P.F. and that the particulars in Form A were filled up in accordance with the particulars in Form B Register. The workman has produced the photo copy of Form A which is marked Ext. W-2 and he has stated that it contains his signature and the signature of the then Manager Shri Banerjee. The management has not called for the Register from the C.M.P.F. office to falsify the entries in Ext. W-2 and it appears that the age of the concerned workman was recorded as 2nd January, 1932 in Form A of C.M.P.F. which is marked Ext. W-2 in this case.

MW-3 Shri K, K. Singh. Senior Personnel Officer has stated that incline No. 27 of Badina Colliery was transferred to Hariajam Colliery on 4-5-81 and all the woorkmen of 27 incline were also transferred to Hariajam Colliery and at that time L.P.C. was issued to all the workmen who were transferred to Hariajam Colliery. MW-3 has proved the L.P.C. of the concerned workman which was issued at that time and has been marked Ext. M-9. He has stated that it was on the basis of Ext. M-9 that the entries were made in Form B Register in respect of Hariajam Coolliery (it refers to the entries of the concerned workman in Ext. M-8). In

this Ext. M-9 the age of the concerned workman is stated to be 43 years. MW-2 has stated that the entires in Form B register Ext. M-8 were filled up in accordance with the entry made in the L.P.C. and as such no signature of concerned workman is taken on Form B register. He has admitted that Ext. M-8 does not contain the signature of the concerned workman. He has stated that the concerned workman was retired on the basis of Ext. M-8. The case of the concerned workman is that in Form B Register of the erstwhile manager the date of birth of the concerned workman was noted as 2-1-1932 and that he had signed against the said entry. The management has not produced the the said entry. said Form B Register of Singhpur Colliery where the date of birth of the concerned workman was first entered in Form B Register. MW-2 has stated that he does not know if the concerned workman had signed in Form B Register Singhpur Colliery in which his age was entered as 2-1-1932. It has been stated on behalf of the management that the said register is not available.

In this connection I would refer to one more docoument namely Ext. W-3 which is school leaving certificate of the concerned workman. It will appear from this school leaving certificate that his date of birth was 17-1-1932. It is stated in the W.S. of the concerned workman that his age was recorded as 2-1-1932 in the school leaving certificate which has been falsified by the production of the school leaving certificate by him. It will further appear from the evidence of WW-1 that he had produced the school leaving certificate in proof of his age at the time of his appointment and on the said basis his date of birth was noted as 2-1-1932. If the date of birth of the concerned workman had been noted on the basis of the school leaving certificate Ext. W-3 the date of birth of the concerned workman would have been noted as 17-1-1932 in Form B Register of the erstwhile management of Singhpur Colliery. The assertion of the concerned workman that his date of birth was recorded in Form B register by Singhpur colliery as 2-1-1932 on the basis of school leaving certificate therefore does not appear to be convincing.

Ext. M-4 dated 22-11-82 is a letter from the concerned worokman to the Agent of the Colliery which was written after he had received the letter Ext. M-7 dated 16|18-11-82 by which his services were terminated on superannuation. It is stated by the concerned workman that on the date of his appointment his ageldate of birth was wrongly recorded as 43 years instead of 33 years by the erstewhile employer. On the basis of this statement in the letter it has been submitted on behalf of the management that the concerned workman admitted that his age was recorded as 43 years wrongly and that it should be 33 years. In this letter Ext. M-4 it was prayed that the concerned workman be examined by the Medical Board before the date of his retirement. But the management by the letter Ext. M-3 dated 10|11-12-82 rejected the prayer of the assessment to age by the Medical Board.

According to the management the concerned workman was superannuated in accordance with the age|date of birth recorded in Ext. M-8 which is not signed by the concerned workman. It will also appear that the entries in Ext. M-8 were made on the basis of L.P.C. Ext. M-9 which also does not Contain the signature of the concerned workman. Admittedly. The identity card Ext. W-1 which had been given by the management to the concerned workman does not bear the age or date of birth of the concerned workman in have already discussed that the signature of the concerned workman on Ext. M-1 appears to be of a very doubtful nature. Moreover the date of birth noted in Form A in Ext. W-2 of the concerned workman is 2-1-1932. Thus on consideration of the entire evidence regarding the age|date of birth of the concerned workman it is difficult to hold with the management that the date of birth of the concerned workman was 12-7-1922. In the circumstances of the case, I think the best course is to refer the concerned workman to the Medical Board for the assessment of age due to the difference of age|date of birth of the concerned workman entered in Form B Register, Form A and School leaving certificate.

The action of the management of Hariajam Colliery of M/s. E.C.L. in superannuating the concerned workman with effect from 19-12-82 is not justified in view of the uncertainty of the age|date of birth of the concerned workman. The concerned workman is therefore reinstated in his job with effect from 19-12-82. The management is directed to refer the concerned workman to the Medical Board for the determination of his age and on the basis of the said assessment of age by the Medical Board the concerned workman should be superannuated on completion of 60 years. The concerned workman will get all the back wages and other benefits for the period in accordance with the assessment of age by the Medical Board.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer [F. L-24012 (60)]83-D. IV (B)]

नई दिल्ली, 28 मई, 1985

का. आ. 2716 .-- औद्योगिक विवाद अधिनयम, 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम चण्डीगढ़ के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनको कर्मकारों के बीच अनुबंध मे निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचाट को प्रकाशित करतो है जो केन्द्रीय सरकार को 22 मई, 1985 को प्रांप्त हुआ था।

New Delhi, the 28th May, 1985

S.O. 2716.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Regional Office, Chandigarh and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd May, 1935.

BEFORE SHRI I. P. VASISHTH, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL CHANDIGARH

Case No. I.D. 14|84

PARTIES:

Employers in relation to the management of Food Corporation of India—Puniab Region, Chandigarh

AND

Their Workman: Pawan Kumar Singla

APPEARANCES:

For the Employers: Shrl Mangu Ram. For the Workman: Petitioner in person.

INDUSTRY: Food Corporation of India STATE . Punjab

AWARD

Dated the 17th of May, 1985

The Central Government, Ministry of Labour, in exercise of the power conferred on them under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947. hereinafter referred to as the Act. per their Order No. L-42012(41)/83-D.H(B)/D.V. dated the 27th April, 1984 referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the management of the Food Corporation of India are justified in reverting Shri Pawan Kumar Singla, Head watchman to the post of Watchman? If not, to what relief Shri Siugla is entitled to and from what date?"

- 2. Petitioner workman was a Class IV employee of the Respot. Coroporation at their Sangiur Depot and was promoted as Head Watchman vide Regional Office Order No. Esti. 2|(4)|82-PB|E-III dated 8-10-1982. However, under the impunged order dated 6-11-82 he was reverted to his original post of a Watchman without any prior notice. He, thereupon, agitated against the same on the plea that it was violative of the principles of natural justice and, as such, void-ab-initio. The petitioner's apprehension was that he was reverted in view of an intervening circumstance relating to the receipt of 94 Watchmen on transfer from Haryana Region in May, 1981 who appear to have been placed senior to him even without hearing nim. It was turther averted that the petitioner was the General Secretary of Class IV Employees Union of the FCI which was a Regd. Body; and thus he was deeply involved in the Trade Union activities to the discomfiture of the Management who retaliated by reverting him without any justifiable reason.
- 3. Petitioner's demand for the appropriate relief did not evoke any satisfactory response from the Management despite the intervention of the ALC(C) at the Conciliation stage and hence the Reference.
- 4. Resisting the proceedings, the Management pleaded that the petitioner's promotion was purely on ad hoc basis and temporary basis without any prejudice to the claim of his seniors. Moreover under the relevant order itself it had been categoroically emphasised that he was liable to be reverted to his original post even without any notice. Elucidating their version, the Management added that there was some clerical error in the sense that the petitioner's date of selection was assumed to be 17-9-1971 even though as a matter of fact it was 22-5-72 and, that according to the relevant provisions of the FCI Staff Regulation 1971, one's date of selection was the sole critarian for fixing up the seniority. It was explained that they had another employee carrying the petitioner's name and later on it transpired that either due to oversight or inadvertance there was a mix up between the two resulting in the erroneous allotrrent of a higher seniority to the petitioner; but as soon as the mistake was detected they lost no time in correcting the petitioner's seniority which necessitated his reversion.
- 5. On the point of fact, receipt of 94 employees in the petitioner's category on transfer from Haryana was not denied even though, for the obvious reason, it was emphatically refuted that his trade union activities had weighed with them in passing the impunged order of reversion.
- 6. Keeping in view the comprehensive nature of the terms of reference, the parties were straightaway called upon to adduce evidence in support of their respective versions without going through the drill of framing formal issues. Thus the petitioner examined himself and produced a number of documents whose authenticity was not challenged from the opposite side; whereas the Management produced their Assit. Manager (I.R.) Shri Mangu Ram.
- 7. On behalf of the Management my attention was drawn towards the promotion order Ex. W6 dated 8-10-1982 to high light the rider that the promotion was granted to a number of Watchmen, including the petitioner, to the post of Head Watchmen on purely ad hoc basis. Other conditions incorporated in the order were also projected for the proposition that the arrangement was without prejudice to the regular avenues of prometion and rights of the other employees, and that it could be withdrawn at any time without any notice. It was, therefore, argued that since the very foundation of the promotion was in the nature of a make Shift arrangement, its withdrawal did not infringe any principle of natural justice, much-less any vested right of the petitioner. In the same sequence it was submitted that otherwise also the Order of reversion was fully justified because the petitioner had been granted promotion on an erroneous assumption of a higher seniority.

- 8. On a careful scrutiny of the entire available data and on hearing the parties I am not inclined to sustain the impunged reversion despite the stipulation contained in the relevant order of promotion Ex. W6 that it could be withdrawn at any stage without any prior notice to the conceined workman and that it was purely a make shift arrangement on ad hoc basis, without prejudice to the regular avenues of promotion or seniority rights of the other employees. The pertinent point is that the impunged reversion was not as innocuous a matter as was being made out by the Management. On the other hand it centained something more than meets the eye.
- 9. To be precise, the Management p.o.eeded on the specific plea that the petitioner had a lower seniority in view of his selection date being 22-5-72 but due to some cicrical mistake or oversight he was believed to have been selected on 17-9-1971 and fixed up at a higher seniority giving rise to the promotion; but as soon as the mistake came to their notice they rectified it and as a necessary consequence thereof withdrew the promotion.
- 10. To put it in other words, they projected a different date of his selection, which was the decisive factor for fixing up seniority and according promotions. Against such backdrop, in my considered opinion, they were required to show to this Tribunal as to on which particular date the petitioner was selected; more so when he was vehiciently contesting the proposition. But significantly enough no evidence; good, bad or indifferent; was adduced by them to support the plea. And since it was a matter of record therefore they could, atleast produce a copy of the order of his selection, if not the Service Book; but shorn of doing so they did not even tender any explanation for the lapse.
- 11. In a situation like this where an abrupt reversion is ordered on a particular ground pertaining to the realms of fact and the Authority doing so fails to substantiate the same its action, would certainly raise many a judicial eye brows, if no prior notice is given to the effected employee.
- 12. Accordingly, on quashing the impunged order of reversion I return my Award in favour of the petitioner with a direction to the Management to restore the arrangement existing prior to 6-11-1982 in the context of petitioner's promoion. However, they may, if so advised, take appropriate steps to re-examine the issue on the basis of record in accordance to the procedure established by law and then pass any appropriate legal orders.

Chandigarh.

17-5-1985.

I. P. VASISHTH, Presiding Officer [No. L-42012(41)]83-D. II(B)[D, IV(B)]D, V]

का. अा. 2717 -- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रोय सरकार भारतीय खाद्य निगम, हैवराबाद के प्रबंधतंव से सम्बद्ध नियोजको और उनके कर्मकारों के बोच अनुवंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रोय सरकार औद्योगिक अधिकरण हैवराबाद के पचाट को प्रकाशित करता है जो केन्द्रीय सरकार को 23 मई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

SO 2717.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Hyderabad and their workmen, which was received by the Central Government on the 23rd May, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT:

Sri J. Venugopula Rao, Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 65 of 1984

BETWEEN

The Workmen of Food Corporation of India, Kurnool.

AND

The Management of Food Corporation of India, Kurnool.

APPEARANCES:

None present-for the Workmen and Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-42012(4)[83-D.IV(B)]D.V dated 12-5-1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Workmen and the Management of Food Corporation of India, Kurnool to this Iribunal for adjudication:

Whether the management of Food Corporation of India is justified in not considering Shri M. Raja Vali Baug, Ex-Watchman for appointment along with the Employment Exchange ponsored candidates? If not, to what relief the workman is entitled?"

This reterence was registered as Industrial Dispute No. 65 of 1984 and notices were issued to both the parties.

2. Notice was issued to the Workman to file his claims statement on 28-11-1984. On 28-11-1984 the workman called absent and no claims statement was filed. An adjournment was given to 19-12-1984 for filing claims statement, Subsequently on 19-12-1984, 10-1-1985, 28.1.1985, 8.2.1985, 27.2.1985, 15.3.1985 and 10.4.1985 the workman was called absent and no claims statement was filed. But on 25-4-1985 (Camp at Kurnool) Sri Miskin Iqbal present at the Camp Court, Kurnool and represented that the employee got job alternatively and wants to get written instructions for the same to report not pressed. It was adjourned to 10-5-1985. On 10-5-1985 workman called absent and no representation. Since several adjournments were given to the workman to file his claims Statement, he did not choose to do so for the best reasons known to himself. Hence I find that the workman is not interested to context the case inspite of giving several adjournments and opportunities, this reference is terminated, and the workman is not entitled to any relief.

Award passed accordingly.

Given under my hand and the seal of this Tiibunal, this the 10th day of May, 1985.

Appendix of Evidence.

NIL

Dated: 18-5-1985.

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal [No. L-42012(4)|83-D.JV(B)|D.V]

का. आ 2718 .— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय संस्कार भारतीय खाद्य निगम बम्बई के प्रबंधतंत्र में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय संस्कार ऑद्योगिक विवाद में केन्द्रीय संस्कार करती है, जो केन्द्रीय संस्कार को 23 मई, 1985 को प्रान्त हुआ था।

S.O. 2718.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2. Bombay, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 23rd May. 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 BOMBAY

Reference No. CGIT-2|4 of 1985

PRESENT:

Shri M. A. Deshpande, Presiding Officer. PARTIES:

Finished Food Food Corporation of India.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES:

For the Employers: 1. Shri J. D. Srivastava, Dy M (L)

2. Shri K. Narayanan, AM(IR).

For the Workmen No appearance.

INDUSTRY: Food Corporation STATE: Maharashtra Bombay, dated the 9th May, 1985

AWARD

By their order No. L-42011(16)|83-D.II(B)|D.IV(B)|D.V dated 1-2-1985|25-3-1985 the following dispute has been referred for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act:—

- "Whether the proposal of the management of FCI.

 Bombay to change the timings of working of the
 Distt. Office, Manmad from 0830 hours to 1600
 hours instead of the existing timings from 0915
 hours to 1645 hours is justified?"
- 2. The reference was in fact made in the month of February, 1985 but when it was noticed that timing stated was wrong rectification was made by the order dated 25-3-1985 and the above reference is the rectified order of reference.
- 3. By order dated 11-1-1983 passed by the Senior Regional Manager, Food Corporation of India a notice of change under Section 9A of the Industrial Disputes Act was issued whereby the change was proposed to be brought into effect from 1-2-1983 making the changes in the working hours of the staff of the District office of the Food Corporation of India at Manmad which before the chance stood at 9.15 hours to 16.45 hours with lunch break from 12.30 hours to 13.30 hours to 8.30 hours to 16.00 hours lunch break remaining the same.
- 4. Although the dispute scems to have been raised by the FCIE Association, except the request for making the change in the order of reference in harmony with the notice of change issued by the management by their say dated 11-3-1986 which request could not have been granted by this Tribunal and therefore stood rejected by order dated 11-3-1985, the Association never participated in the proceeding and allowed the matter go uncontested.
- 5. Against this by their written statement filed by the management it is contended that the timing of the departmental labour is from 8.30 A.M. to 5.30 P.M. with one hour lunch break between 12.30 P.M. to 1.30 P.M. whereas the timing of the staff who are deployed to supervise the work of these labourers was from 9.15 A.M. to 4.45 P.M. with one hour lunch break. Because of this difference in time there was an over-all loss of man-power every day and therefore in order to synchronise the timing of labourers and staff the proposed change was effected. It is also stated that because of the old timing damurrage was required to be paid if there was detention of wagon to be unloaded to avoid which and to maintain it at the minimum level the

change became necessary. It is also stated that the working hours have remained the same and that the change will increase productivity of the labourers and that if the staff is required to work after 4 P.M. they can easily earn overtime.

6. Since the reference is allowed to go uncontested against that the management has justified the change whereby the reason for effecting the same has been substantiated, the objection raised carries no force and since the change is to result in efficiency and harmony of the working of labourers and the supervising staff. I further hold that the proposed change is justified.

Award accordingly.

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer [No. L-420!1(16)|83-D.II(B)|D.III(B)|D.V]

R. K. GUPTA, Desk Officer.

नई दिल्लो, 29 मई, 1985

का ० ३७ १२ १९ — उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 13) की धारा 5 के साथ पिठत धारा 3 द्वारा प्रदत्त सिक्तमों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उत्प्रवास संरक्षी के कार्यालय मद्रास में सहायक श्री सुन्दर लाल की, उत्प्रवास संरक्षी द्वारा उत्प्रवास अनुमति देने को स्वीकृति देने और उत्प्रवास अनुमति प्रश्रिया के निलम्बन के आदेश पास करने के बाद, जैसा भी स्थिति हो, पासपोटी के पृष्टाकनों पर उत्प्रवासी संरक्षी महास की और से हस्ताक्षर करने का अधिकार तत्काल प्रभाव से प्रदान करतों है।

[संख्या ए/22012/2/ 84 उत्प्रवास-II] इन्द्र सिंह, अवर सचित्र

New Delhi, the 29th May, 1985

S.O. 2719.—In exercise of the powers conferred by Section 3 read with Section 5 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby authorises Shri Sunder Lal, Assistant of the Office of the Protector of Emigrants, Madras to sign the endorsements on passports on behalf of the Protector of Emigrants. Madras after the Protector of Emigrant has approved the grant of Emigration Clearance, on passed orders for Suspensions of procedure of Emigration Clearance, as the case may be, with immediate effect.

[No. A-22012|3|84-EMIG.III INDER SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 मई, 1985

का० अ१० 2720 .--औद्योगिक विवाद अधिनियंस, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय जीवन बोमा निगम, बंबई के प्रबंधतव में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सं. 1 बंबई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23 मई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 30th May, 1985

S.O. 2720.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1.

Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Life Insurance Corporation of India, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 23rd May, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Reference No. CGIT-4 of 1984

PRESENT:

Dr. Justice R. D. Tulpule Esqr., Presiding Officer.

PARTIES:

Employers in relation to Life Insurance Corporation of India, Bombay-21.

AND

Their workmen.

APPEARANCES:

For the employer.—Mr. P. R. Namjoshi, Advocate.

For the workmen.—Mr. M. P. More, Advocate.

1NDUSTRY: Insurance STATE: Maharashtra

Bombay, the 11th day of April, 1985

AWARD

This is a reference under Section 10 sub-section 1(d) of the Industrial Disputes Act, and is worded as under:—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Life Insurance Corporation of India at Bombay in not revising the daily rates (fixed in 1976) being paid to the Casual labours deployed by them for short duration is justified? If not, to what relief are the workmen entitled?"

- 2. The wording of the reference itself suggests and proceeds on the footing that the daily wages payable to casual labour deployed by the I ife Insurance Corporation for short duration have not been revised since they were fixed in 1976. The only question which the terms of the reference suggests requiring adjudication is whether this action is justified. The second circumstance which may be noticed is that the term casual labour has not been defined.
- 3. The parties have filed their statement of claim and written statement and also filed certain documents. Evidence was also led to show the practice and procedure for payment relating to casual labour in other similar industries in the region. At the end of the arguments and evidence, a consensus had emerged amongst the parties that the Life Insurance Corporation should pay the same wage as is paid by other similar organisations in the industry in the region, namely, nationalised banks and the Reserve Bank, where it is paid to such casual labour for short duration at the rate of 1 30th of gross pay of a workman in the same category at the minimum

- of the scale applicable to employees employed in the organisation on a regular basis. There was however, a contention raised on behalf of the union as to from what date effect should be given to this consensus. I would presently deal with that aspect of the matter, after briefly setting out the contentions of the parties.
- 4. For the workmen, the Western Zone Insurance Employees Association filed its statement of claim through its General Secretary. The statement of claim deals with many things which really are not necessary and relevant to the controversy referred. It points out that the Life Insurance Corporation of India has passed regulations called the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulations, 1960 which embodied the terms and conditions of service of the employees employed by the Corporation. The Regulations have not been produced by either parties to the case, and it is not clear whether the regulations themselves defined what it meant by 'casual labour'. On the other hand, the regulations apply to whole time employees of the Corporation, and permits a Managing Director, Executive Director (Personnel) a Zonal Manager or a Divisional Manager to "employ staff in classes III and IV on a temporary basis subject to such general or special directions as may be issued by the Chairman from time to time.
- 5. It then says that the Corporation has started employing casually at the corporation offices, calling them as casual labour, for shorter periods. They were engaged either for a few hours of a day, or for a day or engaged every day. They were engaged on an ad-hoc basis, their remuneration being monthly or hourly. Most of this employment was in class-IV category, such as sweepers, hamals, scavenzers, watchmen, liftmen or watchman. Circulars and directions were issued from time to time which govern the wages payable to these workmen for the part time employees. The statement itself goes to admit that their wages were revised from R. 65|- to Rs. 75|- per month per day's work in June, 1983.
- 6. According to the Association the reference covers part-time employees employed on a permanent basis, badli employees engaged during leave vacancics and also persons who were not in the hadli panels for temporary employment. According to the Association, all these persons are called casual labour by the Corporation. As I shall presently point out, the Corporation has not specified what is understood by it by 'Casual Labour' Their salary was initially, according to the Association, Rs. 50 to Rs 60 per month per hour's work each day. The daily rate sometimes came to Rs. 9 or Rs. 8. As pointed out carlier, they belong to the categories of sweepers, hamals, scavengers, watchmen liftmen or watermen, The contention of the Association is that differentiation of these workmen and payment of different scales and different ways to them is discriminatory and unfair. That the directions were to the effect that nobody should be allowed to work for more than 85 days in a year, the idea being that they should not be able to claim any right to absorption. The relief which was sought by the Association has been in para 36, which almost claims that they should be treated on par with the regular employees. It seeks that every allowance which is payable and

being paid to the permanent workman and every benefit as claimed by the Association, should be paid to such workmen. According to it, this is being done by the nationalised banks and should be done by the Life Insurance Corporation. They claim that this relief should be granted retrospectively from 1976. I may mention in this context that in para 17, the Association has clearly stated that it was only in July, 1982 that this question was taken by it with the Corporation. Conciliation proceedings were then taken up, ending in failure report in February, 1983.

- 7. Annexure-D produced alongwith the statement, however, indicates what was understood when the reference was made by the term 'casual labour'. That is the letter addressed to the union and the LIC, communicating the Government's decision to make the present reference. After the words casual labourers, the words "(temporary and part-time) and badli workers" were used. It would have been better if this clarification had itself appeared in the terms of reference.
- 8. The written statement of the Corporation has classified the casual labour into three categories. The first category is persons who are entrusted with some kind of responsible work, though temporarily casually against a permanent incumbent's absence. The other casually engaged workmen who are given routine nature of work such as watchman, and the third is the category which is engaged for an hour or so every day to perform such functions as sweeping floors etc. Such persons are not given the benefits which are given to the wholetime salaried employees, "but at the minimum of the scale of the post to which such temporary employment is made." In para 6 it sets out the revision made from time to time, that is, in 1978, 79, 81 and 83 lifting their wage from Rs. 30 to Rs. 75.
- 9. Directions contained in circular letters issued by the Corporation in this connection are produced. On behalf of the Corporation the union produced a chart showing what was paid to such workmen in nationalised banks and Reserve Bank of India, alongwith its list dated 4th January, 1985. That goes to show that the wages paid are much higher in Reserve Bank and some of the nationalised banks. This can be seen from the table showing wages paid to part-time workmen (sub-ordinate class-IV staff) on page 2 of the same chart what is paid to the workmen in the LIC is shown.
- 10. In view of what I have stated above, and in view of the consensus which emerged, it seems to met clear on the basis of the evidence which was led

- showing what is paid in comparable service industries, like Reserve Bank, nationalised banks, General Insurance Company, that such employees when engaged on a casual basis by the LIC should be paid gross wage then payable at the minimum to similar employee in the same category engaged on a whole-time basis by the LIC. An award will have to be made accordingly.
- 11. As regards retrospective effect and claim made by the Association in that behalf, it is quite clear that the terms of reference do not specifically say or require the Tribunal to decide from what date the workmen are entitled to the relief. It says merely, that if the LIC was not justified, "to what relief are the workmen entitled to". It was the intention to get an adjudication from the Tribunal as to the date from which in case of relief, such relief should be granted, the words from what date would have been added. It is difficult to think that in the terms of the reference, the retrospective aspect of the matter is included. The reason probably for not including this aspect was the difficulty in getting the details of these workmen who may have been engaged from time to time since 1976 to get the benefit thereon, and he circumstance that the demand itself was raised for the first time in 1982. Ordinarily, an award would operate from the date of reference, which I think would be appropriate and proper in this case. I do not think that I would be justified in back-dating the award, as the terms of the reference do not require me to consider that aspect of the matter specifically. I also do not think that retrospectivity from 1976 is impliedly contemplated, though the first part of the reference referred to the circumstance that the daily rates of wages of casual labour have not been received. I have already pointed out that according to the Corporation, there has been some revision from 1978. Similarly, the Association has also admitted that the rates have been revised from Rs. 65|- to Rs. 75|- in 1983. In the circumstances, the award will have to be made as follows.
- 12. The Life Insurance Corporation is not justified in not adequately revising the daily rates of wages paid to the casual labour. The LIC should from the date of this reference pay to those workmen who are engaged as casual labour at the rate of 1|30th of the gros, salary which is paid to a regular employee engaged as whole time employee Life Insurance Corporation at the minimum of the scale applicable to them. This should come into force from 18th of January, 1983, the date of the reference.

R D. TULPULE, Presiding Officer.
[No. L-17011(2):83-D.IV(A)]
K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer.